Table of Contents

(Untitled)
प्रस्तावना
अध्याय 1
अध्याय दो
अध्याय 3
अध्याय 4
अध्याय 5
अध्याय 6
अध्याय 7
अध्याय 8
अध्याय 9
अध्याय 10
अध्याय 11
अध्याय 12
अध्याय 13
अध्याय 14
उपसंहार
sjeet
(Untitled)
अंतभाषण

Shattered past
बिखरा हुआ अतीत

Shattered past

बिखरा हुआ अतीत

बिखरा हुआ अतीत

(ड्रैगन ब्लड सीरीज़)

लिंडसे बुरोकर

कॉपीराइट © 2016 लिंडसे बुरोकर

प्रस्तावना

शैटर्ड पास्ट की कहानी मेरी ड्रैगन ब्लड की दुनिया में घटित होती है, जिसमें एक नई नायिका का परिचय कराया गया है और एक उग्र, रूखे और कभी-कभी (अक्सर) चिड़चिड़े सहायक पात्र को अपने साहसिक कारनामों में मुख्य भूमिका निभाने का मौका दिया गया है। कहानी में श्रृंखला की घटनाओं का संदर्भ है, लेकिन इसे आप अन्य कहानियों को पढ़े बिना भी समझ सकते हैं। इसे पढ़ने के लिए धन्यवाद, और साथ ही मेरे बीटा पाठकों, सारा एंगेलके, सिंडी विल्किंसन और रू सिल्वर को भी धन्यवाद, जिन्होंने थेरिक के चरित्र को बरकरार रखते हुए उसके वीर और थोड़े कम चिड़चिड़े पक्ष को उभारने में मेरी मदद की। मैं अपनी संपादक, शेली होलोवे और डेरेन्ज्ड डॉक्टर डिज़ाइन के कवर कलाकारों को भी इस श्रृंखला पर उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी।

अध्याय 1

प्रोफेसर लिलाह ज़िरकेंडर डेस्क के बीच से गुज़रते हुए छात्रों के सामने परीक्षा पत्र उल्टा करके रख रही थीं। छात्र कभी उन्हें संदेह भरी नज़रों से देख रहे थे तो कभी घड़ी को उत्सुकता से निहार रहे थे। वह छात्रों और उनकी गर्मियों की छुट्टियों के बीच खड़ी थीं। और हाँ, वे भी उनके और एक रोमांचक ग्रीष्मकालीन परियोजना के बीच खड़े थे।

"आपमें से जिन लोगों को अपने अकादमिक रिज्यूमे को बेहतर बनाने की जरूरत है - या अपनी डिग्री पूरी करने के लिए अतिरिक्त पाठ्यक्रम की जरूरत है - प्रोफेसर हायतार ने मुझे बताया है कि हमें अपने ग्रीष्मकालीन प्रोजेक्ट के लिए कुछ सहायकों की आवश्यकता होगी," लिलाह ने कहा।

"क्या आप फिर से फील्ड में जा रहे हैं, प्रोफेसर?" तीसरे वर्ष की छात्रा नताशी ने पूछा। वह उन कुछ छात्रों में से एक थी जिन्हें यह क्लास पसंद आ रही थी। उसने इसे विषय में रुचि के कारण लिया था, न कि केवल गणित की आवश्यकता पूरी करने के लिए, जबकि वास्तव में इसमें बहुत अधिक गणित की आवश्यकता नहीं थी। मानो गणित कोई ऐसी चीज हो जिससे दूर भागना चाहिए। उफ़!

"नहीं, यह परियोजना विज्ञान प्रयोगशाला में होगी।"

लिलाह ने स्विमिंग ट्रंक पहने और चप्पल लगाए उस लड़के को आखिरी परीक्षा दी, जिसने आखिरी निबंध प्रश्न का उत्तर चित्र के माध्यम से दिया था। अगर चित्र शारीरिक संरचना के हिसाब से सही होता, तो शायद वह उसे थोड़े अंक दे देती, लेकिन उसका ड्रैगन का कंकाल छिपकली के कंकाल जैसा लग रहा था, और उसमें जननांग भी बने हुए थे जो दोनों के लिए बिल्कुल अनुपयुक्त थे।

"इस साल हमारी सरकार से मिलने वाली अधिकांश धनराशि सैन्य उपयोग के लिए निकाल ली गई," जब नताशी का चेहरा निराशा से उतर गया तो लिलाह ने आगे कहा, "इसलिए हम यात्रा से संबंधित किसी भी परियोजना का खर्च वहन नहीं कर सकते।"

लिलाह को भी यह खबर निराशाजनक लगी, क्योंकि उसे कैंपस से बाहर जाकर हर साल छुट्टियां बिताना अच्छा लगता था, लेकिन बिना छात्रों को पढ़ाए एक शांत गर्मी बिताना भी उसे अच्छा लगता। उसने मन ही मन उम्मीद की कि कोई भी अतिरिक्त क्रेडिट के उसके प्रस्ताव को स्वीकार न करे। ऐसा नहीं था कि उसे बच्चे पसंद नहीं थे, लेकिन पढ़ाना उसे तनाव देता था। लोगों, खासकर युवाओं से निपटने की तुलना में शोध करना कहीं अधिक आकर्षक था। वे तो बिल्कुल नए थे। और बहुत ज्यादा बोलने वाले। कौन उन्हें समझ सकता है और उनकी संगति का आनंद ले सकता है? उसे तो जीवाश्म ज़्यादा पसंद थे।

"हम प्रयोगशाला में एक गहन सूचीकरण परियोजना शुरू करेंगे। पिछले ग्रीष्मकाल में सुंदरन हिमक्षेत्र में खोजे गए सभी जीवाश्मों का अध्ययन किया जाना है और इस शरद ऋतु में संग्रहालय प्रदर्शनी के लिए उन्हें चिह्नित किया जाना है।"

"ड्रैगन के जीवाश्म?" चित्रकारी का शौक रखने वाले छात्र ने पूछा, उसकी निगाहें खिड़की से

हटकर एक दुर्लभ क्षण के लिए लिलाह के चेहरे पर टिक गईं और दोनों की निगाहें मिलीं।

"यह ग्लोफोप्टेरिस रगोनिआना नमूनों का एक आश्चर्यजनक रूप से संपूर्ण संग्रह है।"

"ग्लोफ-क्या?"

उसके पीछे खड़े छात्र ने उसकी पीठ पर थप्पड़ मारा। "पौधे, बेवकूफ। ये परीक्षा में आया था।"

"ठीक कहें तो, फर्न," लिलाह ने कहा। "तीन मिलियन साल से भी पहले के विशाल फर्न। इस्कंदोथ कभी एक शानदार उष्णकटिबंधीय स्वर्ग हुआ करता था।"

कई लोगों के कंधे झुक गए। लिलाह ने माना कि संग्रहालय में फर्न के जीवाश्म उतने नहीं हैं जितने ड्रैगन की हड्डियाँ हैं, लेकिन उनका अध्ययन करके बहुत कुछ सीखा जा सकता है। और ड्रैगन तो वाकई पेचीदा थे। उन्होंने अपने जीवन के दस साल उनके पूर्वजों की पहचान करने में लगा दिए थे ताकि कोई उनके वंशानुक्रम वृक्ष को एक सार्थक तरीके से पूरा कर सके। अफसोस, उन्हें कभी भी वह लुप्त कड़ी नहीं मिली। पौधे इतने रहस्यमय साबित नहीं हुए, क्योंकि उनके जीवाश्म कहीं अधिक आसानी से मिल जाते थे।

हॉलवे से चीख-पुकार, जयकारे और पैरों की धमक सुनाई दे रही थी, मानो कोई दयालु प्रोफेसर अपनी कक्षा को जल्दी छुट्टी दे रहा हो। आम तौर पर, लिलाह ऐसा करना पसंद नहीं करती, लेकिन जब दो दर्जन उम्मीद भरी निगाहें उसकी ओर घूमीं, तो उसने आह भरी और मान गई—वैसे भी, उन विचलित दिमागों को आज उसकी कोई बात समझ में नहीं आने वाली थी।

"अगर आपको गर्मियों के काम में या पतझड़ में मेरी पेलियोबोटनी क्लास में दिलचस्पी है, तो आप क्लास के बाद मुझसे मिल सकते हैं," लिलाह ने कहा और दरवाजे की ओर इशारा किया। "जाओ। मज़े करो—"

किताबों के पटकने, कपड़ों की सरसराहट और सामूहिक पलायन के शोर में उसके बाकी शब्द दब गए। लिलाह ने अपना हाथ नीचे किया और अपनी डेस्क की ओर चल पड़ी। उन्हें अपनी जवानी का आनंद लेने दो। उसने शोरगुल वाले छात्रों से काफी हद तक मुक्त परिसर के एकांत का आनंद लेने की योजना बनाई थी।

"प्रोफेसर ज़िरकेंडर?" नताशी ने पूछा। वह कमरे में अकेली छात्रा बची थी, और किताबों को सीने से लगाए हुए और झिझकते हुए मुस्कुराते हुए वह अजीब तरह से घबराई हुई लग रही थी।

"जी हाँ? क्या आपको कैटलॉगिंग प्रोजेक्ट में दिलचस्पी है?" लिलाह को नताशी बाकी छात्रों से ज़्यादा पसंद थी। वह मन लगाकर पढ़ाई करती थी, अपने पेपर्स में अच्छे नंबर लाती थी और इस क्षेत्र में उसकी सच्ची रुचि थी। वह पढ़ाई के लिए उपयुक्त कपड़े भी पहनती थी, आजकल चलन में आए स्विमिंग ट्रंक्स और सैंडल के फैशन से दूर रहती थी।

"हो सकता है, महोदया, लेकिन मैं यह भी सोच रहा था... उह, आप पायलट जनरल ज़िरकेंडर से संबंधित हैं, है ना?"

"वह मेरा चचेरा भाई है," लिलाह ने संशय से कहा, उसे अंदाज़ा था कि बातचीत किस ओर जा रही है। उसे महीने में कम से कम एक बार ऐसे सवालों का सामना करना पड़ता था। और हफ़्ते में कई बार, जब अख़बार में वुल्फ स्क्वाड्रन द्वारा तट के किनारे कोफ़ाह के किसी हमले को नाकाम करने की खबर छपती थी। "मैं उसे अच्छी तरह नहीं जानती," उसने उत्तर की ओर इशारा करते हुए

कहा। जहाँ पायलट तैनात थे, वह राजधानी तट से दो सौ मील से भी ज़्यादा दूर थी।

"आप उनसे मिलने नहीं जाते?"

"मैं ऐसा क्यों करूंगा? मुझे राजधानी से कुछ भी नहीं चाहिए। मेरे पास इतनी दूर यात्रा करने के लिए घोड़ा भी नहीं है।"

"लेकिन वो तो जनरल ज़िरकंदर हैं!" नताशी ने स्वप्निल भाव से कहा, जिससे ऐसा लग रहा था कि उसने शायद अपनी नोटबुक में उनकी कुछ अखबारों की कतरनें रखी होंगी, जिनमें उनके चेहरे के चारों ओर दिल बने हुए होंगे।

मैं कल्पना भी नहीं कर सकता कि हम किस बारे में बात करेंगे।

लिलाह को रिज अच्छी तरह याद था—अपने माता-पिता के अटपटे नामों के शौक के कारण उसका नाम रिजवॉकर था—कि कैसे वो बचपन में होने वाले उन भयानक पारिवारिक समारोहों में से एक में दूसरे बच्चों के साथ खेलने के बजाय किताबें पढ़ने पर उसे चिढ़ाता था। वह इकलौता बच्चा था और हम उम्र बच्चों के साथ दौड़-भाग कर, बेवकूफों की तरह गेंदें फेंकने में उसे बहुत मज़ा आता था। लिलाह, जिसके तीन बड़े भाई थे, भाई-बहनों और खेलने के साथियों के विचार से उतनी प्रभावित नहीं थी।

"ओह।" नताशी ने अपने होंठ दबाए। "अच्छा, उह, अगर आपको उनसे मुलाकात हो जाए तो क्या आप मेरे लिए उनका ऑटोग्राफ ले सकती हैं?"

लिलाह ने अपनी आँखें घुमाने से खुद को रोका। वह अब सैंतीस साल की हो चुकी थी। आँखें घुमाने के लिए वह बहुत परिपक्व थी। "अगर अगली बार जब मैं उससे मिलूँगी तब तक तुमने ग्रेजुएशन नहीं किया, तो मैं इसे ध्यान में रखूँगी।" पिछले साल उसे मिले पचास से ज़्यादा ऐसे ही अनुरोधों के साथ। कम से कम नताशा ने ब्रा निकालकर बेशर्मी से यह तो नहीं कहा कि रिज उस पर हस्ताक्षर करना चाहेगा।

दरवाजे पर किसी ने गला साफ किया। छोटे बालों वाला, दाढ़ी-मूंछ साफ किया हुआ एक आदमी सेना की वर्दी पहने हुए अंदर झुका और छात्र को देखकर फिर लिलाह की ओर देखा।

"प्रोफेसर ज़िरकेंडर?" उसने पूछा।

"जी?" लिलाह ने उस आदमी को अंदर आने का इशारा किया, हालाँकि वह समझ नहीं पा रही थी कि वह विज्ञान और इतिहास कॉलेज में क्यों आया होगा। कक्षाएँ? शहर से कुछ मील दूर एक छोटी नौसेना चौकी थी, जहाँ सैनिक समुद्री अभ्यास करने आते थे, लेकिन आमतौर पर उनके पास दाखिला लेने का समय या रुचि नहीं होती थी। "आप जनरल ज़िरकंदर के हस्ताक्षर भी तो नहीं चाहते?"

"उह, नहीं महोदया। मेरे पास वह पहले से ही है।" वह गलियारे से होते हुए उनकी डेस्क की ओर बढ़ते हुए एक बेज रंग का फोल्डर उठाया। कुछ कदम दूर रुककर उसने अपने हाथ और फोल्डर पीठ के पीछे बांध लिए और नताशा की ओर देखा। "मैं इंतज़ार कर सकता हूँ, लेकिन जब आपका काम खत्म हो जाए तो मुझे आपसे अकेले में बात करनी है, महोदया।"

उसने नताशी को सिर हिलाकर हल्की सी मुस्कान दी। वह उससे उम्र में ज़्यादा बड़ा नहीं था, और अपनी साफ-सुथरी, इस्त्री की हुई वर्दी और चमकीले जूतों में बेहद आकर्षक लग रहा था।

नताशी के लिए चालीस साल से ज़्यादा उम्र के किसी व्यक्ति की तस्वीरों को देखने के बजाय, उसे सपनों में खोकर देखना कहीं बेहतर होता।

“मैं तुम्हें ग्रीष्मकालीन परियोजना के बारे में संदेश भेजूंगा, नताशी।”

लिलाह ने सिर हिलाकर अपने छात्र को जाने का इशारा किया, वह उत्सुक थी कि इस सैनिक के फोल्डर में क्या है। उसका मन सेना के प्रति थोड़ा नकारात्मक था, खासकर इसलिए कि कॉलेज के फंड का इतना बड़ा हिस्सा हाल ही में सेना को मिल रहा था, लेकिन उसे यकीन था कि इस नौजवान का इससे कोई लेना-देना नहीं था। इसके अलावा, उसका चेहरा प्यारा था और उसे टाइम ट्रेक श्रृंखला के लेफ्टिनेंट बैकस्टोनिस की याद दिलाता था। उसने सोचा कि क्या उसके आगंतुक ने वे लोकप्रिय किताबें पढ़ी होंगी और वह इस संदर्भ को समझ पाएगा।

नताशी के जाते ही दरवाजा बंद करते हुए गायब होते ही, सैनिक ने फ़ोल्डर खोला। “मेरा नाम लेफ्टिनेंट स्लीपी है, महोदया। मैं टाइगर स्क्वाड्रन से हूँ, और मैं आपको राजधानी ले जाने के लिए यहाँ हूँ।”

"क्षमा?"

“माफ़ कीजिए, ये मेरा उपनाम है। आप चाहें तो मुझे लेफ्टिनेंट डेरकोनिथ कह सकते हैं। या झाव।” वह मुस्कुराया और उसकी गर्दन पर नज़र डाली, जहाँ उसने अभी भी अपने दिवंगत पति द्वारा दिया गया वादा वाला हार पहना हुआ था। कम से कम, उसे लगा कि वह वहीं देख रहा है। आख़िरकार, स्तन गर्दन से ज़्यादा दूर नहीं होते, और चाहे वह कितनी भी शालीन पोशाक पहने, बहुत से पुरुषों की निगाहें उसकी छाती पर ही टिक जाती थीं। कम से कम युवा पुरुष—छात्र और सैनिक दोनों—आमतौर पर इतने बदतमीज़ नहीं होते थे कि उसकी छाती को छुएँ, धक्का दें या ये सोचें कि वह छूने के लिए तैयार है। उसे पिछले कुछ वर्षों में कुछ प्रतिष्ठित प्रोफ़ेसरों पर गुस्सा करना पड़ा था और उसने एक मुश्किल महिला के रूप में अपनी पहचान बना ली थी। जब तक वे उसे शोध और शोध पत्र प्रकाशित करने देते, वे उसे जो चाहें बुला सकते थे।

"मेरी उलझन आपके नाम से नहीं, लेफ्टिनेंट, बल्कि इस बात से थी कि आपको लगता था कि आप मुझे कहीं ले जा रहे हैं।"

“ओह। जी हाँ, यही आदेश में लिखा है, महोदया। आपको कपड़े पैक करने और आवश्यक औजार व उपकरण इकट्ठा करने के लिए समय देना होगा।”

“आपकी उदारता तो देखिए। अगर मैं आपके साथ जाने से मना कर दूं तो क्या होगा?” लिलाह ने वह कागज़ ले लिया ताकि वह खुद देख सके कि यह सब किस बारे में है।

उन्होंने कहा कि आप ऐसा नहीं करेंगी, मैडम, खासकर इसलिए क्योंकि आज आपकी कक्षाएं समाप्त हो रही हैं।

“वह? जनरल ज़िरकेंडर?” लगभग पाँच वर्षों से जिस चचेरे भाई से उसने बात नहीं की थी, उसके बारे में इस तरह की धारणाएँ बनाने के विचार से वह चिढ़ गई।

"उह, राजा एंगुलस, महोदया।"

उसने पलकें झपकाईं और कागज़ पर टकटकी लगाकर नीचे दिए गए हस्ताक्षर को देखा। जनरल ज़िरकेंडर की बेतरतीब लिखावट तो थी ही, साथ ही राजा एंगुलस मेसनवुड तृतीय ने भी

उस पृष्ठ पर हस्ताक्षर किए थे। उसके पेट में घबराहट होने लगी। राजा उससे क्या चाहते होंगे? वह उनसे कभी मिली नहीं थी और न ही कभी उनकी किसी सार्वजनिक भाषण के लिए राजधानी गई थी।

पूरा दस्तावेज़ पढ़ने से शायद मदद मिलेगी। उसने ऊपर से पढ़ना शुरू किया और रटते हुए खुद से कुछ बुदबुदाने लगी। "...आपकी उपस्थिति के लिए विनम्र निवेदन... ड्रैगन के जीवाश्म मिलने की आशंका... अति-गुप्त सुविधा... पता लगाएं कि हड्डियां असली हैं या नहीं, और अगर हैं, तो क्या उन्हें अध्ययन के लिए निकाला जाना चाहिए या विध्वंस जारी रखा जा सकता है।" उसने पायलट की ओर हैरानी से देखा। "विध्वंस?"

“मुझे इस सुविधा या विध्वंस के बारे में कुछ नहीं पता, महोदया। मैं तो बस आपको राजधानी तक छोड़ने आया हूँ।”

"क्या हड्डियाँ वहीं मिली थीं?"

नहीं, महोदया। लेकिन हम जनरल ज़िरकेंडर को वहीं से ले लेंगे। ओह, मुझे आपको गर्म कपड़े पैक करने के लिए कहने को कहा गया था।

लिलाह ने आंगन की ओर देखा, जिसके चारों ओर लैवेंडर की झाड़ियाँ लगी हुई थीं जो कई हफ्तों से खिल रही थीं। "पहाड़ों में कहीं?" उसने अनुमान लगाया।

पायलट ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैं तो बस एक लेफ्टिनेंट हूँ, महोदया। हमें ज़्यादा जानकारी नहीं दी जाती। मुझे लगता है कि जनरल आपको और ज़्यादा जानकारी देंगे। लेकिन मुझे इतना पता है कि अगर आपके पास कोई हथियार हैं, तो आप उन्हें भी साथ ले जाना चाहेंगी।"

“हथियार?” यह बात वैज्ञानिक महत्व के क्षेत्र में तोड़फोड़ की आशंका जितनी ही चिंताजनक थी। क्या वे ऐसी जगह जा रहे थे जहाँ जंगली जानवर समस्या पैदा कर सकते थे? उसके पास शिकार राइफलों का संग्रह तो था, लेकिन टैरिन के निधन के बाद से वह सफारी पर नहीं गई थी, इसलिए उसने वर्षों से उनका अभ्यास नहीं किया था। पोर्ट येनरेम की सड़कों पर गैंडों और जंगली जानवरों का उत्पात मचाना दुर्लभ था।

“क्या आपके पास कुछ है, महोदया? जनरल ने कहा कि वह एक अंगरक्षक भेजेंगे, लेकिन अगर आप एक पिस्तौल या कम से कम एक खंजर ले जाएं तो बुरा नहीं होगा। कहीं ऐसा न हो कि... खैर, मुझे यह पता नहीं होना चाहिए, लेकिन मैंने जनरल को यह कहते हुए सुना कि कर्नल थेरिक उस जगह के प्रभारी हैं जहां आप जा रही हैं।”

पायलट के नाम बोलने के तरीके से लिलाह को लगा कि वह इस नाम से परिचित होगी। वह कुछ ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण थेरिक नाम के लोगों को जानती थी, लेकिन इस नाम के किसी आधुनिक व्यक्ति से उसकी मुलाकात नहीं हुई थी। क्या यह कोई और सैनिक था जिसका ज़िक्र अक्सर अखबारों में होता था? अगर ऐसा था, तो उसे इसके बारे में पता नहीं होगा, क्योंकि उसे वर्तमान घटनाओं की तुलना में ऐतिहासिक ग्रंथों में ज़्यादा रुचि थी।

“मुझे पूरा यकीन है कि आप ठीक रहेंगी, महोदया। मुझे आपको डराने वाली कोई बात नहीं कहनी चाहिए थी। इसके अलावा, राजा ने कहा है कि वह आपको कुछ आदेश देंगे जिन्हें आपको अपने साथ ले जाना होगा, ऐसे आदेश जो यह सुनिश्चित करेंगे कि थेरिक आपके साथ विनम्रता से

पेश आए।"

क्या उस आदमी को किसी महिला के प्रति विनम्र होने के लिए मजबूर करना पड़ा? यह तो अच्छा संकेत नहीं था।

"क्या कर्नल थेरिक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जो शिक्षा जगत से आने वाले आगंतुकों के साथ सहयोग करने के लिए जाना जाता है?"

लेफ्टिनेंट ने अपना जबड़ा ऐसे रगड़ा, मानो किसी दर्दनाक मुक्के की याद आ रही हो। "मुझे लगता है कि वह शिक्षा जगत से आए आगंतुकों को खा जाएगा।"

• • • • •

कर्नल वैन थेरिक, मैग्रोथ क्रिस्टल माइंस के मुख्य द्वार से पाँच मील दूर एक पहाड़ी पगडंडी पर चौकी इंजीनियर, कैप्टन बोसमोंट के पीछे-पीछे चल रहे थे। यह पगडंडी गैल्मोक पर्वत के किनारे से गुजरते हुए वृक्ष रेखा से नीचे उतरती थी, जहाँ लगभग एक हज़ार अपराधी ऊर्जा क्रिस्टल और अन्य कलाकृतियों की खुदाई करते थे, जिन्हें सैकड़ों साल पहले चुड़ैलों ने पीछे छोड़ दिया था। वैन को चुड़ैलों से नफरत थी, कलाकृतियों से नफरत थी और इस काम से भी नफरत थी। वह कैप्टन को यह जासूसी अकेले करने दे सकते थे, लेकिन कमान की झंझटों से बचने का मौका उन्हें बुरा नहीं लगा। शायद उनका सामना भालू, भेड़ियों या किसी और ऐसे जानवर से हो जाए जिसे वह बेरहमी से मार सकें।

"हम लगभग पहुँच ही गए हैं, महोदय।" बोसमोंट ने सावधानी से अपने कंधे के ऊपर से देखा, इतने बड़े आदमी के चेहरे पर चिंता का भाव लगभग हास्यास्पद था। बोसमोंट शायद वैन की तरह मांसपेशियों वाला और चौड़े कंधों वाला न हो, लेकिन अपने मजबूत जबड़े के साथ, वह कई मुक्कों का सामना कर सकता है।

वैन ने धीमी सी आवाज में जवाब दिया। इससे बोसमोंट को कोई तसल्ली नहीं मिली, क्योंकि उसने frowning करते हुए अपनी गति बढ़ा दी।

क्या उसे लगा कि अगर उसने तय समय से ज़्यादा लंबी पैदल यात्रा की तो वैन उसे पीट देगा? नहीं, आम तौर पर वैन दूसरे अधिकारियों को सिर्फ़ मुक्केबाज़ी के मैदान और कुश्ती के मैट पर ही पीटता था। ऐसी गतिविधियों के लिए ये बिल्कुल सही जगहें थीं। अब उसने अपने कंधे उचकाए और सोचने लगा कि क्या वह कुछ दूसरे अधिकारियों को बाद में अभ्यास सत्र के लिए मना सकता है। यहाँ कुछ सक्षम पैदल सैनिक थे जिनके साथ वह अभ्यास करता था, लेकिन उसे असली लड़ाई की चुनौती की कमी खल रही थी। उसे ऐसा कुछ देखे महीनों हो गए थे।

"मेरे साथ यहाँ आने के लिए धन्यवाद, महोदय," बोसमोंट ने मोड़ मुड़ते हुए कहा। ऊपर की चट्टानी चोटियों से गिरी पथरीली चट्टानों से रास्ता बिखरा हुआ था। चलना बहुत मुश्किल था, लेकिन मौसम आखिरकार इतना गर्म हो गया था कि ज़्यादातर बर्फ पिघल गई थी, इसलिए संकरे रास्ते से फिसलकर गिरने और जान गंवाने का खतरा बहुत कम था। केवल चुड़ैलें ही सोच सकती थीं कि बर्फीली चोटियों के बीचोंबीच मुख्यालय बनाना अच्छा विचार है। कम से कम वे तो मर चुकी चुड़ैलें थीं, सबसे अच्छी किस्म की।

"मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि आपको जीवाश्मों और नए स्थान के बारे में सब कुछ

पता हो,'' बोसमोंट ने आगे कहा। ''मेरी जगह एक इंजीनियर को नियुक्त किया जाना है, लेकिन कौन जानता है कि सेना यहाँ किसे भेजेगी।''

"कोई दिमागी रूप से विक्षिप्त निकम्मा आदमी है," वैन ने बड़बड़ाया।

बोसमोंट उन गिने-चुने लोगों में से एक था जो यहाँ तैनात थे और जिनमें थोड़ी-बहुत समझदारी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी को घूंसा मारने के बाद उसे यह अवांछित ज़िम्मेदारी मिली थी। वैन यह बात समझ सकता था। वह कई ऐसे वरिष्ठ अधिकारियों से मिल चुका था जो घूंसे खाने के लायक थे।

''शायद ठीक ही होगा, महोदय। आशा है आपको कोई अच्छा व्यक्ति मिल जाएगा, लेकिन सबसे ज़्यादा मुझे यहाँ से जाने की खुशी है। दो हफ़्ते से भी कम समय बचा है।'' बोसमोंट अपनी मूर्खतापूर्ण मुस्कान छिपा नहीं सका, एक ऐसे व्यक्ति की मुस्कान जिसकी यहाँ सज़ा लगभग पूरी होने वाली थी। ड्रैगन के हमले के बाद उसकी सज़ा बढ़ा दी गई थी, क्योंकि पुनर्निर्माण में मदद के लिए उसकी ज़रूरत थी, लेकिन आखिरकार उसे गर्म जलवायु वाले स्थान पर जाने का आदेश मिल गया था।

वैन चाहता था कि उसे आदेश मिल जाए। लेकिन यह काम उसके लिए एक सजा जैसा था, उतना ही जितना उसके अधीन काम करने वालों के लिए था, और उसने अभी तक अपनी सजा पूरी नहीं की थी।

बोसमोंट ने कहा, "हो सकता है कि हड्डियों का कोई महत्व न हो, और जैसे ही कल राजा का जवाब लेकर आपूर्ति जहाज आएगा, आप खुदाई शुरू कर सकेंगे। हो सकता है कि राजा पुरानी रेफेरातु गढ़ और उसके अंदर मौजूद सभी कलाकृतियों तक आसानी से पहुँचने के लिए हड्डियों को बलिदान करना उचित समझे।"

''अगर आपने अपनी रिपोर्ट में इनका ज़िक्र न किया होता, तो हम अभी इन्हें उड़ा रहे होते,'' वैन ने कहा। भला किसे परवाह थी कि उन्हें पुराने अजगर की हड्डियाँ मिली थीं? राजधानी के संग्रहालयों में तो पहले से ही ऐसी बहुत सी हड्डियाँ मौजूद थीं।

उसने अपना सिर पेड़ों की ओर घुमाया और देखा कि पक्षियों का चहचहाना बंद हो गया था।

"मुझे नहीं लगता कि आपको जीवाश्मों को उड़ाना चाहिए, महोदय। पुरातत्वविद इस पर आपत्ति जताते हैं।"

''यहाँ कोई पुरातत्वविद नहीं हैं, और अगर राजा समझदार है, तो वह किसी को भेजेगा भी नहीं। हड्डियाँ बेकार हैं। लेकिन सैन्य मशीनों को शक्ति प्रदान करने वाली कलाकृतियाँ बेकार नहीं हैं।''

जी हाँ, महोदय। हम देखेंगे कि क्या होता है—''

वैन ने बोसमोंट का कंधा पकड़कर उसे बीच वाक्य में ही रोक दिया। उसे आगे कहीं से हल्की सी खरोंचने की आवाज़ सुनाई दी थी। क्या कोई जानवर चट्टानों को हिला रहा था? उसने चुप रहने का संकेत देते हुए मुट्ठी बनाई।

बोसमोंट ने बोलना बंद कर दिया और अपना कान पगडंडी की ओर किया। और भी खरोंचने की आवाज़ें सुनाई दीं। यह किसी जानवर की आवाज़ नहीं थी। शोर नियमित और लयबद्ध था, जैसे

कोई पत्थर तराश रहा हो।

"क्या तुमने यहाँ किसी आदमी को छोड़ा है?" वैन ने धीरे से कहा।

"नहीं, महोदय। मैं आगे की छानबीन करने से पहले राजधानी से रिपोर्ट का इंतजार कर रहा था।"

वैन ने अपनी राइफल कंधे से उतारी और कप्तान को आगे बढ़ने का इशारा किया। पगडंडी चौड़ी नहीं थी, इसलिए बोसमोंट को उसे रास्ता देने के लिए एक तरफ हटना पड़ा, और ऐसा करते समय उसके जूते पत्थरों पर रगड़ खाए और एक छोटा पत्थर फिसलकर ढलान पर लुढ़क गया। वैन ने उसे घूरकर देखा और दूसरा इशारा करते हुए ज़मीन की ओर इशारा किया, ताकि वह वहीं रुक जाए और उसका पीछा न करे। क्या पता कोफा ने चौकी की जासूसी करने या कुछ कलाकृतियाँ चुराने के लिए एक और घुसपैठ दल भेज दिया हो? ऐसा पहले भी हो चुका था, वैन की यहाँ तैनाती से पहले।

दुश्मनों का सामना करने के ख्याल से ही उसके शरीर में रोमांच दौड़ गया, असली दुश्मनों का। एक सच्चा खतरा, न कि जिम में उसे चुनौती देने वाले मुट्ठी भर सैनिक।

वैन पगडंडी पर धीरे-धीरे आगे बढ़ा, उसके बूट ढीली चट्टानों पर बिना आवाज़ किए चल रहे थे। उसे इसी काम के लिए प्रशिक्षित किया गया था। एक पूर्व कमांडर ने उसे 'मौत का पहरा' कहा था। उसे यह नाम पसंद आया था, क्योंकि उसे लगता था कि यह उस पर खूब जँचता है। लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पसंद नहीं था कि वह दुश्मन के इलाके से हज़ार मील दूर एक दूरस्थ चौकी में बैठकर डेस्क पर कलाकृतियों की सूची बनाए।

आगे जो भी था उसने बोसमोंट के पत्थर पर लात मारने की आवाज़ नहीं सुनी होगी, क्योंकि खरोंचें लगातार आती रहीं। जब ज़मीन थोड़ी समतल हुई, तो वैन पगडंडी से हट गया ताकि वह अप्रत्याशित दिशा से आ सके। वह सदाबहार पेड़ों के बीच से धीरे-धीरे, पैर की उंगलियों को पहले रखते हुए, सरकते हुए निकला, अपने विशाल आकार के बावजूद चीड़ की पत्तियों और पत्थरों को लगभग हिलाए बिना।

पहला आदमी नज़र आया, जिसकी दाढ़ी बिखरी हुई थी और कपड़े भी उससे भी ज़्यादा फटे-पुराने थे - फटी हुई फलालैन और दागदार चमड़े के। उसने अपनी बाहों में एक शिकार राइफल पकड़ी हुई थी और उसी बकरी के रास्ते की ओर देख रहा था जिस पर बोसमोंट वैन को ले जा रहा था। उस आदमी से लगभग पचास मीटर और कुछ दर्जन पेड़ों के पीछे, उसी तरह के कपड़े पहने पुरुषों और महिलाओं की एक टीम एक चट्टान को काट रही थी।

बोसमोंट की टीम द्वारा सप्ताह की शुरुआत में लाए गए भाप से चलने वाले खनन उपकरण अभी भी वहीं पड़े थे, तिरपाल से ढके होने के कारण बारिश से सुरक्षित थे। जाहिर है, भावी खनिकों की दिलचस्पी उपकरणों से ज़्यादा ज़मीन के अंदर छिपी चीज़ों में थी। क्या वे बोसमोंट की ड्रैगन की हड्डियाँ ढूंढ रहे थे? या घुसपैठियों ने सुना था कि पहाड़ के अंदर शक्ति के क्रिस्टल मिल सकते हैं? एक पेड़ के पीछे से वैन यह नहीं बता सका कि वे क्या खोज रहे थे, लेकिन उन्होंने एक चट्टान में सुरंग खोद ली थी, या शायद बोसमोंट ने हड्डियाँ मिलने से पहले ही सुरंग खोदनी शुरू कर दी थी।

उस धुंधले गलियारे से और भी खरोंचने और गुर्राने की आवाज़ें आ रही थीं, इसलिए वैन चोरों

की सही संख्या का पता नहीं लगा सका। उसे बस इतना पता था कि ये लोग सेना के अधिकार क्षेत्र वाली ज़मीन पर अवैध रूप से घुसपैठ कर रहे थे।

दुर्भाग्य से, कई दिनों की धूल के नीचे, उनके सुनहरे या भूरे बाल और पीली त्वचा थी जो इस्कंदियों में आम है, इसलिए उसे शक था कि ये कोई कोफाह आक्रमण दल है। अगर होता, तो वह घुसपैठियों को सीधे मार सकता था। नहीं, ये शायद अवसरवादी थे। चोर। वैन से उम्मीद की जा सकती थी कि वह उन्हें हिरासत में ले ले, या बस उन्हें डराकर भगा दे, क्योंकि यह उनका पहला अपराध था। शायद उसकी किस्मत अच्छी रही और वे मुकाबला करें।

उसे यह विचार अच्छा लगा और उसने उनके अवैध शिविर के आसपास मौजूद हथियारों को गिना। वहाँ कई राइफलें थीं, लेकिन कोई भी राइफल काम करने वाले लोगों के हाथ की पहुँच में नहीं थी। कुछ चोरों ने अपनी कमर पर म्यान में चाकू रखे हुए थे, लेकिन उनमें से अधिकांश के पास केवल वे औजार थे जिनका वे उपयोग कर रहे थे।

वैन पेड़ों के बीच से होते हुए उस आदमी की ओर बढ़ा जिसे पहरेदार के तौर पर तैनात किया गया था। वह बाकी लोगों से इतनी दूरी पर था कि वैन को लगा कि वह शिविर को सतर्क किए बिना उसे काबू में कर सकता है।

जैसे ही वह पास आया, उस आदमी ने बकरियों के रास्ते की ओर देखते हुए भौंहें चढ़ाईं और एक कदम आगे बढ़ाया, उसकी उंगली राइफल के ट्रिगर पर टिकी हुई थी। क्या वैन के रुकने के आदेश के बावजूद बोसमोंट आगे बढ़ गया था?

गले के पिछले हिस्से में दबी हुई गुर्राहट के साथ, वैन ने अपनी गति तेज कर दी। उस आदमी ने अपनी राइफल उठाई और बट को अपने कंधे पर टिका दिया। वैन अपने लक्ष्य से थोड़ा पीछे एक पेड़ के पीछे से झपटा। गार्ड ने उसे अपनी तिरछी दृष्टि से देखते हुए मुड़ना शुरू किया, लेकिन वैन ने पहले ही हमला कर दिया, एक हाथ से अपने प्रतिद्वंद्वी की गर्दन पकड़ ली और दूसरे हाथ से उसका मुंह दबा दिया। वहां से वह आसानी से गार्ड की गर्दन तोड़ सकता था। उसके मन में एक लालच कौंधा, साथ ही वह रोमांच और शक्ति का अहसास भी हुआ जो उसे हमेशा ऐसी स्थितियों में महसूस होता था, लेकिन उसने खुद को याद दिलाया कि यह कोई कोफा सैनिक नहीं था। यह कोई इस्कंदी चोर था। यह जानकर निराश होकर कि यह कोई असली लड़ाई नहीं थी, उसने उस आदमी का चेहरा पास के पेड़ पर इतनी जोर से पटका कि वह बेहोश न हो, बल्कि कुछ देर के लिए अचेत हो गया। जैसे ही चोर जमीन पर गिरा, वैन ने अपनी राइफल उठाई और उस आदमी की बेल्ट से खंजर निकाल लिया।

उसने पगडंडी पर नज़र डाली और बोसमोंट को एक पेड़ के पीछे छिपा हुआ देखा, और लगभग उपहास किया। इंजीनियर दिखने में तो सख्त लग सकता था, लेकिन वह लगभग खुद को मौत के मुंह में धकेल चुका था। कुलीन बलों के लिए प्रशिक्षित न हुए अधिकांश सैनिकों की तरह, बोसमोंट की फुर्ती हाथी जैसी थी।

वैन ने अपनी नई राइफल कंधे पर टांग ली। उसने लगभग खंजर को पहाड़ की ढलान पर फेंक ही दिया था, लेकिन फेंकने के लिए उसका वज़न ठीक था। उसने उसे अपने पास ही रखा और पेड़ों के बीच वापस जाते हुए उसे कुछ बार पलटा। खरोंचने की आवाज़ें बंद हो गई थीं, इसलिए उसने

पगडंडी से नीचे जाने के बजाय एक ऐसा रास्ता चुना जिससे वह छिपा रह सके। उसे चोर का चेहरा पेड़ से नहीं टकराना चाहिए था। उससे शोर होता। गला घोंटना ज़्यादा समझदारी भरा कदम होता, लेकिन वह जल्दबाज़ी में था। और हमेशा की तरह, वह अपने अंदर सुलग रहे उस शांत गुस्से को पूरी तरह से काबू नहीं कर पा रहा था, जो हमेशा उसे संयमित विकल्प के बजाय हिंसक विकल्प चुनने के लिए उकसाता था। जवानी में वह गुस्सा कहीं ज़्यादा भयानक था, लेकिन चालीस की उम्र में भी वह उस पर हावी था।

छेनी लिए दो आदमी काम रोककर आपस में कुछ बुदबुदा रहे थे। सुरंग से धमाकों, धमाकों और आवाजों की आवाजें आ रही थीं। पहली बार वैन ने वह चीज देखी जिसकी वजह से बोसमोंट ने पहाड़ के इस तरफ एक नई खदान बनाने की अपनी योजना रोक दी थी। एक विशाल खोपड़ी, टूटी हुई लेकिन फिर भी पहचानी जा सकने वाली, फीकी चट्टान में धंसी हुई थी, जिसका जबड़ा सुरंग के ऊपर लटका हुआ था। छोटी हड्डियों का एक ढेर निकाला गया था और पास ही एक कैनवास के तिरपाल पर पड़ा था। अगर बोसमोंट ने उन हड्डियों को नहीं हटाया होता, तो चोर शायद शक्ति क्रिस्टल के बजाय जीवाश्मों के लिए यहाँ आए थे। यह एक छोटा अपराध था, लेकिन वैन उन्हें ऐसे ही जाने नहीं दे सकता था। यह राजा की भूमि थी, और वे उसके जीवाश्म थे।

सुरंग के नीचे ढलान पर अपनी जगह से, वैन अब अंदर मौजूद चोरों की गिनती कर सकता था। बाहर मौजूद दो लोगों के अलावा, एक और आदमी और दो औरतें अंदर काम कर रही थीं। उसने हमला करने का सोचा, सुरंग के बाहर मौजूद दोनों लोगों को उनके साथियों के बाहर आने से पहले ही बुरी तरह पीटने का, और फिर बाकी तीन लोगों से निपटने का। लेकिन वह पहले ही समझ चुका था कि ये योद्धा नहीं थे, और उसे शक था कि उन्हें डराने में ज्यादा मेहनत नहीं लगेगी। उन्हें डराना लड़ाई करने जितना आकर्षक नहीं था, लेकिन उसने अपनी हिंसक इच्छाओं को दबा लिया। फिर भी, वह चुपके से आगे बढ़ा, ताकि वह उन्हें चौंका सके और उनके द्वारा परेशानी पैदा करने की संभावना कम हो। उसने उनकी सबसे नज़दीकी दो राइफलें उठाईं, उन्हें पट्टियों से अपने कंधे पर टांग लिया और फिर लापरवाही से अपनी उपस्थिति का एहसास कराया।

"तुम राजा की ज़मीन पर अतिक्रमण कर रहे हो," वैन ने खड़े होकर कहा ताकि बोलते समय सभी चोर उस पर नज़र रख सकें। "अभी चले जाओ, वरना मैं तुम्हें गोली मार दूंगा।" उसने अपनी आवाज़ में छिपे उस लहजे को छिपाने की कोशिश भी नहीं की जिससे यह ज़ाहिर होता था कि उसे गोली मारने में कोई आपत्ति नहीं होगी।

बाहर खड़े दोनों आदमी उसकी ओर मुड़े—वे अपने चौकीदार की ओर देख रहे थे और वैन को देखकर अवाक रह गए। सुरंग के अंदर की आवाजें थम गईं।

"राजा की भूमि?" दाढ़ी में सफ़ेद बाल लिए एक व्यक्ति ने पूछा, और अपनी राइफल को जिस बैग में रखा था, उसकी ओर इशारा किया। "यहाँ तो कोई निशान नहीं हैं।"

वैन ने राइफल लहराते हुए ज़ोर देकर कहा कि वह उसके पास है। "इस्कैंडिया की सारी ज़मीन या तो निजी स्वामित्व वाली है या राजा की। किसी भी हालत में तुम्हें यहाँ से सामान चुराने का अधिकार नहीं है।"

उस अधेड़ उम्र के आदमी के बगल में खड़ा हट्टा-कट्टा आदमी अपना हाथ कमर पर ले गया,

जहाँ चमड़े की म्यान में रखी चाकू की मूठ थी। उसने चाकू को पकड़े हुए बटन को झटका दिया और उसे ढीला कर दिया। वैन के शरीर में एक जानी-पहचानी बेचैनी दौड़ गई, मानो बिजली सी दौड़ गई हो। क्या ये मूर्ख उस पर हमला करेंगे? उसने उनकी वर्दी पहनी हुई थी और उनके लगभग सारे हथियार उसके पास थे। उससे पंगा लेना उनकी मूर्खता होगी।

“नहीं, ब्रिक,” बूढ़े आदमी ने चेतावनी दी। “हम किसी सैनिक पर हमला नहीं कर रहे हैं।” अधेड़ उम्र के आदमी ने वैन को सिर हिलाकर सहमति दी। “हमें नहीं पता था कि हम यहाँ नहीं देख सकते। हम अपना सामान लेकर चले जाएंगे। डेलमा, सानिकर, मायला, हम जा रहे हैं। बाहर आ जाओ।”

उन्हें पता नहीं था। बिल्कुल, उन्हें पता नहीं था। इसीलिए तो उन्होंने सुरक्षा घेरा बनाया था, क्योंकि वे स्पष्ट रूप से निर्दोष थे।

"हड्डियों को यहीं छोड़ दो," वैन ने कहा।

“ये तो हमारे हैं,” उस हट्टे-कट्टे आदमी ने गुस्से से लाल होते हुए कहा। “हमने पिछले हफ्ते भर इन्हें रखा था—”

“चुप रहो।” उसके बड़े साथी ने उसकी बांह पर हाथ रखकर उसे चुप करा दिया।

वैन ने कहा, "ये राजा की हड्डियाँ हैं, और यह उसका पहाड़ है।"

सच तो यह है कि अगर कोई कुछ पुरानी हड्डियाँ लेकर चला जाए तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा —वे पहाड़ के अंदर गहराई में मौजूद क्रिस्टलों जितनी कीमती नहीं थीं—लेकिन वह इस चौकी और इस पहाड़ की गोपनीयता की रक्षा के लिए यहाँ था, और उसे खजाने की खोज करने वालों की ज़रूरत नहीं थी जो दुनिया को यहाँ मिली सभी कीमती चीजों के बारे में बता दें।

"मैंने दूसरे आदमी को बांध दिया," बोसमोंट ने अपनी राइफल हाथ में लिए हुए सामने आते हुए कहा।

“अच्छा,” वैन ने कहा। “इन आदमियों को भी बांध दो। लगता है ये खुद को कानून से ऊपर समझते हैं।”

"डेल्मा," नेता ने कहा, यह नाम लगभग एक आदेश जैसा लग रहा था।

उसका साथी—जिसे वह ब्रिक कहता था—ने सुरंग के मुहाने से कुछ निकलते देख अपनी छुरी निकाल ली। डायनामाइट। वैन ने शस्त्रागार में भूरे रंग के सिलेंडरों को इतना देखा था कि वह उसे तुरंत पहचान गया। उसने अपनी ज़ब्त की हुई छुरी उस पर फेंकी और किनारे की ओर भागा। उसे अपने निशाने पर भरोसा था, लेकिन उसे नहीं पता था कि डायनामाइट पर वार करने से वह इतना हट पाएगा कि उसकी रक्षा हो सके।

ब्रिक सीधे ढलान से नीचे उसकी ओर झपटा, उसके हाथ में खंजर था। वैन उसे गोली मार सकता था, लेकिन उसने अपनी चुराई हुई राइफलों में से एक को लाठी में बदल दिया। जैसे ही डायनामाइट की छड़ी चट्टानों में गिरी, उसने लाठी के बट से चोर के पेट पर वार करने का नाटक किया, फिर हमले की दिशा बदलकर उसे ऊपर की ओर घुमाते हुए ठोड़ी के नीचे वार किया। उसका प्रतिद्वंद्वी हवा में उछल गया, पीठ के बल गिरा और चाकू लेकर वैन तक पहुँचने का कोई मौका नहीं मिला।

ब्रिक के जमीन पर गिरते ही डायनामाइट का डंडा फट गया। धूल और पत्थर उड़कर छोटे-छोटे कणों में बदल गए। जमीन कांप उठी और पहाड़ की ढलान धुएं से भर गई।

गुफा के अंदर मौजूद चोर—दो औरतें और एक आदमी—धुएं का फायदा उठाकर गायब होने की कोशिश करने लगे। वे उस बकरी के रास्ते पर भाग निकले जो बोसमोंट के आने की दिशा के विपरीत था। धमाके की तेज आवाज ने दूसरी आवाज़ों को दबा दिया, लेकिन यह ज्यादा देर तक नहीं चला, और वैन ने लोगों के भागने पर पत्थरों को हिलते हुए सुना और देखा। केवल ब्रिक, जो अब बेहोश था, और वह बूढ़ा आदमी पीछे रह गए—डायनामाइट के फटने पर वह लड़खड़ाकर जमीन पर गिर गया था।

वैन ने घुटने टेककर भागते हुए चोरों पर गोली चलाने के बारे में सोचा, लेकिन डायनामाइट तो सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए था, हमला नहीं। इसके अलावा, उसे विश्वास था कि वह उन्हें पकड़ लेगा और गिरफ्तार कर लेगा, इसलिए वह उनके पीछे भागा। उसने अपनी नज़र के कोने से बोसमोंट को बूढ़े चोर की ओर बढ़ते देखा और सोचा कि कप्तान उसे संभाल लेगा।

वैन धुएं के बीच से तेज़ी से भागा, उसके लंबे, शक्तिशाली पैर किसी शिकारी कुत्ते की तरह अपने शिकार का पीछा करते हुए तेज़ी से चल रहे थे। वह हर सुबह दौड़ता था, और उसे शक था कि कोई भी चोर उससे ज़्यादा देर तक टिक पाएगा, लेकिन फिर भी वह मुस्कुराते हुए उनका पीछा करने लगा, मानो उसे यह साबित करने का मौका मिल गया हो।

धुएं से बाहर निकलने से पहले ही वह पीछे बैठी महिला के पास पहुँच गया। उसने उसका पैर पकड़कर उसे गिरा दिया। वह हांफते हुए गिर पड़ी। वैन बाकी दो चोरों का पीछा करता रहा और जल्द ही उन्हें पकड़ लिया। महिला ने उसका चेहरा देखते ही आत्मसमर्पण कर दिया। उस आदमी ने ज़्यादा संघर्ष किया, और वैन को कुल्हाड़ी से बचते हुए एक और चेहरा पेड़ से टकराना पड़ा। जल्द ही, वह तीनों लोगों को उनके साथियों के पास वापस ले जा रहा था।

"राजा के कानून के अनुसार, वर्दीधारी अधिकारी पर हमला करना अपराध है," उसने कहा और उन्हें बाकी दो चोरों के साथ एक ढेर में धकेल दिया। "शायद राजा की भूमि से ऐतिहासिक महत्व की कलाकृतियाँ चुराने से भी ज़्यादा गंभीर अपराध।" वैन का मन हुआ कि उन्हें वापस चौकी पर ले जाकर काम पर लगा दे, लेकिन वह यह नहीं भूल सका कि क्रिस्टल की खदानें एक अति-गुप्त सुविधा थीं। हो सकता है चोरों को पहले से ही इसके बारे में पता हो, लेकिन वह जोखिम नहीं ले सकता था। "मैं तुम्हें जाने दे रहा हूँ, लेकिन तुम्हारे सामान के साथ नहीं।" उसने छेनी, कुल्हाड़ी और डायनामाइट की ओर इशारा करते हुए कहा। "सब कुछ यहीं छोड़ दो और इस पहाड़ से नीचे उतर जाओ।"

चोर मन ही मन बड़बड़ाए, लेकिन किसी ने भी उनसे दोबारा झगड़ा नहीं किया।

"अगर मैंने तुम्हें दोबारा यहाँ पकड़ा तो मैं तुम्हें गोली मार दूँगा।" वैन के पास ऐसा करने का अधिकार नहीं था, और दो चोर डर के मारे उसे घूरने लगे। उसने उन्हें अपनी सबसे क्रूर मुस्कान दी और गुर्राते हुए कहा, "यह तो सिर्फ़ पेड़ ही जान सकते हैं।"

यह धमकी देने के बाद चोरों का गिरोह भाग निकला।

"ऐसा लग रहा था जैसे आपको हमला करवाना पसंद हो, महोदय," बोसमोंट ने जल्दबाजी में

पीछे हटते हुए देखकर टिप्पणी की।

“बिल्कुल। क्या आप ऐसा नहीं सोचते?”

"जब डायनामाइट शामिल हो तो नहीं।"

“डरपोक।”

बोसमोंट ने नाक सिकोड़ी और कैनवास के तिरपाल पर पड़ी हड्डियों के पास चला गया। "मुझे उम्मीद है कि ये जीवाश्म जब मिले थे तब टूटे हुए थे। मैं इसके लिए दोषी ठहराया जाना बिल्कुल नहीं चाहता।"

“किसके द्वारा?” वैन ने अपना हाथ जेब में डाला और उदासीनता से ढेर को देखा।

“मुझे नहीं पता। मुझे लगा था कि मुख्यालय से कोई वैज्ञानिक लोगों को इन्हें देखने के लिए भेजेगा, ऐसे वैज्ञानिक जो हमारी हड्डियाँ तुड़वाने पर हमें खरी-खोटी सुनाएँगे। आपको नहीं लगता कि वे यहाँ किसी आदमी की ड्यूटी बढ़ा देंगे?” उस आदमी के चेहरे पर गहरी निराशा के भाव उभर आए।

"ऐसा लग रहा है जैसे तुम डर के मारे पेशाब कर दोगे। जब उन्होंने डायनामाइट फेंका था तब तुम्हारे चेहरे पर ऐसा भाव नहीं था, है ना?"

“नहीं। क्योंकि उन्होंने इसे आप पर फेंका था, मुझ पर नहीं।” बोसमोंट ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी, लेकिन उसकी आँखों में उदासी छाई रही। “लेकिन, महोदय, मैं यहाँ एक साल से हूँ। एक साल से भी ज़्यादा, क्योंकि ड्रैगन द्वारा चौकी की आधी इमारतों को ध्वस्त कर दिए जाने के बाद इंजीनियरिंग के चमत्कारों की ज़रूरत पड़ी। मुझे नहीं पता आपने ध्यान दिया है या नहीं, लेकिन यहाँ कोई महिला सैनिक नहीं है। एक साल हो गया है जब से मुझे... अपने शरीर के निचले हिस्सों को हिलाने-डुलाने का मौका मिला है।”

“धत् तेरे की, बोसमोंट। मुझे तुम्हारे इलाकों के बारे में कुछ नहीं सुनना।” वैन तिरपाल की तरफ बढ़ा और रस्सी ढूंढी, ताकि वह कोनों को बांधकर जीवाश्मों को चौकी तक ले जा सके। “वैसे भी, यहाँ महिला कैदी हैं। मैंने सुना है कि अगर आप उन्हें बुलाते हैं, तो वे तुरंत आपके बिस्तर पर आ जाती हैं।”

"यहां की औरतें तो मर्दों से भी ज्यादा बदसूरत हैं।"

“एक साल बाद, क्या फर्क पड़ता है?” वैन को भी बाकी लोगों की तरह खूबसूरत महिलाओं की कमी खलती थी, लेकिन वो उस उम्र में पहुँच चुका था जहाँ कुछ महीने बिना सेक्स के रहना उसे मार नहीं डालता था। जब उसे ये ज़िम्मेदारी मिली थी, तब उसने ये उम्मीद नहीं की थी कि यहाँ उसे क्षेत्रीय स्तर पर सेक्स करने का कोई मौका मिलेगा, और उसे ये बात माननी ही पड़ी। उसने अपना भाग्य महीनों पहले ही चुन लिया था। उसे असल में इस बात का अफ़सोस था कि यहाँ तरक्की के कोई मौके नहीं थे। उसके पूरे कमांड चेन को शायद ये याद ही नहीं था कि वो कभी था, और कुछ गंदे चोरों को भगा देने से ये बात नहीं बदलेगी।

“अच्छा। थोड़ा-बहुत। अगर ज़्यादा शराब होती तो शायद इतना फ़र्क़ नहीं पड़ता। क्या आपको वाकई इन्हें छेड़ना चाहिए, महोदय? चोरों ने इन्हें पहले ही इनकी जगह से उखाड़ दिया है, ये काफ़ी बुरा है। मैं...” बोसमोंट ने अपनी गर्दन के पीछे हाथ फेरा और तिरपाल को संदेह भरी नज़रों से

देखा। हे भगवान! क्या वो हज़ार साल पुरानी हड्डियों से डरता था?

"हम उन्हें जहाँ भी रखेंगे, वे आराम से रहेंगे।"

“आपको नहीं लगता कि शायद... आह, छोड़िए, महोदय।” बोसमोंट ने पहाड़ के उखड़े हुए हिस्से को बेचैनी से देखा और ढीले पत्थरों पर अपना वजन बारी-बारी से बदलते हुए इधर-उधर देखने लगा। हवा का एक झोंका पेड़ों से गुजरा, डालियों को आपस में टकराया और वह चौंक गया।

और सोचो, बोसमोंट यहाँ उसके बेहतरीन अधिकारियों में से एक था। वैन ने कराहते हुए हड्डियों को अपने कंधे पर उठाया। वे उसकी उम्मीद से कहीं ज़्यादा भारी थीं, किसी उड़ने वाली चीज़ की हल्की खोखली हड्डियों के बजाय चट्टानों जैसी लग रही थीं। अगर कोई "वैज्ञानिक" (जैसा कि कप्तान ने उन्हें विद्वतापूर्वक कहा था) उनका अध्ययन करने नहीं आया, तो शायद वे मुख्यालय भवन में अच्छे पेपरवेट बन जाएँगी।

तिरपाल से एक टूटी हुई पसली की हड्डी फिसलकर उसके पैरों के पास गिर गई। आह भरते हुए उसने उसे उठाया और अपनी जेब में रख लिया। बोसमोंट इस लापरवाही को देखकर थोड़ा भयभीत हो गया।

“क्या, तुम्हें यही चाहिए था?” वैन ने मज़ाक करते हुए पूछा। “शायद तुम उन महिला कैदियों को अपनी खास हड्डी छूने का वादा करके अपने बिस्तर पर ला सकते हो।”

"यह तो बहुत बुरा हुआ, महोदय।"

“शायद हाँ। इसीलिए तो मेरी शादी नहीं हुई है।”

"बस एक ठो?"

“लगभग सात या आठ। मुझे याद है। मेरे पिछले प्रेमी ने मुझे एक सूची दी थी।” अगर वैन जनरल अरेलिया चैसन को प्रेमी के रूप में सोच पाता। शादीशुदा होने के बावजूद, उसने सोचा था कि अपने बूढ़े पति के साथ रातें बिताने के बजाय वह एक सुखद विकल्प होगा, और उसने भी... मुख्य रूप से इसलिए सोचा था कि वह एक वरिष्ठ अधिकारी को ठुकराने के परिणामों से निपटना नहीं चाहता था। इसके अलावा, उसने सोचा था कि पिछली सर्दियों में जब राजा का अपहरण हुआ था और शक उस पर गया था, तो उसे एक उच्च पदस्थ सहयोगी की ज़रूरत पड़ सकती है। अंत में, इस रिश्ते से उसे कोई खास मदद नहीं मिली, और अरेलिया उसे वश में करने की कोशिश में खुश होती रही, जैसा कि उसने एक टिप्पणी में कहा था जो उसने एक अन्य महिला अधिकारी से की थी और जिसे उसने सुन लिया था। यहाँ भेजे जाने का एक ही फायदा था कि वह अपने करियर पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों की चिंता किए बिना उससे बच निकला था। आखिरी बार उसने सुना था कि वह अब खुफिया विभाग के एक सुंदर मेजर को वश में कर रही थी।

"कम से कम जब ज़िरकेंडर यहाँ तैनात था, तो रात में उसके पैरों को गर्म रखने के लिए उसकी चुड़ैल तो थी," बोसमोंट ने आह भरते हुए कहा।

वैन के गले से गुर्राहट निकल गई इससे पहले कि वह उसे रोक पाता और खुद को याद दिला पाता कि वह कुत्ता नहीं है, भले ही वह अपने साथ हड्डियां लिए घूम रहा हो।

जैसे ही वे पगडंडी पर आगे बढ़ने लगे, बोसमोंट ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। "क्या यह ज़िरकेंडर के लिए था या उसकी महिला परिचित के लिए, महोदय?"

"उसका नाम लेना बंद करो।"

“आह, ज़िरकेंडर।”

वैन ने कप्तान को घूरकर देखा। “वह कमीना यहाँ कितने दिन के लिए कमांडिंग ऑफिसर रहा, एक महीना? खनिक सब उसकी पूजा करते हैं और पूछते हैं कि वह कब लौटेगा, और सैनिक भी उसके बारे में बात करते समय उसकी तारीफ करते हैं। इससे भी बुरा, खनिक मेरे दफ्तर में आकर छुट्टी मांगते हैं क्योंकि उसने कोई किताब पढ़ने का प्रोत्साहन कार्यक्रम शुरू किया था, जिसे वे बार-बार भूल जाते हैं कि मैंने तुरंत रद्द कर दिया था। ये लोग हत्यारे हैं जो फांसी या गोली मारे जाने से बचने के लिए यहाँ हैं। ये कोई विद्वान नहीं हैं जिन्हें हम नेतृत्व के लिए तैयार कर रहे हैं।”

बोसमोंट कुछ कहने ही वाला था, पर उसने सिर हिलाया और आगे-आगे चलने लगा। वैन ने आँखें सिकोड़ लीं, यह सोचते हुए कि कहीं कप्तान उसके बारे में कुछ बुरा तो नहीं सोच रहा। वैन जानता था कि उसके साथ काम करना आसान नहीं था। सच में, उसने कभी सोचा भी नहीं था कि उसे इतनी ऊँची पदोन्नति मिलेगी कि उसे इस तरह के नेतृत्व वाले पदों पर रहना पड़ेगा। लोगों के साथ काम करना उसकी खासियत नहीं थी। उन्हें मारना, यह तो उसके लिए बहुत आसान था। उसे लगता था कि लोगों को हत्यारा कहना उसका पाखंड था, जबकि खानों में काम करने वाले अपराधियों और उसके बीच सिर्फ़ वर्दी का ही फ़र्क था। उसने निजी तौर पर, भले ही सार्वजनिक रूप से नहीं, यह माना कि अगर उसके पारिवारिक संबंध न होते, तो शायद वह बीस साल पहले यहाँ एक अधिकारी की बजाय कैदी बनकर पहुँच गया होता। लेकिन वह बहुत पहले की बात थी। तब से उसने लड़ने के अपने जुनून का इस्तेमाल देश की भलाई के लिए किया था, और वह ऐसा करना जारी रखना चाहता था, भले ही यहाँ कोई उसे देखने वाला न हो। वैन इन पेपरवेट्स को व्यवस्थित करते समय खुद को याद दिलाता रहता था कि वह अपनी वर्दी और अपने पद का हकदार है, ताकि जो भी उन्हें देखने आए, वह उन्हें देख सके।

अध्याय दो

रनवे पर जूते रखते ही लिलाह ने अपने पैरों की लड़खड़ाहट को रोकने के लिए अपने घुटने जमा लिए। लेफ्टिनेंट स्लीपी ने उसे सहारा देने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने अपनी रीढ़ को अकड़ा लिया, इस बात से चिढ़ते हुए कि भले ही उसे सहारे की ज़रूरत थी, लेकिन वह खुद को सहारे की ज़रूरत में दिखा रही थी।

यह पहली बार था जब वह किसी हवाई जहाज में बैठी थी, और उसने गलती से उसके सवाल, "मैडम, क्या आप देखना चाहेंगी कि यह लड़की क्या कर सकती है?" के जवाब में "ज़रूर" कह दिया था। उसे उम्मीद नहीं थी कि इसमें उल्टा उड़ना या ऐसे बड़े-बड़े चक्कर लगाना शामिल होगा जिससे उसका पेट जूतों तक और फिर वापस गले तक आ जाएगा। पूरे समय उसे यही लग रहा था कि कमज़ोर हार्नेस टूट जाएगा और वह पाँच हज़ार फीट नीचे समुद्र में गिर जाएगी।

चारों ओर देखते हुए उसने कुछ गहरी साँसें लीं। उसके एक तरफ एक हैंगर ऊपर की ओर उठा हुआ था, और रनवे के अंत में एक चट्टान थी जहाँ से बंदरगाह और राजधानी दिखाई देती थी। अगर वह अपने पेट में हो रही बेचैनी को शांत करने की कोशिश न कर रही होती, तो यह नज़ारा बेहद खूबसूरत होता।

"स्लीपी, दक्षिण में तुम्हें क्या मिला?" एक जानी-पहचानी और हंसमुख आवाज सुनाई दी, हालांकि उसने यह आवाज कई सालों से नहीं सुनी थी।

लिलाह ने अपने पैरों को और भी मज़बूती से जमा लिया, ताकि उसका चचेरा भाई उसे लड़खड़ाते हुए न देख ले—या उसके जूतों पर उल्टी न कर दे। रिज ने सैन्य अकादमी में दाखिला लेने के बाद से उसे चिढ़ाना बंद कर दिया था, लेकिन जब भी वह कुछ ऐसा करती जिससे उसे याद आता कि उसे लोगों के बजाय किताबें और हड्डियाँ ज़्यादा आरामदायक लगती हैं, तो उसके होंठों पर वही शरारती मुस्कान आ जाती थी। उसके जूतों पर उल्टी करना भी इसी श्रेणी में आ सकता था।

“उसने कहा कि वह एक जीवाश्म विज्ञानी है, महोदय,” लेफ्टिनेंट ने शब्द का सावधानीपूर्वक उच्चारण करते हुए कहा, फिर फुसफुसाते हुए उससे पूछा, “क्या मैंने सही समझा, महोदया?”

"जी हां, क्या आपकी सैन्य अकादमी में विज्ञान नहीं पढ़ाया जाता? मुझे तो यही लगता था कि अधिकारियों को कॉलेज की डिग्री पूरी करनी होती है।"

"स्लीपी ने क्लास में झपकी लेने में महारत हासिल कर ली है," रिज ने लेफ्टिनेंट की पीठ पर थपथपाते हुए कहा।

"मैं उबाऊ कक्षाओं के दौरान बस झपकी लेता रहा, महोदय।"

रिज़ ने लिलाह को ऐसे आँख मारी मानो वे खून के रिश्ते से जुड़े न होकर पुराने दोस्त हों, जो कभी-कभार ही मिलते थे और जिनके बीच कोई समानता नहीं थी। यह वही आँख मारना और शरारती मुस्कान थी जो वह अक्सर अखबारों के फोटोग्राफरों को देता था। चूंकि उसके चेहरे पर परिवार के बाकी सदस्यों की झलक थी, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं थी कि उसके छात्रों ने उसकी तस्वीरें काट कर रख ली थीं, हालांकि उसके पेशे का भी इसमें कुछ योगदान जरूर था। भले

ही वह शायद किसी दफ्तर से आया हो, न कि विमान के विमान से, फिर भी उसने अपनी नियमित सेना की वर्दी के ऊपर चमड़े की फ्लाइट जैकेट पहनी हुई थी, जिस पर सीने से पिन और पदक लटक रहे थे। वह परिवार में इकलौता व्यक्ति था जिसने सेना को चुना था, और लिलाह को इन पदकों का मतलब बस थोड़ा-बहुत ही पता था। उसे रैंकों का क्रम सिर्फ इसलिए पता था क्योंकि उसने टाइम ट्रेक की किताबें कई बार पढ़ी थीं।

"कैसी हो लिला?" रिज़ आगे बढ़ा और लिला को गले लगा लिया, इससे पहले कि वह तय कर पाती कि चचेरे भाई-बहनों के लिए यह उचित अभिवादन है या नहीं। वैसे तो वह अपने भाइयों को भी ज़्यादातर गले नहीं लगाती थी, हालाँकि वे अक्सर शराब और सिगार के धुएँ से बदबू मारते थे, क्योंकि उन्हें अपने दिवंगत पिता से ये आदतें मिली थीं। कम से कम रिज़ से तो ऐसी कोई गंध नहीं आ रही थी, बस उसकी जैकेट के चमड़े की गंध आ रही थी। उसने लिला को कंधे पर हल्के से थपथपाकर छोड़ा, जो उसके लेफ्टिनेंट को दिए गए थप्पड़ से कहीं हल्का था। "आजकल सब ठीक चल रहा है?"

"सब ठीक चल रहा है, धन्यवाद।" वह जानती थी कि वह उसके पति और पिता की मृत्यु के बारे में सोच रहा है, लेकिन पाँच साल बीत चुके थे। अब वह रोज़ाना टैरिन के लिए शोक नहीं मनाती थी, हालाँकि जब वह लंबे समय के लिए काम से दूर रहती थी, तो कभी-कभी उसे अपने उस जीवन के बारे में, उन बच्चों के बारे में जो उसने सोचे थे कि उसके हो सकते हैं, शोक होता था। "और आप? आपका प्रमोशन हाल ही में हुआ है, है ना? क्या आप मेरी बधाई स्वीकार करेंगे?"

उनकी मुस्कान थोड़ी व्यंग्यात्मक हो गई। "हाँ, यह हाल ही की बात है, और मैं अभी भी इस बात पर विचार कर रहा हूँ कि बधाई स्वीकार करूँ या नहीं। इसमें मेरी उम्मीद से कहीं ज़्यादा कागज़ी कार्रवाई शामिल है, जबकि एंगुलस ने वादा किया था कि वह सुनिश्चित करेगा कि कोई मेरी मदद करे। सेना में कागज़ी कार्रवाई में रुचि रखने वाले लोग मिलना मुश्किल है।"

"कोण?"

"हाँ, वही हमारे राजा हैं।" रिज ने अपनी भौंहें चढ़ाते हुए पूछा, "इस सदी में छपी कोई भी चीज़ पढ़े हुए आपको कितना समय हो गया है?"

हा हा। मुझे तो इस बात पर हैरानी हुई कि आजकल आप उससे नाम लेकर बात करते हैं।

"नहीं, वो मुझे गाली देते समय मेरा सरनेम इस्तेमाल करता है। बिल्कुल मेरे वरिष्ठ अधिकारियों की तरह।"

"क्या आपके पास अभी भी वो पद हैं? वरिष्ठ अधिकारी? मुझे लगा था कि जनरल का पद ही सबसे ऊँचा पद होता है।"

"हाँ, लेकिन जब आप एक ही रैंक के लोगों के समूह में होते हैं, तो उस रैंक पर लंबे समय से रहे लोग आपसे वरिष्ठ होते हैं और आप पर हुकुम चला सकते हैं। पिछली स्टाफ मीटिंग में, जनरल चैसन ने मुझे कॉफ़ी लाने को कहा और जब मैं क्रीम डालना भूल गई तो वह नाराज़ हो गईं। सच कहूँ तो, यह कुछ-कुछ फिर से लेफ्टिनेंट बनने जैसा है। बस फर्क इतना है कि आपके सभी साथियों के बाल सफ़ेद हो चुके हैं।"

लेफ्टिनेंट स्लीपी, जिनकी उम्र तेईस साल से अधिक नहीं रही होगी, इस खुलासे पर

आश्चर्यचकित सा भाव लिए हुए थे।

लिलाह ने सोचा कि रिज अब इतना बूढ़ा हो गया होगा कि उसके भूरे बालों में कुछ सफेद बाल आ गए होंगे, लेकिन अगर ऐसा था भी तो टोपी ने इसका सबूत छिपा दिया था।

“हम आपके अंगरक्षक का इंतज़ार कर रहे हैं, फिर हम उड़ान भरेंगे।” रिज ने अपनी जैकेट की अंदरूनी जेब से एक लिफाफा निकाला। “मेरे पास राजा के हस्ताक्षरित आदेश हैं जो मुझे ऊपर चौकी कमांडर को देने हैं, ताकि वह सहयोग करे।”

"हां, मैंने सुना है कि उन्हें पढ़ाई-लिखाई पसंद नहीं है।" उसने बगल में खड़े युवा अधिकारी की ओर देखा।

“जहाँ तक मुझे पता है, वह किसी को पसंद नहीं करता,” रिज ने कहा, “लेकिन मैं तुम्हें खुद वहाँ ले जा रहा हूँ। मैं जाने से पहले यह सुनिश्चित कर लूँगा कि मेहमाननवाज़ी में कोई दिक्कत न हो, और मैं अपने साथ एक ऐसे व्यक्ति को भेज रहा हूँ जिससे वह शायद ही पंगा ले। वैसे भी, बहुत कम लोग ऐसा करते हैं।” उसने हौसला बढ़ाते हुए मुस्कुराया।

बहुत बढ़िया, यह अंगरक्षक तो उस चिड़चिड़े बेस कमांडर से भी ज्यादा खतरनाक लग रहा था।

“आप हमारी मदद के लिए आए, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मैं उस इंजीनियर को जानता हूँ जिसने हड्डियों पर रिपोर्ट भेजी थी, और उसकी लिखावट से मुझे समझ आया कि उसे चिंता है कि उसकी खनन साइट पर भूत-प्रेत का साया है। क्या मरे हुए ड्रैगन लोगों को परेशान करते हैं? मुझे नहीं पता, लेकिन अगर आधे लोग ऐसा मानते हैं, तो यह समस्याजनक हो सकता है। इसके अलावा, मुझे लगा कि जीवाश्मों में वैज्ञानिक दृष्टि से कुछ महत्वपूर्ण हो सकता है और उन्हें चट्टानों से निकालकर अध्ययन के लिए वापस लाया जा सकता है। सेना आपके रहने और खाने का खर्च उठाएगी, बिल्कुल। हमारे पास अपने वैज्ञानिक नहीं हैं, उन लड़कों को छोड़कर जो हथियार बनाते हैं, इसलिए जब यह बात उठी तो मुझे आपका ख्याल आया। हमने ड्रैगन के विकास की परिकल्पना पर आपका लेख देखा। मुझे लगता है कि यह एक पुराना लेख है जिसे अखबारों ने हाल ही में छापा है, है ना? जब से ड्रैगन दुनिया में वापस आए हैं? कम से कम चार तो आए ही हैं।”

“हां, मैंने हाल ही में दूसरे विषयों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। क्या आपने 'हम' कहा? आप और... सेना?”

नहीं, मैं और सार्डेल, मेरी मंगेतर। वह इतिहासकार होने के साथ-साथ चिकित्सक भी हैं। उन्हें संयोगवश आपका एक लेख मिला और उन्होंने पूछा कि क्या हमारा कोई रिश्तेदार है। मुझे पता है कि जब आप वहां से अपना काम खत्म कर लेंगे तो वह आपसे मिलना चाहेंगी।

“आपकी... क्या आपने मंगेतर कहा?”

“पदोन्नति से भी ज़्यादा चौंकाने वाली बात है, है ना?” रिज ने मुस्कुराते हुए उससे कहा। “मुझे अब भी हैरानी होती है कि वह मुझे कैसे बर्दाश्त करती है।”

“वह इतिहासकार हैं? वह तो आपके टाइप की महिला नहीं लगती।”

"वह खूबसूरत है," स्लीपी ने एक उदास आह भरते हुए कहा।

“आह, अब बहुत कुछ स्पष्ट हो गया,” लिलाह ने कहा।

रिज के होंठ टेढ़े हो गए। "मैं तो यह जानकर हैरान हूँ कि आपको लगता है कि मैं सिर्फ़ शक्ल-सूरत के आधार पर किसी से प्यार कर बैठूँगा, लेकिन पोर्ट येनरेम में मेरी जो छवि है, उसका मैं सिर्फ़ अंदाज़ा ही लगा सकता हूँ।" उसने कंधे उचकाए और फिर एक लंबी महिला सैनिक की ओर हाथ बढ़ाया जो लोगों को पहाड़ी तक ले जाने वाली ट्राम से उतरकर जा रही थी।

लिलाह ने होंठ दबा लिए, काश उसने ये बात अपने तक ही रखी होती। व्यंग्य उनके परिवार की खासियत थी, और उसे याद था कि उसके पति को भी इसमें महारत हासिल थी, लेकिन अक्सर उसके मुंह से निकलने पर ये आकर्षक लगता था। जबकि उसके मुंह से निकलने वाली टिप्पणियां चुभने वाली होती थीं। सौभाग्य से, उसके पति में इसे समझने की क्षमता थी।

“आपका क्या हाल है?” रिज ने पूछा। “क्या आप तब से किसी नए व्यक्ति से मिले हैं...?”

"भले ही यह आम कहावत है कि जीवाश्म विज्ञानी किसी भी चीज़ की आयु का पता लगा सकते हैं, लेकिन मैं इतनी व्यस्त थी कि मुझे देखने का समय ही नहीं मिला।" टैरिन की मृत्यु के बाद, जिन नेक इरादे वाले, बल्कि उम्रदराज प्रोफेसरों ने संवेदना व्यक्त की थी और अपने बिस्तर भी दिए थे, उन्हें ढूंढने की ज़रूरत तो नहीं पड़ी थी, लेकिन वह ऐसे प्रेमी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थीं जिसे छड़ी की ज़रूरत पड़ती हो।

“किसी से डेट पर जाना चाहते हो?” रिज ने इशारे से पूछा। स्लीपी ने अपनी टोपी उतारी और अपना सिर खुजलाया।

लिलाह ने आह भरी। उसके पति ने उसके जीवाश्म विज्ञान से जुड़े चुटकुलों पर हँसा था। ज़ाहिर है, क्योंकि वह खुद एक पुरातत्वविद् थे, इसलिए उन्हें ये चुटकुले समझ में आ गए थे। इससे हमेशा मदद मिलती थी।

रिज ने जिस महिला सैनिक को हाथ हिलाकर इशारा किया था, वह सीधे उनकी ओर चल पड़ी। वह दुबली-पतली, दुबली-पतली और मोहक मुस्कान वाली महिला थी, जो राइफल, पिस्तौल, खंजर और एक बड़े, भारी डफ़ल बैग को लिए होने के बावजूद भी बेमेल नहीं लग रही थी। वह बैग इतना भारी था कि किसी भी मजबूत खच्चर को कुचल सकता था।

जैसे ही वह पास आई, लेफ्टिनेंट स्लीपी पूरी तरह से सीधा खड़ा हो गया—जो उस महिला की छह फीट की लंबाई से लगभग चार इंच छोटा था। उसका चेहरा फिर से उदास हो गया, और जैसे ही वह करीब आई, उसके होठों पर एक भोली और आशा भरी मुस्कान फैल गई। लिलाह को लगने लगा था कि लेफ्टिनेंट हर महिला को सुंदर समझता है।

वह महिला रिज के सामने रुकी और उसे हल्के से सलाम किया। "शुभ दोपहर, जनरल।" उसने उत्सुकता से लिलाह की ओर देखा। "शुभ दोपहर, प्रोफेसर?" उसकी नज़र लिलाह के सीने और कूल्हों पर पड़ी, शायद उसके घने भूरे बालों पर जो उड़ान के दौरान उसकी चोटी से निकल आए थे। "आप प्रोफेसर जैसी नहीं दिखतीं।"

लिलाह ने एक कड़वी मुस्कान दी। उसे अक्सर ऐसी मुस्कान सुनने को मिलती थी, जिसके साथ दुर्भाग्यवश यह धारणा भी जुड़ी होती थी कि वह बहुत बुद्धिमान नहीं है। यहां तक कि वे सहकर्मी भी, जो उसे वर्षों से जानते थे और उसके शोध पत्रों की समीक्षा कर चुके थे, कभी-कभी ऐसा ही सोचते थे।

"क्या आप मेरे प्रयोगशाला के उपकरण देखना चाहेंगे?" लिलाह ने दो लोगों के बैठने वाले विमान की यात्री सीट की ओर इशारा किया, जहाँ लेफ्टिनेंट ने उड़ान भरने से पहले उसके उपकरण, कपड़े और एक शिकार राइफल सहित उसका सारा सामान सुरक्षित रख दिया था।

क्या इनमें से कोई विस्फोटक है?

"नहीं।"

"तो फिर वास्तव में नहीं।"

“कैप्टन काइका,” रिज ने कहा, “यह मेरी चचेरी बहन लिलाह ज़िरकेंडर है।”

महिला—कैप्टन काइका—ने पलकें झपकाईं। "क्या आपके परिवार में प्रोफेसर हैं?"

“सिर्फ़ एक ही,” रिज ने रूखेपन से कहा। “अगर मुमकिन होता, तो मैं मान लेता कि वह मेरे पिता की बेटी है और मैं उसके पिता का बेटा। मुझे नहीं लगता कि मेरी माँ और उसकी माँ ने पति-पत्नी की अदला-बदली की होगी।”

लिलाह उसे घूर रही थी, उसने यह परिकल्पना पहले कभी नहीं सुनी थी। उसके चाचा मो परिवार में इकलौते विद्वान थे, हालाँकि वह पक्का नहीं कह सकती थी कि वे इस उपाधि के लायक थे, क्योंकि वे खुद को ज्ञानी और खुद से सीखा हुआ खजाना खोजने वाला मानते थे और अक्सर अकादमिक जगत के साथ काम करने के बजाय उसके विरोध में काम करते थे। जहाँ तक उसे पता था, वे एक बेसुध शराबी नहीं थे, जैसा कि उसके पिता ने खुद को बताया था, इससे पहले कि यह पेशा उन्हें अपनी चपेट में ले ले। उसके पिता लापरवाह थे और उन्होंने प्रोटोटाइप स्टीम वाहनों की रेस लगाई थी, इसलिए उसे लगता था कि वह समझ सकती है कि रिज उनसे जुड़ाव क्यों महसूस कर सकता है।

“नहीं?” काइका ने पूछा, पति-बदली की बात से वह बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई थी। “यह तो पारिवारिक इतिहास का एक दिलचस्प हिस्सा बन सकता था।”

"परिवार अपने आप में ही काफी दिलचस्प है," रिज ने जवाब दिया।

“हां। मैं तुम्हारी मां से मिल चुका हूं। क्या उन्होंने हाल ही में ड्रैगन के आकार के साबुन की टोकरियां भेजी हैं?”

नहीं, अब वह मोमबत्तियों का इस्तेमाल करने लगी है।

“ड्रैगन के आकार की मोमबत्तियाँ?”

“हां, लेकिन हमने उन्हें जलाने का फैसला नहीं किया है। सिर पिघलते हुए देखना भ्रावा सरुत को विचलित करता है।”

काइका मुस्कुराया। लिलाह को बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वह किसके बारे में बात कर रहा है।

“क्या आप दोनों जाने के लिए तैयार हैं?” रिज ने दोनों महिलाओं से पूछा। “कुछ ही घंटों में अंधेरा हो जाएगा, इसलिए मैंने सोचा कि हम अभी निकल पड़ते हैं, लिलाह, तुम्हें आज शाम चौकी पर पहुंचा देते हैं।”

इतनी जल्दी दोबारा हवा में उड़ने के ख्याल से ही उसके पेट में अजीब सी गुड़गुड़ाहट होने लगी। क्या वह इस बात की उम्मीद कर सकती थी कि रिज उसे अपने विमान की क्षमताओं का

प्रदर्शन करने की ज़रूरत महसूस नहीं करेगा? या फिर उसे दोबारा स्लीपी के विमान की पिछली सीट पर ही बैठना पड़ेगा?

“फिर आप सुबह सबसे पहले खुदाई वाली जगह पर जाकर हड्डियों की जाँच कर सकते हैं, शायद उसी दिन काम खत्म भी कर लें,” रिज ने आगे कहा। “यह ऐसी जगह नहीं है जहाँ आप ज़्यादा देर रुकना चाहेंगे। मेरा विश्वास कीजिए। पिछली सर्दियों में मैं कई हफ़्तों तक वहीं तैनात था। आपके लिए अच्छी बात यह है कि अब वहाँ गर्मी का मौसम है। इसका मतलब है कि दिन के समय तापमान कम से कम दस डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है।”

मैं एक जैकेट लाया हूँ।

"अच्छा है, क्योंकि अगर आपको ठंड लग जाए तो ऊपर गले लगाने के लिए कोई नहीं है।"

"थेरिक ऊपर है," काइका ने मुस्कुराते हुए कहा।

"जैसा कि मैंने कहा, अगर आपको ठंड लग जाए तो ऊपर गले लगाने के लिए कोई नहीं है," रिज ने दृढ़ता से दोहराया।

काइका की मुस्कान और चौड़ी हो गई।

"वो वही कर्नल है जो शिक्षाविदों को खा जाता है, है ना?" लिलाह ने पूछा।

“खाना?” काइका ने पूछा। “मेरी पहली प्रतिक्रिया तो यही होगी कि ऐसा होने की संभावना कम है। लेकिन तुम खूबसूरत हो। हो सकता है वो तुम्हारे लिए अपवाद बना दे।”

लिलाह को उस शब्द का दोहरा अर्थ समझ में आते ही शर्म से चेहरा लाल हो गया, लेकिन उसने इस बात को तुरंत भुला दिया। उसे किसी सेना अधिकारी को नाराज़ करने की चिंता नहीं थी, और उसने यह भी माना कि दोहरे अर्थ को समझने पर उसे थोड़ा गर्व महसूस हुआ। हालांकि, यह उसकी खासियत नहीं थी। अपने जीवन में उसने कई बार यौन चुटकुलों को नज़रअंदाज़ किया था।

उसे उम्मीद थी कि रिज तुरंत ही इशारे को समझ जाएगा और काइका की तरह मुस्कुराएगा, लेकिन उसके चेहरे पर घोर भय के भाव उभर आए। "सात देवता, काइका। यह मेरी चचेरी बहन है।"

"क्या तुम्हारी चचेरी बहन को स्त्रीत्व की भावनाएं महसूस नहीं होतीं?"

"नहीं।"

काइका ने अपना सिर हिलाया और अपनी अटल मुस्कान लिलाह की ओर घुमाई। "जब उसकी माँ सेक्स के बारे में बात करती है तो वह भी शर्मिंदा हो जाता है। कोई सोच भी नहीं सकता कि इतनी खूबसूरत लड़की इतनी संकोची होगी।"

“मैं दकियानूसी नहीं हूँ। और वैसे भी, जनरलों से ऐसी बातें कहना ठीक नहीं है। यह नियम पुस्तिका में सम्मान और शिष्टाचार के अंतर्गत लिखा है।” रिज ने काइका का कंधा पकड़ा और उसे हैंगर के प्रवेश द्वार की ओर घुमाया। “जाओ अपना सामान मेरे विमान के पीछे रख दो। और उसका आधा हिस्सा लॉकर में रख दो, ठीक है? अगर तुम यह सब साथ ले जाओगी तो पहाड़ों तक जाते समय हमें पेड़ों से पेट रगड़ते हुए जाना पड़ेगा। क्या तुमने यहाँ आते समय शस्त्रागार पर छापा मारा था? तुम विस्फोटक तो नहीं ले जा रही हो?”

काइका को हैंगर की ओर धकेला गया, लेकिन जाते समय उसने लिलाह को आँख मारी।

लिलाह को यह समझने में कुछ पल लगे कि यह कैप्टन काइका वही अंगरक्षक है जिसका ज़िक्र रिज ने किया था। लिलाह ने किसी हट्टे-कट्टे और बेपरवाह व्यक्ति की उम्मीद की थी। और जिसे सेना के कर्मियों के पहनावे के नियमों का पालन करने के लिए दाढ़ी बनानी पड़ती हो।

"बस उसे नज़रअंदाज़ करो," रिज ने कुछ हद तक खुद को संभालते हुए कहा, हालांकि उसकी आँखों में थोड़ी सी घबराहट झलक रही थी। "वह अपनी अभद्रता के लिए जानी जाती है, लेकिन वह एक बहुत ही सक्षम अधिकारी है। मैंने उसे इसलिए चुना क्योंकि थेरिक से डरने की संभावना उसके मुकाबले उनकी यूनिट के बाकी लोगों से बहुत कम है। लेकिन सच कहूँ तो मुझे नहीं लगता कि थेरिक डरेगा... मतलब, वह बदतमीज़ है, लेकिन वह राजा और वर्दी के प्रति वफादार है। वह कोई नियम नहीं तोड़ेगा। मेरी चिंता वहाँ के खनिकों को लेकर ज़्यादा है। वे आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे अपराधी हैं, और वे बहुत ही खतरनाक लोग हैं। आपको खदानों में जाने की ज़रूरत नहीं है—मेरी जानकारी के अनुसार हड्डियाँ पहाड़ के बाहरी हिस्से में मिली थीं—लेकिन अगर आपको जाना ही पड़े, तो काइका को अपने साथ रखना।"

"ऐसा लगता है कि यह मेरी बाकी खुदाई की तुलना में कहीं अधिक रोमांचक होने वाला है," लिलाह ने कहा।

शायद उसे उसकी बातों से ज़्यादा चिंतित होना चाहिए था, लेकिन उसने थोड़ी-बहुत उत्तेजना महसूस की। उसे फील्ड में जाना बहुत पसंद था और महाद्वीप के दक्षिण-पूर्वी जंगली घास के मैदानों में अपने पति के साथ सफारी यात्राओं का उसने हमेशा आनंद लिया था। अपने छात्रों को जो बताया था, उसके बावजूद इस गर्मी में फील्ड आउटिंग के लिए फंड न मिलने से वह निराश थी। शायद इससे उसकी निराशा दूर हो जाए। भले ही उसने ड्रैगन के अध्ययन से किनारा कर लिया हो, उसने माना कि एक नई खोज करने का विचार रोमांचक था। शायद उसे अभी भी अपनी खोई हुई कड़ी मिल जाए।

"मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा," रिज ने कहा। "अगर आप अपना मन बदलना चाहते हैं, तो मैं समझ जाऊंगा।"

"बिल्कुल नहीं। मैं जाने के लिए तैयार हूँ।"

• • • • •

वैन ने ड्रैगन के शरीर रचना विज्ञान की किताब पर गुस्से से नज़र डाली, मेज़ पर बिछे हड्डियों से भरे तिरपाल पर भी गुस्सा किया, फिर कंकाल की तस्वीर पर अपना गुस्सा उतारा। फफूंदी से सना हुआ वह पुराना ग्रंथ शायद जीवाश्मों जितना ही पुराना था। उसे यह काम किसी और को सौंप देना चाहिए था, लेकिन पहाड़ से निकाले गए ज़्यादातर कलाकृतियों को उसने ही व्यवस्थित किया था, और वह अपने संदिग्ध रूप से सक्षम सैनिकों में से किसी को यह काम सौंपना नहीं चाहता था। इसके अलावा, उसका स्टाफ इन हड्डियों से भी ज़्यादा कंकालनुमा था, इसलिए लोगों को भेजना मुश्किल था। उसे खदानों में कैदियों की रखवाली करने वाले सैनिकों की ज़रूरत थी, वे कैदी जो गर्मी बढ़ने के साथ-साथ और भी ज़्यादा अकड़ गए थे। ज़ाहिर है, साल में लगभग तीन महीने ऐसे होते हैं जब कोई व्यक्ति दर्रे से चलकर इस पहाड़ी नरक से बच सकता है, और सभी खनिक इसके बारे में जानते थे। पिछले महीने सात बार भागने की कोशिशें हुई थीं। अब तक उसके किसी भी

आदमी की जान नहीं गई थी, लेकिन कुछ खनिकों को विद्रोह को रोकने के लिए गोली मार दी गई थी।

वैन यह बात मानने से पहले खुद को गला घोंट लेता, लेकिन कई बार उसे जनरल ज़िरकेंडर जैसा करिश्माई व्यक्तित्व पाने की इच्छा होती थी। भगवान का शुक्र है कि उसके करियर में कभी कूटनीति या आकर्षण की ज़रूरत नहीं पड़ी। मेजर से कर्नल बनने तक उसे अपने युद्ध कौशल के अलावा किसी और चीज़ को विकसित करने की ज़्यादा चिंता नहीं करनी पड़ी थी। उससे पहले, उसे छोटे-छोटे घुसपैठ अभियानों का ज़िम्मा सौंपा गया था, जिनमें उसी की तरह युद्ध-प्रेमी सैनिक होते थे। तब से, उसने बटालियनों की कमान संभाली है और अब एक चौकी की। अकादमी में पढ़ाने के साल सबसे बुरे थे। उसे बदतमीज़ और नए-नए लोगों या अपने तरीकों पर सवाल उठाने वाले साथियों के लिए बिल्कुल भी सब्र नहीं था। उसने वैसे ही पढ़ाया जैसे उसे एक युवा सैनिक के रूप में सिखाया गया था: सैनिकों को तब तक बुरी तरह पीटकर जब तक वे यह न सीख लें कि चोट लगने पर कैसे बचना है। यह एक असरदार लेकिन अलोकप्रिय शिक्षण शैली थी, और जैसा कि उसे कई अन्य अधिकारियों ने बताया था, बीस साल से भी ज़्यादा पहले जब उसने अकादमी से पढ़ाई पूरी की थी, तब से सेना काफी बदल चुकी थी। युवा सैनिकों के साथ व्यवहार करने का एक स्वीकार्य तरीका लाड़-प्यार करना लगता था। उन नन्हे-मुन्नों को देश की रक्षा करते हुए देखकर वह कांप उठा।

कलाकृतियों वाले कमरे के दरवाजे पर दस्तक सुनाई दी।

“क्या?” वैन ने पूछा।

“उह, महोदय?” लेफ्टिनेंट क्राडेन ने दरवाजे से अपना सिर अंदर झाँका। “आपसे मिलने एक कैदी आया है।”

"क्या यह किसी मनहूस किताब के बारे में है?"

"जी श्रीमान।"

"क्या तुमने उसे बताया कि उसे छुट्टी नहीं मिल रही है?"

"जी हां, महोदय। उन्होंने कहा कि जनरल ज़िरकेंडर ने उनसे इसका वादा किया था, और उन्हें पूरा यकीन है कि आप उस वादे से पीछे नहीं हटेंगे।"

वैन गुर्राया। "ठीक है। उसे अंदर भेज दो।"

"जी श्रीमान।"

"क्या तुमने अभी तक मेरी उस टीम को इकट्ठा किया है जो खुदाई स्थल की चोरों से रक्षा करेगी, क्रेडेन?"

“इस पर काम चल रहा है, सर। आप नहीं चाहते थे कि मैं किसी को उसकी नियमित शिफ्ट से हटाऊं, है ना?”

ठीक है, जिसे भी आप चुनेंगे, यह दोहरी ड्यूटी होगी। आप एक सिग्नल सैनिक हैं। इसे इस तरह से पेश करें कि यह एक सम्मान की बात लगे। राजा के पहाड़ को कायर चोरों से बचाना।

क्रेडेन ने उसे घूरकर देखा। "इसे घुमा-फिराकर पेश कीजिए, महोदय? सिग्नल संचार का काम करता है, पत्रकारिता का नहीं। या, उह, सनसनीखेज खबरों का।"

मुझे पता है कि यह क्या है, लेकिन आप वह नया रेडियो इंस्टॉल नहीं करवा पाए हैं, इसलिए मैं आपके कौशल का अन्य उपयोग सोच रहा हूं।

लेफ्टिनेंट का चेहरा लाल हो गया। "मैं इसे ठीक कर दूंगा, महोदय। यह पिछले सप्ताह तक ठीक से काम कर रहा था। मुझे नहीं पता कि क्या गड़बड़ है। बोसमोंट ने कहा कि शायद इस पर कोई श्राप लगा है।"

"शापित?"

"हड्डियों की वजह से। जिस दिन उनकी टीम को हड्डियाँ मिलीं, उसी दिन रेडियो ने काम करना बंद कर दिया।" क्राडेन ने अपने होंठ दबाए, उसकी नज़र मेज़ पर बिछे तिरपाल पर टिक गई। "आप इन्हें छूने की हिम्मत कर रहे हैं, महोदय।"

वैन ने अपनी पसली उठाई जो वापसी के सफर में कई बार गिर गई थी, उसका मन कर रहा था कि उसे लेफ्टिनेंट पर फेंक दे। लेकिन उसने सोचा कि उसे बोसमोंट पर फेंकना बेहतर होगा। कप्तान तीस साल का था, शापित हड्डियों पर विश्वास करने के लिए बहुत बूढ़ा। "मुझे बहाने नहीं चाहिए, लेफ्टिनेंट। मुझे रेडियो चाहिए। अभी, मुख्यालय से संपर्क करने का एकमात्र तरीका हमारा हर दो महीने में आने वाला आपूर्ति जहाज है।"

जब वह पहली बार यहाँ पहुँचा तो उसे बहुत बड़ा झटका लगा, क्योंकि इस दूरस्थ चौकी से राजधानी को समय पर रिपोर्ट भेजने का कोई साधन नहीं था। वैन समझ सकता था कि इन ऊबड़-खाबड़ चोटियों पर टेलीग्राफ स्टेशन के लिए तार बिछाना संभव नहीं था, लेकिन पहाड़ से निकलने वाले ऊर्जा क्रिस्टल की बहुमूल्यता को देखते हुए, यह बात हास्यास्पद लग रही थी कि चौकी पूरी तरह से बाहरी दुनिया से कटी हुई थी। सौभाग्य से, उसके वरिष्ठ अधिकारियों ने उसकी बात मान ली और रेडियो टावर बनाने के लिए उपकरण भेज दिए। दुर्भाग्य से, उन्होंने एक ऐसे लेफ्टिनेंट को यह काम सौंपा जो अकादमी से निकले हुए केवल छह सप्ताह ही हुए थे। वैन को न तो पता था और न ही उसे परवाह थी कि क्राडेन को ऐसी संदिग्ध पहली ड्यूटी क्यों मिली, लेकिन उसने अनुमान लगाया कि यह उसके लिए एक सजा थी, ठीक वैसे ही जैसे उसे मिली थी।

"मैं इस पर काम करता रहूंगा, सर," क्राडेन ने कहा।

"खनिक को अंदर भेजो।" वैन ने हड्डी लहराई। उसके हाथ में एक अजीब सी झनझनाहट दौड़ गई। वह बीच में ही रुककर जीवाश्म बन चुकी पसली को घूरने लगा। "अब क्या?" वह बड़बड़ाया।

उसकी उंगलियों में झनझनाहट सी हो रही थी, मानो उनमें कोई शक्तिशाली चुंबक या बिजली का झटका लगा हो। माथे पर शिकन लिए उसने हड्डी को बाकी हड्डियों के साथ तिरपाल पर रख दिया। वो एहसास गायब हो गया, लेकिन जब उसने अपनी उंगलियों को रगड़ा तो उनके सिरे सुन्न महसूस हुए। वह दोपहर भर उस हड्डी को संभाले रहा था। आखिर क्या बदल गया था? क्या वो चुंबकीय हो सकती है? कहीं कमरे में किसी और चीज़ से प्रतिक्रिया तो नहीं कर रही? उसने किताबों, औजारों और बक्सों से भरी अलमारियों पर नज़र डाली, जिन्हें पहाड़ से, तीन सौ साल पहले चुड़ैलों से भरी सुरंगों से निकाला गया था। उसके पूर्ववर्ती ने उसे बताया था कि इस कमरे में बहुत कम ही जादुई चीज़ें हैं, और उसने खुद सूची बनाई थी और उसे कुछ भी चुंबकीय याद नहीं था। वैसे भी, जीवाश्म चुंबकीय नहीं होते। ये बात तो वो खुद भी जानता था।

“कर्नल साहब?” लड़खड़ाते हुए अंदर आए खनिक ने अपनी छाती पर ऊनी टोपी टिका रखी थी और विनम्रता से सिर हिलाया, उसका व्यवहार उसके खुरदुरे चेहरे से बिल्कुल मेल नहीं खाता था, जिस पर टूटी हुई नाक, होंठ को ऊपर की ओर मोड़ने वाला एक निशान और एक जलने का निशान था, जो ऐसा लग रहा था मानो किसी ने उसे बैल की तरह दागने की कोशिश की हो।

वैन ने कहा, "आपको छुट्टी नहीं मिलेगी। जैसा कि मैं कई बार कह चुका हूं, वह नीति अब लागू नहीं है।"

“लेकिन किताब पूरी करने में मुझे छह महीने लग गए। रिपोर्ट देने के लिए मैं इससे पहले नहीं आ सकता था।” बोलते समय खनिक की नज़र हड्डियों पर टिक गई। बोसमोंट ने कहीं इन लोगों को श्राप और भूत-प्रेत के अपने सिद्धांत तो नहीं सुना दिए। “देखो, हमें पढ़ने का ज़्यादा समय नहीं मिलता।”

“कौन सी किताब?” वैन ने पूछा, हालाँकि उसे खुद भी नहीं पता था कि क्यों। उसे क्या फ़र्क पड़ता था? उसने जेल की लाइब्रेरी में मौजूद ज़्यादातर क्लासिक किताबें नहीं पढ़ी थीं। किताबों की बात करें तो, सैन्य इतिहास के अलावा अन्य विषयों पर आधारित किताबों में उसकी कोई खास दिलचस्पी नहीं थी।

"मिलनर की इस्कंदोथ की स्वतंत्रता की समयरेखा।"

वैन ने मेज पर पीठ टिका ली। उसने वह किताब पढ़ ली थी। उसे वे इतिहास पसंद थे जिनमें उसके लोगों ने उन नीच कोफाह घुसपैठियों को अपने देश से बाहर निकाल दिया था। "ठीक है, संक्षेप में बताओ।" शायद आठ सौ पन्नों का इतिहास पढ़ने वाले कैदी पर कुल्हाड़ी चलाने के अलावा कुछ और काम करने का भरोसा किया जा सकता है। जैसे किसी खुदाई स्थल की रखवाली करने जाना...

उस व्यक्ति द्वारा लड़खड़ाते हुए लेकिन सटीक सारांश प्रस्तुत करने के कुछ ही सेकंड बाद, वैन के पीछे एक चटकने की आवाज़ आई। वह तुरंत मुड़ा और लड़ने की मुद्रा में आ गया। उसने शोर का कारण तुरंत पहचान लिया। खिड़की के एक शीशे पर तिरछी दिशा में एक नई दरार पड़ गई थी।

“क्या कोई बेवकूफ पत्थर फेंक रहा है?” खनिक को घूरकर देखने के बाद—शायद वह चौकी कमांडर का ध्यान भटकाने के निर्देश पर यहाँ आया था—वैन मेज के चारों ओर घूमकर खिड़की की ओर बढ़ा। खिड़की से बाहर की दीवार और एक मीनार दिखाई दे रही थी, न कि आंगन। उसने मीनार के ऊपर अपनी चौकी पर एक सैनिक को देखा, लेकिन उसकी पीठ वैन की ओर थी, क्योंकि वह घाटी की ओर मुंह किए खड़ा था। वैन को ज़मीन पर कोई नहीं दिखा, लेकिन कोई मूर्ख पत्थर फेंककर इमारत के कोने से भाग सकता था। किसलिए, वह समझ नहीं पा रहा था। पत्थर फेंकने से कोई इस मुसीबत से बाहर नहीं निकल पाएगा।

“मैं... सीधे उस खिड़की की तरफ देख रहा था, महोदय,” खनिक ने कांपती हुई आवाज़ में कहा, जो पहले नहीं थी। “मैंने कुछ भी टकराते हुए नहीं देखा। शीशा बस... टूट गया।”

अगर बहुत ज़्यादा ठंड या बहुत ज़्यादा गर्मी होती, तो वैन शायद इस बात पर यकीन कर लेता, लेकिन न तो ठंड थी और न ही गर्मी। उसने खिड़की से बाहर फिर से घूरकर देखा, फिर वापस मेज़ की ओर चला गया और खनिक के बगल में जाकर खड़ा हो गया। उसने अपनी बाहों को सीने पर

बाँध लिया और घूरकर देखा, उसे अब भी शक था कि वह आदमी किसी साज़िश का हिस्सा है।

"जारी रखो," उसने धीमी, लेकिन खतरनाक आवाज़ में कहा। उसे उम्मीद थी कि वह उस आदमी को इतना घबरा देगा कि वह अपना गुनाह कबूल कर ले। यहाँ कोई भी उसे बेवकूफ नहीं बनाएगा, और न ही उसके हुकुम पर कोई भाग पाएगा।

वह खनिक घबराया हुआ लग रहा था—वह बार-बार अपने हाथ के पिछले हिस्से पर बने एक पुराने निशान को रगड़ रहा था—लेकिन वह वैन की तरफ नहीं देख रहा था। इसके बजाय, उसकी निगाहें तिरपाल पर टिकी हुई थीं।

"क्या ये अजगर की हड्डियाँ हैं, कर्नल जी? मैंने सुना है... खैर, मैंने यही सुना है।"

"तो क्या हुआ अगर वे हैं?"

"ड्रैगन जादुई होते हैं। और ड्रैगन का दफन स्थल... कहते हैं कि उसके आसपास अजीबोगरीब चीजें घटित होती हैं।"

वैन ने नाक सिकोड़ी। "ऐसा कौन कहता है? मुझे नहीं लगता कि यहाँ किसी ने कभी ऐसा कुछ देखा होगा। मुझे तो शक है कि ऐसी कोई चीज़ होती भी है। ड्रैगन हज़ारों साल पहले भी दुर्लभ थे, और उन्हें मारना मुश्किल था। आज भी उन्हें मारना मुश्किल है, और मैं खुद इस बात की गवाही दे सकता हूँ क्योंकि अब दुनिया में कुछ ड्रैगन वापस आ गए हैं।"

"जी जनाब," खनिक ने धीमी आवाज़ में कहा, उसकी निगाहें अभी भी मेज पर टिकी हुई थीं। "आप जानते हैं, अब जब मैं दोबारा सोच रहा हूँ, तो शायद मैं काम पर ही रहूँ। सुरंगों में हड्डियाँ तो नहीं होतीं, है ना? वहाँ नीचे सुरक्षित होना चाहिए।" वह आदमी मेज से पीछे हटा, बिना किसी बात के ठोकर खाकर गिर पड़ा और दरवाजे की ओर भागा। हॉल में खड़ा एक सिपाही उसे इमारत से बाहर ले गया।

"लगता है क्रेडन अपनी टीम में सिर्फ सैनिकों को ही शामिल करेगा," वैन ने अकेले में कहा। "उस टीम में बोसमोंट को भी रखना चाहिए। अगर वही ये अफवाहें फैला रहा है, तो उसे यही मिलना चाहिए।"

खुद से बात करते हुए देखकर वैन ने झट से अपना मुंह बंद किया और वापस मेज पर चला गया। उसने पसली की हड्डी को देखा और फिर टूटी हुई खिड़की को देखकर और भी ज्यादा भौंहें चढ़ाईं। जादू! वह मान सकता था कि ड्रैगन जादुई होते हैं, लेकिन कुछ हड्डियां जो शायद हजारों साल पुरानी हों?

"जांच क्यों न कर लें?" उसने बुदबुदाते हुए कहा, यह महसूस करते हुए कि उसके पास ऐसा करने का एक तरीका है।

वह दौड़ते हुए गलियारे में गया और सीढ़ियों से नीचे उतरकर अधिकारियों के क्वार्टरों की ओर बढ़ा। वह इमारत के पिछले हिस्से में स्थित अपने कमरे में दाखिल हुआ, जिसकी पहचान केवल दरवाजे पर लगी उस पट्टिका से होती थी जिस पर 'कमांडर' लिखा था। चारपाई बाकी क्वार्टरों की तुलना में थोड़ी बड़ी थी, लेकिन कमरा बाकी सब कुछ वैसा ही था। यहाँ उसे कमांड के कोई विशेषाधिकार नहीं मिले। वैसे भी उसे विलासिता की परवाह नहीं थी, खासकर तब जब उसके साथ बिस्तर साझा करने वाला कोई नहीं था।

वह उसके बगल में घुटनों के बल बैठ गया। उसे कुछ निजी सामान लाने की अनुमति दी गई थी, क्योंकि उसका अधिकांश सामान राजधानी के पास स्थित पारिवारिक संपत्ति में ही रह गया था। लेकिन उसके पास कुछ किताबें और उसके कुछ पसंदीदा हथियार थे, जिनमें एक तलवार भी शामिल थी जो चारपाई के नीचे एक टूटे-फूटे और जले हुए बक्से में बंद थी। कसान्द्रल, एक ऐसी तलवार जो हजारों साल पुरानी मानी जाती थी और ड्रैगन को मार सकती थी, उसके परिवार में उस समय से थी जब जादूगर ड्रैगन की सवारी करते थे और युद्ध शक्ति के बजाय जादू से लड़े जाते थे। वैन दुनिया में जादू-टोने के व्यापक प्रसार के विचार से कांप उठा, और उसे इस बात पर गर्व था कि वह उस हथियार का वारिस है जो चुड़ैलों और ड्रैगनों को हरा सकता है।

उसने डिब्बा बाहर निकाला और उसका कुंडा खोला। अंदर रखी तलवार मखमल पर टिकी थी, जिसके नीचे धातु की परत थी जो तलवार के प्रभाव को कम करने के लिए बनाई गई थी। तलवार जादू को महसूस कर सकती थी और उसमें एक तरह की चेतना थी। एक बार इसने वैन को उस चुड़ैल तक पहुंचाया था जो राजा को मारना चाहती थी, और उसे उसके जादू को भेदकर उसे मारने में मदद की थी। इसने उसे राजा के लिए लड़ रहे एक चुड़ैल और एक अजगर को मारने के लिए भी उकसाया था। इसे नियंत्रित करना आसान नहीं था, लेकिन उसे इस चुनौती से कोई आपत्ति नहीं थी।

जब आसपास जादुई शक्तियाँ मौजूद थीं, जिनके शरीर में ड्रैगन का खून बहता था, तब के विपरीत, कासैंड्रल चुपचाप अपने डिब्बे में पड़ा था, उसकी शक्ति का कोई संकेत नहीं दिख रहा था। तलवार के किनारे पर खुदे हुए प्राचीन चिह्न केवल सजावटी प्रतीत होते थे, लेकिन उसने उन्हें पहले भी चमकते देखा था और जानता था कि चमकने का क्या अर्थ होता है।

वैन ने तलवार निकाली और कलाकृतियों वाले कमरे की ओर दौड़ पड़ा। लेफ्टिनेंट क्राडेन ने जब उसे तलवार के साथ देखा तो उसने आश्चर्यचकित निगाहों से देखा, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह अंदर चला गया, और तलवार को मेज पर घुमाकर उसे सक्रिय करने की तैयारी कर रहा था। लेकिन इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी। जैसे ही हड्डियाँ नज़र आईं, प्राचीन तलवार चमकने लगी।

वह जम गया, उसे घूरते हुए, और फिर हड्डियों को। जब कोई जादुई शक्ति वाला दुश्मन पास होता था, तब की तरह यह उतनी तेज़ी से नहीं चमक रहा था, लेकिन प्रतीकों से हल्की हरी चमक ज़रूर निकल रही थी। वैन के कंधों में एक अजीब सा तनाव आ गया, और उसके दिमाग में एक छवि कौंध गई, जिसमें वह तलवार लेकर उन हड्डियों के हज़ार टुकड़े कर रहा था।

उसने दांत पीसते हुए कमरे से बाहर कदम रखा। अगर बोसमोंट के "वैज्ञानिक" लोग दुर्लभ जीवाश्मों को इस हालत में पाते, तो वे उसके बारे में अच्छी बातें नहीं कहते। गलियारे में, वैन ने दरवाजा बंद कर दिया और ताला लगा दिया, हड्डियों को सूचीबद्ध करने की उसकी सारी इच्छा गायब हो गई। वैज्ञानिकों को इनसे निपटने दो।

अध्याय 3

पहाड़ बेहद भव्य थे, बर्फ और ग्लेशियर सूरज की रोशनी में चमक रहे थे, और नज़ारा बेहद खूबसूरत था। हालांकि स्लीपी के विमान की पिछली सीट पर बैठी लिला ठंड से कांप रही थी, उसकी जैकेट भी विमान से निकलने वाली तेज़ हवा को रोकने में नाकाम थी, फिर भी वह दुनिया को इस तरह देखने का मौका किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहती थी। उसने अपने पति के साथ यात्रा करते समय कुछ बार एयरशिप में सफर किया था, लेकिन वह धीमी गति से चलने वाला वाहन इन एयरशिप के मुकाबले कुछ भी नहीं था। रिज के पीछे-पीछे चलते हुए स्लीपी घाटियों के बीच से तेज़ी से गुज़रा, बर्फ के मैदानों पर ग्लाइड किया और जंगली फूलों के सबसे अद्भुत रंग-बिरंगे मैदानों से ढकी घाटियों में गोता लगाया। कभी-कभी उसके पेट में गड़बड़ होती थी, लेकिन ठंडी ताज़ी हवा से उसकी बेचैनी कुछ कम हो जाती थी।

पायलटों ने हिमनदी से ढके एक पहाड़ का चक्कर लगाया और सदाबहार पेड़ों से भरी एक घाटी नज़र आने लगी, जहाँ छायादार स्थानों पर अभी भी बर्फ जमी हुई थी। घाटी के एक छोर से एक चारदीवारी वाली चौकी ऊपर की ओर उठती थी, आसपास का क्षेत्र पेड़ों से रहित था, जिससे हरी-भरी घास और एक धारा दिखाई दे रही थी जो परिसर के बीच से होकर कुछ मील दूर स्थित एक झरने की ओर बह रही थी।

विमान चौकी की ओर बढ़ने लगे, फिर जैसे ही गति धीमी हुई, पायलटों ने स्विच दबाए और प्रोपेलर बंद हो गए, थ्रस्टर चालू हो गए। इंजीनियरिंग का यह अद्भुत नजारा देखकर लिलाह गणित पर अचंभित रह गई। उसे संदेह था कि कॉकपिट के अंदर लगे आवरण से चमकते पीले ऊर्जा क्रिस्टल के बिना यह तकनीक संभव नहीं हो पाती। उसने जो सुना था, उसके अनुसार सेना ने इन उपकरणों के जादुई होने से इनकार किया था, बल्कि उनका दावा था कि ये पूरी तरह से प्राकृतिक घटनाएँ हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक ईंधन स्रोतों से भलीभांति परिचित होने के कारण लिलाह को हमेशा इस बात पर संदेह रहा था।

स्लीपी, रिज के बगल में, पत्थर से बनी एक विशाल, दो मंजिला इमारत की बड़ी, सपाट छत पर उतरी। सैनिक बुर्जों और तोपों व गोले दागने वाली बड़ी तोपों से सुसज्जित दीवार पर गश्त लगा रहे थे। यह किसी दूरस्थ पर्वत पर स्थित इस्कंदी सीमा के भीतर की चौकी की बजाय, कोफा साम्राज्य के निकटतम तट पर स्थित चौकी जैसी लग रही थी। लिलाह ने आंगन में कुछ नंगे बदन वाले पुरुषों को लड़ते हुए देखा और रिज द्वारा चेतावनी दिए गए अपराधी खनिकों के बारे में सोचने लगी। शायद उन्हें शाम को व्यायाम करने की अनुमति दी गई थी।

"मैडम?" स्लीपी पहले ही कॉकपिट से बाहर कूद चुका था और उसे नीचे उतरने में मदद करने के लिए हाथ बढ़ा रहा था।

लिलाह ने अपना सामान उसे नीचे उतारा, फिर खुद ही बाहर निकल गई।

"जब भी मैं यहाँ आता हूँ, वह आदमी झगड़ा क्यों करने लगता है?" रिज कुछ कदम दूर से बड़बड़ाया। वह और काइका भी ज़मीन पर थे, काइका ने डफ़ल बैग कंधे पर रखा हुआ था—ऐसा लग रहा था कि रिज के कहने पर सामान कम करने के बाद उसने उसमें से कुछ ही चीज़ें निकाली

थीं।

"यही तो वो करता है, साहब," काइका ने कहा। "कम से कम इस बार तो ऐसा नहीं लग रहा कि कोई विद्रोह हो रहा है।" उसने अंगूठा आँगन की ओर हिलाया। अब जब प्रोपेलर की आवाज़ धीमी हो गई थी, तो लिलाह को आदमियों की हँसी और मुक्कों की आवाज़ सुनाई दे रही थी। "थरिक दिन भर लोगों को न मारने के बाद इसी तरह आराम करता है।"

"अगर वो आकर हमसे मिलें तो अच्छा होगा," रिज ने कहा। "मुझे पता है कि उन्हें हमारे आने की कमी महसूस नहीं हुई। उड़ने वाले विमान कोई छुपकर आने वाले विमान नहीं होते।"

लिलाह उस व्यक्ति को देखने की उत्सुकता में छत के किनारे तक चली गई जिसके बारे में वे बात कर रहे थे। शायद उत्सुक न होना ही बेहतर होता, लेकिन जो वैज्ञानिक उत्सुक नहीं होते वे ज़्यादा खोजें नहीं कर पाते।

जैसे ही उसने किनारे से अपना सिर बाहर निकाला, लड़ाई रुक गई, हालाँकि उसे शक था कि इसमें उसका कोई हाथ था। आधे आदमी घुटनों के बल या बैठे हुए थे, एक-दूसरे के हाथ या कंधे पकड़े हुए थे और ऐसे मुँह बना रहे थे मानो उन्हें लड़ाई में हिस्सा लेने का पछतावा हो रहा हो। एक आदमी पीठ के बल लेटा हुआ था, अपनी हथेली से अपनी उस आँख को बचा रहा था जिस पर चोट लगने का खतरा था। वे सभी आदमी बिना शर्ट के थे, हट्टे-कट्टे थे और देखने में आसानी से हार मानने वाले नहीं लग रहे थे, लेकिन उनमें से किसी में भी लड़ने की हिम्मत नहीं बची थी। सिवाय एक के।

एक तगड़ा, चौड़े कंधों वाला आदमी आँगन में अकड़कर चल रहा था, उसकी कमीज़ हाथ में लटक रही थी। उसकी मांसपेशियों की हर एक रेखा उभरी हुई थी, मानो विश्वविद्यालय के आँगन में प्राचीन योद्धाओं की संगमरमर की मूर्तियों में से एक हो, हालाँकि उसकी बांहों पर बने खंजर के टैटू बहुत कम मूर्तियों पर देखने को मिलते, कम से कम उसके शहर में तो नहीं। एक और टैटू उसकी छाती की एक मांसपेशी को गहरा रंग दे रहा था, हालाँकि यहाँ से वह यह नहीं बता सकती थी कि उसमें क्या बना है। वह काँटेदार या नुकीला लग रहा था। निश्चित रूप से चुभने वाला। वह खुद भी चुभने वाला लग रहा था, उसके छोटे, घने काले बाल जिनमें सफ़ेद बाल बिखरे हुए थे, चौकोर जबड़ा और गहरी, तीव्र आँखें थीं।

"मारने के लिए बना है और उसे इसमें मजा आता है," ये वाक्यांश उसके दिमाग में कौंध गया, टाइम ट्रेक उपन्यासों में अक्सर श्रृंखला के नायक कमांडर असिलॉन का वर्णन करने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक वाक्य। कमांडर असिलॉन अपने कठोर बाहरी रूप के बावजूद एक सम्माननीय व्यक्ति थे। उसे नहीं पता था कि यह व्यक्ति भी वैसा ही निकलेगा या नहीं।

उसने छत की ओर देखा, उसके चेहरे पर उग्र—या शायद बेहद नाराज़—भाव थे। अगर वह मुस्कुराता, तो लिलाह को लगा कि कई औरतें उसे सुंदर कहेंगी, लेकिन वह ऐसा व्यक्ति नहीं लगता था जो अक्सर मुस्कुराता हो। उसकी तीखी निगाहों को सहन न कर पाने के कारण लिलाह खुद को किनारे से दूर हटती हुई पाई।

रिज उसके बगल में आकर रुका और नीचे देखने लगा जब वह बड़ा आदमी छत पर जाने वाली बाहरी सीढ़ियों की ओर बढ़ा। "थेरिक, जब तुम ऊपर जाओ तो वर्दी में रहना। यहाँ औरतें मौजूद

हैं।" उसने लिलाह को कोहनी मारी और फुसफुसाया, "यह पदोन्नति सिर्फ इसलिए जायज़ थी ताकि मैं उससे ऊँचा पद हासिल कर सकूँ।"

"मेरी टैटू वाली गांड चूम ले, ज़िरकेंडर," उस आदमी ने सीढ़ियों पर चढ़ते हुए ऊपर से आवाज़ लगाई।

"क्या उसे पता है कि तुम उससे ऊंचे पद पर हो?" लिलाह ने पूछा।

"उसे यह याद रखने में मुश्किल होती है। अपने करियर के दौरान सिर पर बहुत चोटें लगी हैं।" रिज सीढ़ियों की ओर मुड़ा और छत पर चलते हुए अपने हाथों को पीठ के पीछे बांध लिया।

जब कर्नल थेरिक नज़र आए, तो उन्होंने अपनी कमीज़ पहन रखी थी, एक काली छोटी आस्तीन वाली कमीज़ जो उनके धड़ की मांसपेशियों को ज़रा भी नहीं छिपा पा रही थी। ऐसा लग रहा था कि उन्होंने वर्दी की जैकेट नहीं पहनी थी, जो आम तौर पर कमीज़ के ऊपर पहनी जाती है। लिलाह ने मन ही मन सोचा कि इस कमी की सराहना करना बेवकूफी है, खासकर तब जब अधिकारी का स्वभाव मासिक धर्म से पहले की किसी साही जैसा लग रहा था। वह निश्चित रूप से कमांडर एसाइलन नहीं थे।

"ज़िरकेंडर, तुम क्या चाहते हो?" थेरिक ने लीला पर एक नज़र डाली, लेकिन इससे ज़्यादा कुछ नहीं। हैरानी की बात यह थी कि उसने काइका को सिर हिलाकर अभिवादन किया। यह लगभग सौहार्दपूर्ण था, कम से कम रिज पर उसकी घूरती नज़र की तुलना में।

"हमें ड्रैगन के दफन स्थल पर बोसमोंट की रिपोर्ट मिली है," रिज ने कहा।

"ये कोई कब्रिस्तान नहीं है। ये तो बस कुछ हड्डियाँ हैं जो चट्टानों में फंसी हुई हैं। इनके बारे में चिंता करने से पहाड़ के उस हिस्से में खनन की हमारी तैयारियों में देरी हो रही है। इससे शायद इस बात पर असर पड़ेगा कि इस सर्दी में आपके पायलटों को कितने ऊर्जा क्रिस्टल मिलेंगे।"

आह, स्लीपी सही था। थेरिक तो विद्वानों के साथ काम करने की बजाय उन्हें खा जाने की ज़्यादा संभावना रखता था। लिलाह को खुशी थी कि रिज को राजा से आदेश मिले थे।

फिर भी, मैं आपके लिए एक जीवाश्मविज्ञानी को लाया हूँ जो स्थल और हड्डियों की जांच करेगा और यह निर्धारित करेगा कि क्या उन्हें सुरक्षित रूप से खोदा जा सकता है या हमें उनके चारों ओर काम करना होगा।

"एक जीवाश्मविज्ञानी।" थेरिक ने लिलाह की ओर भौंहें चढ़ाईं। कम से कम उसने स्लीपी की तुलना में इस शब्द का उच्चारण अधिक आसानी से किया था, हालांकि कम सम्मान के साथ।

"मुझे प्रोफेसर लिलाह ज़िरकेंडर से आपका परिचय कराने दीजिए।" रिज ने उनकी ओर हाथ बढ़ाया।

उसने उस आदमी को अपना हाथ बढ़ाने के लिए आगे बढ़ाया, लेकिन थेरिक की भौंहें तन गईं। "ज़िरकेंडर?" यह नाम उसके मुंह से एक गाली की तरह निकला, एक बेहद घृणित गाली।

पहली बार लिलाह को लगा कि मशहूर पायलट से रिश्तेदार होना शायद उसके लिए फायदेमंद न हो। खैर, कोई बात नहीं। कम से कम वह उससे रिज को अपने अंडरगारमेंट्स पर ऑटोग्राफ देने के लिए मनाने को तो नहीं कहेगा।

"वह मेरी चचेरी बहन है," रिज ने कहा, "लेकिन इस बात से भ्रमित मत होना। वह मुझसे कहीं

ज्यादा बुद्धिमान है।"

"इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।"

मुझे उम्मीद है कि आप उसके साथ मुझसे बेहतर व्यवहार करेंगे।

"इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा," काइका ने मुस्कुराते हुए कहा।

“मजाक नहीं कर रहा,” रिज ने कहा।

थेरिक के नथुने फूल गए।

"चूंकि मुझे पता है कि तुम्हें कभी-कभी मेरे आदेशों का पालन करने में परेशानी होती है," रिज ने थेरिक के धड़ को इतनी देर तक घूरते हुए कहा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसने गायब जैकेट पर ध्यान दिया था, "मैं राजा के हस्तलिखित आदेश लाया हूं।"

“बेशक आपने किया होगा,” थेरिक ने कहा।

रिज ने उसे कागज़ात सौंप दिए। "क्या आपको अपने मेहमान का सत्कार करने में कोई समस्या होगी?" उसने कुछ ठंडे स्वर में पूछा। उसने थेरिक को घूरकर देखा, मानो उससे नज़रें मिला रहा हो, जिससे लीला कतरा रही थी। आमतौर पर, वह किसी का भी सामना कर सकती थी, लेकिन थेरिक में कुछ ऐसा था जो उसे ऐसा करना ज़्यादा खतरनाक लग रहा था, मानो उसके अंदर हिंसा सुलग रही हो, जो किसी भी अवसर पर भड़क उठकर आस-पास की किसी भी चीज़ या किसी भी व्यक्ति को नष्ट कर दे। उसे आश्चर्य हुआ कि रिज, चाहे उसका पद कितना भी ऊंचा क्यों न हो, उससे दूर क्यों नहीं हटा।

“क्या वह भेस बदलकर आई हुई चुड़ैल है या अजगर?” थेरिक ने पूछा।

"नहीं।"

“तो फिर मुझे कोई समस्या नहीं होगी।” थेरिक ने बिना कुछ और कहे अपने आदेशों वाला लिफाफा स्वीकार कर लिया।

“हम अपना सामान कहाँ रखें, महोदय?” काइका ने पूछा। “पिछली बार वाले कमरे में ही?”

“तुम यहीं रुक रहे हो?” थेरिक ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।

"यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके कोई भी गंदे खनिक या सैनिक प्रोफेसर के साथ बदसलूकी न करें, जी हाँ, महोदय। मेरा मानना है कि राजा ने अपने आदेशों में मेरा उल्लेख किया है।"

थेरिक ने हल्की सी आवाज़ निकाली। या शायद बड़बड़ाहट। उसने हाथ हिलाते हुए कहा, "जो भी खोल कर मिले, ले लो। कुछ हड्डियाँ कलाकृतियों वाले कमरे में हैं। बहुत सी अभी भी चट्टानों में फंसी हुई हैं। जब तुम तैयार हो जाओ, बोसमोंट तुम्हें दिखा देगा।"

“क्या उनमें से कुछ को पहले ही हटा दिया गया है?” लिलाह ने मुंह बनाते हुए सोचा कि कुछ अनपढ़ सैनिकों ने प्राचीन जीवाश्मों को कितना नुकसान पहुंचाया होगा। “मैं उन्हें वहीं देखना पसंद करती।”

"खुश रहो कि तुम इन्हें देख तो सकते हो। कुछ घिनौने चोरों ने इन्हें पहाड़ से चुराने की कोशिश की थी।"

रिज ने भौंहें चढ़ा लीं। "गंदे चोरों को कैसे पता चला कि वे पहाड़ में हैं?"

“तुम्हारे पिताजी यहाँ नहीं हैं, है ना?” लिलाह ने पूछा।

रिज ने उसे एक सपाट नज़र से देखा। "जहाँ तक मुझे पता है, उसे केवल खोए हुए खजानों में दिलचस्पी है, खोई हुई ड्रैगन की हड्डियों में नहीं।"

“जो चाहो करो,” थेरिक ने कहा और चला गया। “मुझे काम करना है।”

"और अपनी वर्दी का बाकी हिस्सा भी ढूंढो," रिज ने उसके पीछे से आवाज़ लगाई।

थेरिक ने उसकी ओर ध्यान दिए बिना ही सीढ़ियों से नीचे उतर गया।

"क्या आपको यकीन है कि आप उससे ऊंचे पद पर हैं?" लिलाह ने पूछा।

मुझे यकीन है। मुझे यकीन नहीं है कि उसे यकीन है या नहीं।

“वह एक मुश्किल आदमी है,” काइका ने अपना बड़ा सा बैग कंधे पर रखते हुए और सीढ़ियों की ओर बढ़ते हुए कहा। “मेरे साथ आइए, प्रोफेसर, मैं आपको दिखाती हूँ कि यहाँ किस तरह की आलीशान सुविधाएँ उपलब्ध हैं।”

स्लीपी ऊपर चढ़ा और लीला के बाकी बैग, जिनमें जीवाश्मों की जांच के लिए ज़रूरी सामान से भरा औजारों का डिब्बा भी शामिल था, उसे लाकर दिया। उसने लीला को वह शिकार राइफल भी नीचे दी, जिसे उसने लेफ्टिनेंट के सुझाव पर यात्रा के लिए गोदाम से निकाला था।

“लिलाह?” रिज ने पूछा। “स्लीपी और मैं यहाँ नहीं रुकेंगे, कम से कम लंबे समय के लिए तो नहीं, लेकिन तुम क्या सोचती हो? क्या हम कल तक वापस जाने का इंतज़ार करें? या फिर हड्डियों को देखने के बाद?”

“मुझे यकीन है कि हम औरतें तुम्हारे बिना भी ठीक रहेंगी।” लिलाह ने राइफल के बक्से पर हाथ फेरते हुए कहा। “वैसे भी, कर्नल थेरिक तुम्हें ज़्यादा पसंद नहीं करते थे।” उसने यह ज़िक्र नहीं किया कि जब उन्हें पता चला कि वह रिज की रिश्तेदार हैं, तो उनका चेहरा गुस्से से लाल हो गया था। “हो सकता है कि अगर तुम न होतीं, तो वह हमारे प्रति ज़्यादा मेहमाननवाज़ होते।”

रिज ने नाक सिकोड़ी। "ऐसा होना तो संभव लगता है।"

उसने उसका हाथ थाम लिया। “आपसे मिलकर अच्छा लगा। इस प्रोजेक्ट के लिए मुझे याद करने के लिए धन्यवाद।” उसने इसे रोमांच कहने से खुद को रोका, हालाँकि उसे उम्मीद थी कि यह उसकी गर्मियों की शुरुआत शिक्षाप्रद और ज्ञानवर्धक साबित होगी।

"तुम पहले से ही उन हड्डियों के बारे में सोच रहे हो, है ना?"

"शायद ऐसा हो।"

उसने उसे सलाम किया। “ठीक है। सावधान रहना, और अगर किसी चीज़ की ज़रूरत हो तो कैप्टन बोसमोंट से संपर्क करना। वो इस चौकी को यहाँ के किसी भी व्यक्ति से बेहतर जानता है। अगर तुम्हें मुझे कोई संदेश भेजना हो, तो वो सुनिश्चित करेगा कि तुम्हारी रिपोर्ट आपूर्ति जहाज़ के साथ पहुँच जाए। यहाँ आसपास एक रेडियो टावर भी बन रहा है। जब हम हवाई जहाज़ से आए थे तब मैंने उसे देखा था।”

"मैं ठीक हूँ, रिज," उसने कहा और उसे उसके पर्चे की ओर इशारा किया।

“हाँ, अच्छा।” रिज ने हाथ हिलाते हुए चिल्लाकर कहा, “काइका, उसका ख्याल रखना, वरना मैं घर जाकर सबको तुम्हारा पहला नाम बता दूंगा।”

“क्या? मेरा पहला नाम तुम्हें किसने बताया? तुम झूठ बोल रहे हो!”

“क्या मैं हूँ? याद है, अब मेरे साथ जादूगरनियाँ, ड्रैगन और सजीव तलवारें रहती हैं। और वे सभी जिज्ञासु टेलीपैथ हैं।”

"इसका स्पष्टीकरण तो बनता है," लिलाह ने धीरे से कहा जैसे ही रिज अपने कॉकपिट में कूद गया।

सीढ़ियों के ऊपर इंतजार करते हुए काइका ने कहा, "आपको शायद पारिवारिक पिकनिक में शामिल होना नहीं भूलना चाहिए।"

पायलटों ने तब तक अपने इंजन चालू नहीं किए जब तक कि लिलाह भी उसी दिशा में नहीं मुड़ गई।

लिलाह काइका के पीछे सीढ़ियों से नीचे उतरी और सामने के दरवाजे तक गई, वहाँ रुककर उसने पूरी इमारत का जायज़ा लिया। आँगन के किनारों पर इमारतें फैली हुई थीं, जिनके बीच ट्राम कारों को सहारा देने वाले टावर बने हुए थे। उन टावरों के बगल में ज़मीन में बंद दरवाजे थे। क्या खनिक वहीं काम करते थे? उन दरवाजों के नीचे बनी सुरंगों में? यह सोचकर ही वह काँप उठी कि वह किसी अंधेरी सुरंग में है जिसका एकमात्र निकास ऊपर बंद है। क्या कैदी भी वहीं सोते थे? कई इमारतें बैरक जैसी लग रही थीं, इसलिए उसने उम्मीद की कि शायद उन्हें रात में ऊपर आने की इजाज़त होगी।

ट्राम टावरों में से एक से कुछ गंदे चेहरे उसकी ओर घूर रहे थे, वही एक टावर था जिसके बगल में शाफ्ट के दरवाजे खुले थे। आंगन के उस पार से भी, उसे उन आदमियों की बेशर्म निगाहों का एहसास हो रहा था जो उसकी छाती पर टिकी थीं। इससे वह सिहर उठी और दरवाजे से जल्दी से बाहर निकल गई, यह समझते हुए कि रिज ने किसी बहुत ही गंभीर कारण से अपने साथ एक अंगरक्षक भेजा था।

अंदर काइका उसका इंतज़ार कर रही थी और उस पर नज़र रख रही थी। लीला को लगा कि यह तो स्वाभाविक था, लेकिन अंगरक्षक का होना थोड़ा अजीब भी था। उसने बाहर मौजूद उन सभी घायल आदमियों के बारे में सोचा, जो ज़ाहिर तौर पर थेरिक से अपनी लड़ाई हार गए थे। अगर थेरिक ने अपने यहाँ आए जीवाश्म विज्ञानी के साथ कुछ करने का फैसला किया, तो क्या काइका सचमुच उससे लड़ाई में उसका सामना कर पाएगी? लीला कल्पना कर सकती थी कि वह लंबी महिला उसकी तरफ देख रहे दुबले-पतले, धूल से सने खनिकों में से किसी एक को पीट देगी, लेकिन थेरिक दुबला-पतला बिल्कुल नहीं था।

“रिड्ज ने कहा था कि कर्नल थेरिक को संभालने में तुम अपनी यूनिट के कई जवानों से बेहतर होगे,” लिलाह ने धीरे से कहा, जब वह काइका के पीछे-पीछे पहली मंजिल के उस गलियारे से गुज़र रही थी, जिस पर कई दशकों पुरानी टूटी हुई टाइलें लगी थीं। “क्या यह सच है?”

"हम्म, शायद।"

"क्योंकि तुम उससे ज्यादा तेज और चालाक हो?"

“क्योंकि मुझे उसके सारे टैटू पता हैं।” काइका ने मुस्कुराते हुए कहा, फिर हॉल के अंत में रुककर एक दरवाजे से झाँका। “यह कमरा खाली है और इसमें दो चारपाई हैं। क्या आपको साझा

करने में कोई दिक्कत नहीं है? मुझे लगता है कि जनरल के मन में यही था, हालाँकि मुझे शक है कि कोई खनिक मुख्यालय में आकर आपको परेशान करेगा। यहाँ पहली मंजिल पर सभी अधिकारी सोते हैं, और उस तरफ की बैरक—" उसने खिड़की की ओर इशारा करते हुए कहा, "—सैनिकों के लिए है। लेकिन आपको यहाँ परिसर में अकेले नहीं घूमना चाहिए, खासकर अंधेरा होने के बाद।"

काइका ने जवाब का इंतज़ार किए बिना कमरे में प्रवेश किया और अपना सामान बाईं ओर के बिस्तर पर पटक दिया। बैग की खड़खड़ाहट से ऐसा लग रहा था कि उसमें बहुत कम ही अतिरिक्त कपड़े और शौचालय का सामान था।

अगर मुझे कहीं पैदल जाना होगा तो मैं आपको बता दूंगा।

लिलाह ने अपना टूलबॉक्स, जो खटक रहा था, दूसरे बंक के नीचे ज़मीन पर रख दिया और अपना बैग पतले गद्दे पर गिरा दिया। उनके पास साझा करने के लिए केवल एक ही चार दराज वाली अलमारी थी, इसलिए उसे खुशी थी कि उसने हल्का सामान पैक किया था, जैसा कि वह अपने पति के साथ सफारी पर जाते समय करती थी। आमतौर पर सारा सामान वही रखता था, कला सामग्री से भरे बैग ताकि वह सवाना में चित्र बना सके। भले ही उसने ही उसे शिकार में रुचि दिलाई हो, लेकिन वह शेर का चित्र बनाने में उतना ही आनंद लेता था जितना कि उसे गोली मारने में।

उसने अपना सिर हिलाया, यह सोचते हुए कि आज दोपहर वह उसके बारे में क्यों सोच रही है। उसने अपने टॉयलेटरीज़ रखने के लिए ड्रेसर की एक दराज खोली, लेकिन रुक गई।

"क्या यहाँ अंदर पानी की व्यवस्था है?" उसने मुँह बनाया, यह सोचकर कि उसे काइका को आधी रात को जगाकर किसी बाहरी शौचालय तक ले जाना पड़ेगा।

"हाँ। मैंने कहा था ना कि रहने की व्यवस्था शानदार है।" काइका ने अपनी राइफल और पिस्तौल जाँच ली थी, और अब उसने एक सफाई किट निकाली और अपने बिस्तर के किनारे बैठ गई। "लेकिन शौचालय तो एक ही है, जिसे हम इमारत में सभी के साथ साझा करते हैं। तुम लोग पेशाब करने में कैसी हो?"

"अरे। काफी अनुभवहीन।"

"मज़ाक कर रही हूँ। ये ज़रूरी नहीं। काम खत्म होने के बाद क्या आप घूमना चाहेंगी? अंधेरा होने से पहले घूमना शायद अच्छा रहेगा। खनिकों की बैरकों में हमेशा एक गार्ड रहता है, लेकिन अगर पुरुष कैदी महिला कैदियों से मिलने के लिए चुपके से बाहर निकल जाते हैं, तो कोई ज़्यादा ध्यान नहीं देता। या अगर महिला कैदी सैनिकों से मिलने के लिए चुपके से बाहर निकल जाती हैं। मुझे लगता है कि अगर मौका मिले तो दोनों में से कोई भी आपसे मिलने के लिए चुपके से बाहर निकल जाएगा।"

"तुम तो ऐसे कह रही हो जैसे मैं कोई भोली-भाली कुंवारी लड़की हूँ जिसे बलि चढ़ाया गया हो।" लिलाह ने अपनी शिकार राइफल का डिब्बा खोला, क्योंकि उसने जगह बचाने के लिए उसमें मोज़े ठूंस रखे थे। उसने उन्हें एक दराज में फेंक दिया।

"मेरा यकीन मानो, तुम महिला कैदियों से कहीं ज़्यादा आकर्षक हो। और महिला सैनिकों को तो यहाँ भेजा ही नहीं जाता, सिवाय तब जब किसी अजगर को मारना हो और उनमें कोई विशेष

प्रतिभा हो।" काइका ने अपने भारी बैग पर थपथपाया।

"अरे, और आपकी प्रतिभा वास्तव में क्या है?" लिलाह को लगा कि वह उन आग्नेयास्त्रों को चलाने में माहिर है और शायद हाथ से हाथ की लड़ाई में भी, लेकिन उसे नहीं लगता था कि ड्रैगन के खिलाफ इनमें से कोई भी चीज़ उपयोगी होगी।

काइका ने अपनी अलग की हुई पिस्तौल की नली में आँखें गड़ाकर देखा और उसमें बोर ब्रश घुमाते हुए जवाब दिया, "विध्वंस, विस्फोटक, विस्फोटक सामग्री का निपटान, भाषाएँ, आग्नेयास्त्र, निहत्थे युद्ध, और हाँ, मैं अपनी ज़बान से बहुत तेज़ हूँ।"

लिलाह ने उसकी ओर देखा, उसे एक और मुस्कराहट या शायद घृणा भरी नज़र की उम्मीद थी, लेकिन काइका ने केवल अपनी पिस्तौल की नली से कार्बन के कण बाहर निकाले।

"क्या यह ड्रैगन के खिलाफ उपयोगी है?"

इस बार काइका मुस्कुराई। "मुझे अभी पता नहीं है। लेकिन वे इंसानी रूप धारण कर सकते हैं, और मेरा आंग—मेरे प्रेमी—के साथ एक समझौता है कि अगर मुझे किसी ड्रैगन के साथ सोने का मौका मिला, तो मैं बिना कोई सवाल पूछे उसे ले लूंगी, चाहे यह मिशन के लिए कितना भी ज़रूरी क्यों न हो।"

"क्या उसे देखने को मिलेगा?" खुले दरवाजे से एक रूखी आवाज आई।

लिलाह चौंक उठी और दराज में रखने वाली अपनी पैंटी गिरा दी। उन्होंने दरवाजा बंद नहीं किया था, लेकिन उसे किसी के आने की उम्मीद नहीं थी, खासकर ऐसे लोगों की जो बाहर खड़े होकर उसकी बातें सुन रहे हों। ज़ाहिर है, जीभों की बात काइका ने की थी, उसने नहीं। उसने फर्श पर कुछ नहीं गिराया। उसने बस थेरिक की तरफ मुस्कुराया और अपना बोर ब्रश वापस बैरल में डाल दिया।

उन्होंने कहा, "अगर वह चाहे तो इसमें शामिल हो सकता है। मैं उसके ज्ञान का दायरा बढ़ाने की कोशिश कर रही हूं।"

थेरिक के चेहरे पर हैरानी और भय का मिला-जुला भाव उभर आया। ये दोनों ही भाव छत पर उसके कठोर, मुश्किल से काबू किए गए गुस्से से बेहतर थे। उसने अपनी वर्दी की जैकेट पहन ली थी, गहरे नीले रंग का कपड़ा इस्त्री किया हुआ था, आस्तीनें कोहनी के नीचे तक मोड़ी और बटन से बंद थीं। अब वह किसी आम गुंडे की बजाय एक सैनिक जैसा लग रहा था, हालांकि टैटू—क्या वे खून टपकते हुए खंजर थे?—अभी भी उसे एक दुष्टतापूर्ण आभा दे रहे थे।

"मुझे इससे अधिक जानकारी की आवश्यकता नहीं थी।"

"महिलाओं के बैरक के कमरे में जाओ, और आमतौर पर आपको यही देखने को मिलेगा," काइका ने कहा।

थेरिक ने अपना सिर झुकाया और अपने काले बालों में हाथ फेरा। उसके शरीर के बाकी हिस्सों के विपरीत, उसके बाल मुलायम और स्पर्श करने योग्य लग रहे थे।

उसने ऊपर देखा, उसकी निगाहें लिलाह पर टिक गईं और वह लगभग फिर से चौंक गई। उसे ऐसे विचार क्यों आ रहे थे? वह अब पुरुषों पर मुश्किल से ही ध्यान देती थी, कम से कम कैंपस के आसपास तो बिल्कुल नहीं, और वह उससे कहीं ज्यादा कठोर और असभ्य था जितना वह कभी

सोच भी सकती थी।

“मैं अब आपको कलाकृतियों वाला कमरा दिखा सकता हूँ,” उसने उससे कहा। “जल्द ही अंधेरा हो जाएगा, इसलिए पहाड़ की सैर अभी टालनी पड़ेगी, लेकिन वहाँ रखी हड्डियाँ आपको कुछ देर व्यस्त रखेंगी।” उसकी नज़र नीचे ज़मीन पर पड़ी, जहाँ उसकी पैंटी अभी भी पड़ी थी।

बालों को छूने के ख्याल में इतनी मशगूल थी कि वो उनके बारे में भूल ही गई थी। उसने खुद को शांत किया, झुककर उन्हें उठाया और दराज में डाल दिया, बजाय इसके कि जल्दी से उन्हें उठाकर अपनी जेब में या किसी और ऐसी जगह रख दे जहाँ वो दिखाई न दे। उसने सोचा, काइका को पैंटी से शर्म नहीं आती। शायद वो उन्हें रखने से पहले हवा में घुमाती। लिला ने दराज बंद करके ही संतोष किया।

"मैं अब तैयार हूँ," उसने उसकी आँखों में देखते हुए कहा, यह सोचते हुए कि क्या उसे वहाँ कोई हल्की मुस्कान दिखाई देगी।

लेकिन काइका के साथ हंसी-मजाक में उसने जो थोड़ी-बहुत हास्य भावना दिखाई थी, वह सब गायब हो गई थी, एक भावहीन मुखौटे से ढकी हुई थी। उसकी निगाहें थोड़ी सी चमक उठीं जब उसने काइका के बिस्तर पर राइफल का केस देखा, जिसमें हथियार अभी भी मोजों से आधा छिपा हुआ था।

“यह ब्रासिंगर 980 है, है ना?” उसने पूछा।

“एक 960। मेरे पति के पास 80 मॉडल था, लेकिन मुझे पंप वाले मॉडल की तुलना में लीवर-एक्शन रीलोड वाला मॉडल हमेशा ज्यादा पसंद था।”

थेरिक बिना बुलाए ही अंदर आ गया, हालाँकि उसकी नज़र कमरे में इधर-उधर भटकने के बजाय हथियार पर ही टिकी रही। उसने अभी तक लिलाह को वैसी घूर-घूर कर नहीं देखा था जैसी आमतौर पर पुरुष उसे देखते थे, हालाँकि उसकी कॉलर तक बंद लंबी आस्तीन वाली कमीज़ से ज़्यादा अटकलें नहीं लग रही थीं। लिलाह एक तरफ हट गई ताकि वह चारपाई के पास जा सके।

थेरिक ने राइफल उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन रुक गया। "क्या मैं ले सकता हूँ?"

काइका ने घुटन भरी आवाज निकाली। लिलाह ने अपनी भौहें ऊपर उठाते हुए थेरिक को राइफल से जो चाहे करने का इशारा किया।

"वह आमतौर पर इतना विनम्र नहीं होता," काइका ने कहा।

थेरिक ने कहा, "सैनिकों के साथ विनम्रता से पेश आना ठीक नहीं है। इससे वे भ्रमित हो जाते हैं।"

"हां, भ्रम की स्थिति ही वह कारण है जिसकी वजह से सैन्य अड्डे पर स्थित आपके घर को असंतुष्ट सैनिकों द्वारा तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है।"

उसका चेहरा सख्त हो गया, जबड़े कस गए, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उसने बस राइफल का निरीक्षण किया, और सजावटी लकड़ी के बट पर हाथ फेरा। टैरिन ने बड़ी मेहनत से उसे जन्मदिन के उपहार के रूप में शेर और हाथी उकेरे थे, और जब थेरिक ने उसका मज़ाक नहीं उड़ाया तो उसे राहत मिली। उसने गोला-बारूद का डिब्बा उठाया और कैलिबर देखकर अपनी भौंहें चढ़ा लीं।

“क्या आप यहां रहते हुए भालुओं का शिकार करने की योजना बना रहे हैं?” उसने पूछा।

"लेफ्टिनेंट स्लीपी ने संकेत दिया कि मुझे एक भालू के आकार के चिड़चिड़े कमांडर के खिलाफ अपना बचाव करने की आवश्यकता पड़ सकती है।"

काइका ने हंसते हुए नाक सिकोड़ी, लेकिन थेरिक के चेहरे पर एक अलग ही भाव उभर आया, पहले हैरानी, फिर झुंझलाहट, और उसका मुंह गुस्से से सिकुड़ गया। उसके इतने करीब खड़े होकर, यह बदलाव चिंताजनक था, और लिलाह को पीछे हटने से रोकने के लिए खुद को संभालना पड़ा।

“ज़िरकेंडर के पायलट उसी की तरह बड़े घमंडी और नकचढ़े हैं।” थेरिक ने राइफल को वापस केस में रखा और बाहर निकलते हुए कहा, “कलाकृति कक्ष इधर है,” और वह गलियारे में गायब हो गया।

"मुझे पता था कि यह शिष्टता ज्यादा देर तक नहीं टिकेगी," काइका ने कहा।

लिलाह को कर्नल के प्रति थोड़ी सी नाराज़गी महसूस हुई और वह सोचने लगी कि बिना सैनिकों के वह कैसा महसूस करता होगा। लेकिन असल में, उसे चिढ़ाने वाली वह खुद थी, काइका नहीं। उसने वह टिप्पणी मज़ाक में की थी, उसे बाद में एहसास हुआ कि यह उसके सम्मान पर एक ताना था, अगर वह सच में सम्माननीय व्यक्ति था। उस समय उसे यह बात पता नहीं थी।

"मुझे जाकर उसका कमरा देख लेना चाहिए," लिलाह ने धीरे से कहा।

उसने अपना औजार उठाया और बाहर निकल गई, उसे पता था कि काइका अपनी बंदूक जोड़कर उसके पीछे आ रही है। लिलाह को समझ नहीं आ रहा था कि उसे किसी के साथ होने से राहत महसूस करनी चाहिए या नहीं। लोगों को नाराज़ करने की उसकी आदत को देखते हुए, थेरिक के साथ अकेले रहना शायद अच्छा विचार नहीं था, खासकर इसलिए क्योंकि ज़िरकैंडर्स के प्रति उसके मन में विशेष घृणा थी।

• • • • •

मुख्यालय भवन की दूसरी मंजिल पर, वैन ने प्रोफेसर के आने का इंतज़ार करते हुए कलाकृतियों वाले कमरे का दरवाज़ा खोला। हॉल के अंत में उसका अपना कार्यालय था, जिसकी मेज़ पर कागज़ों का कभी न खत्म होने वाला ढेर लगा था। अगर अगली बार जब आपूर्ति जहाज़ घाटी में आए तो कागज़ों के गट्ठे लाना भूल जाए तो यह बहुत शर्मनाक होगा। दुर्भाग्य से, उसे अपने कागज़ों पर वापस लौटना था। उसने शाम के व्यायाम सत्र के लिए ज़रूरत से ज़्यादा आराम कर लिया था। कुश्ती और मुक्केबाज़ी के एक दर्जन दौर के बाद उसकी मांसपेशियां कम तनावग्रस्त थीं, जिससे उसे आराम मिला, लेकिन जनरल ज़िरकेंडर के आने से जो काम सिर्फ़ एक घंटे का होना चाहिए था, उसमें और देरी हो गई। वैन को आज रात लालटेन की रोशनी में रिपोर्टों की समीक्षा करनी होगी।

जैसे ही वह सीढ़ियाँ चढ़ी, प्रोफेसर ज़िरकेंडर का सिर दिखाई दिया, उनके लाल-भूरे बाल कंधों पर बिखरे हुए थे। वह उनसे आगे निकल गए थे, उनके कदमों में झुंझलाहट थी क्योंकि यह संकेत दिया गया था कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिनसे महिलाओं को बचाव के लिए बंदूक की ज़रूरत है, लेकिन आयताकार दो मंजिला इमारत में खो जाने की कोई गुंजाइश नहीं थी। हर मंजिल पर एक लंबा गलियारा था जिससे सभी कमरों तक पहुँचा जा सकता था।

काइका प्रोफेसर के पीछे-पीछे धीरे-धीरे चल रही थी, देखने में तो वह शांत लग रही थी, भले ही थोड़ी ऊब भी रही हो, लेकिन उसकी ट्रेनिंग भी लगभग वैसी ही थी जैसी प्रोफेसर की थी, और वह जानता था कि वह हमेशा सतर्क और प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहती है। उसने अपना जबड़ा भींच लिया, उसे फिर से गुस्सा आ रहा था कि वह—या शायद प्रोफेसर—यह क्यों सोच रहे थे कि मुख्यालय भवन के अंदर एक अंगरक्षक के रूप में उसकी सेवाओं की ज़रूरत है। भला काइका को तो यह पता होना चाहिए था कि वह किसी महिला पर हमला नहीं करेगा, कम से कम किसी आम नागरिक महिला पर तो बिल्कुल नहीं। वह सैनिकों के साथ लिंग भेद किए बिना एक जैसा व्यवहार करने की कोशिश करता था, हालाँकि प्रशिक्षण मैदान में महिलाओं के साथ जबरदस्ती युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए उसे हमेशा असहज महसूस होता था। उसे इस बात की राहत थी कि सेना में अपने पहले पंद्रह वर्षों में उसे सैनिकों के रूप में उनसे निपटना नहीं पड़ा था। जब उसे कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया और उसे मैदान से अकादमी में ले जाया गया, जहाँ उसे सभी भावी अधिकारियों को, न केवल पैदल सेना के अधिकारियों को, निहत्थे युद्ध का प्रशिक्षण देना था, तभी उसका सामना मिश्रित लिंगों से हुआ था। जैसा कि वह केवल खुद से स्वीकार करता था, प्रशिक्षण के मामले में वह पुरुषों और महिलाओं दोनों के साथ समान रूप से अक्षम था। उसे फील्डवर्क की बहुत याद आती थी। काइका को अभी भी गुप्त मिशनों पर भेजा जा रहा था, यह देखकर उसे थोड़ी ईर्ष्या हुई, हालाँकि प्रोफ़ेसर के साथ उसके पास आते देख उसने मन ही मन थोड़ी सी संतुष्टि भरी मुस्कान बिखेर दी। वह जानता था कि काइका को यह छोटा सा मिशन बिल्कुल पसंद नहीं होगा और वह इसके खत्म होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही होगी। अंगरक्षक का काम। कितना उबाऊ और नीरस!

"वे यहीं हैं," वैन ने कहा जब महिलाएं उसके सामने रुकीं। उसने दरवाजा धक्का देकर खोला, उसकी नजर टूटी हुई खिड़की पर अटक गई, एक ऐसी टूटी हुई खिड़की जिसके लिए और भी कागजी कार्रवाई की जरूरत थी, क्योंकि राजधानी से आने वाले हर सामान का हिसाब रखना जरूरी था। वह मन ही मन बड़बड़ाया।

कमरे में जाते समय उसके पास से गुज़र रही प्रोफ़ेसर ने शायद वह आवाज़ सुन ली होगी, क्योंकि उसने घबराकर उसकी ओर देखा। वैन ने अपना चेहरा समेट लिया। उसे बताया गया था कि उसकी दबी हुई बड़बड़ाहट उसकी उन गुर्राहटों से ज़्यादा अलग नहीं थी, जिनके लिए वह बदनाम था, और उसका इरादा उसे डराने का नहीं था। काइका ने गुज़रते हुए उसकी ओर एक भौं उठाई। वैन ने अपने जबड़े कस लिए और कुछ नहीं कहा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसके यहाँ होने पर उसे कैसा महसूस हो रहा है। खैर, उसे एक इंसान या एक सैनिक के तौर पर उससे कोई आपत्ति नहीं थी। वे कई सालों से एक ही विशिष्ट सैन्य इकाई में थे, और अक्सर उनका आमना-सामना होता था, यहाँ तक कि उन्होंने कुछ मिशन भी साथ में किए थे। वह पैदल सेना में मिली इकलौती महिला सैनिक थी, जो ज़ाहिर तौर पर राजा की विशेष छूट के कारण वहाँ थी। वैन को जो बात परेशान कर रही थी, वह यह थी कि उसे प्रोफ़ेसर की रक्षा के लिए न केवल कैदियों से, बल्कि उससे भी, तैनात किया गया था, मानो वह कोई कामुक दरिंदा हो जो किसी औरत पर हमला करेगा। उनके रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी नहीं था जो इसे जायज़ ठहराता हो, और उन्हें पता था कि इस आरोप

के लिए जनरल ज़िरकेंडर और लेफ्टिनेंट स्लीपी ज़िम्मेदार हैं। ये पायलट तो कमाल के हैं! अकादमी में सबसे ज़्यादा शिकायत करने वाले तो बस उड़ना चाहते थे, असली सैनिक बनना नहीं सीखना चाहते थे।

कमरे में महिलाओं के पीछे जाते हुए उसने खुद को दोबारा बड़बड़ाने से रोक लिया। लिलाह सीधे मेज पर बिछे तिरपाल की ओर बढ़ी। वैन ने हड्डियों की अव्यवस्था देखकर मुंह बनाया, लेकिन उसने अपनी उंगलियां मलते हुए याद किया कि उन्हें व्यवस्थित न रखने का एक कारण था।

काइका ने कमरे में चारों ओर देखा, उसकी निगाहें टूटी हुई खिड़की पर ठहर गईं, फिर उसने प्रोफेसर को कुछ देर देखा और कंधे उचकाकर दरवाजे के बगल वाली दीवार की ओर चली गई। "लगता है आज रात मुझे लैम्पपोस्ट की रखवाली करनी पड़ेगी।"

प्रोफेसर—वैन ने मन ही मन उन्हें लिलाह नाम देने का फैसला किया, क्योंकि वह उनका अंतिम नाम याद नहीं करना चाहता था—ने अपने किट से एक जर्नल, कई औजार और एक आवर्धक लेंस निकाल लिया था। वह दरवाजे की ओर पीठ करके हड्डियों पर झुकी हुई थीं और तुरंत ही तल्लीन हो गईं।

“सिर्फ एक रात के लिए?” वैन ने पूछा।

“हम्म।” काइका ने अपनी शिष्या पर गौर किया, जिसने सुनने का कोई संकेत नहीं दिया। “जब तक वह बेहोश न हो जाए? आपको क्या लगता है वह कब तक जीवित रहेगी?”

वैन का दिमाग किसी ऐसी बात पर चला गया जिसका खड़े होकर हड्डियों को देखने से कोई लेना-देना नहीं था, और उसने संदेह भरी नजरों से काइका को देखा, क्योंकि उसे लगा कि वह दोहरे अर्थ में कुछ कह रही है, क्योंकि उस महिला के मुंह से निकलने वाली अधिकतर बातें यौन संबंधी थीं।

"मुझे यकीन है कि वह कल दोपहर के भोजन तक काम कर सकती है," काइका ने मासूमियत से मुस्कुराते हुए कहा।

उन्हें उस निर्दोषता पर जरा भी विश्वास नहीं था, और उन्होंने अपना मुंह बंद रखा, उस महिला के बारे में मजाक करने में शामिल होने से इनकार कर दिया।

"हालांकि मुझे लगता है कि शिक्षाविद अपनी सहनशक्ति के लिए नहीं जाने जाते हैं," काइका ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, उसकी आंखें चमक रही थीं, जाहिर तौर पर उसे मजाक जारी रखने के लिए किसी मदद की जरूरत नहीं थी।

वैन का मन कर रहा था कि वह प्रोफेसर का बचाव करे—और उनकी सहनशक्ति का भी—खासकर इसलिए क्योंकि वह वहीं मौजूद थीं और अगर वह ध्यान दे रही होतीं तो उनकी बातें सुन सकती थीं। उसने बस इतना कहा, "ज़िरकेंडर को ज़्यादा पेशेवर अंगरक्षक भेजना चाहिए था।"

उसने माचिस की डिब्बी उठाई और कमरे में जाकर मेजों और अलमारियों पर रखी कुछ लालटेनें जला दीं। उस दूरदराज की चौकी में गैस से रोशनी की व्यवस्था नहीं थी, इसलिए सूरज डूबने के बाद काफी अंधेरा हो जाता था। उसे नहीं पता था कि प्रोफेसर अपनी पढ़ाई जारी रख पाएंगी या नहीं, चाहे उनकी शारीरिक क्षमता कितनी भी कम क्यों न हो, लेकिन वह लालटेनें मेज पर ले आया और उन्हें ऐसी जगह रख दिया जहाँ से उन्हें रोशनी मिल सके। उसने हड्डियों को

सावधानी से देखा, वह उनसे पूछना चाहता था कि क्या ड्रैगन के अवशेषों के मामले में जादू की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन वह एक प्रोफेसर के सामने मूर्ख दिखने से हिचकिचा रहा था। एक साल पहले, जादू और चुड़ैलों पर शायद ही कोई विश्वास करता था, और उसे यकीन नहीं था कि कोफाह जादूगरनी और दुनिया में फिर से प्रकट हुए कुछ ड्रैगनों से निपटने वाले चुनिंदा लोगों को छोड़कर बाकी लोगों के लिए यह स्थिति बदली है या नहीं।

जब उसने उसके पास लालटेन रखी तो लिलाह ने ऊपर देखा; उसे वहाँ देखकर वह चौंक गई —या शायद यह जानकर कि कमरे में कोई है—लेकिन फिर संभलकर मुस्कुराई। उसकी मुस्कान प्यारी थी, और आम तौर पर वह कम से कम सिर हिलाकर अभिवादन करता, लेकिन उसे जनरल ज़िरकेंडर और उसकी मुस्कानों का ख्याल आया जो हमेशा व्यंग्यात्मक होती थीं, कम से कम वैन की ओर, इसलिए उसने खुद को उस महिला को घूरते हुए पाया और यह समझने की कोशिश की कि उसकी मुस्कान सच्ची है या नहीं। उसके चेहरे पर भाव बदल गए, और उसने नीचे देखकर दृढ़ता से एक और हड्डी उठा ली।

उसने खुद पर गुस्सा किया। वैन, एक औरत को घूरना? यह ठीक नहीं है। वह माफी मांगने का कोई तरीका ढूंढने लगा, ताकि उसे अपनी गलती न माननी पड़े—यह उसकी गलती नहीं थी कि वह जनरल माउथी की रिश्तेदार थी।

"क्या वे सामान्य दिखते हैं?" उसने पूछा।

उसने भौंहें चढ़ाकर उसकी ओर देखा और तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। या तो यह एक मूर्खतापूर्ण सवाल था, या उसने सोचा था कि उनकी बातचीत खत्म हो चुकी है। शायद ऐसा ही होना चाहिए था। वह यहाँ कुछ भी योगदान नहीं दे सकता था, और उसे काम करना था।

उन्होंने आगे कहा, "हड्डियां।"

काइका चुपचाप दरवाजे के पास खड़ी रही, बिना कुछ बोले, जैसे एक अच्छे अंगरक्षक को रहना चाहिए, लेकिन उसकी भौंहें जिस तरह उठीं, उससे लगा कि वह उसे अजीब समझ रही है। नहीं, वह तो बस उन हड्डियों के बारे में जानने को उत्सुक था और यह पता लगाना चाहता था कि क्या वे कोई खतरा हैं। शायद वह लिलाह के बारे में भी थोड़ा उत्सुक था, भले ही ज़िरकंदर के साथ उसके रिश्ते ने उसके दिमाग में खतरे की घंटी बजा दी थी। उस परिवार से किसी भी तरह का संबंध रखने के ख्याल से ही वह कांप उठता था। भले ही वह ज़िरकंदर से नफरत न करता हो, लेकिन उसकी चुड़ैल और उसके पीछे घूमने वाले उस पागल अजगर के बारे में तो सोचना ही पड़ता था।

फिर भी, लिलाह एक आकर्षक महिला थी, और अवांछित रिश्तेदार भी उसे यह देखने से नहीं रोक सके कि उसके सुडौल शरीर की बनावट इतनी खूबसूरत थी कि आस्तीन वाली कमीज और पतलून भी उसे पूरी तरह से नहीं छिपा पा रही थीं। उसके होंठ भरे हुए थे और उसकी हरी आँखें उसके घने, लाल-भूरे बालों के साथ बेहद आकर्षक ढंग से मेल खाती थीं, उसके बालों में एक ऐसी चमक थी कि किसी भी पुरुष का मन करता था कि वह उनमें हाथ फेर ले।

"दरअसल, ये जीवाश्म हैं," लिलाह ने कहा। "हड्डी का जैविक भाग, जिसमें रक्त कोशिकाएं, कोलेजन और वसा शामिल हैं, बहुत पहले ही विघटित हो चुका है—मेरी प्रयोगशाला तक पहुंच के बिना यह ठीक-ठीक बताना मुश्किल होगा कि कितना समय लगा। जो बचा है, वह खनिज हैं जो

अजैविक पदार्थ में रिस गए थे, जो संभवतः उस अवसादी चट्टान से आए थे जिसमें ये पाए गए थे। तो, आप देख सकते हैं कि हमारे पास यहाँ हड्डी की तुलना में चट्टान कहीं अधिक है।"

"तो क्या ये चट्टानें सामान्य हैं?"

काइका ने नाक सिकोड़ी।

"मुझे ठीक से समझ नहीं आ रहा है कि सामान्य से आपका क्या मतलब है, कर्नल जी, लेकिन मेरे पास अभी तक कुछ भी पता लगाने का समय नहीं मिला है।"

लिलाह हड्डियों पर झुक गई, और वैन ने सोचा कि यह उसे अकेला छोड़ने का संकेत था। उसके बालों में हाथ फेरना तो मुमकिन ही नहीं था। उसने खुद पर झुंझलाहट की और दरवाजे की ओर चल पड़ा, यह सोचते हुए कि क्या बोसमोंट ही यहाँ अकेला ऐसा व्यक्ति नहीं है जो बहुत लंबे समय से किसी महिला साथी के बिना रहा हो।

"अगर उसे किसी चीज की जरूरत हो तो मैं अपने ऑफिस में रहूंगा," वैन ने काइका से कहा, जिसकी भौहें बहुत ज्यादा भाव व्यक्त कर रही थीं।

"मैं आपको स्टेमिना टेस्ट के नतीजे बता दूंगी," उसने पीछे से आवाज़ लगाई।

फिर से बड़बड़ाते हुए, वह अपने कार्यालय में दाखिल हो गया।

अध्याय 4

लिलाह ने अपने सबसे ज़रूरी नोट्स एक नए कागज़ पर उतार लिए और अपनी कुर्सी पीछे धकेल ली, अपनी डायरी मेज़ पर खुली छोड़ दी ताकि बाद में उसे पढ़ सके। टूटी खिड़की से सुबह की रोशनी अंदर आ रही थी। अच्छा। अब वह किसी को खुदाई वाली जगह पर ले जाने के लिए ढूंढ सकती थी, जहाँ वह जीवाश्मों से ज़्यादा चीज़ों की जाँच कर सकती थी। आसमान में फिर से रोशनी होने लगी थी, इसलिए उसने सोने का विचार छोड़ दिया था, लेकिन अब वह झपकी लेने की कल्पना भी नहीं कर सकती थी, खासकर तब जब इतनी बड़ी खोज उसका इंतज़ार कर रही हो। इसके अलावा, एक बार जब वह सो गई थी और मेज़ पर सिर रखकर सो रही थी, तो वह एक सपने से अचानक जाग गई थी, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, और उसे याद था कि कैसे एक अजगर ने उसे पकड़कर ज़िंदा खा लिया था। इस घटना ने उसे दोबारा सोने से रोक दिया था।

काइका, जो रात भर दरवाजे के पास ही बैठी रही, सिर्फ थोड़ी देर के लिए उनके लिए खाना और पानी लाने के लिए बाहर गई थी, करवट बदली और जम्हाई ली। कुछ मौकों पर ऐसा लगा जैसे वह झपकी ले रही हो, लेकिन अगर वह सो भी रही थी तो खड़े-खड़े ही सोई थी।

“अब सोने का समय हो गया है?” उसने पूछा।

"नींद? नहीं, मुझे खुदाई स्थल देखना है।"

"ओह। मुझे लगता है कि कमरा चुनना एक अनावश्यक सैर थी।"

"शायद कर्नल अपने कुछ सैनिकों को मेरे पीछे-पीछे घूमने और ऊबने के लिए भेज सकते हैं।"

“मुझे कल रात बिल्कुल भी बोरियत नहीं हुई,” काइका ने कहा। “मेरे ख्यालों में खोए सपने ही मेरा मनोरंजन कर रहे थे।”

"क्या यह तुम्हारे खर्राटे लेने से पहले की बात है या बाद की?" लिलाह ने स्याही सुखाने के लिए कागज को लहराया और दरवाजे की ओर चल पड़ी।

“मैं खर्राटे नहीं ले रहा था। मुझे पता है कि खड़े होने पर मैं ऐसा नहीं करता। कभी-कभी ऐसा तब होता है जब मैं बिस्तर के किनारे से सिर लटकाकर सो जाता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यह समझ में आता है।”

“बिल्कुल। क्या आपको पता है कि यह बोसमोंट कहाँ हो सकता है?” लिलाह ने पूछा। “क्या कर्नल को परेशान करना ज़रूरी है? मेरे पास कुछ प्रारंभिक नोट्स हैं जो मुझे आगे भेजे जा सकते हैं, अगर कोई जहाज जल्द ही आने वाला हो।”

“आपको कर्नल को परेशान करना ही पड़ेगा। वो शायद बोसमोंट को व्यस्त रखते होंगे। मुझे याद है कि पिछली बार जब मैं यहाँ आया था, तो चौकी में हमेशा कर्मचारियों की कमी रहती थी, इसलिए मुझे नहीं लगता कि वो अपने इंजीनियर को इतनी आसानी से छोड़ देंगे।” काइका ने जम्हाई ली। “मुझे पूरा यकीन है कि उनके पास आपको देने के लिए कोई और अंगरक्षक नहीं होगा। वैसे भी, मैं अपरिहार्य हूँ।”

"क्या ऐसा है?"

"बिल्कुल।"

“शायद यह बोसमोंट हमें सही रास्ता दिखा दे, और हम खुद ही उस जगह को ढूंढ लें। तुम्हारी बातों से लगता है कि अगर वहाँ चोर हों तो तुम उनसे निपट सकती हो, और मैं अपनी राइफल लेकर जंगली जानवरों का सामना कर सकती हूँ।” लिलाह को लगा कि काइका भी जंगली जानवरों का सामना कर सकती है, अगर अपनी राइफल से नहीं तो उस थैले में रखे विस्फोटक पदार्थ से तो ज़रूर।

“मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हमें थेरिक से बात कर लेनी चाहिए। वह हमारी जिम्मेदारी संभालता है, और अगर आप गायब हो जाएं और उसे पता न चले कि क्या हुआ है, तो उसके लिए यह ठीक नहीं होगा। या अगर आप गायब हो जाएं और उसे पता हो कि क्या हुआ है, तो भी ठीक नहीं होगा।”

"मेरा गायब होने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर मैं गायब हो भी जाती हूं, तो इसके लिए उसे जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।"

“सेना इस तरह काम नहीं करती। अगर आप चौकी के कमांडर हैं, तो आपकी चौकी पर होने वाली हर चीज के लिए आप ही जिम्मेदार हैं।”

लिलाह हिचकिचाई और अपनी रिपोर्ट पर भौंहें चढ़ा लीं। थेरिक ने उसके साथ कोई बदतमीज़ी नहीं की थी, सिवाय उस पहले गुस्से भरे outburst के जब उसे उसका सरनेम पता चला था, लेकिन उसे लगा कि वह उसकी परवाह नहीं करता और शायद एक वैज्ञानिक को अपने इलाके में घूमते देखकर नाराज़ था। यह तो तय था कि जीवाश्म क्या होते हैं, इस बारे में उसकी व्याख्या से वह न तो ज्ञानवर्धक लगा था और न ही उत्साहित। कम से कम उसने संक्षिप्त व्याख्या ही की थी, जैसा कि गैर-शैक्षणिक लोग पसंद करते हैं।

“ऐसा लग रहा था कि उसे हड्डियों—जीवाश्मों—में कुछ दिलचस्पी थी,” काइका ने कहा। “शायद उसे आपकी रिपोर्ट पसंद आएगी।”

“क्या वह दिलचस्पी दिखा रहा था?” लिलाह ने उसे घूरकर देखा।

काइका उस आदमी को लीला से ज़्यादा जानती थी, लेकिन लीला को ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगा था। उसे बस इतना याद था कि जब उसने उसे देखकर मुस्कुराया था, तो उसने उसे घूरकर देखा था। वह लालटेन जलाने के लिए उसे धन्यवाद देने ही वाली थी, लेकिन उस घूरती नज़र ने उसे हिचकिचाने पर मजबूर कर दिया था।

"उन्होंने पूछा कि क्या वे सामान्य थे।"

“क्या इसका मतलब रुचि दिखाना था? मुझे तो समझ ही नहीं आया कि उसका क्या मतलब था। असामान्य जीवाश्म क्या होता है? मेरा मतलब है, मैं कुछ वैज्ञानिक उदाहरण तो सोच सकता हूँ, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई आम आदमी उनके बारे में सोचेगा।”

काइका ने कंधे उचकाते हुए कहा, "ज़ाहिर है तुम्हें कुछ मिला है।" उसने कागज़ की ओर इशारा करते हुए कहा, "चलो उसे रिपोर्ट दे देते हैं और देखते हैं कि अगर हम अकेले बाहर जाएं तो उसे कोई आपत्ति तो नहीं होती।"

“अगर उसे आपत्ति भी हो तो क्या तुम बाहर जाने पर विचार करोगे?” लिलाह ने उत्सुकता से पूछा। उसे पता था कि उसे सौंपे गए अंगरक्षक को उसके आदेशों का पालन करने के निर्देश थे या

उसे चौकी कमांडर की बात माननी थी क्योंकि वह उससे उच्च पद पर था। उसे सैन्य व्यवस्था में इस तरह के विशेष कार्यों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

"अगर इससे तुम्हारी जान खतरे में पड़ने से बचती, तो शायद ठीक होता, लेकिन सुनो।" काइका ने दरवाज़े को रोकने के लिए हाथ उठाया, हालाँकि लिलाह कुछ पल पहले ही चलना बंद कर चुकी थी। "मुझे उस स्थिति में मत डालो, प्लीज़। थेरिक तब तक ठीक है जब तक तुम सही तरीके से सम्मान से पेश आती हो—बशर्ते तुम्हारी रगों में ड्रैगन का खून न हो—लेकिन कभी-कभी, यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल होता है कि तुम उसे कितना परेशान कर सकती हो। और जब उसका गुस्सा फूटता है, तो वह भयानक रूप से हिंसक हो जाता है। अगर ऐसा हुआ तो मैं उसके सामने नहीं रहना चाहती। तुमने पूछा था कि क्या रिज ने मुझे इसलिए चुना क्योंकि मैं उसे लड़ाई में हरा सकती हूँ। बिलकुल नहीं। वह मुझे अपने ज़्यादातर सैनिकों से ज़्यादा पसंद करता है, इसलिए अगर मैं उसे नाराज़ करती हूँ तो वह मुझे पीटने की संभावना कम रखता है, लेकिन मैं उसे जानबूझकर नाराज़ नहीं करती।"

"तुम्हारी बातों से मेरा मन उससे बात करने का नहीं कर रहा," लिलाह ने मुस्कुराते हुए कहा। जितने कम समय से लिलाह काइका को जानती थी, उतने समय में उसने कभी गंभीरता नहीं दिखाई थी, इसलिए उसे इस तरह देखना उसे असहज कर रहा था। "लेकिन मैं नहीं चाहती कि तुम उसे नाराज़ करो, इसलिए मैं उससे बात करूँगी।" वह उस आदमी के सामने झुकने और उचित सम्मान दिखाने की चिंता करने को तैयार नहीं थी, लेकिन उसे नाराज़ करने के लिए बेवजह कुछ करने का कोई कारण नहीं था।

"अच्छा।" काइका ने गलियारे की ओर हाथ बढ़ाया। "क्या हम देखें कि वह आज सुबह अपने दफ्तर में है या किसी बेचारे सिपाही की पिटाई कर रहा है?"

"क्या सेना में सचमुच ऐसा करने को बढ़ावा दिया जाता है?" लिलाह गलियारे में दाखिल हुई। सेना के बारे में उसका सीमित अनुभव उपन्यासों और रिज के साथ पिछले कुछ सालों में हुई कुछ बातचीत से ही मिला था। उसे पता था कि पायलटों का अपना एक विशेष विभाग होता है और शायद वे आम अनुभव का प्रतिनिधित्व नहीं करते। काल्पनिक कमांडर असिलोन भी शायद आम अनुभव का प्रतिनिधित्व नहीं करता।

"वो अक्सर मारते-पीटते ही आपको सलाह देता है। हाँ, उसे मुक्केबाजी के अखाड़े में अपना गुस्सा निकालना अच्छा लगता है, लेकिन वो सचमुच चाहता है कि उसके सैनिक अपने कौशल में सुधार करें। वो पुराने ख्यालों का है कि आग से बचने का सबसे अच्छा तरीका जलकर ही सीखना है। ये बात पूरी तरह गलत नहीं है। बस..."

"हिंसक?"

काइका ने कंधे उचकाए और कुछ ही दूरी पर स्थित हॉल के अंत में मौजूद दरवाजे की ओर इशारा किया। लिलाह को यह एहसास नहीं था कि थेरिक का कार्यालय इतना पास है। उसने अपने होंठ दबाए और सोचने लगी कि क्या उसे धीरे बोलना चाहिए था। अगर वह अंदर होता, तो क्या उसने उनके बारे में हो रही बातें सुन ली होतीं?

इस बात से बेपरवाह होकर काइका ने दरवाजे पर दस्तक दी।

"क्या?" भीतर से एक गुर्राहट सुनाई दी।

लिलाह इसे निमंत्रण नहीं मानती, लेकिन काइका ने दरवाजा खोला और अंदर चली गई।

उन्होंने घोषणा की, "प्रोफेसर के पास कुछ प्रारंभिक परिणाम हैं।"

थेरिक एक डेस्क के पीछे खड़ा था, एक हाथ में कलम और दूसरे में कॉफी का मग, उसकी जैकेट कुर्सी के पीछे टंगी थी। उसने फिर से वही काली कमीज़ पहनी थी जो उसके मजबूत शरीर पर खूब जंचती थी। लिलाह ने खुद को याद दिलाया कि वह उसे पसंद नहीं करता और काइका की जानकारी ने इस बात को निराशा के बजाय राहत की बात बना दिया था। कलम उस पर बिल्कुल भी जंच नहीं रही थी। वह ऐसा लग रहा था मानो किसी खंजर को लहरा रहा हो, शायद वैसे ही जैसे उसकी बांहों पर टैटू बने थे। हे भगवान! वह किसी जेल के कैदी जैसा लग रहा था, न कि किसी ऐसे व्यक्ति जैसा जिसे छात्रों का कोई नेक और प्रतिष्ठित शिक्षक घूरकर देखे।

“क्या बात है, प्रोफेसर?” थेरिक ने पूछा, उसका लहजा उतना चिड़चिड़ा नहीं था।

उसने अचानक अपनी निगाहें उसके चेहरे की ओर उठाईं, यह महसूस करते हुए कि वह, अपने मौन चेतावनियों के बावजूद, उसकी छाती को घूर रही थी।

"मैं आज सुबह खुदाई वाली जगह देखना चाहूंगी," लिलाह ने जल्दी-जल्दी बोलते हुए कहा, मानो इससे उसका ध्यान उन भटकती निगाहों से हट जाएगा जिन्हें वह उम्मीद करती थी कि उसने नहीं देखा होगा।

“आज मैं बोसमोंट को तुम्हें वहाँ ले जाने के लिए नहीं भेज सकता। आज सुबह एक घटना हुई, कैदियों ने सैनिकों पर हमला किया और भागने की कोशिश की। उन्होंने ट्राम चलाने वाली एक मशीन तोड़ दी। मैंने बोसमोंट को उसे ठीक करने के लिए कहा है। यह मेरी प्राथमिकता है, और मुझे दो और कैदियों की मौत के कारणों की रिपोर्ट लिखनी है।” उसने अपनी मेज पर रखे कागजों पर गुस्से से नज़र डाली।

“मैं समझती हूँ कि आप व्यस्त हैं, और मुझे इस घटना के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ,” लिलाह ने कहा। “चूँकि कैप्टन बोसमोंट व्यस्त हैं, इसलिए अगर आप हमें रास्ता बताएँ तो कैप्टन काइका और मैं अकेले ही जाने के लिए तैयार हैं।”

उसने पहले उस पर और फिर काइका पर भौंहें चढ़ाईं, मानो यह उसी का विचार हो। "मैं अपने मेहमान को बिना गाइड के पहाड़ पर घूमने नहीं दूंगा। कैप्टन, आप कभी किले की दीवारों और सुरंगों से बाहर नहीं निकले हैं।"

“जी नहीं, महोदय। जब मैं यहाँ थी, तब बाकी का इलाका अभी भी बर्फ से ढका हुआ था,” काइका ने कहा। “लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि हम बिना किसी परेशानी के घटनास्थल तक पहुँच जाएँगे।”

“लेकिन मुसीबतों का सामना किए बिना नहीं।” उसने नाक सिकोड़ी। “हो सकता है वहाँ और भी बदमाश घूम रहे हों जो उन हड्डियों को चुराने की कोशिश कर रहे हों। उन जीवाश्मों को,” उसने लिलाह की ओर देखते हुए सुधार किया। “कल तक इंतज़ार करो। तब तक बोसमोंट का काम पूरा हो जाना चाहिए।”

होना चाहिए?

“कर्नल,” लिलाह ने अपनी सबसे सख्त, बिना किसी बहस को बर्दाश्त करने वाली शिक्षिका की आवाज़ में कहा। “मैं अपनी पूरी गर्मी की छुट्टियाँ यहाँ बैठकर पुरुषों के उपलब्ध होने का इंतज़ार करते हुए नहीं बिताना चाहती। कैप्टन काइका ने मेरे काम में दखल देने के दौरान मेरी सुरक्षा करने की पेशकश की है, और वह इस काम के लिए पूरी तरह सक्षम लगती हैं। हम आज ही उस जगह की जाँच करने निकलेंगे।” उसने उनकी आँखों में देखा, काइका की उनके गुस्से के बारे में की गई टिप्पणियों पर ध्यान न देने की कोशिश करते हुए।

थेरिक की भौंहें थोड़ी ऊपर उठीं। कैप्टन काइका अपने हाथ पीठ पीछे बांधे, उनकी मेज की ओर मुंह करके खड़ी थीं। उन्होंने लिलाह की ओर से आगे कोई तर्क नहीं दिया, लेकिन उन्होंने यह भी इनकार नहीं किया कि उन्होंने ही यह प्रस्ताव दिया था।

“ठीक है, जाओ,” थेरिक ने कहा। “मैं तुम्हें घाटी के अंत तक ले जाऊंगा और तुम्हें रास्ता दिखा दूंगा, जैसा भी वह है।”

लिलाह विरोध करना चाहती थी और कहना चाहती थी कि उसे अपना कार्यालय छोड़ने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है, लेकिन वहाँ दर्जनों रास्ते हो सकते हैं। यह सुनिश्चित करना सबसे अच्छा होगा कि किस रास्ते पर आगे बढ़ना है।

"धन्यवाद, कर्नल।"

“इतनी जल्दी क्या है?” उसने लिलाह के हाथ में मौजूद रिपोर्ट पर नज़र डालते हुए पूछा। “क्या आपको इसमें कुछ ऐसा मिला है जिससे तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता हो?”

वह हिचकिचाई, उसे याद आया कि उसने जीवाश्मों के सामान्य होने के बारे में कैसे पूछा था। किसी कारणवश, उसे अपना अजीब सपना भी याद आ गया।

“मुझे नहीं पता कि इसमें कितनी जल्दी है, हालांकि मैं निश्चित रूप से और चोरों के आने से पहले अपनी पढ़ाई पूरी करना चाहूंगा, लेकिन मुझे कुछ दिलचस्प और अनोखी चीज़ मिली है। ये हड्डियां एक ही ड्रैगन की नहीं हैं। ये कम से कम तीन ड्रैगनों की हैं। ड्रैगन इतनी आसानी से नहीं मरते थे—और न ही मरते हैं। आमतौर पर ड्रैगन ही ड्रैगनों को मारते हैं, लेकिन ऐसा भी बहुत कम होता है। वे अब तक के सबसे शक्तिशाली शिकारी रहे हैं, लेकिन उनकी संख्या कभी इतनी अधिक नहीं रही। हमारा अनुमान है कि जब वे सभी प्रमुख महाद्वीपों में फैले हुए थे, तब भी दुनिया में उनकी संख्या एक हजार या उससे कम थी। ऐसा भी लगता है कि वे हमेशा से यहां नहीं रहे हैं, अगर यह बात समझ में आती है। मेरे शुरुआती शोध का कुछ हिस्सा ड्रैगन के विकासवादी पूर्वज, जिसे हम 'लुप्त कड़ी' कहते हैं, को खोजने पर केंद्रित था। मुझे वह कभी नहीं मिला। आधुनिक विज्ञान और दुनिया के बड़े पैमाने पर अन्वेषण के बावजूद, ड्रैगनों के जीवाश्म अवशेषों का मिलना दुर्लभ रहा है। एक ही स्थान पर तीन—कम से कम तीन—का मिलना उल्लेखनीय है और वास्तव में, यह किसी दफन स्थल का संकेत हो सकता है, लेकिन हम हमारे पास ऐसा कोई पूर्व प्रमाण नहीं है जिससे यह पता चले कि ड्रैगन अपने रिश्तेदारों को हमारे कब्रिस्तानों या सामूहिक कब्रों के समकक्ष स्थानों में दफनाते थे।"

थेरिक को कैका की ओर देखते हुए देखकर लीला रुक गई।

"क्या मेरे सवाल का जवाब उसमें था?" उसने उससे पूछा।

“मुझे पक्का नहीं पता, महोदय। मैं वैज्ञानिकों की भाषा नहीं समझता।”

“जरूरत इस बात की है कि ऐतिहासिक रूप से यह पहली घटना हो सकती है। मैं आगे की गड़बड़ी होने से पहले इस जगह की जाँच करना चाहती हूँ। ताकि मेरे शोध पत्र के नतीजे प्रभावित न हों।” लिलाह ने अपनी रिपोर्ट उसकी मेज के लगभग खाली कोने पर रख दी। “इसे वापस... जिसने भी मुझे यहाँ लाने का फैसला किया, उसे सौंप देना चाहिए।” वह रिज का नाम नहीं लेना चाहती थी, क्योंकि उसका नाम सुनते ही थेरिक चिढ़ जाता था। इसके अलावा, उसे यकीन नहीं था कि आखिर में वही इसके लिए ज़िम्मेदार था।

“एक कागज़,” थेरिक ने कहा। “आह।”

उसने उसके चेहरे की ओर देखा, यह समझने की कोशिश करते हुए कि क्या उसका मज़ाक उड़ाया जा रहा है। ये बातें कभी-कभी उसकी समझ से परे हो जाती थीं। पिछली शाम उसने काइका के साथ मिलकर उसकी सहनशक्ति के बारे में मज़ाक नहीं किया था, लेकिन उसे नहीं पता था कि इसका कोई खास मतलब था या नहीं।

“मैं साफ-साफ कहता हूँ, प्रोफ़ेसर,” थेरिक ने कहा। “मुझे बस इतना जानना है कि क्या जीवाश्मों को हटाया जा सकता है ताकि मेरे लोग पहाड़ के आगे वाले हिस्से में खुदाई जारी रख सकें, जो कि पुराने चुड़ैल गढ़ में घुसने का कहीं ज़्यादा सीधा रास्ता होगा, उस जगह की तुलना में जहाँ हम अभी तक खुदाई कर रहे हैं।” उसने आँगन और शायद ट्राम के डिब्बों की ओर इशारा किया। “मुझे यह भी जानना है कि क्या खनिकों को कोई खतरा होगा।”

“खतरा? जीवाश्मों से? मुझे समझ नहीं आता कि वे खतरनाक कैसे हो सकते हैं।”

वह हिचकिचाया, फिर अपने कंधे समेटकर बोला, "क्या वे जादुई हैं?"

“जादुई? जीवाश्म?”

“ड्रैगन के जीवाश्म। ड्रैगन जादुई होते हैं, है ना? कुछ समय पहले ही, कोफाह के विमानों ने महाद्वीप पर हमला किया था, और वे विमान ड्रैगन के खून से चलते थे।”

“ओह।” लिलाह ने इसके बारे में कुछ नहीं सुना था, और उसे आश्चर्य हुआ। वह उन वैज्ञानिकों में से नहीं थी जो जादू के विचार को पूरी तरह से खारिज कर देते हैं और कहते हैं कि इसका अस्तित्व ही नहीं है, लेकिन उसने कभी इसका सामना भी नहीं किया था। जीवाश्म रिकॉर्ड में तो बिल्कुल नहीं। “अगर मैंने जिन ड्रैगन से संबंधित जीवाश्मों को देखा है, उनमें से किसी में भी किसी हद तक... जादू का अंश बचा हो, तो मुझे कभी इसकी जानकारी नहीं हुई। मुझे नहीं पता कि इसका पता कैसे लगाया जा सकता है।”

"जब मैंने उन हड्डियों में से एक को पकड़ा तो मेरी उंगलियों में झुनझुनी सी महसूस हुई," थेरिक ने कहा।

लिलाह ने अपना सिर हिलाया। उसे किसी तरह की झुनझुनी महसूस नहीं हुई थी।

“क्या... इस तरह की चीजें आपके परिवार में चलती आ रही हैं?” उसने यह पूछने में संकोच किया कि क्या उसके पूर्वजों के पास रहस्यमय शक्तियां थीं, क्योंकि देश के ग्रामीण इलाकों में ऐसा पूछना फांसी या डूबने की सजा का कारण बन सकता था।

"किस तरह की बात?" उसने पूछा, उसकी आवाज में फिर से वही गुर्राहट आ गई और उसकी

आंखें सिकुड़कर पतली हो गईं।

“जादू को महसूस कर पाना। या—” उसने अपनी उंगलियां हिलाईं, वह सीधे-सीधे जादू करने की बात नहीं कहना चाहती थी।

“नहीं,” उसने लगभग गुर्राते हुए कहा, मुट्ठियाँ भींचते हुए। “मेरे पूर्वजों में कोई चुड़ैल नहीं है।” उसके हाथ में पकड़ी कलम टूट गई और उसने गाली दी, स्याही उसकी उंगलियों पर फैल गई।

काइका ने अपना वजन एक तरफ कर लिया।

जब तक थेरिक ने कलम उठाई, उसे कूड़ेदान में फेंका और हाथ पोंछने के लिए रुमाल ढूंढा, तब तक उसके चेहरे से क्रोध गायब हो चुका था। "उन हड्डियों में कुछ अजीब है," उसने शांत भाव से उसकी आँखों में देखते हुए कहा। "ये मैं नहीं हूँ।"

“ड्रैगन के शरीर को स्वाभाविक रूप से जादुई मानने से पहले मैं ड्रैगन के रक्त पर कुछ और रिपोर्ट देखना चाहूँगी—मैंने हमेशा यही माना है कि वे जो करतब दिखा पाते हैं, वे उनकी मानसिक क्षमता है, न कि उनके शरीर में अंतर्निहित कोई चीज़। भले ही उनके रक्त और हड्डियों में कुछ जादुई तत्व हो, मुझे नहीं लगता कि वह जीवाश्म के रूप में सुरक्षित रह सकता है। जीवाश्मों को बनने में कम से कम दस हज़ार साल लगते हैं, और जैसा कि मैंने कल कहा था, मूल हड्डी का बहुत कम हिस्सा ही बचता है।” उसने अपने कंधे के ऊपर कलाकृतियों वाले कमरे की ओर इशारा किया। “ये तो अब लगभग पत्थर ही हैं। मैं—”

कमरे के बाहर कहीं से ज़ोरदार आवाज़ आई। काइका तेज़ी से दरवाज़े की ओर मुड़ी और उसका हाथ पिस्तौल पर चला गया। थेरिक डेस्क के चारों ओर से कूदकर उनके पास से गुज़रते हुए गलियारे में चला गया। वह सीधे कलाकृतियों वाले कमरे की ओर मुड़ा, मानो उसे पता हो कि आवाज़ वहीं से आई है। शायद उसके कान लिलाह से ज़्यादा तेज़ थे।

थेरिक ने गाली दी। लिलाह उसके पीछे चलने लगी, लेकिन काइका ने हाथ से उसे रोक लिया और खुद आगे बढ़ गई। उसने गलियारे में झाँका—वह खाली था—फिर कलाकृतियों वाले कमरे में प्रवेश किया। अंदर से फड़फड़ाने की आवाज़ें आ रही थीं, और लिलाह चुपचाप खड़ी नहीं रह सकी। वह दरवाजे तक दौड़ी और अंदर झाँका।

जिस मेज पर वह काम कर रही थी, उसके नीचे बिछे कालीन पर एक टूटा हुआ लालटेन पड़ा था। थेरिक ने अपनी कमीज उतारकर आग बुझा दी थी, हालांकि कालीन सुलग रहा था और धुआं हवा में फैल रहा था। उसने टूटा हुआ लालटेन उठाया और लीला की ओर देखकर भौंहें चढ़ाईं।

“माफ़ करना,” लिलाह ने धीरे से कहा। “मुझे उजाला होते ही इसे काट देना चाहिए था। वैसे मैंने कोई लालटेन नहीं हटाई। यह वहीं पड़ी थी जहाँ तुमने इसे कल रात रखा था। मुझे नहीं पता यह कैसे गिर गई।”

थेरिक ने खिड़की की ओर, शीशे में पड़ी एक दरार की ओर देखा। "क्योंकि इन हड्डियों के आसपास अजीबोगरीब चीजें हो रही हैं।" उसने बुझी हुई लालटेन को मेज पर रख दिया। "मेरे साथ आओगे क्या? मैं तुम्हें अपनी तलवार दिखाना चाहता हूँ।"

काइका ने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "क्या आपको लगता है कि यह उचित है, महोदय? आप तो उसे मुश्किल से एक दिन से जानते हैं।"

"मजाकिया है, कैप्टन," थेरिक गुर्राया और गलियारे की ओर बढ़ गया।

"मैंने अभी-अभी देखा है कि तुम उसके सामने अक्सर अपनी कमीज उतार देते हो," उसने पीछे से आवाज़ लगाई।

“मुझे लगा था कि तुम उसे नाराज़ न करने की कोशिश कर रही थी,” लिलाह ने काइका को पीछे छोड़ते हुए और थेरिक के पीछे गलियारे में जाते हुए कहा। वह एक-एक करके सीढ़ियाँ चढ़ता गया और तेज़ी से नीचे उतरकर नज़रों से ओझल हो गया।

"कभी-कभी मैं खुद को रोक नहीं पाती। यह मेरी एक कमी है।" उसकी मुस्कान से ऐसा लगता है कि उसे इस कमी का ज़्यादा अफ़सोस नहीं था।

लिलाह जल्दी से थेरिक के पीछे चलने लगी क्योंकि उसे नहीं पता था कि उसका कमरा कहाँ है। या शस्त्रागार कहाँ है। शायद तलवार रखने की जगह वही होती है।

वह सीढ़ियों के नीचे इंतज़ार करता रहा, फिर उसे उसी गलियारे की ओर ले गया जहाँ काइका और लिलाह ने एक कमरा लिया था। उसने अंत में एक खुला दरवाज़ा चुना। वह अंदर गया, और अंदर एक शस्त्रागार नहीं बल्कि एक शयनकक्ष दिखाई दिया, जिसमें अतिथि कक्ष के बिस्तरों से बड़ा एक सिंगल बंक था। उसने खिड़की के शटर खोले, और दिन का प्रकाश अंदर आ गया, जिससे उसके कमरे में मौजूद ड्रेसर जैसी ही एक ड्रेसर, बिस्तर के नीचे रखी एक लकड़ी की पेटी और एक दीवार पर कुछ अलमारियाँ रोशन हो गईं। वहाँ कुछ छोटे फ्रेम वाले चित्र रखे थे, हालाँकि लिलाह की नज़र बिस्तर के बगल वाली दीवार पर टिक गई जहाँ कई हथियार लटके थे: रोगावियन राजवंश की एक जटिल रूप से निर्मित कोफाह तलवार, एक लगभग हज़ार साल पुरानी मॉर्निंग स्टार तलवार, और एक प्रारंभिक मजल-लोडिंग राइफल जिस पर चांदी की जड़ाई में एक अजगर की पूंछ की आकृति उकेरी गई थी।

लिलाह हथियारों के करीब गई, जबकि थेरिक ने लालटेन पर इस्तेमाल की गई कमीज को कूड़ेदान में फेंक दिया और एक दराज खोलकर नई कमीज निकाली। वहाँ केवल एक ही तलवार थी। वह कृपाण देखने में सुंदर थी, मानो कला का नमूना हो, लेकिन लिलाह यह समझ नहीं पा रही थी कि उसका ड्रैगन के जीवाश्मों से क्या संबंध है।

“वो नहीं,” थेरिक ने अपनी कमीज सिर के ऊपर से खींचते हुए कहा।

लिलाह ने उसके पेट की उभरी हुई मांसपेशियों पर एक नज़र डाली, इससे पहले कि वह अपने कपड़े का किनारा नीचे खींचे। उसने शायद इस पर ध्यान नहीं दिया। वह घुटनों के बल बैठ गया और बिस्तर के नीचे देखने लगा।

“क्या यह राजा मेनोटोक का सुबह का तारा है?” लिलाह ने पूछा। “यह प्रतिकृति होने के लिए बहुत पुराना है।” उसने हथियार के शीर्ष पर लगे एक नुकीले हिस्से को छुआ। “जिस तरह से इन्हें जोड़ा गया है, उससे पता चलता है, और इसका हैंडल ज़ांगियर द्वीप समूह की बाघ की लकड़ी से बना है। उनके शासनकाल में हम युद्ध लड़ रहे थे और उत्तरी द्वीपों पर कब्ज़ा कर लिया था, इसलिए वहाँ से लकड़ी लाकर हथियारों में इस्तेमाल करना आम बात थी। बेशक, कोफा ने नौ सौ साल पहले महाद्वीप पर आक्रमण करके हमसे वे द्वीप छीन लिए और हमें इन्हीं पहाड़ों तक खदेड़ दिया।”

थेरिक ने बिस्तर के नीचे से एक लकड़ी का बक्सा निकाला, लेकिन जब वह बोल रही थी तो

वह रुककर ऊपर उसकी ओर देखने लगा।

"माफ़ करना," उसने कहा, उसे याद आया कि जीवाश्मों के बारे में उसकी व्याख्या से वह प्रभावित नहीं हुआ था। "मेरी आदत है कि मैं शिक्षक वाले अंदाज़ में आ जाती हूँ, चाहे अच्छा लगे या न लगे। सच में, यह अजीब है, जब आप सोचते हैं कि मुझे पढ़ाना कितना कम पसंद है। मुझे अपनी प्रयोगशाला और किताबें ज़्यादा पसंद हैं। और मेरी पुरानी मृत वस्तुएँ, जैसा कि मेरी दोस्त तातिया उन्हें कहती है। वह मानविकी की प्रोफेसर है।" उसने अपना मुँह बंद कर लिया, यह महसूस करते हुए कि वह बड़बड़ा रही है और यह भी कि थेरिक अभी भी एक घुटने पर बैठा उसे घूर रहा था। मानो अवाक होकर।

"तुम्हें हथियारों के बारे में पता है," उसने कहा। वह पूरी तरह से अविश्वास में तो नहीं था, लेकिन उसकी आवाज़ में हैरानी ज़रूर झलक रही थी।

"हाँ, ऐतिहासिक इतिहास से संबंधित। मैंने अपनी डिग्री की पढ़ाई के दौरान इतिहास की कई तरह की कक्षाएं लीं। और, कुछ ऐसी भी थीं जिनकी मुझे अपनी डिग्री के लिए ज़रूरत नहीं थी। मुझे अपनी पढ़ाई पूरी करने में सात साल लग गए, क्योंकि मेरी रुचियां विविध थीं और मैंने जीवाश्म विज्ञान को तुरंत नहीं चुना था।"

थेरिक उठ खड़ा हुआ, दीवार से भोर का तारा उतारा और उसे दे दिया। "यह केवल मेनोटोक के शासनकाल का नहीं है; यह स्वयं राजा मेनोटोक का था। उनके साथ एक सरदार शूरवीर थेरिक थे, जिन्होंने उनकी सेवा की थी। कोफाह के आक्रमणकारियों को खदेड़ते हुए और राजा की जान बचाते हुए उनकी मृत्यु हो गई। मेनोटोक ने धन्यवाद के रूप में अपना पसंदीदा हथियार शूरवीर के बेटे को भिजवा दिया था। यह सदियों से मेरे परिवार में है।"

"कारीगरी बेहद खूबसूरत है।" लिलाह ने अपना हाथ चिकनी टाइगर वुड पर फिराया, इतने वर्षों बाद भी इसकी अनोखी बनावट अभी भी जीवंत थी। इसकी अच्छी देखभाल की गई थी।

थेरिक एकदम शांत हो गया, उसके हाथ को देखता रहा, और वह भी रुक गई, खुद को असहज महसूस करते हुए। और साथ ही उसकी निकटता से भी अवगत होते हुए।

उसने कंधे उचकाए और बक्सा उठा लिया। "यह खोपड़ी को भी आसानी से फोड़ देता है।"

"कार्यक्षमता महत्वपूर्ण है, मैं समझती हूँ।" उसने उसे वापस दीवार पर रख दिया। "क्या आपका भी पोयंटोर थेरिक से कोई संबंध है, जो प्रभुत्व से पूर्व तीसरी शताब्दी का ड्रैगन संहारक था?"

"एक और पूर्वज, हाँ।" थेरिक ने बक्से का ढक्कन खोला, लेकिन इससे पहले कि वह खोल पाती, उसने ऊपर खुदे हुए प्रतीकों पर एक नज़र डाल ली—पुरानी इस्कैंडियन भाषा में और मध्य ड्रैगन लिपि में लिखे शब्द। इससे यह बक्सा भोर के तारे से भी पुराना साबित होता। "अगर कुलीन वंश का आज भी कोई महत्व होता, तो मैं यहाँ होने के बजाय अभी राजा की सेवा में होता।" उसने खिड़की की ओर इशारा करते हुए कहा। "आजकल कोई भी अधिकारी बन सकता है, और पत्रकार किसी गरीब, दिखावटी व्यक्ति की चापलूसी करने में ज़्यादा दिलचस्पी रखते हैं जो किसी तरह अकादमी में पास हो जाता है।"

"एक मशहूर पायलट बनने के लिए?" लिलाह ने नाराज़गी से ज़्यादा मज़ाक उड़ाते हुए पूछा।

उसके कई सहकर्मी ऐसे थे जिनके पदनामों का अब कोई खास महत्व नहीं रह गया था, और वे भी अक्सर इस बात से दुखी रहते थे कि पिछली कुछ पीढ़ियों में उनके परिवार का प्रभाव किस तरह कम होता जा रहा था।

थेरिक ने उसकी ओर देखते हुए थोड़ा शर्मिंदा सा चेहरा बनाया, शायद उसे एहसास हो गया था कि उसकी जड़ें भी रिज से ही जुड़ी होंगी।

"एक कुख्यात पायलट, मैं यही कहूंगा। ये रही मेरी तलवार।" उसने तलवार कहते हुए बक्से का ढक्कन खोला और दरवाजे की ओर देखा। काइका अंदर नहीं आई थी, लेकिन गलियारे में पहरा देते हुए उसकी आस्तीन दिखाई दे रही थी।

उसने कमरे में झाँका, लेकिन उसके हथियार के बारे में मज़ाक करने के लिए नहीं। "महोदय, क्या आपको वह गंध आ रही है? ऐसा लगता है कि आँगन में कुछ जल रहा है, और एकदम सन्नाटा छा गया है। मैं जाकर देखती हूँ।"

"अच्छा," थेरिक ने कहा और उसे जाने का इशारा किया।

उसकी भौहें थोड़ी ऊपर उठीं, लेकिन उसने आगे कुछ नहीं कहा। वह आँखों से ओझल हो गई।

लिलाह ने मखमल से ढके एक खांचे में रखी तलवार पर नज़र डाली। दीवार पर टंगे हथियारों जितनी सुंदर तो नहीं थी, लेकिन उसकी कारीगरी लाजवाब थी। उसने अपनी उंगली से तलवार की चिकनी सतह को छुआ, जिस पर प्राचीन इस्कांडियन और मध्य ड्रैगन लिपि में नक्काशी की गई थी। जी हाँ, स्टील! हालाँकि यह कम से कम दो हज़ार साल पुरानी होगी, उस ज़माने की जब लोहार लोहे और कार्बन की मात्रा के वैज्ञानिक ज्ञान के बजाय अपनी सहज बुद्धि से स्टील बनाते थे, फिर भी यह एक उत्तम नमूना थी।

"तुम इसे छू सकते हो," उसने गहरी आवाज़ में कहा। उसकी आवाज़ मानो स्वीकृति की गड़गड़ाहट थी।

"हाँ... क्या आप नहीं कर सकते?"

"चुड़ैलें ऐसा नहीं कर सकतीं। यह उन्हें झटक देती है। जब यह उनके आस-पास होती है या ड्रैगन के आस-पास होती है तो यह चमकती है। जीवाश्मों के आस-पास भी यह हल्की चमकती है। यही मैं आपको दिखाना चाहता था। जब मैंने इसे कलाकृतियों वाले कमरे में रखा था, तो तलवार ने मुझे उन्हें नष्ट करने के लिए उकसाया था, ठीक उसी तरह जैसे यह मुझे चुड़ैलों और ड्रैगनों को नष्ट करने के लिए उकसाती है।"

तलवार में किसी तरह की चेतना होने के विचार पर वह लगभग चिढ़ गई, लेकिन उसने खुद को रोक लिया। उसका चेहरा एकदम गंभीर था। गंभीर, लेकिन उतना डरावना नहीं जितना पहली मुलाकात में था। उसके मन में यह ख्याल कौंधा कि शायद वह कमांडर असिलोन हो, जो ऊपर से कठोर और खतरनाक दिखता हो, लेकिन अंदर से एक ईमानदार और वफादार साथी हो। उसे हमेशा से ही असिलोन इस श्रृंखला के किरदारों में सबसे आकर्षक लगा था। ठीक है, आकर्षक से भी कहीं ज़्यादा। भले ही एक काल्पनिक नायक के बारे में दिवास्वप्न देखना मूर्खतापूर्ण था।

"मुझे खुशी है कि तुम चुड़ैल नहीं हो।" उसकी आवाज़ में सचमुच राहत झलक रही थी, मानो ऐसा होना एक संभावित संभावना रही हो।

"मैंने तुमसे कहा था ना कि हमारे परिवार में कोई जादूगरनी नहीं है। यह एक शानदार तलवार है।" लिलाह ने नक्काशी से अपना हाथ उठाया।

"मैंने इसका अनुवाद करवाया है," थेरिक ने कहा, और उसके इतने करीब खड़े होने से वह हैरान रह गई। प्रतीकों की ओर इशारा करते हुए उसकी छाती उसके कंधे से छू गई। "माना जाता है कि यह ड्रैगनों के लिए एक चेतावनी है कि तलवार उन्हें मारने के लिए तैयार है।"

"मैं आपकी बात मान लेता हूँ। मैं भाषा पहचानता हूँ, लेकिन मैं भाषाविज्ञानी नहीं हूँ। अगर आप जानना चाहते हैं, तो मैं एक प्रतिलिपि बनाकर अपने किसी मित्र को सत्यापन के लिए दिखा सकता हूँ।"

"मुझे यह पसंद आएगा," उसने कहा, उसकी निगाहें तलवार से हटकर उसके चेहरे पर टिक गईं। "इसका नाम कसंद्रल है। मैंने इसका इस्तेमाल उस जादूगरनी को मारने के लिए किया था जो राजा को मारना चाहती थी। यह जादुई सुरक्षा कवच को भेद सकती है।"

उसकी आँखें तीव्र थीं, और वह उसके शरीर की गर्मी महसूस कर सकती थी। उसे लगा कि उसके बारे में उसकी राय, चाहे पहले जो भी रही हो, शायद बदल गई हो जब उसने उसके हथियारों में थोड़ी दिलचस्पी दिखाई थी। उसे शायद पीछे हटकर पूछना चाहिए कि वह तलवार खुद लाने के बजाय उसे यहाँ क्यों लाया। उसे शक था कि उसके मन में कुछ भी कामुक विचार नहीं थे, भले ही वह अब भी उसे घूर रहा था, उसकी तीव्रता कहीं डरावनी तो कहीं आकर्षक थी। वह पीछे नहीं हट सकी। बल्कि, वह सोचने लगी कि ऐसे शरीर वाले किसी व्यक्ति को छूना कैसा होगा। उसका पति भी उसकी तरह ही विद्वान था, और हर तरह से उसका सबसे अच्छा दोस्त था, लेकिन वह ऐसा व्यक्ति नहीं था जो अपनी मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए हथियार या सैनिकों को इधर-उधर फेंकता हो। उससे पहले... खैर, अपनी पढ़ाई के दौरान उसकी मुलाकात बहुत कम सैन्य पुरुषों से हुई थी।

फिर भी, काइका की उसके गुस्से के बारे में दी गई चेतावनियाँ उसके दिमाग में घूम रही थीं, और उसने खुद देख लिया था कि उसका व्यवहार कठोर था। वह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि किसी रिश्ते में वह कैसा होगा। उसके ऐसे मिजाज को रोज़ाना संभालना बेहद मुश्किल होगा। बेशक, ऐसा नहीं था कि लोग सिर्फ़ यौन संबंध बनाने के लिए ही यौन संबंध नहीं बनाते, बिना दीर्घकालिक संबंधों के बारे में सोचे। वह आम तौर पर उन लोगों में से नहीं थी। वह सहज प्रवृत्ति पर प्रतिक्रिया करने के बजाय, हर बात को सोच-समझकर, परिणामों और नतीजों के बारे में विचार करती थी। और अपनी जवानी में, उसने पुरुषों को ठुकराने में इतना समय बिताया था कि यह उसकी आदत बन गई थी। अब तो कुछ ही योग्य सहकर्मी उससे संपर्क करते थे।

"मैं तुम्हें खुदाई वाली जगह पर ले चलूँगा," थेरिक ने धीरे से कहा, उसका सीना एक बार फिर उससे छू गया। इस बार, यह सिर्फ़ छूना ही नहीं था—यह वहीं टिका रहा, उसके कंधे से सटा हुआ।

"आज?" उसने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी ओर सरकते हुए, उसके करीब खिंची चली गई, जबकि उसका मन उसे पीछे हटने और उससे दूर रहने के लिए कह रहा था।

"आज," उसने सहमति जताते हुए कहा और उसका हाथ उसकी कमर पर टिक गया।

उसे अपनी कमीज़ के आर-पार उसकी गर्माहट महसूस हुई, एक ऐसी गर्माहट जो उसके पूरे

शरीर में फैल गई। उसका सिर नीचे झुका, उसके होंठ खुले, और वह अपने पंजों पर खड़ी होकर उसके सीने से लग गई ताकि उन होंठों तक पहुँच सके। ऐसा लग रहा था जैसे संगमरमर से तराशी गई किसी मूर्ति से लग गई हो, लेकिन ठंडे पत्थर से कहीं ज़्यादा गर्म। कहीं ज़्यादा मोहक।

उनके होंठ मिलने से ठीक पहले, आंगन से एक चीख सुनाई दी। क्या वो कैप्टन काइका थे?

थेरिक ने लीला को झटक कर खुद से दूर किया, उसे छोड़ा और दरवाजे की ओर भागा। उसने बगल की दीवार से टिकी हुई राइफल उठाई और गलियारे में गायब हो गया।

उसके जाने के बाद उसके आसपास का वातावरण बेहद ठंडा लग रहा था। निराशाजनक रूप से। उसने उसकी गर्मजोशी की याद को झटक दिया, खुद को समझाया कि वह उसे मुश्किल से जानती थी और जो कुछ जानती थी वह उत्साहजनक नहीं था। राहत की बात यह थी कि वे रुक गए थे, कि उन्हें रोक दिया गया था।

किसी संभावित खतरे का आभास होते देख, लिलाह ने गलियारे में झाँका। कुछ सैनिक दौड़ते हुए उसके पास से गुज़रे, उसकी ओर देखे बिना। क्या उसे कमरे में ही रहना चाहिए? आखिरी सैनिक के गुज़र जाने के बाद, उसने अपने कमरे में वापस जाकर अपनी शिकार राइफल लेने का फैसला किया। एहतियात के तौर पर।

गलियारे में एक कदम भी आगे बढ़ने से पहले ही, बाहर से एक ज़ोरदार धमाका हुआ। कम से कम, उसे लगा कि आवाज़ बाहर से आई है। उसके पैरों के नीचे की टाइलें काँप उठीं और पास के कमरे में कुछ ज़मीन पर गिर पड़ा। बाहर से और भी चीखें सुनाई दीं। क्या उन पर हमला हुआ था? और अगर हाँ, तो किसने? क्या कोई बाहरी दुश्मन था? या भागने की कोशिश कर रहे कैदी?

आंगन से एक ज़ोरदार धमाके की आवाज़ आई, जिसके बाद और भी चीख-पुकार सुनाई दी। जो भी हो रहा था, वह अच्छा नहीं था।

जैसे ही ज़मीन कांपना बंद हुई, लिलाह दौड़कर अपने कमरे में गई, राइफल उठाई, उसमें गोलियां भरीं और सामने के दरवाजे की ओर चल पड़ी। वह जल्दी से बाहर नहीं भागी, क्योंकि वह सैनिक नहीं थी और अगर वह बेवजह खुद को खतरे में डालती तो थेरिक और काइका दोनों उसे डांटते, लेकिन वह देखना चाहती थी कि क्या हो रहा है। उसने राइफल हाथ में लिए हुए ही अपने कंधे से दरवाजा धक्का देकर खोला और आंगन में झांका।

पास की एक इमारत से धुआँ उठ रहा था, जिसकी एक दीवार गायब थी, लकड़ी के तख्ते फटे हुए थे—या उड़ गए थे। काइका कोने में दुबकी हुई उस अंधेरे छेद में झाँक रही थी। धुएँ के तेज़ी से निकलने के कारण लिलाह यह नहीं बता पा रही थी कि वह इमारत किस काम की थी या उसके अंदर क्या रखा था—सौभाग्य से, वह बैरक जैसी नहीं लग रही थी। उसे उम्मीद थी कि विस्फोट में कोई फंसा न हो। बाहर मिट्टी में लकड़ी, गत्ते और मुड़ी हुई धातु के टुकड़े बिखरे पड़े थे। उसे धूप में राइफल के कारतूसों के खोखे भी चमकते हुए दिखाई दिए। सैनिक इधर-उधर भाग रहे थे, कई सैनिक ट्राम के दरवाजों को बंद कर रहे थे। दूसरा दरवाजा खुला था, और एक ट्राम के डिब्बे से आदमी बाहर भाग रहे थे, गंदे, फटे और फीके कपड़े पहने हुए। एक सैनिक ने उनके सिर के ऊपर से राइफल चलाई, लेकिन वे रुके नहीं। वे आंगन के पार चौकी के निकास की ओर भागे।

"अगर तुमने कोशिश की, तो तुम मर जाओगे," धुएं के पार से थेरिक की कठोर आवाज आई।

लिलाह अपनी जगह से उसे देख नहीं पा रही थी। वह दरवाज़े से धीरे से हटी और दीवार की ओर पीठ करके इमारत के कोने की तरफ बढ़ गई। वह ज़्यादा दूर नहीं जाना चाहती थी, लेकिन वह जानना चाहती थी कि थेरिक मुसीबत में है या नहीं। केवल काइका ही धुएं का सामना कर रही थी —वह झुकी हुई मुद्रा से उठी और क्षतिग्रस्त इमारत के अंदर चली गई, खुले हुए छेद को दरवाज़े की तरह इस्तेमाल करते हुए।

जब लिलाह मुख्यालय भवन के कोने पर पहुँची, तो थेरिक नज़र आया। वह चौकी के दोहरे दरवाज़ों के सामने खड़ा था। लोहे की मज़बूती से बंधे वे बड़े-बड़े ओक के दरवाज़े बंद थे, लेकिन आठ खनिकों का एक समूह उसकी ओर बढ़ा। उनके हाथों में लाठी, कुल्हाड़ी और फावड़े थे, जिन्हें वे मुट्ठी में कसकर पकड़े हुए थे और घबराहट भरी नज़रें एक-दूसरे से मिला रहे थे।

एक अन्य खदान के प्रवेश द्वार पर झड़प छिड़ गई थी, दरवाजे पूरी तरह बंद होने से पहले ही लोग बाहर निकल आए थे। आंगन में मौजूद सैनिकों ने सबसे पहले उनसे निपटने का फैसला किया। दीवार पर, और सैनिक निकास द्वार की ओर दौड़े और थेरिक की ओर बढ़ रहे कैदियों के समूह पर अपनी राइफलें तान दीं। लिलाह ने अपनी बंदूक के बट को रगड़ा। क्या उसे भी थेरिक की रक्षा के लिए निशाना साधना चाहिए? यह उसकी लड़ाई नहीं थी, और शायद थेरिक को यह पसंद न आए कि कोई आम नागरिक उसकी मदद के लिए आगे आए।

“सर?” एक ने नीचे से पुकारा। “क्या हम गोली चलाएं?”

थेरिक ने खनिकों को घूरकर देखा, राइफल उसके हाथ में थी लेकिन कमर पर लटकी हुई थी। भीड़ से नज़र हटाए बिना उसने दीवार पर खड़े लोगों की ओर हाथ उठाया। "वापस मुड़ जाओ, मूर्खों। तुम यहाँ से ज़िंदा नहीं निकल पाओगे।"

उत्तेजित पुरुषों के समूह के पास स्थित इमारतों में से एक से किसी ने गोली चलाई। ऐसा लगा जैसे गोली ने उन्हें हरकत में ला दिया हो, और वे दौड़ पड़े। वे लोग थेरिक की ओर दौड़ पड़े।

लिलाह इमारत से दूर हट गई और अपनी राइफल उठाकर एक आदमी की जांघ पर निशाना साधा। इससे पहले कि वह ट्रिगर दबा पाती, एक हाथ ने उसका कंधा थाम लिया।

"देखो, एक आम नागरिक," उसके पीछे खड़े व्यक्ति ने अचानक कहा।

“उसे पकड़ो। हम उसे ढाल के रूप में इस्तेमाल करेंगे।”

जब वे बात कर रहे थे, तभी लिलाह आगे बढ़ी और अपनी राइफल घुमा ली। उसके पीछे खड़ा बिखरे बालों वाला आदमी उसका कंधा तो छोड़ गया, लेकिन उसने हवा में ही उसकी बंदूक पकड़ ली और अपने खुरदुरे हाथ से बैरल को जकड़ लिया।

"उसे भागने मत देना, ब्रेमी," उसके पीछे खड़े एक छोटे कद के आदमी ने आदेश दिया।

राइफल की नली पकड़े उस दरिंदे के कारण लिलाह गोली नहीं चला सकी, लेकिन उसने नली को खींचकर उसका ध्यान अपनी ओर खींचा, फिर झपट्टा मारकर उसके पैर के तलवे पर ज़ोर से लात मारी। वह चौंककर चीख उठा और राइफल छोड़ दी। लिलाह ने राइफल घुमाई और उसके सिर के किनारे पर वार किया। दूसरा आदमी आगे भागा, और लिलाह पीछे हट गई, उसके हाथ में चाकू देखकर। उसे नहीं पता था कि वह चाकू का इस्तेमाल उस पर करना चाहता है या सिर्फ उसे डराना चाहता है, लेकिन उसकी आँखें पागलपन भरी और हताश लग रही थीं, और उसे अपनी जान का डर

सताने लगा। उसने राइफल उठाने की कोशिश की, लेकिन विस्फोट के मलबे में उसकी एड़ी फंस गई, और संतुलन बनाने से पहले ही वह पीछे की ओर गिर पड़ी।

वह पीठ के बल ज़मीन पर ज़ोर से गिरी, लेकिन उसने अपनी राइफल नहीं छोड़ी। वह आदमी चाकू उठाए उसके पीछे कूद पड़ा। ज़मीन से ही उसने सीधे उसकी छाती पर गोली चलाई। वह हवा में उछल रहा था, और उसे लगा कि उसकी गोली लगी है, लेकिन इससे उसकी गति पर कोई असर नहीं पड़ा। उसने खुद को एक तरफ फेंका और लुढ़क गई। वह उससे कुछ इंच दूर ज़मीन पर गिरा, धूल हवा में उड़ गई।

दूसरे आदमी का क्या हुआ, यह तो उसे पता नहीं था, लेकिन उसे पूरा यकीन था कि उसके सिर पर लाठी मारने से भी वह नहीं रुका। वह झट से खड़ी हो गई। वह विशालकाय आदमी उससे तीन फीट से भी कम दूरी पर था। उसने गुर्राते हुए उस पर झपट्टा मारा।

जैसे ही उसने अपनी राइफल उठाई और अगला राउंड लोड करने के लिए लीवर खींचा, उसे पता था कि अब बहुत देर हो चुकी है, वो उसे पहले पकड़ लेगा। तभी एक बवंडर की तरह कुछ ज़ोरदार दहाड़ के साथ उस आदमी पर टूट पड़ा। खनिक अपने पैरों से उछलकर इमारत की पत्थर की दीवार से जा टकराया। थेरिक उसके ठीक पीछे, किसी भारी चीज़ की तरह आया। खनिक लगभग उसके जितना ही बड़ा था, लेकिन उसके पलटवार करने के प्रयास नाकाम रहे। थेरिक ने उस आदमी को कई बार दीवार से पटका, जब तक कि उसकी आँखें ऊपर की ओर नहीं घूम गईं। थेरिक ने उसे छोड़ा और लीला की ओर मुड़ा।

उसके होंठों पर क्रोध की लकीरें उभर आईं, और वह पीछे हट गई, लेकिन उसने आसपास के इलाके का जायजा लेते हुए बस एक नज़र उस पर डाली। ओक की लकड़ी से बने आंगन के दरवाज़ों के सामने खनिकों का ढेर पड़ा था। उनमें से कोई भी दरवाज़ा खोलकर भागने की कोशिश नहीं कर पाया था। लिलाह यह नहीं बता सकती थी कि वे मर चुके थे या बेहोश थे। दूसरी जगह, सैनिकों ने बाकी खनिकों को पकड़ लिया था और उन्हें घुटनों के बल बैठने के लिए मजबूर कर दिया था, उनकी पीठ पर राइफलें ताने हुए।

“कैप्टन काइका,” थेरिक दहाड़ा।

कुछ देर बाद, काइका इमारत के अभी भी सुलगते हुए छेद से बाहर निकली, उसके हाथों और एक गाल पर कालिख लगी हुई थी। "सर?"

“यह क्या है?” थेरिक ने लिलाह की ओर इशारा किया।

"अरे, ये तो प्रोफेसर हैं, महोदय।"

"क्या तुम्हें उसकी रक्षा नहीं करनी चाहिए?"

काइका ने मुंह बनाया। "जी हां, महोदय, लेकिन मुझे लगा कि आप विस्फोट के बारे में जानना चाहेंगे, और मैंने यह भी सोचा था कि वह अंदर ही रहेगी और आपकी तलवार की प्रशंसा करेगी।"

बहाना सुनकर थेरिक का गुस्सा और भड़क उठा। उसका चेहरा लाल हो गया और उसने मुट्ठी भींच ली। हे भगवान, इसमें काइका की कोई गलती नहीं थी। लिलाह को अंदर ही रहना चाहिए था। वह कुछ ऐसा कहने की कोशिश करने लगी जिससे वह शांत हो जाए।

“इधर आओ और उसके साथ रहो, और मेरे जाने से पहले अपना फर्ज निभाओ—”

"कर्नल थेरिक," लिलाह ने ज़ोर से और दृढ़ता से कहा, इस उम्मीद में कि उसकी आवाज़ उनके शब्दों को दबा देगी। दुर्भाग्य से, अपने बचे हुए डर के कारण या शायद इसलिए कि उसके अंदर का शिक्षक शांत करने या फुसलाने में माहिर नहीं था, उसके शब्द उसकी इच्छा से ज़्यादा कठोर निकले। "उन दोनों आदमियों के मामले में आपकी मदद के लिए धन्यवाद। कैप्टन काइका सही कह रही हैं कि मुझे वहीं रहना चाहिए था। इसमें उनकी कोई गलती नहीं है।" उसने अपना हाथ उस आदमी की ओर बढ़ाया जिसे उसने गोली मारी थी, एक ऐसा आदमी जो हिल नहीं रहा था, उसने अपने पेट में एक अजीब सी बेचैनी के साथ महसूस किया। क्या उसने उसे मार डाला था? हे भगवान! उसका इरादा तो बस अपनी रक्षा करना था। वह एक सैनिक नहीं थी। उसे लोगों को मारना नहीं चाहिए था। शिकार करना एक बात थी, लेकिन यह... उसने अपना सिर हिलाया और अपनी उंगलियों को रगड़ा, मानो उसके हाथ पर खून लगा हो जिसे वह पोंछना चाहती हो।

"क्या तुम ठीक हो?" थेरिक ने रूखेपन से पूछा। ये शब्द उसके मुंह से निकलते ही वह सिकुड़ गया। शायद उसे शांत लहजे में बात करना भी नहीं आता था।

"मुझे कोई चोट नहीं आई है।" लिलाह को यकीन नहीं था कि वह खुद को "ठीक" कह सकती है, लेकिन वह बाद में अकेले में अपनी मानसिक स्थिति पर विचार करेगी।

"माफ़ कीजिए, प्रोफ़ेसर," काइका ने मृत व्यक्ति के पास से गुज़रते हुए कहा और उसके पास आ गई। "मुझे आपको छोड़कर नहीं जाना चाहिए था। मुझे नहीं पता था कि आप कर्नल की तलवार से इतनी जल्दी ऊब जाएँगी।"

"क्या तुम कुछ ऐसा कह सकते हो जो यौन संबंधी न हो?" थेरिक ने झल्लाकर कहा। उसकी आवाज़ में अभी भी चिड़चिड़ाहट थी, लेकिन वह भयंकर क्रोध अब गायब हो गया था।

"मैं कर सकती हूँ, लेकिन इसमें मज़ा कैसे आएगा?" काइका ने लिलाह के कंधे पर थपथपाया, और उसके असभ्य शब्दों के बावजूद, लिलाह को लगा कि वह सचमुच माफी मांग रही है।

"सर?" एक युवा सैनिक ने आगे बढ़ते हुए और सलाम करते हुए पूछा। "हमने सभी उपद्रवियों को काबू कर लिया है। जो बच गए हैं, उनके लिए क्या कोई सजा या अतिरिक्त ड्यूटी होनी चाहिए?"

"यहाँ से बचकर निकलना और फँसे रहना ही काफी बड़ी सज़ा है," थेरिक बड़बड़ाते हुए उस आदमी को हाथ हिलाकर विदा करने लगा। "गंदगी साफ करो, घायलों को डॉक्टर के पास भेजो और बाकी लोगों को काम पर वापस लगाओ।"

"जी श्रीमान।"

"कैप्टन काइका, क्या आपको पता चला कि उस विस्फोटक को किसने जलाया था?"

"मुझे कुछ पता चला है..." काइका ने इमारत की ओर इशारा करते हुए कहा। "क्या आप मेरे साथ आएंगे, महोदय?"

थेरिक उसके पीछे-पीछे चला और लिलाह उसके पीछे-पीछे चलने लगी। उसने पीछे मुड़कर देखा, लेकिन उसके पीछे-पीछे चलने पर उसे कोई आपत्ति नहीं थी। भला वह आपत्ति कैसे कर सकता था? उसका अंगरक्षक आगे-आगे चल रहा था और वह काइका को लिलाह से अलग होने के

लिए पहले ही फटकार लगा चुका था।

वह इमारत शस्त्रागार निकली। काइका उन्हें दीवार में बने नए छेद से ले जाने के बजाय, एक सामने के दरवाजे से होते हुए एक छोटे से गलियारे से गुज़री और फिर एक लोहे के दरवाजे तक ले गई जिसके फ्रेम पर मोटी-मोटी कीलें लगी हुई थीं। उसने हैंडल को खींचने की कोशिश की, लेकिन वह हिला तक नहीं।

"आप देखेंगे कि यह बंद है," काइका ने थेरिक से कहा।

“हममें से सिर्फ चार लोगों के पास ही चाबियां हैं।” थेरिक ने अपनी जेब से चाबियों का एक गुच्छा निकाला और उसे ऊपर उठाया।

"आप और आपके साथ तीन भरोसेमंद अधिकारी, मेरा अनुमान यही है?"

"हाँ।"

"तब केवल आप और वे तीन अधिकारी ही शस्त्रागार में प्रवेश कर सकते थे।"

थेरिक ने सिर हिलाया। “पुनर्निर्माण के बाद से सब कुछ मजबूत और अधिक सुरक्षित बना दिया गया है।” उसने ताले में चाबी डाली, लेकिन घुमाने से पहले रुक गया, शायद यह महसूस करते हुए कि काइका उसे घूर रही है। “तुम कह रहे हो कि कोई भी अंदर जाकर बम नहीं फोड़ा, जब तक कि कांज, सायर्मून या ब्रिज ने ऐसा न किया हो।”

“या फिर आप, महोदय। अगर बाकी लोगों में से किसी ने ऐसा किया भी होता, तो उसे एक विलंबित फ्यूज का इस्तेमाल करना पड़ता, बाहर निकलना पड़ता, दरवाजा दोबारा बंद करना पड़ता और फिर विस्फोट होने से पहले गायब हो जाना पड़ता। मुमकिन है, लेकिन...”

"हमारे ही लोगों में से कोई ऐसा क्यों करेगा?"

"जी हां, महोदय।"

लिलाह सोच रही थी कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं, तभी थेरिक ने दरवाजा खोल दिया। क्या इसका मतलब यह था कि वे मानते थे कि कोई हथियार अपने आप फट गया था? स्वतः दहन? उसने अनाज के गोदामों में ऐसी घटनाओं के बारे में सुना था, लेकिन सैन्य शस्त्रागारों में? निश्चित रूप से, हथियारों और विस्फोटकों को अत्यंत सावधानी से रखा जाता होगा।

लिलाह दरवाजे के अंदर ही रुक गई जबकि बाकी दोनों अंदर जाकर देखने लगे। छेद से काफी रोशनी अंदर आ रही थी, लेकिन आमतौर पर ऐसा नहीं होता था, क्योंकि उस दीवार पर या किसी और दीवार पर कोई खिड़की नहीं थी। बंद दरवाजा ही कमरे में जाने का एकमात्र रास्ता होना चाहिए था।

कैप्टन काइका ने अलमारियों और बक्सों की ओर इशारा करते हुए थेरिक से कुछ बुदबुदाया, जिनमें से कुछ क्षतिग्रस्त थे और कुछ नहीं। लिलाह के पास कहने के लिए कुछ नहीं था क्योंकि उसे आतिशबाजी और बारूद से बने साधारण विस्फोटकों के अलावा विस्फोटकों का कोई अनुभव नहीं था। और उसका अधिकांश अनुभव किताबों से ही था। फिर भी, दोनों अधिकारी घूमकर उसके सामने उम्मीद भरी निगाहों से खड़े हो गए।

“जी?” उसने पूछा।

थेरिक ने कहा, "काइका ने मुझे यकीन दिला दिया है कि यह सब अभी-अभी हुआ है, ठीक

वैसे ही जैसे कलाकृतियों वाले कमरे में लालटेन गिरी और खिड़की टूट गई।"

लिलाह ने उन दोनों की ओर बारी-बारी से देखा। "क्या आप यह कहना चाह रहे हैं कि जीवाश्मों का इससे कुछ संबंध है?"

“ये अजीबोगरीब घटनाएं कल से शुरू हुईं, जब मैं उन्हें लेकर लौटा। लेफ्टिनेंट क्राडेन का दावा है कि जब से पहाड़ों पर जीवाश्म मिले हैं, तब से रेडियो काम नहीं कर रहा है।”

मुझे नहीं पता कि क्या कहूँ। हमारे विश्वविद्यालय में जीवाश्म हैं। उनकी मौजूदगी में आज तक कुछ भी फटा या टूटा नहीं है।

"पीछे मुड़कर देखें तो शायद सार्डेल को यहाँ लाना बेहतर विशेषज्ञ होता," काइका ने सोचा।

इस बात पर लिलाह शर्म से लाल हो गई कि उस पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि अगर कोई समस्या थी भी तो वह उसे संभाल नहीं सकती। उसे यकीन नहीं था कि इन घटनाओं का जीवाश्मों से कोई संबंध था।

थेरिक ने कहा, "हम खुदाई वाली जगह पर जा रहे हैं और पता लगाएंगे कि क्या हो रहा है। बस पहले मैं उन हड्डियों को लपेटकर जंगल के बीचोंबीच, चौकी की दीवारों से बहुत दूर लटका दूंगा।"

वह लीला की तरफ देखे बिना ही कमरे से बाहर निकल गया। लीला ने यह महसूस न करने की कोशिश की कि उसने उसके सवालों के जवाब न देकर उसे निराश किया है।

अध्याय 5

वैन खुदाई स्थल की ओर आगे-आगे चल रहा था, काइका, लिलाह और कप्तान बोसमोंट उसके पीछे-पीछे आ रहे थे। सभी हथियारबंद थे और अपने साथ ज़रूरी सामान का एक थैला लिए हुए थे, जिससे ज़रूरत पड़ने पर वे कुछ दिनों तक वहाँ रह सकते थे। उसे चौकी पर काम करना था, लेकिन उसने इस नई स्थिति को प्राथमिकता दे दी थी। वह अंधविश्वासी नहीं था और न ही वह श्रापों में विश्वास करता था, लेकिन हड्डियों के मिलने और किले में हुई घटनाओं के बीच संबंध को नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था।

वह भयानक धमाका... काइका ने बारूद के एक पीपे के अवशेषों की ओर इशारा किया, सीमेंट के फर्श पर जली हुई कालिख का गोला ही उस पात्र का बचा हुआ हिस्सा था। वे बहुत भाग्यशाली थे, बेहद भाग्यशाली, कि धमाका कमरे के दूसरी तरफ रखे डायनामाइट के बक्सों तक नहीं पहुंचा। अगर ऐसा होता, तो पूरी चौकी ही उड़ जाती, न कि सिर्फ इमारत की एक दीवार।

उसने अपने पीछे आ रहे लोगों, खासकर लिलाह पर एक नज़र डाली। उस आदमी को गोली मारने के बाद से वह ज़्यादा नहीं बोली थी, और उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या इससे वह परेशान थी या उसे आराम करना चाहिए। हत्या करने से उसे कभी कोई परेशानी नहीं हुई थी, लेकिन कई महिलाओं ने उससे कहा था कि वह सामान्य नहीं है, और ऐसी प्रतिक्रिया ठीक नहीं है।

उसे थोड़ा गर्व महसूस हुआ कि लिलाह ने अपने हमलावरों का मुकाबला किया—उसे शक था कि अगर वह खनिकों से निपटने में नाकाम न होता, जो उससे बचकर भागने की कोशिश कर रहे थे, तो वह उसकी मदद के बिना ही दूसरे हमलावर को भी नाकाम कर देती। उसने यह उम्मीद नहीं की थी कि एक आम महिला अपराधियों का सामना कर पाएगी, जो भागने के लिए किसी को भी नुकसान पहुँचाने को तैयार थे। उसे खुशी थी कि उसने ऐसा किया, ठीक वैसे ही जैसे उसे ऐतिहासिक हथियारों की जानकारी थी। सच कहूँ तो, उसे थोड़ी ज़्यादा ही खुशी हो गई थी, और उसका शरीर उस तरह से प्रतिक्रिया कर रहा था जैसा उसे नहीं करना चाहिए था। क्या वह सच में उसे चूमने के बारे में सोच रहा था? वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि वह ऐसा चाहेगी। क्या उसने अपने पति का ज़िक्र नहीं किया था? हे भगवान, घर लौटने पर वह क्या कहेगी? वह शायद अपने पति और चचेरे भाई को बता देगी कि वैन ने उसके साथ ज़बरदस्ती की थी। ज़िरकेंडर यह जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देगा, और वैन शायद अपनी बाकी ज़िंदगी यहीं फँसा रहेगा।

वह बड़बड़ाया, खुद को याद दिलाते हुए कि यहाँ खतरे हैं और उसे अपने आस-पास के माहौल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए। वह अपने वरिष्ठों या राजा को उसे यहाँ ज़रूरत से ज़्यादा देर तक रखने का कोई कारण नहीं देना चाहता था। लिलाह उसके लिए वर्जित थी।

खुदाई स्थल से एक मील की दूरी पर आते ही जंगल में सन्नाटा छा गया। वैन रुककर सुनने लगा, उसे याद आया कि ठीक ऐसा ही तब हुआ था जब वह और बोसमोंट यहाँ आए थे। उस समय उसने सोचा था कि पक्षी खनन से परेशान हो गए होंगे। इस बार उसे पगडंडी पर कोई खरोंच या आवाज़ सुनाई नहीं दी। शायद किसी शिकारी जानवर ने जंगल को शांत कर दिया हो, लेकिन उसे इस पर संदेह था। उसे बस ढलान पर कहीं दूर बहते एक नाले की हल्की आवाज़ सुनाई दे रही थी।

"अभी भी लगभग एक मील और बाकी है," कैप्टन बोसमोंट ने उसके पीछे आते हुए कहा।

मुझे इस बात की जानकारी है।

जैसे ही लिलाह पास पहुंची, उसके पैर के नीचे एक चट्टान खिसक गई और वह संतुलन बनाने के लिए छटपटाने लगी। उसने अभी संतुलन बना ही लिया था कि बोसमोंट ने हाथ बढ़ाकर उसका हाथ पकड़ लिया।

"सावधान रहें, महोदया," उसने मुस्कुराते हुए उससे कहा।

वैन की आंखें सिकुड़कर पतली हो गईं। वह फिसलन वाली जगह को खुद ही पार करने में पूरी तरह सक्षम थी। उसे बोसमोंट के हाथ पकड़ने की ज़रूरत नहीं थी, खासकर तब जब उसने अभी तक उसका हाथ छोड़ा ही नहीं था।

उन्होंने आगे कहा, "इस रास्ते पर कोई रेलिंग नहीं है।"

"मैं ठीक हूँ।" लिलाह ने उसके हाथ की ओर देखा, मानो यह जता रही हो कि वह नहीं चाहती कि उसका हाथ वहाँ रहे। "मैंने इससे भी कहीं ज़्यादा मुश्किल हालात देखे हैं।" उसने वैन की ओर सिर हिलाया। "अचानक सब शांत हो गया, है ना?"

उसने सिर हिलाया, उसे खुशी थी कि उसने इस बात पर ध्यान दिया था।

"क्या विश्वविद्यालय में बहुत ऊबड़-खाबड़ इलाका होता है?" बोसमोंट ने उसका हाथ छोड़ दिया, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वह छोड़ना नहीं चाहता था। वैन को याद आया कि उसने कितनी देर से किसी महिला के साथ बिस्तर साझा नहीं किया था। लिलाह, अपने आकर्षक कर्व्स के साथ, उस आदमी को भी लुभा सकती थी जिसके पास अक्सर बिस्तर साझा करने वाले साथी होते थे।

नहीं, लेकिन मैं और मेरे पति हर गर्मियों में दक्षिण में सफारी पर जाया करते थे। हम कभी-कभार पर्वतारोहण भी करते थे। मास्टमोनसोरो वहीं नीचे है, एक विशाल विलुप्त ज्वालामुखी जिसके नीचे मीलों चौड़ा घास का मैदान है, जहाँ कई प्रकार के जानवर आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र से स्वतंत्र रूप से विकसित हुए। यह अद्भुत है।

"पति?" बोसमोंट ने कंधे झुकाते हुए धीरे से कहा।

उसने अपने होंठ सिकोड़े और सवाल का जवाब देने के बजाय वैन की ओर मुड़ गई। "क्या आपको लगता है कि बाहर कुछ खतरनाक है?"

"देखते हैं," उसने कहा और फिर से रास्ते पर चलना शुरू कर दिया।

वह जादू या श्राप का ज़िक्र दोबारा नहीं करना चाहता था। चौकी पर कुछ अलौकिक घटनाएँ घट रही थीं, यह बात स्वीकार करने में उसे पहले ही मूर्खता महसूस हो चुकी थी। एक वैज्ञानिक होने के नाते, लिलाह को शायद बिना सबूत के किसी नतीजे पर पहुँचना मूर्खतापूर्ण लगता होगा। भले ही वह शादीशुदा थी और वह उससे शारीरिक संबंध बनाने की सोच भी नहीं रहा था, फिर भी वह नहीं चाहता था कि लिलाह उसे मूर्ख समझे।

जैसे-जैसे वे खुदाई स्थल के करीब पहुंचते गए, जंगल में सन्नाटा पसरा रहा, केवल पथरीले रास्ते पर उनके अपने कदमों की आहट और कभी-कभार हवा से शाखाओं के हिलने की आवाज ही सुनाई दे रही थी।

बोसमोंट ने कहा, "वे बेहद चुप हैं।"

“कौन?” वैन ने पूछा।

"जिन आदमियों को मैंने कल रात यहां भेजा था।"

वैन रुक गया। "क्या? मुझे नहीं लगता था कि लेफ्टिनेंट क्रैडेन ने अभी तक कोई टीम बनाई होगी।"

वह पेड़ों के बीच से चट्टान को मुश्किल से देख पा रहा था, और अगर कोई खुदाई कर रहा होता, तो वह उन्हें देख लेता।

“लेफ्टिनेंट क्राडेन ने अपनी समस्याओं का जिक्र किया, और मैंने खुद ही इसका जिम्मा ले लिया, महोदय। मुझे लगा कि कुछ गार्ड तैनात करना अच्छा रहेगा, क्योंकि मेरे पास यहाँ बहुत सारा सामान है। यह जीवाश्मों जितना पोर्टेबल तो नहीं है, लेकिन इसकी कीमत बहुत ज़्यादा है, और मैं नहीं चाहता कि उन चोरों के बदले की भावना से इसे नुकसान पहुँचाया जाए।” बोसमोंट ने वैन की ओर देखा, लेकिन वह इतना समझदार था कि उसने यह नहीं कहा कि वैन द्वारा चोरों के साथ किए गए कठोर व्यवहार के कारण ही उनमें बदले की भावना जागी होगी। चोरों के साथ कठोर व्यवहार होना ही चाहिए, खासकर तब जब उन्होंने सैन्य अधिकारियों पर डायनामाइट फेंका हो।

“तुमने किसे भेजा था?” वैन ने पूछा।

“कॉर्पोरल सैविट और कुछ सिपाही। उन्हें कुछ दिनों के लिए चौकी से भागकर डेरा डालने का विचार पसंद आया।”

क्या वे डेरा डाले हुए हैं? लोगों को ढूंढने के बारे में वैन के मन में यह विचार बिल्कुल नहीं था। वह मन ही मन बड़बड़ा सकता था, लेकिन इसके बजाय वह आगे बढ़ता रहा, उसके अंदर एक बेचैनी सी फैल रही थी। अगर यहाँ तीन आदमी हैं, तो उसे कुछ हलचल के संकेत जरूर सुनाई देने चाहिए।

जब वह चट्टान के पास साफ़ किए गए इलाके में पहुँचा, तो वहाँ चोरों द्वारा छोड़े गए कुल्हाड़ी और फावड़े ज़मीन पर पड़े थे, और ऐसा लग रहा था कि कल सुबह से यहाँ कोई आया ही नहीं था। उसने अभी-अभी खोदी गई सुरंग में झाँका, जो उसकी उम्मीद से ज़्यादा गहरी थी, लेकिन वह अंत तक देख सकता था, और अंदर कोई नहीं था, न ही उसे औज़ारों या साफ़ किए गए इलाके के आसपास कोई नज़र आया। वह तब तक चलता रहा जब तक उसे ढलान के नीचे पेड़ों के बीच से बहती हुई छोटी नदी दिखाई नहीं दी। वह इलाका भी निर्जीव था। पूरा जंगल खामोश, अजीब तरह से स्थिर था।

लिलाह काइका और बोसमोंट को पीछे छोड़कर सीधे चट्टान में फंसी अजगर की खोपड़ी की ओर बढ़ गई।

काइका ने बोसमोंट को कोहनी मारी। "जिन आदमियों को तुमने यहाँ आने का आदेश दिया था... क्या उन्हें पता था कि उन्हें भेजा गया है?"

“मैंने उन्हें गेट से बाहर निकलते हुए नहीं देखा।” बोसमोंट ने अपनी मुट्ठी कमर पर टिकाई और चारों ओर देखते हुए कहा, “शायद हो सकता है किसी ने उन्हें रास्ते में रोक लिया हो और किसी दूसरे काम पर लगा दिया हो।”

वैन इधर-उधर घूमता रहा, इस बार वह गड़बड़ी के कम स्पष्ट संकेतों की तलाश कर रहा था।

“नहीं, वे कल रात यहाँ थे।” वह एक लकड़ी के लट्ठे के पास रुका और सेना के पहले से पैक किए गए खाने के पैकेटों में से एक खाली डिब्बा उठाया। “किसी ने सार्डिन मछली का मज़ा लिया।”

"मुझे नहीं लगता कि किसी को सार्डिन मछली पसंद आती है, महोदय," काइका ने कहा।

“शायद यह पहले भी यहाँ रहा होगा,” बोसमोंट ने टिन की ओर इशारा करते हुए कहा। “जिस दिन हम उपकरण बाहर ले जा रहे थे, उस दिन मेरी टीम ने यहीं दोपहर का भोजन किया था। मैंने सबको अपने पीछे सफाई करने को कहा था, लेकिन आप जानते ही हैं कि सैनिक कैसे होते हैं। शायद एक-दो रैपर छूट गए हों।”

“और क्या वे एक-दो वर्दी जैकेट भी छोड़ गए?” वैन ढलान पर और नीचे गया और एक दूसरे लट्ठे पर छाया में लटकी हुई जैकेट उठा ली। इलाके का पहली बार निरीक्षण करते समय वह उसे देख नहीं पाया था।

"अरे, इसकी संभावना कम है।"

"सावित," वैन ने नेमटैग पर लिखे नाम को पढ़ा।

अगर यहाँ चट्टानों में दबे जीवाश्मों के जादू के कारण कुछ अजीबोगरीब घटना घटी होती, तो शायद वे लोग डरकर भाग गए होते। लेकिन अगर ऐसा होता, तो वे चौकी पर वापस क्यों नहीं भागे? जंगल में क्यों भागे?

वैन ने जैकेट को वापस लकड़ी के लट्ठे पर फेंक दिया और सोचने लगा कि क्या उसे पदचिह्नों की तलाश शुरू करनी चाहिए और यह पता लगाने की कोशिश करनी चाहिए कि वे लोग कहाँ गए थे। चूंकि चोर ठीक एक दिन पहले ही भाग गए थे, इसलिए सैनिकों के पदचिह्नों को दूसरों के पदचिह्नों से अलग करना मुश्किल हो सकता था। उसने पहले यह देखने का फैसला किया कि क्या लिलाह को किसी चीज़ की ज़रूरत है। संभवतः, जीवाश्मों के मामले में वह किसी काम का नहीं होगा, इसलिए वह उसके काम शुरू करने के बाद खोजबीन कर सकता था। फिलहाल, वह चट्टान के सामने खड़ी होकर अजगर की खोपड़ी को निहार रही थी।

“यह जगह डरावनी सी लग रही है,” काइका ने चट्टान की बजाय पहाड़ों की ओर देखते हुए कहा। “यहां बहुत सन्नाटा है।”

वैन उसके पास से गुज़रकर लिलाह के बगल में खड़ा हो गया, और सोचने लगा कि वह हिल क्यों नहीं रही है। उसे उम्मीद थी कि वह अपना औज़ार खोलकर चट्टानों से हड्डियाँ निकालने में जुट जाएगी।

“कोई समस्या है?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा।

"हाँ, यह एक पेचीदा मामला है," उसने चट्टान से अपनी निगाहें हटाए बिना कहा, हालाँकि उसने चट्टान के ऊपर, नीचे और अगल-बगल चारों ओर देखा।

“समझाओ?” वैन ने अजगर की खोपड़ी को घूरकर देखा, उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि वह उन्हें घूर रही हो। चोरों ने उसे चट्टान से आधा काट दिया था, जिससे वह भयावह और सजीव प्रतीत हो रही थी।

"मुझे इस बात पर हैरानी है कि तुम्हारे लुटेरे इस चट्टान से कुछ जीवाश्म निकालने में कामयाब हो गए, क्योंकि मेरे बलवान मित्र, यह ग्रेनाइट है।" लिलाह ने अपनी हथेली चट्टान पर रखी और उसकी ओर मुँह करके खड़ी हो गई।

कुछ पलों के लिए, वह इस बात से खुश भी था कि उसने उसकी ताकत को पहचाना था और इस बात से निराश भी कि उसने उसके लिए 'दोस्त' शब्द चुना था। फिर भी, यह कर्नल से कम औपचारिक था। शायद उसे उसे वैन कहकर बुलाने के लिए कहना चाहिए। नहीं, बेहतर होगा कि वह इतनी आत्मीयता न दिखाए।

वह उसे ऐसे देख रही थी मानो उसके कुछ समझने या समझदारी से सहमति में सिर हिलाने का इंतजार कर रही हो।

"ग्रेनाइट कठोर होता है," उसने जोखिम उठाते हुए कहा।

"जी हाँ। यह ऐसी चट्टान भी नहीं है जिसमें जीवाश्म पाए जाते हों। ग्रेनाइट का निर्माण पिघले हुए द्रव्यों के ठंडा होने से होता है, ये द्रव्य पृथ्वी की सतह के नीचे स्थित होते हैं जहाँ जीवित प्राणी मौजूद नहीं होते। यदि वे होते भी, तो परिस्थितियाँ किसी भी कार्बनिक पदार्थ को नष्ट कर देतीं।"

"ओह?" वैन ने अजगर की खोपड़ी को फिर से देखा।

"या तो ये जीवाश्म नकली हैं, जो मुझे आश्चर्यचकित करेगा क्योंकि मैंने इन्हें आवर्धन के नीचे अच्छी तरह से देखा है, या फिर..." उसने हैरानी से चट्टान की ओर देखा।

"या?"

"या फिर किसी ने इन्हें यहाँ फंसा दिया होगा, और नहीं, मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि ऐसा कैसे किया जा सकता है।" उसने चट्टान की ऊबड़-खाबड़ सतह पर हाथ फेरा। "यहाँ-वहाँ कुछ दरारें हैं, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि चट्टान पहले टूटी थी और फिर जीवाश्मों के साथ वापस जोड़ी गई थी। मैं कल्पना भी नहीं कर सकती कि इसमें कितना प्रयास लगा होगा या कौन इतना प्रयास करने की जहमत उठाएगा। इसका क्या मतलब होगा? अपने सैनिकों को भ्रमित करना? आपको वही करने पर मजबूर करना जो आपने किया? उस क्षेत्र में खुदाई रोककर किसी वैज्ञानिक को बुलाना? अगर ऐसा है, तो किस उद्देश्य से? मेरे छात्रों में से कोई भी ग्रेनाइट को पहचान सकता था और जान सकता था कि यह असंभव नहीं तो असंभव परिदृश्य है।" उसने अपनी हथेली कठोर चट्टान पर पटकी। "अगर आपने कभी किसी जीवाश्म विज्ञानी को असमंजस में देखने का सपना देखा है, तो अब आप कह सकते हैं कि आपने इसे देख लिया है।"

"जीवाश्म विज्ञानी मेरे सपनों में बहुत कम आते हैं," काइका ने कहा, अपने अंगूठे अपनी बेल्ट में फंसाए हुए वह उनके बगल में धीरे-धीरे चलने लगी। "आप, महोदय?"

"अभी तक तो नहीं," वैन ने धीरे से कहा, फिर लिलाह की तरफ देखा और राहत महसूस की कि वह विचारों में इतनी डूबी हुई थी कि उसने उसकी बातों पर ध्यान ही नहीं दिया। "बोसमोंट, तुम्हें कैसे नहीं पता था कि यह ग्रेनाइट है?"

"मुझे पता था कि यह ग्रेनाइट है, महोदय," इंजीनियर ने कहा और कठोर चट्टान पर अपनी उंगलियों से थपथपाते हुए आगे बढ़ा। "बाकी विशेष वैज्ञानिक बातों के बारे में मुझे पता नहीं था।"

"जीवाश्म तो वाकई दिलचस्प हैं," लिलाह ने कहा, "लेकिन मैं निराश हूँ क्योंकि यह किसी

अजगर का कब्रिस्तान होने की संभावना बहुत कम है। ऐसा लगता है कि किसी ने संग्रहालय लूटा होगा, पुराने जीवाश्मों के संग्रह से सारे जीवाश्म चुरा लिए होंगे और फिर उन्हें यहाँ लाकर…" उसने ग्रेनाइट की ओर देखते हुए माथे पर शिकन डाली। "मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा कि वे इतने सहज तरीके से कैसे जड़े गए होंगे।" उसने अपनी उंगली खोपड़ी के ऊपरी हिस्से पर फिराई, जो चट्टान में एकदम सही तरीके से धँसी हुई थी।

"जादू," वैन ने बुदबुदाते हुए कहा।

उसने संदेह भरी नजरों से उसकी ओर देखा।

"मुझे तो यह बात समझ में आती है," काइका ने कहा। "मैंने ड्रैगन को आग उगलते देखा है, और मैंने सार्डेल की तलवार को चट्टान पिघलाते देखा है। क्या होगा अगर कोई जादू, गर्म जादू का इस्तेमाल करके ग्रेनाइट को पिघला दे, जैसा कि आप कह रहे थे कि ज़मीन के नीचे हुआ था, प्रोफेसर, और फिर जब वह चीज़ काफ़ी ठंडी हो जाए लेकिन पूरी तरह से जमने से पहले, उसमें जीवाश्म डाल दे?"

लिलाह के होंठों पर संदेह का भाव झलक रहा था। "मुझे लगता है कि अगर यह चट्टान कुछ हफ़्ते पहले बनी होती तो इसका रूप अलग होता।" वह चट्टान से कुछ कदम नीचे उतरी, फिर एक छोटी सी कगार पर चढ़ गई, जहाँ उसने मिट्टी से उग रही काई का एक टुकड़ा उखाड़ लिया। "क्या ड्रैगन भी दरारों में मिट्टी जमा कर सकते हैं और चीज़ें उगा सकते हैं?"

"उह, शायद?" काइका ने कंधे उचकाते हुए कहा। "शायद दो सप्ताह से ज़्यादा समय हो गया है। महोदय, शायद आपको एक रिपोर्ट भेजकर देखना चाहिए कि क्या सार्डेल यहाँ आ सकती है। या उसका अजगर, भ्राव सरुत।"

"वह अजगर अजीब है। मैं उसे कहीं भी आमंत्रित नहीं कर रहा हूँ।"

"लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि अगर यह संभव होता और ऐसा किया गया होता, तो वही हमें बताता।"

"तुम बस उसे बिस्तर पर ले जाने का मौका ढूंढ रही हो," वैन ने बड़बड़ाते हुए कहा।

काइका मुस्कुराई। "ऐसा लगता है कि वही इस काम के लिए सबसे उपयुक्त ड्रैगन है।"

लिलाह नीचे उतरते हुए उन्हें देखती रही, उसके चेहरे पर हैरानी के भाव थे। वैन ने खुद को याद दिलाया कि अधिकांश लोगों को इस बात की बस थोड़ी-बहुत जानकारी थी कि ड्रैगन दुनिया में लौट आए हैं। कुछ महीने पहले, उसे भी यह बातचीत अजीब लगती। उसे अब भी यह अजीब लग रही थी।

वैन ने कहा, "अगला आपूर्ति जहाज अगले सप्ताह तक नहीं आएगा। लेफ्टिनेंट क्रैडेन द्वारा रेडियो चालू करने की व्यवस्था करने पर ही मैं सहायता के लिए अनुरोध भेज सकता हूँ।"

बोसमोंट ने अपने जबड़े को खुजाया। "मुझे अब भी आश्चर्य होता है कि क्या हमारी कुछ समस्याओं का संबंध इन हड्डियों के मिलने से हो सकता है।"

जब लेफ्टिनेंट ने कार्यालय में आकर उसके साथ बोसमोंट की परिकल्पना साझा की, तो वैन की पहली प्रतिक्रिया इसे खारिज करने की थी, लेकिन वह क्या जानता था? "अभी तक, अजीबोगरीब घटनाएं केवल जीवाश्मों के आसपास ही घटित हो रही हैं। रेडियो टावर पांच मील से

अधिक दूर है।"

"हमें नहीं पता कि उस चट्टान के पीछे क्या-क्या है," काइका ने कहा। "यहाँ हड्डियों की मात्रा अधिक हो सकती है। शायद यहाँ अधिक जादू है और यह इतनी दूर स्थित उपकरणों को भी प्रभावित कर सकता है।"

"मैं फिर से दोहराना चाहूंगी," लिलाह ने कहा, "कि मेरे वर्षों के शोध में मैंने जो पाया है, उसके अनुसार अजगर की हड्डियों के जीवाश्म जादुई या शापित नहीं होते। राजधानी के प्रथम युग संग्रहालय में एक पूरा कंकाल रखा हुआ है, और वहां कोई अजीबोगरीब घटना नहीं होती। हर दिन बच्चे वहां जाकर जीवाश्मों को छूते हैं।"

वैन ने आह भरी। "मुझे यह स्वीकार करने में बुरा लग रहा है, लेकिन हमें यहाँ जादू के ज्ञान वाले किसी व्यक्ति की ज़रूरत है।"

काइका मुस्कुराई।

"सरडेल। वो शापित अजगर नहीं।"

"आप मेरे सपनों को चकनाचूर कर रहे हैं, महोदय।"

"मुझे लगा था कि तुम अपने ये सपने एंगुलस के साथ साझा करना चाहते हो। अगर उसे ये देखने को न मिले तो क्या वो निराश नहीं होगा?"

नाम सुनते ही लिलाह की भौहें तन गईं। वैन को लगा कि काइका और राजा का रिश्ता गुप्त था, लेकिन काइका कोई बहुत ही सतर्क व्यक्ति भी नहीं थी। आखिर राजा को इसके बारे में पता था।

"लगता है मुझे किसी दिन भ्रावा सरुत को महल में चाय पर बुलाना पड़ेगा," काइका ने कहा। "निर्माण पूरा होने के बाद।"

"मुझे जादू से नफरत है," वैन ने बड़बड़ाते हुए अपना ध्यान फिर से चट्टान की ओर मोड़ा। क्या ये हड्डियाँ चौकी के इतने करीब थीं कि उसे प्रभावित कर सकें? "अगर किसी ने हमें पहाड़ में खुदाई करने से रोकने के लिए ये जीवाश्म यहाँ रखे हैं, तो मैं इन्हें निकलवाना चाहता हूँ, और मैं जानना चाहता हूँ कि इस चट्टान के पीछे क्या है।"

लिलाह ने कहा, "जीवाश्मों को ठोस ग्रेनाइट से बिना नुकसान पहुंचाए निकालना मुश्किल होगा। चोर शायद काफी समय से इस पर काम कर रहे थे।"

"जब मैंने पहली बार उपकरण निकाले थे, तब चोरों का कोई निशान नहीं था, और मेरी टीम ने लगभग दो हफ्ते पहले खुदाई शुरू की थी।" बोसमोंट चट्टान के पास गए और उन जगहों को थपथपाया जहाँ हाल ही में चट्टान को काटकर अलग किया गया था। "यह आश्चर्यजनक है कि उन्होंने इतने कम समय में इतने सारे जीवाश्म निकाल लिए।"

"शायद उन जीवाश्मों को सतह के पास इसलिए रखा गया था ताकि उन्हें आसानी से खोजा जा सके," लिलाह ने कहा।

"तो क्या उनकी जादुई शक्ति रिसकर मेरी चौकी को प्रभावित करेगी?" वैन ने उपहास उड़ाया।

लिलाह ने उस चट्टान की ओर देखा जहाँ से उसने काई का टुकड़ा निकाला था, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।

“अगर आप सिर्फ जीवाश्मों को हटवाना चाहते हैं, तो मुझे लगता है कि हम यह कर सकते हैं।” काइका मुस्कुराई और चट्टान पर थपथपाया।

"क्या उन्हें चट्टान के साथ ही उड़ाकर?" वैन ने पूछा।

लिलाह की आँखें भय से फटी रह गईं। “आप जीवाश्मों को नष्ट नहीं कर सकते। अगर ये किसी संग्रहालय के संग्रह से चुराए गए हैं, तो वह संग्रहालय इन्हें वापस चाहेगा। भले ही ये चोरी न हुए हों, फिर भी इनका ऐतिहासिक महत्व है। इनका अध्ययन किया जाना चाहिए, चाहे इनमें जादुई गुण हों या न हों।”

“हाँ, और मुझे इस बात पर सेना पर संग्रहालय की तरह आरोप लगाने की ज़रूरत नहीं है, खासकर तब जब मैं यहाँ चौकी का कमांडर हूँ।” वैन ने अपनी आवाज़ धीमी की और सिर हिलाया। “जब तक मेरी दुनिया में जादू है, मुझे कभी पदोन्नति नहीं मिलेगी।” वह पहले से ही अब तक हुई घटनाओं के लिए मुसीबत में पड़ने का अनुमान लगा सकता था, खासकर अगर उन तीन सैनिकों को कुछ हो गया होता। उसे इस मामले को सुलझाना था, या कम से कम अपने लोगों को इसका हल निकालने के लिए काम पर लगाना था, ताकि वह उन आदमियों को ढूंढने जा सके।

“मुझे नहीं पता था कि यह आपकी आकांक्षा थी, महोदय,” बोसमोंट ने कहा।

"क्या यह आपके लिए नहीं है?"

नहीं, मैं बस बीस साल पूरे करके रिटायर होना चाहता हूँ। कहीं दक्षिण में जाकर किसी समुद्र तट पर आराम करना चाहता हूँ। एक ऐसा समुद्र तट जो खूबसूरत महिलाओं से भरा हो।

“क्या यही उनका प्राकृतिक वातावरण है?” काइका ने पूछा।

"मेरे सपनों में तो ऐसा ही होता है।"

सेवानिवृत्ति। निराशा भरे दिनों में, वैन इस विचार पर गौर करता था। वह बीस साल की सेवा पूरी कर चुका था। लेकिन अगर वह सेना छोड़ देता तो क्या करता? वह अभी पैंतालीस साल का भी नहीं हुआ था। वह समुद्र तटों पर आराम करने के लिए तैयार नहीं था। और नागरिक जीवन में, वह नियमित रूप से लोगों को पीट-पीट नहीं सकता था। वह अपना गुस्सा कैसे निकालता?

“क्या तुम्हारे किले में एल्युमीनियम पाउडर है, बोसमोंट?” काइका ने पूछा। “मुझे पता है तुम्हारे पास लौह ऑक्साइड की कोई कमी नहीं है। मैंने तुम्हारी मशीन वर्कशॉप में जंग देखी थी।”

बोसमोंट ने नाक सिकोड़ी। "तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है?"

"जीवाश्मों को जलाने के लिए कुछ थर्मिट बना रहे हैं।"

“अरे, चट्टान ऊष्मा की खराब सुचालक होती है,” बोसमोंट ने कहा। “ग्रेनाइट को काटने से पहले ही अभिक्रिया शायद पूरी हो जाएगी और ठंडी हो जाएगी। नीचे एक छोटी नदी है, और मेरी मशीन शॉप में एक हाइड्रोलिक रॉक स्प्लिटर है। पता नहीं, जंग के नीचे ही पड़ा है।”

हम दोनों को वापस ला सकते हैं।

"जब तक आप कुछ जला नहीं देंगे, तब तक आपको खुशी नहीं मिलेगी, है ना?"

काइका ने उसके कंधे पर थपकी दी। "तुम मुझे पहले से जानते हो। यह अच्छी बात है।"

बोसमोंट ने आशा भरी मुस्कान के साथ उसकी छाती पर एक पल के लिए नज़र डाली। शायद उसने सोचा होगा कि विवाहित प्रोफेसर की तुलना में उसे बिस्तर पर लाना आसान होगा। वाकई,

कितना साहसी आदमी है! वैन इन दिनों उस पर हाथ नहीं डालेगा, खासकर तब जब वह राजा के साथ सो रही हो। वैन ने एंगुलस को एक जीवनकाल में काफी परेशान कर दिया था।

काइका ने बोसमोंट की नज़र को अनदेखा करते हुए वैन को सिर हिलाकर जवाब दिया, "आप क्या सोचते हैं, महोदय?"

“जाओ।” उसने उन दोनों को हाथ हिलाकर इशारा किया। “चौकी पर वापस जाओ और जो चाहिए वो ले आओ। वापस आओ, और आज रात हम जीवाश्मों पर काम शुरू करते हैं। मैं चाहता हूँ कि उन्हें यहाँ से हटाकर बाकी जीवाश्मों के पास तिरपाल में लपेटकर रख दिया जाए।” अपनी चौकी के द्वार से बहुत दूर। वैन ने फैसला किया कि मौका मिलते ही वह पहले संग्रह को और दूर ले जाएगा, कहीं ऐसा न हो कि उनमें समाहित जादू का असर मीलों दूर तक फैल जाए।

“काइका, कासन्द्रल को भी अपने साथ वापस ले आओ,” वैन ने कहा। “तलवार मेरे कमरे में है।”

"ओह, यह चट्टान को भी काट सकता है, है ना?"

वैन तो बस यही सोच रहा था कि अगर इन जीवाश्मों में जादू होता तो हथियार पास होने से उसे बेहतर महसूस होता, लेकिन वह रुककर इस सवाल पर विचार करने लगा। "अगर दूसरी तरफ कोई अजगर या चुड़ैल है, तो वह ऐसा कर सकती है। मुझे यकीन नहीं है कि हड्डियां उसे इतना उत्तेजित कर पाएंगी कि वह अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल कर सके।"

“क्या आपकी तलवार हड्डियों से उत्तेजित नहीं होती? जानकर अच्छा लगा, महोदय। और शायद यह सेहत के लिए भी अच्छा है।” काइका ने आँख मारी।

"मुझे लगता है कि मुझे वरिष्ठ अधिकारी का अनादर करने के लिए आपके खिलाफ शिकायत दर्ज करनी चाहिए।"

"आप बाद में बॉक्सिंग स्क्वायर में मेरी पिटाई कर सकते हैं, महोदय।"

"मैं इसके लिए उम्मीद कर रहा हूं।"

मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है।

“प्रोफेसर, क्या आप उनके साथ वापस जाना चाहते हैं या यहीं रुकना चाहते हैं?” वैन ने सोचा कि वह लिलाह को सीधे-सीधे कह दे कि वह उसके साथ यहीं रुकेगी, क्योंकि वह नहीं चाहता था कि वह अपने अंगरक्षक के बिना चौकी में रहे, लेकिन उसे नहीं पता था कि वह उसके साथ अकेले सहज महसूस करेगी या नहीं। उसने ज़रूर ध्यान दिया होगा कि वह थोड़ी देर पहले उसे चूमने के करीब आ गया था।

“अभी कुछ ही घंटों की दिन की रोशनी बची है। मैं जीवाश्मों के साथ ही रहूंगी।” लिलाह ने अजगर की खोपड़ी पर हाथ रखा।

वैन ने गौर किया कि वह उसके साथ नहीं, बल्कि जीवाश्मों के साथ रहने की बात कर रही थी। भला वह क्या उम्मीद करता? वह शादीशुदा थी। यह बात उसे याद रखनी चाहिए थी। हर कोई जनरल चेसन जैसा नहीं होता, जो बिना शादी के दूसरे लोगों के साथ संबंध बनाने की आदत रखता हो। उसे शक था कि लिलाह की कमीज़ के कॉलर के नीचे कभी-कभी दिखने वाली सोने की चेन शादी का हार थी, जिसके बारे में उसे तब सोचना चाहिए था जब वह अपने कमरे में उसके बारे में

यौन कल्पनाएँ कर रहा था।

"मैं अपने लापता आदमियों के पदचिह्नों की तलाश में जा रहा हूँ," वैन ने कहा, जबकि काइका और बोसमोंट विस्फोटकों और थर्मिट की प्रतिक्रियाओं पर बहस करते हुए वापस उसी रास्ते पर चल पड़े, "लेकिन मैं आस-पास ही रहूँगा। अगर कुछ भी हो तो चिल्ला देना।"

"मैं करूँगी," लिलाह ने कहा।

वैन पीछे मुड़कर अपनी खूबसूरती को निहारने की बजाय जानबूझकर वहां से चली गई।

• • • • •

लिलाह दबे हुए जीवाश्मों का अध्ययन कर रही थी, यह पता लगाने की कोशिश कर रही थी कि वे असली हैं या नहीं और वे कैसे दबे थे, जब तक कि अंधेरा इतना गहरा नहीं हो गया कि उन्हें देखना बंद हो गया। उसने चट्टान से मुंह फेरा तो देखा कि सूरज बहुत पहले ही पहाड़ी के पीछे डूब चुका था, और गहरी धुंध की छाया पहाड़ की ढलान पर छाई हुई थी। पहले तो उसे कोई दिखाई नहीं दिया और उसने सोचा कि थेरिक ने आखिरकार अपने लापता सैनिकों को ढूंढने का फैसला कर लिया है, लेकिन तभी वह अंधेरे से लकड़ी का गट्ठा लिए हुए बाहर आया।

"आग जलाने का समय?" लिलाह ने अपनी बाहों को रगड़ा। आग का ख्याल बहुत अच्छा लग रहा था। भले ही गर्मी का मौसम था, लेकिन वे काफी ऊंचाई पर थे, और सूरज डूबते ही तापमान में अचानक गिरावट आ गई थी।

"मैं इसे एक संकेत देने वाली आग समझ रहा था।" थेरिक ने पेड़ों की ओर इशारा किया, उसी दिशा में जहाँ उसने कहा था कि लोग गए थे।

"तुम्हें अपने सैनिकों की चिंता है?" वह सोच रही थी कि आज रात यहाँ रुकना उसके और थेरिक के लिए कितना समझदारी भरा कदम था, जबकि संभवतः उसके आदमियों के साथ कुछ अप्रिय घटना घटी थी। शायद चौकी पर लौटना बेहतर होता। बेशक, वहाँ पहुँचने से पहले ही पूरी तरह अंधेरा हो चुका होता। अगर वह रात यहाँ नहीं बिताना चाहती थी, तो उसे दूसरों के साथ पहले ही लौट जाना चाहिए था। लेकिन वह अभी-अभी पहुँची ही थी कि काइका और बोसमोंट वापस चले गए थे। वह जीवाश्मों का अध्ययन करने में इतनी मग्न थी कि उस समय जाने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी।

"अगर वे चौकी की दिशा में भागने के लिए पर्याप्त समझदार नहीं थे, तो वे मेरी चिंता के पात्र नहीं हैं।"

वह हमेशा की तरह रूखे स्वर में बोला, लेकिन फिर भी उसने उनके लिए रोशनी और गर्मी के लिए जितनी लकड़ी की ज़रूरत होती, उससे कहीं ज़्यादा लकड़ी इकट्ठा कर ली। जल्द ही उसने एक तेज़ आग जला दी, जिसकी लपटें इतनी ऊंची थीं कि ढलान से दूर और सामने वाले पहाड़ से भी दिखाई दे रही थीं। वह और लकड़ी इकट्ठा करने के लिए पेड़ों के पास लौट गया।

जीवाश्मों के साथ वह और कुछ नहीं कर सकती थी—वैसे भी दिन के उजाले में भी उसने कुछ खास नहीं किया था—इसलिए लिलाह धीरे-धीरे पेड़ों की ओर गई और कुछ शाखाएँ तोड़ लीं। उसने अभी दो ही शाखाएँ पकड़ी थीं कि तभी उसने उसे पुकारा।

"इधर आओ।" थेरिक ने आग के बगल में पड़े एक लट्ठे की ओर इशारा किया।

वह कुछ देर रुकी, यह सोच रही थी कि क्या उसे उसकी धृष्टता के विरुद्ध विद्रोह करना चाहिए। वह उसकी सैनिक नहीं थी, जो वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पालन करने की शपथ लेती हो। थकान महसूस करते हुए, वह धीरे-धीरे उसके पास लौट आई, लेकिन कुछ कहे बिना नहीं। "कृपया।"

"क्या?"

“इधर आओ, कृपया। मैं तुम्हारे आदमियों में से नहीं हूँ।” उसने अपना पैर लकड़ी के लट्ठे पर टिकाया और उसे चुनौती भरी नज़र से देखा।

उसने भी उसकी ओर घूरकर देखा, परछाइयों के कारण उसके चेहरे के भाव सामान्य से भी अधिक स्पष्ट नहीं थे। "यह वह शब्द नहीं है जिसका मैं प्रयोग करता हूँ।"

“नहीं? इसमें तो सिर्फ एक ही अक्षर है। इसे बोलना 'आग्नेय चट्टान' या 'जीवाश्म विज्ञानी' से कहीं ज्यादा आसान है, और आपको इनमें से किसी को भी बोलने में कोई परेशानी नहीं हुई।”

“बस बैठ जाइए, प्लीज़? आप पूरी रात जागते रहे, है ना? मैं लकड़ी लाता हूँ।” उसने फिर से लकड़ी के लट्ठे की ओर इशारा किया, और फिर पेड़ों के बीच छाया में गायब हो गया।

यह समझते हुए कि उसने उसे उसकी ज़रूरतों का ध्यान रखते हुए बुलाया था, लिलाह शरमा गई और बैठ गई। अब उसे पछतावा हो रहा था कि उसने ज़िद क्यों की। उसका एक हिस्सा उसकी मदद करना चाहता था, चाहे उसने कुछ भी कहा हो, लेकिन सूरज ढलने के साथ ही जीवाश्मों की समस्या में उसकी दिलचस्पी कम होने लगी और थकान हावी होने लगी। उसने ज़मीन की ओर देखा, लकड़ी के लट्ठे से पीठ टिकाकर और आग की ओर मुंह करके लेटने का सोचा, लेकिन उसके पेट में गुड़गुड़ हुई, इसलिए उसने अपना बैग खींचा और साथ लाए गए पैकेटबंद खाने में से एक निकालने लगी।

थेरिक तब तक लकड़ी लाता रहा जब तक पहाड़ पर पूरी तरह अंधेरा नहीं छा गया। उसने शायद रात भर संकेत देने वाली आग जलाए रखने की योजना बनाई होगी।

"क्या तुम्हें अपने आदमियों का कोई सुराग मिला?" उसने पूछा, जब वह लकड़ी के ढेर में और लकड़ी जोड़ रहा था।

“वे तीन अलग-अलग दिशाओं में भाग गए। मुझे उनका पता लगाने के लिए सुबह तक इंतजार करना पड़ेगा।” उसने जंगल की ओर गुस्से भरी नजर डाली और फिर उसके बगल में पड़े लट्ठे पर बैठ गया।

"नमकीन चिकन, कटा हुआ और डिब्बाबंद?" उसने डिब्बे पर लगे लेबल को पढ़ते हुए पूछा और फिर उसे उसे दे दिया।

“सुनने में स्वादिष्ट लग रहा है, है ना?” उसने डिब्बा लिया और उसे खोलने के लिए अपने चाकू का इस्तेमाल किया।

मैंने अपना भोजन पहले ही कर लिया है और मैं भोजन की उत्कृष्टता की पुष्टि कर सकता हूं।

"मैं शर्त लगा सकता हूं।"

“ये लो कुछ फलियाँ भी, अगर तुम चाहो तो। मैंने उन्हें खत्म नहीं किया।”

उसने चुपचाप खुला हुआ डिब्बा स्वीकार कर लिया। जाहिर है, धन्यवाद कहना भी उसके लिए

कोई शब्द या वाक्यांश नहीं था।

इसके बाद उसे समझ नहीं आया कि क्या कहे। उसका मन कर रहा था कि वह उसके कंधे पर सिर रखकर आँखें बंद कर ले, लेकिन दो दिन से भी कम समय में यह सब कुछ बहुत जाना-पहचाना सा लग रहा था। उसने ज़मीन पर उस जगह को फिर से देखा, हालाँकि अब उस पर अपना हक जताने का मतलब होगा उसके पैरों के नीचे सिर रखकर सोना। यह भी उसे जाना-पहचाना सा लग रहा था। और अगर उन फलियों का वही आम असर हुआ तो यह खतरनाक भी हो सकता था।

“क्या?” थेरिक ने बीन्स के डिब्बे को गर्म करने के लिए आग की लपटों के पास एक पत्थर पर रख दिया।

“हम्म?”

तुम मुस्कुरा रहे हो।

“कोई कारण नहीं।” वह और भी मुस्कुराई।

"मेरी कंपनी से बहुत खुश हो, है ना?"

"स्पष्ट रूप से।"

“काइका और बोसमोंट एक घंटे के भीतर वापस आ जाएंगे,” थेरिक ने रास्ते की ओर इशारा करते हुए कहा। “सामान इकट्ठा करने में उन्हें इतना समय नहीं लगना चाहिए।”

लिलाह ने सिर हिलाया, हालाँकि उसे थेरिक के साथ अकेले रहने की कोई चिंता नहीं थी। क्या यह अजीब था? कि उसने दो दिन से भी कम समय में उस पर भरोसा कर लिया था? भले ही उसे यह एहसास न होने लगा था कि उसकी रूखी-सूखी बातों के पीछे एक ईमानदार व्यक्ति छिपा है, फिर भी वह एक सेना अधिकारी से नैतिक आचरण की उम्मीद करती। आख़िरकार, टाइम ट्रेक की कहानियों में सैनिक अक्सर अतीत में यात्रा करते समय नैतिकता के सवालों से जूझते थे और सही काम करने की कोशिश करते थे। वह मुस्कुराई, यह सोचकर कि क्या थेरिक ने कोई किताब पढ़ी है और कमांडर असिलोन से उसकी तुलना करने पर वह क्या सोचेगा।

“क्या तुम हमेशा से सैनिक रहे हो?” लिलाह ने पूछा। “जब से तुम भर्ती होने लायक उम्र के हुए हो?”

जवाब देने से पहले वह हिचकिचाया और बीन्स को हिलाने लगा। "लगभग।"

"क्या यह कुछ ऐसा था जिसका आपने बचपन में सपना देखा था?"

"सच में नहीं। मुझे नहीं लगता था कि मैं वयस्कता तक पहुँच पाऊँगा।"

उसने भौंहें चढ़ाकर उससे पूछा, "इसका क्या मतलब है?"

उसने फलियों को थोड़ा और चलाया।

"माफ़ कीजिए, मैं दखल दे रहा हूँ। मैं बस बात करने के लिए कोई विषय सोचने की कोशिश कर रहा था।"

“क्या आपको थकान नहीं हो रही? आप सो सकते हैं।”

मैं नहीं चाहता था कि तुम अकेले रहो।

उसने नाक सिकोड़ी। “मैं अक्सर अकेला रहता हूँ। मुझे इसकी आदत हो गई है।”

वह लगभग कह ही चुकी थी कि यह उतना ही दुखद है जितना किसी लड़के का यह सोचना

कि वह कभी वयस्क नहीं हो पाएगा, लेकिन उसने अपने शब्दों को मुंह से निकलने से रोक लिया। वह ऐसा व्यक्ति नहीं लग रहा था जिसे दया की ज़रूरत हो या जो उसकी सराहना करे। इसके अलावा, यहाँ तो किसी के अपने भावों को साझा करने पर चिढ़ाना ही ज़्यादा स्वीकार्य प्रतिक्रिया मानी जाती थी।

"शायद इसका संबंध चिल्लाने से हो सकता है," लिलाह ने मुस्कुराते हुए सुझाव दिया।

"ओह? मुझे लगा कि मैं ही लोगों को पीट रहा हूँ।" उसने कैन को आग से निकाला और एक टुकड़ा खाया।

"मारपीट से शायद कोई फायदा नहीं हुआ। हालांकि, मुझे इस बात की राहत है कि आपने मुझ पर हमला करने वाले व्यक्ति को खदेड़ दिया। हम इतने व्यस्त थे कि धन्यवाद कहना भूल ही गए। धन्यवाद।"

"अगर मैं समय पर वहां नहीं पहुंचता तो तुम उसे संभाल लेते।"

लिलाह को पूरी तरह यकीन नहीं था, लेकिन उसने उसकी इस बात को मान लिया, जिसे शायद उसने तारीफ समझा था। कम से कम, उसे लगता था कि उसमें कुछ काबिलियत है, हालांकि उसे यह नहीं पता था कि उसने ऐसा क्या किया था जिससे उसे यह राय मिली। जिस आदमी को उसने मारा था, उसे गोली मारते समय वह पीछे की ओर गिर रही थी। शायद अगर वह न गिरती, तो वह किसी कम महत्वपूर्ण व्यक्ति को निशाना बना सकती थी। क्या भागने की कोशिश करने के लिए वह मौत का हकदार था? उसे पक्का पता नहीं था, लेकिन उसे यकीन नहीं हो रहा था कि उन खदानों की हालत अच्छी थी। अगर वह कैदियों की जगह होती, तो शायद वह भी भागने की कोशिश में अपनी जान जोखिम में डाल देती।

"मेरे पिता एक बदतमीज़ इंसान थे," थेरिक ने आग की ओर देखते हुए कहा।

उसने पलकें झपकाईं और उसकी ओर देखा। उसे पता नहीं था कि यह किस संदर्भ में था, लेकिन उसने हौसला बढ़ाने वाली आवाज़ निकाली। अब तक उसने अपने बारे में कुछ भी नहीं बताया था, और वह उसके बारे में जानने के लिए उत्सुक हो गई थी। आखिर किस वजह से उसे इस दूरदराज के पद पर तैनात किया गया था? उसने जो बातें सुनी थीं, उनसे उसे लगा कि यह एक तरह की सज़ा थी, जो सैनिकों के लिए भी उतनी ही कठिन थी जितनी खनिकों के लिए।

"मेरे लिए, मेरे छोटे भाइयों के लिए, मेरी माँ के लिए," थेरिक आगे बोला। "मैंने उसे तब मारने की योजना बनाई थी जब मैं इतना बड़ा हो जाऊँगा कि उसे काबू कर सकूँ। वह बहुत बड़ा आदमी नहीं था, लेकिन चुस्त-दुरुस्त और ताकतवर था।" उसने अपनी बांह हिलाई और मुस्कुराया—लेकिन उसकी मुस्कान उसकी आँखों तक नहीं पहुँची। "यह खानदानी बात है। मुझे पता था कि जब मैं कामयाब हो जाऊँगा तो वे मुझे गिरफ्तार कर लेंगे, मौत की सज़ा देंगे, लेकिन मैंने सोचा कि यह इसके लायक होगा, ताकि वह मेरी माँ और भाइयों को अकेला छोड़ दे।"

"उसने तुम्हें मारा?" लिलाह ने अनुमान लगाया।

हम सब। वह हमेशा गुस्से में रहता था। मतलबी। बेरहम। वह बहुत जुआ खेलता था, बहुत हारता था, और अक्सर बदमाशों से पिटता था, क्योंकि हारने पर उसके पास हर्जाना भरने के लिए पैसे नहीं होते थे। वह उनसे बदला नहीं ले पाता था, इसलिए अपना गुस्सा हम पर निकालता था।

जब मैं छोटी थी, तो मुझे लगता था कि यह मेरी गलती है, कि मैं उनके लिए निराशा का कारण हूँ। जब मैं नौ या दस साल की हुई, तब मुझे सच्चाई पता चली, और तभी से मुझे उससे नफरत होने लगी। तभी मैंने अपनी योजना बनाई और हर रात उसे अंजाम देने का सपना देखते हुए सोती थी।

"ये तो... क्या तुम्हारी माँ को कोई मदद नहीं मिल सकती थी? क्या वो अधिकारियों के पास नहीं जा सकती थी?"

"उसने कोशिश की। उन्होंने कुछ नहीं किया। वह अब भी लॉर्ड थेरिक ही थे, भले ही उपाधि का अब कोई खास महत्व नहीं रह गया था। कुलीन वंश के अलावा कोई भी उनसे पंगा नहीं लेता था, सिवाय गुंडों के। उन्हें बस इस बात की फ़िक्र रहती है कि कहीं आप पर उनका कर्ज़ तो नहीं है। वे किसी से नहीं डरते।" थेरिक ने कंधे उचकाते हुए कहा, "जब मैं बारह साल का था, तब मैंने उन्हें जान से मारने की गंभीर कोशिश की थी। अब सोचता हूँ तो लगता है कि अगर मैं एक साल और इंतज़ार कर लेता, तो शायद कामयाब हो जाता। तेरह साल की उम्र में मेरी काफ़ी तरक्की हो गई थी। तब तक बहुत देर हो चुकी थी।"

"क्या हुआ?" लिलाह ने पूछा, जैसे ही उसने उस परिदृश्य की कल्पना की, उसकी सारी थकान दूर हो गई।

"उसने मेरी माँ को इतनी बुरी तरह पीटा था कि वो उठ भी नहीं पा रही थी। मेरी सारी सोची-समझी योजनाएँ धरी की धरी रह गईं। मुझ पर बस काला गुस्सा हावी हो गया। मुझे बस इतना याद है कि मैंने रसोई का चाकू उठाया और उस पर झपट पड़ा। अगर मैं पीछे से उस पर हमला करने की अपनी योजना पर कायम रह पाता, तो शायद बात बन जाती। लेकिन फिर भी, एक दुबले-पतले बच्चे के लिए मैंने उसे काफी चोट पहुँचाई। मैंने उसे दस-दस जगह से काट दिया होगा और उसकी आँख लगभग निकाल ही ली थी, इससे पहले कि उसने मुझसे चाकू छीन लिया और मुझे दीवार पर पटक दिया। मैं लगभग बेहोश ही हो गया था। मुझे लगता है वो मुझे मार ही डालता, लेकिन मेरी माँ रेंगकर मेरे पास आई और मुझे अपने शरीर से ढक लिया। उसने मेरी माँ को ही चाकू मार दिया। उसका निशाना मुझसे कहीं बेहतर था।"

"हे भगवान, थेरिक।" उसने उसका हाथ पकड़ लिया, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहे या क्या करे।

"वो कायर भाग गया। मुझे उसे पकड़े हुए छोड़ गया। उसने मेरी बाहों में दम तोड़ दिया। उसके बाद मुझे समझ नहीं आया कि क्या करूं। मैं अपने भाइयों को दस मील पैदल राजधानी तक ले गया और अपनी उस चाची से मिलने गया जिनसे मैं अपनी ज़िंदगी में सिर्फ़ दो बार मिला था। मेरी माँ की बहन। मुझे लगा कि शायद वो हमें अपने पास रख लेंगी, लेकिन उनके पास पैसे नहीं थे। आखिरकार उन्होंने हमें एक अनाथालय में छोड़ दिया। मेरे भाई मुझसे छोटे थे और मुझसे कम... गुस्से वाले थे। ज़्यादा उलझन में थे। उनका तो काम चल गया। मेरा कभी नहीं चला। आवारागर्दी करने लगा, कुछ बड़े बच्चों के साथ घूमता रहा। ज़िंदा रहने के लिए चोरी करना सीखा। बाद में, मैंने मारना भी सीखा। दुश्मन गिरोहों के लोग, ज़्यादातर कमीने। बिल्कुल मेरे जैसे।" उसके होंठ व्यंग्य भरी स्वीकृति से मुड़ गए।

"फिर कोई निर्दोष आदमी गोलीबारी में फंस गया, और पुलिस ने हमारी तलाश शुरू कर दी।

मुझे लगता है कि मेरे साथ जो दो लड़के थे, वे शायद यहीं आ गए होंगे।" उसने पहाड़ की ओर अंगूठा हिलाते हुए कहा। "गोलीबारी के लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं था, उस समय तो बिलकुल नहीं। बस एक साथी था, जैसा कि उन्होंने कहा था। खैर, मैंने अपना परिचय दिया और किसी ने मेरे परिवार का नाम पहचान लिया। पहले तो उन्हें यकीन नहीं हुआ—शायद मेरे पिता को पिछले साल किसी गैंगस्टर ने मार डाला था, इसलिए संपत्ति पर किसी का दावा नहीं था और उन्हें लगा कि मैं झूठ बोलकर रईस बनने की कोशिश कर रहा हूँ। लेकिन मेरी कहानी सही निकली और फिर मेरी चाची ने मुझे पहचान लिया और कहा कि मैं वही हूँ जो मैंने बताया था। कसम से, मैं किसी बात से बचने की कोशिश नहीं कर रहा था, लेकिन मेरे मामले की सुनवाई करने वाला जज एक रईस परिवार से था और जब उसने मेरी कहानी सुनी, तो उसने मुझे बीस साल की जेल या दस साल की सेना में भेजने की पेशकश की। मुझे नहीं लगता कि उन्हें इस बात का एहसास था कि उस समय मैं सिर्फ सोलह साल का था। तब तक मैं काफी बड़ा हो चुका था। मैंने कुछ साल नियमित सेना में बिताए, मुझे यह काम पसंद आया और आखिरकार मुझे अधिकारी बनने के लिए अकादमी भेज दिया गया।"

बोलने के बाद पहली बार उसने उसकी तरफ देखा। उसने कंधे उचकाए और हथेली फैलाई। "तो आपके दूसरे सवाल का लंबा जवाब यह है कि नहीं, मैंने सेना में जाने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था, जब तक मुझे सेना और जेल में से किसी एक को चुनने का विकल्प नहीं दिया गया।"

"ऐसा लगता है कि यह सही फैसला था।"

थेरिक ने सिर हिलाया। "कम से कम मुझे अपनी कुछ आक्रामकता को देश के दुश्मनों को मारने में लगाने का मौका तो मिलता है। वैसे भी, मैं पहले ऐसा कर पाता था। जब मुझे मिशन पर भेजा जाता था और मेरा सामना शाही सैनिकों से होता था। आजकल तो मैं या तो नौजवानों को सिखाने में या सेना के निकम्मों की कमान संभालने में ही फंसा रहता हूँ।" पहाड़ की ओर अंगूठा हिलाते हुए इस बार उसका गुस्सा और भी गहरा था, हालाँकि जल्द ही उसने अपना हाथ गोद में रख लिया, मानो अपनी झुंझलाहट को शांत करने की कोशिश कर रहा हो। शांत भाव से उसने कहा, "मुझे लगता है आप सिखाते हैं। आप इससे कैसे निपटते हैं?"

"सच कहूं तो मैं इसमें बहुत अच्छा नहीं हूं, और मुझे युवा मूर्खों से भी निराशा होती है।"

उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। क्या उसने उससे शिक्षण के आनंद के बारे में काव्यात्मक बातें करने की उम्मीद की थी?

"खासकर वे लोग जो वहां रहना नहीं चाहते," लिलाह ने आगे कहा। "वे क्लास इसलिए लेते हैं क्योंकि इससे उनकी डिग्री की कुछ आवश्यकताएँ पूरी हो जाती हैं और उन्हें लगता है कि यह अन्य विकल्पों से आसान है। क्योंकि भला पुरानी हड्डियों का अध्ययन करना मुश्किल कैसे हो सकता है? या इसमें गणित की आवश्यकता कैसे हो सकती है?"

"तुम्हारी आवाज़ में कड़वाहट झलक रही है।" असल में वह मुस्कुराया, मानो उसे यह सब सुनकर मज़ा आ रहा हो।

"मुझे शोध करना बेहद पसंद है। पढ़ाना तो अनिवार्य है, सौभाग्य से अब पहले की तुलना में कम कक्षाएं लेनी पड़ती हैं। लेकिन मैंने इस क्षेत्र में इसलिए कदम रखा ताकि प्रयोगशाला में या

क्षेत्र में जाकर नई खोजें कर सकूं। क्या आप जानते हैं कि मेरे सैंतालीस से अधिक लेख प्रतिष्ठित अकादमिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं? पिछले पांच वर्षों में, मैंने स्तनधारियों के विकास वृक्ष की कई शाखाओं को पूरा किया है, विलुप्त प्रजातियों को आधुनिक जानवरों से जोड़ा है। जब मैं स्कूल में थी, तो मैंने सोचा था कि मैं ज़र्क परिवार की पहली सदस्य बनूंगी—अपने परिवार में पहली ऐसी व्यक्ति जो हमारे नाम को प्रसिद्धि दिलाएगी। हालांकि, यह प्रसिद्धि सीमित और विद्वान मंडलों तक ही सीमित होती, फिर भी। हम कुलीन नहीं हैं, बिलकुल भी नहीं, और परिवार के अधिकांश पुरुष शराबी हैं। फिर भी, यह कुछ मायने रखता।" उसने आग में एक लकड़ी फेंकी। "रिड्ज ने हवा में उल्टा घूमकर और निशाना लगाकर मुझसे पहले प्रसिद्धि हासिल कर ली। किसी और की सफलता से ईर्ष्या करना तुच्छ बात है, और मैं यह जानता हूँ, लेकिन समाज जिन चीजों को प्रशंसा के योग्य मानता है, उन्हें देखकर कभी-कभी मुझे गुस्सा आ जाता है। क्या आप जानते हैं कि मेरे पास अक्सर लड़के-लड़कियाँ छात्र आकर उनसे ऑटोग्राफ मांगते हैं? हम तो एक ही शहर में भी नहीं रहते।"

थेरिक की मुस्कान और भी चौड़ी हो गई। यह लगभग चौंकाने वाली थी, क्योंकि आमतौर पर उसके गंभीर चेहरे पर यह बिल्कुल बेमेल लग रही थी। "तुम उसे पसंद नहीं करते।"

"क्या? नहीं, ऐसा नहीं है। मेरा मतलब है, मैं उसे नापसंद नहीं करती।" लिलाह ने अपना चेहरा मल लिया। क्या इसका कोई मतलब भी था? थेरिक ने जो भयानक कहानी सुनाई थी, उसके बाद वह इस बारे में शिकायत क्यों कर रही थी? मानो जीवन की बड़ी योजना में उसकी शैक्षणिक आकांक्षाओं का इतना महत्व हो। "सच कहूँ तो, मैं उसे इतना अच्छी तरह नहीं जानती कि उसे पसंद करूँ या नापसंद करूँ," उसने कहा, यह महसूस करते हुए कि उसकी निगाहें अभी भी उस पर टिकी हुई हैं, और वह सचमुच खुश या शायद मजे ले रहा था। "मैं बस पिछले कुछ सालों से दूर से ही उससे थोड़ी चिढ़ती रही हूँ।"

"मेरी पदोन्नति चाहने का आधा कारण यह है कि वह मुझसे ऊँचा पद न पा सके," थेरिक ने कहा। "पायलट मुझे पागल कर देते हैं, और वह तो सबसे बुरा है। वे हद से ज़्यादा बदतमीज़ होते हैं, और फिर भी बच निकलते हैं क्योंकि राजा और बाकी सभी को लगता है कि देश का भविष्य उन्हीं पर और उनके विमानों पर टिका है।"

लिलाह ने नाक सिकोड़ी। वह अनकहे शब्दों से समझ गई थी कि थेरिक को यह ज्यादा पसंद आएगा अगर राष्ट्र का भाग्य उस पर और उसकी ताकत पर निर्भर हो।

"पर पदोन्नति की चाह रखना शायद मेरी बेवकूफी है," उन्होंने गंभीर चेहरे के साथ कहा। "मैं कर्नल का पद मुश्किल से ही संभाल पा रहा हूँ। बहुत सारा संगठनात्मक काम, प्रशिक्षण, बच्चों की देखभाल, और भटकते सैनिकों पर नज़र रखना।" उन्होंने घृणा से उंगली उन पेड़ों की ओर घुमाई जहाँ उनके सैनिक गायब हो गए थे। "मुझे मिशन पर जाना याद आता है। लोगों को गोली मारना उन्हें आदर्श सैनिक बनाने से कहीं ज़्यादा आसान है।"

"क्या कभी किसी ने तुम्हें बताया है कि तुम थोड़े से भूत जैसे हो, थेरिक?"

"बहुत सारे लोग। ज्यादातर महिलाएं। और मुझे लगता है कि अब आप मुझे वैन कह सकते हैं।"

“आह। अच्छा।” लिलाह उसके कंधे से टिक गई।

वह एकदम शांत हो गया, और उसे लगा कि शायद वह अपना हाथ उसके चारों ओर लपेट लेगा। यह बुरा नहीं होता। लेकिन उसने अपने हाथ नीचे ही रखे। कम से कम वह उससे दूर तो नहीं हटा, ताकि वह उसके कंधे को तकिए की तरह इस्तेमाल कर सके। इतनी थकी हुई थी कि यह तय नहीं कर पा रही थी कि यह उसे परेशान करेगा या नहीं, इसलिए उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, यह सोचते हुए कि शायद उसे वहीं नींद आ जाए।

चट्टान से एक ज़ोरदार चटकने की आवाज़ आई, और वह झटके से सीधी हो गई, उसका नितंब लगभग लकड़ी के लट्ठे से फिसल गया।

थेरिक—वैन—ने उसे सहारा दिया और अपना हाथ उसकी जांघ पर रख दिया। आग अभी भी तेज़ जल रही थी, और ग्रेनाइट की चट्टान पर रोशनी और परछाइयाँ नाच रही थीं। अगर कोई चट्टान खिसकी भी थी, तो लिलाह उसे देख नहीं पाई, लेकिन आवाज़ अशुभ थी। एक चट्टान पर भूस्खलन नहीं होना चाहिए, फिर भी, चारों ओर बिखरे काई से ढके हुए बड़े-बड़े पत्थर यह संकेत दे रहे थे कि बहुत पहले ऐसा कुछ हुआ था। वह अभी भी उस परिदृश्य की कल्पना नहीं कर पा रही थी जिसका वर्णन काइका ने किया था, कि कोई जादू से आग्नेय चट्टान को पिघलाकर उसे जीवाश्मों सहित ग्रेनाइट में बदल दे। अगर ऐसा पिछले कुछ हफ्तों या पिछले कुछ दशकों में हुआ होता, तो सबूत ज़रूर मिलते। निश्चित रूप से, इतनी गर्मी से उस क्षेत्र की वनस्पति और पेड़ नष्ट हो गए होते।

जंगल से एक भयानक कराहने की आवाज़ आई। या फिर वो किसी जानवर की चीख थी? जो भी आवाज़ थी, वो स्वाभाविक नहीं लग रही थी।

"ये तो बस हवा की आवाज़ है, है ना?" लिलाह ने बेपरवाह दिखने की कोशिश करते हुए पूछा, हालाँकि वह आवाज़ डरावनी थी।

“मुझे नहीं पता। कल रात किसी चीज़ ने मेरे आदमियों को डरा दिया। जब मैं पटरियों की तलाश कर रहा था, तो मुझे कुछ बड़े भेड़ियों के पैरों के निशान दिखे, लेकिन भेड़ियों को राइफल लिए हुए आदमियों को नहीं डराना चाहिए था।”

“उम्मीद है कि ये सिर्फ भेड़िये ही होंगे। मैं अलौकिक शक्तियों से निपटने के बजाय जानवरों से निपटना ज़्यादा पसंद करूंगी।” लिलाह को ऐसी बातें करते हुए मूर्खता महसूस हो रही थी जैसे कि वे सच हों, लेकिन जादू के बारे में उसे इतनी जानकारी नहीं थी कि वह अंदाज़ा लगा सके कि उससे क्या किया जा सकता है और क्या नहीं। उसने चट्टान से झांकती खोपड़ी की ओर देखा।

“मैं भी ऐसा ही करता। कम से कम अभी के लिए। बाकी लोग जल्द ही लौट आएंगे, और काइका के पास मेरी तलवार होनी चाहिए। उसे अलौकिक प्राणियों का वध करना बहुत पसंद है।”

तलवार में चेतना होने और किसी भी चीज से प्यार करने का विचार परेशान करने वाला था, लेकिन अगर यहाँ कोई अजीब बुराई मौजूद थी, तो लिलाह को उसके खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए एक हथियार रखने का विचार मंजूर था।

चीखें धीमी पड़ गईं, और केवल आग में जल रही लकड़ियों के चटकने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। जैसे ही उस पल की विचित्रता समाप्त हुई, उसे अपनी जांघ पर वैन का हाथ महसूस हुआ। रात की ठंड में, उसकी पैंट के ऊपर से भी उसकी गर्माहट अच्छी लग रही थी। उसने सोचा कि क्या

उसका हाथ हटाने का कोई इरादा है। क्या उसे उसे प्रोत्साहित करना चाहिए? अपने कमरे में तो वह उसे चूमने ही वाला था, लेकिन अब अलाव के आसपास अकेले होने का उसने फायदा नहीं उठाया था। उसके अतीत के बारे में बताने से पहले भी उसे उसका स्पर्श बुरा नहीं लगता था, और अब वह उसे गले लगाकर दिलासा देना चाहती थी, भले ही इतने समय बाद उसकी बातों से ऐसा न लग रहा हो कि उसे इसकी ज़रूरत है। उसके लिए तो यह तीस साल पहले की बात होगी।

लिलाह की माँ अभी भी जीवित थीं और मानविकी की शिक्षिका के रूप में काम कर रही थीं। वह लिलाह के शोध पत्रों को मूल्यांकन के लिए सहपाठियों को भेजने से पहले उनकी जाँच करती थीं। उनके पिता की मृत्यु भी उसी दुर्घटना में हुई थी जिसमें उनके पति का देहांत हुआ था, लेकिन उन्हें उनकी कमी ज़रा भी महसूस नहीं होती थी। उन्होंने कभी किसी बच्चे को नहीं मारा था, लेकिन वे अक्सर नशे में रहते थे, और उनकी मृत्यु के बाद भी, लिलाह उन्हें उस अजीबोगरीब ढंग से संशोधित स्टीम वैगन को चलाने और टैरिन को उसमें सवारी करने के लिए राजी करने के लिए कभी माफ नहीं कर पाई थीं।

वैन अँधेरे में उस दिशा की ओर देख रहा था जहाँ से वो चीखें आ रही थीं, लेकिन उसने ज़रूर कुछ आवाज़ की होगी, क्योंकि अब उसने उसकी ओर देखा, फिर अपने हाथ की ओर। उसने उसे झट से छोड़ दिया, मानो उसे पता ही न हो कि उसका हाथ वहाँ है और उसे देखकर उसे अफ़सोस हुआ हो। उसे थोड़ी निराशा हुई।

"मैं चारों ओर चक्कर लगाऊंगा।" वैन ने अपनी राइफल उठाई और खड़ा हो गया। "तुम्हें थोड़ा आराम कर लेना चाहिए। जब बोसमोंट उस पत्थर तोड़ने वाली मशीन के साथ आएगा, तो चैन से सोना मुश्किल हो जाएगा।"

लिलाह उसकी चौड़ी पीठ को देखती रही जब वह अंधेरे में चला गया, और सोच रही थी कि उसके कमरे में उसके हथियारों की तारीफ करते हुए इतनी नज़दीक खड़े होने के बाद से क्या बदल गया था। क्या उसने उसे नाराज़ कर दिया था? यकीनन, अगर वह उससे नाराज़ होता तो अपनी कहानी उससे साझा नहीं करता। लेकिन शायद उसका इरादा इतना कुछ बताने का नहीं था और अब उसे अपनी कही बातों पर असहज महसूस हो रहा था। वह यह समझ सकती थी, खासकर ऐसे व्यक्ति से जिसके लिए शायद ही कभी कुछ साझा करना होता था। फिर भी, जैसे ही उसने अपनी जैकेट को अपने चारों ओर लपेटा और लकड़ी और आग के बीच लेट गई, वह अपने मन में उस बातचीत को दोहराती रही और सोचती रही कि क्या उसने कुछ गलत कह दिया था।

अध्याय 6

जंगल से लगातार भयानक चीखें आती रहीं, जो कुछ-कुछ भेड़िये के गले से निकली हुई आवाज़ जैसी लग रही थीं, लेकिन इतनी कर्कश थीं कि किसी स्थानीय जीव की नहीं हो सकती थीं। वैन ने जीवन रक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में और जंगल में शिकार करने में इतना समय बिताया था कि वह इन पहाड़ों में घूमने वाले जीवों से अच्छी तरह वाकिफ था। अगर वह कोई बच्चा होता जो रात में किसी चुनौती के चलते कब्रिस्तान में घूम रहा होता, तो वह सोचता कि कोई बेचैन आत्मा उसे सता रही है, लेकिन उसने अपने जीवन में कभी ऐसा कुछ नहीं देखा था जिससे यह लगे कि ऐसी चीजें लोगों की कल्पनाओं के अलावा कहीं और भी होती हैं। भगवान जानते थे कि उसने इतने लोगों को मारा था कि अगर उनकी आत्माएं कर सकतीं तो वे हर दिन उसे सतातीं।

अपनी गश्त रोककर, पीठ पर आग लिए हुए, वह रुका और चौकी की ओर अंधेरे रास्ते पर नज़र गड़ाए रहा। काइका और बोसमोंट के जाने के बाद कितने घंटे बीत चुके थे? छह? सात? मान लीजिए कि उन्हें अपना सामान इकट्ठा करने और, अगर काइका की मर्ज़ी होती, तो थर्मिट बनाने में समय लगता, तब तक तो उन्हें वापस आ जाना चाहिए था। जैसे-जैसे पेड़ों के बीच से अजीबोगरीब चीखें गूंजती रहीं, वैन के रोंगटे खड़े होते गए, उसे चिंता होने लगी कि कुछ गड़बड़ हो गई है। शायद इन शापित जीवाश्मों ने, या जिससे भी वह निपट रहा था, कोई नई समस्या खड़ी कर दी हो। शायद उसे और लिलाह को भी चौकी पर वापस चले जाना चाहिए था और सुबह होने तक इंतज़ार करना चाहिए था।

सौभाग्य से, वह सो रही थी और चीखों को अनसुना कर रही थी। वह पाँचवीं या छठी बार उसे देखने के लिए वापस लौटा, यह मानने से इनकार करते हुए कि उसकी दिलचस्पी सोते हुए उसे निहारने में थी, उसके कपड़ों के नीचे दिख रहे सुडौल शरीर और उसके कंधों पर बिखरे घने बालों को निहारने में थी, जिनमें से एक लट लकड़ी के एक छोटे से हिस्से में अटकी हुई थी...

नहीं, वह उन चीजों की तारीफ नहीं कर रहा था। वह बस यह सुनिश्चित कर रहा था कि उसे किसी चीज की जरूरत न हो और वह यहाँ बाहर होने से डरी हुई न हो। ऐसी स्थितियों में औरतें डर जाती हैं, है ना? अगर उसके साथ ऐसा हुआ, तो शायद उसे उसे अपनी बाहों में भरकर सुरक्षित महसूस कराना पड़ेगा।

वैन ने खुद पर ही चिढ़कर कहा। अब तक तो वह भी उससे ज़्यादा घबराई हुई नहीं दिखी थी। अगर समूह में किसी को प्यार और दुलार की ज़रूरत थी, तो वह बोसमोंट ही थी।

पगडंडी पर कहीं से तेज़ आवाज़ आई और वैन चौंककर पीछे मुड़ा। क्या कोई चट्टान गिर रही है? वह लगभग उसी दिशा में दौड़ पड़ा, लेकिन वह लिलाह को बिना किसी की निगरानी के नहीं छोड़ सकता था। इसके अलावा, वह बिना लालटेन के इधर-उधर भटक रहा था, और इस तरह की अंधेरी रात में, अगर वह बिना रोशनी के पगडंडी पर तेज़ी से भागा तो कहीं वह खुद ही चट्टान खिसकने का कारण न बन जाए।

जैसे ही उसने अपनी लालटेन निकाली, वह सोचने लगा कि क्या उसे लिलाह को जगाना चाहिए। अगर उसे उस आवाज़ की जाँच करने जाना ही था, तो बेहतर होगा कि वह उसे अपने साथ

ले जाए।

“सर?” पगडंडी से दूर से एक आवाज़ आई। कैप्टन काइका।

“यहाँ,” वैन ने जवाब दिया।

लिलाह ने अपना सिर उठाया।

“क्या आपको मदद चाहिए?” काइका ने जवाब दिया। उसकी आवाज़ में घबराहट नहीं झलक रही थी, लेकिन शायद यह किसी बात का संकेत नहीं था। वह गोलीबारी के बीच भी शांत रह सकती थी, एक हाथ से ग्रेनेड फेंकते हुए और दूसरे हाथ से राइफल लोड करते हुए।

“क्या तुम मेरे साथ आओगे?” वैन ने पूछा। “मैं तुम्हें यहाँ अकेला नहीं छोड़ना चाहता।”

लिलाह ने लकड़ी के लट्ठे से खुद को दूर धकेला और अपनी शिकार राइफल उठा ली। उसने हल्की सी मुस्कान बिखेरी। नहीं, वह ऐसी नहीं लग रही थी जिसे प्यार से गले लगाने की ज़रूरत हो।

लालटेन जलाकर वह पगडंडी पर आगे-आगे चलने लगा। उन्होंने काइका को सामान के ढेर के पास घुटनों के बल बैठे और एक चट्टान के किनारे से नीचे देखते हुए पाया, एक ऐसी चट्टान जो पहले मौजूद नहीं थी। पहले, बकरियों का रास्ता एक खड़ी, पथरीली ढलान के समानांतर चलता था, लेकिन अब एक बड़ा गड्ढा खुला हुआ था, जो अंधेरे में नीचे की ओर जाता था। दूसरी ओर, अधिक सामान लिए चार सैनिक खड़े या घुटनों के बल बैठे हुए, अपनी तरफ की चट्टान के किनारे से नीचे झाँक रहे थे। एक कॉर्पोरल ने अपने थैले से लटकी रस्सी को खोलते हुए गाली दी।

"बोसमोंट?" वैन ने काइका के पीछे रुकते हुए पूछा।

“सर, मैं यहाँ हूँ,” इंजीनियर ने लगभग तीस फीट नीचे से आवाज़ लगाई। “मैं एक हाथ से डाल को पकड़े हुए हूँ और दूसरे हाथ में पकड़े हुए पत्थर तोड़ने वाले औजार को न छोड़ने की कोशिश कर रहा हूँ। यह, उह, मुश्किल है।”

“हम जल्दी कर रहे हैं,” काइका ने पुकारा, फिर कुंडल खोल रहे सिपाही पर उंगली से इशारा करते हुए पूछा, “क्या तुम्हें मेरी रस्सी मिल गई?”

“लगभग, महोदया।”

वैन के थैले में रस्सियों का एक बंडल बंधा हुआ था। उसने लालटेन नीचे रख दी और अपना सामान उतार दिया। चूंकि कॉर्पोरल पहले ही अपनी रस्सी नीचे डाल चुका था, इसलिए दूसरी रस्सी की शायद ज़रूरत नहीं थी। फिर भी, थोड़ी रोशनी काम आ सकती थी। उसने अपनी रस्सी का एक सिरा लालटेन से बांध दिया और काइका को इशारा किया ताकि वह उसे गड्ढे में डाल सके।

“क्या हुआ?” वैन ने पत्थरों से भरी ढलान पर नज़र डाली, जो कुछ भी बचा था। उसे ठीक से याद नहीं था कि वह जगह पहले कैसी दिखती थी, लेकिन उसे हाल ही में खोदी गई मिट्टी की गंध आ रही थी और भूस्खलन के सबूत दिखाई दे रहे थे।

"ओह, कुछ भी अजीब, असामान्य या परेशान करने वाला नहीं था," काइका ने कहा, "जैसे कि पगडंडी का ठीक उसी समय यह बताना कि पत्थर तोड़ने वाला औजार ले जाने वाला व्यक्ति उसे पार कर रहा था।"

“तुम क्या कहना चाह रही हो?” लिलाह ने उनके पीछे से धीमी आवाज़ में पूछा। “क्या तुम यह

कहना चाह रही हो कि कोई सजीव प्राणी हमें उन जीवाश्मों को निकालने से रोक रहा है? जादू का इस्तेमाल भी हो, तो भी मैंने ऐसा कुछ नहीं सुना जो ऐसा कर सके जैसा तुम बता रही हो।" उसने दृढ़ता से कहा, लेकिन साथ ही वह घबराकर उस खड़ी ढलान की ओर देख रही थी जो उनके रास्ते के ठीक बगल में नीचे की ओर जा रही थी।

वैन ने कुछ नहीं कहा, बस अपनी लालटेन को नीचे किया जब तक कि रोशनी से बोसमोंट और उसका पेड़ दिखाई नहीं दिया। वह लगभग खड़ी चट्टानी ढलान से उगने वाली एक झाड़ी जैसी थी, जिसकी जड़ें कठोर मिट्टी में गहराई तक फैली हुई थीं। वह देखने में ऐसी नहीं लग रही थी कि किसी वयस्क व्यक्ति का भार अनिश्चित काल तक सह सके। कम से कम उसके नीचे कोई गहरी खाई तो नहीं थी। गिरने पर शायद वह बच जाता। लेकिन हड्डियाँ न टूटना और वापस समूह तक पहुँचने का रास्ता ढूँढना एक अलग बात होती, खासकर जब उसके पास पत्थर तोड़ने वाला औजार भी हो।

"अगली बार, उस चीज़ को अपनी पीठ पर उठा कर ले जाना, बोसमोंट," काइका ने नीचे से आवाज़ लगाई। "तब तुम झाड़ी को दोनों हाथों से पकड़ सकते होगे।"

"मुझे यकीन है कि यह कहीं बेहतर होगा।" यह कहना मुश्किल था कि बोसमोंट का गुस्सा उसके लिए था या इसलिए कि सैनिक द्वारा नीचे लटकाई गई रस्सी उस तक पूरी तरह नहीं पहुँच रही थी।

वैन ने अपनी रस्सी को थोड़ा खिसकाया और उसे इंजीनियर की ओर झुलाने की कोशिश की। नीचे लगी लालटेन के वजन से रस्सी पेंडुलम की तरह हिल रही थी।

"मेरा वाला ले लो, बोसमोंट," वैन ने पुकारा। "तुम इस तरफ के ज़्यादा करीब हो।"

"और हमें इस तरफ आपकी और आपके बड़े औजार की जरूरत है," काइका ने आगे कहा।

"हमारे पास नली यहाँ है, महोदया," कंधे पर नली का कुंडल लिए एक सिपाही ने थोड़ी नाराज़गी भरे लहजे में कहा।

वैन सबको इस तरफ लाने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन पगडंडी का लगभग पंद्रह फीट हिस्सा गायब होने के कारण यह एक चुनौती भरा काम होगा। उसने मन ही मन बुदबुदाया। आधी रात को चुनौती का सामना करना किसे अच्छा नहीं लगता?

"जब तुम ऐसा करते हो तो मुझे कभी समझ नहीं आता कि तुम गुर्रा रहे हो या खुद से बात कर रहे हो," लिलाह ने उसके पीछे से कहा।

"क्या इससे कोई फर्क पड़ता है?" काइका ने मुस्कुराते हुए पूछा। "दोनों ही स्थिति में चिंताजनक है, है ना? सिवाय बिस्तर के। उस स्थिति में, मैंने इसे तारीफ के तौर पर लिया।"

वैन ने उसे घूरकर देखा। उसे नहीं पता था कि काइका ने लिलाह को बता दिया था कि वे दोनों एक बार साथ सोए थे, लेकिन यह ऐसी बात नहीं थी जिसे वह बताना चाहता, खासकर यहाँ तो बिलकुल नहीं। ऐसी बातें बताने के लिए यह जगह ठीक नहीं थी। वैसे भी, यह कई साल पहले की बात थी, और उस समय वे दोनों नशे में थे। अपनी यूनिट के निचले रैंक के अधिकारियों के साथ सोना आमतौर पर गलत माना जाता था।

"मैं समझ गई," लिलाह ने धीमी और दबी हुई आवाज़ में कहा। निराश हो?

नहीं, यह बात समझ में नहीं आती। वह शादीशुदा थी। अगर उसने उसके अंगरक्षक के साथ

संबंध बनाया होता तो वह निराश क्यों होती? सच है, जब वह उस लकड़ी के लट्ठे पर उसके कंधे से टेक लगाकर बैठी थी, तो उसे यह देखने का लालच हुआ था कि वह अपनी शादी के प्रति कितनी समर्पित है। उसे याद है उसके हाथ के नीचे उसकी टांग का स्पर्श और वह कितनी बुरी तरह से उस हाथ को ऊपर ले जाना चाहता था। जब उसने उसे छुआ था, तो उसका इरादा सिर्फ उसे दिलासा देना था, लेकिन उसका हाथ अपने आप ही हिल गया और वहीं रुकना चाहता था। लेकिन नहीं, यह काफी बुरा था कि उसने चैसन के साथ तब संबंध बनाया जब वह शादीशुदा थी। इसकी शुरुआत उसी ने की थी, और वह जानता था कि वह कई लोगों में से एक था। वह लोगों की शादियां तोड़ने का आदी नहीं था।

अचानक रस्सी पर पड़े भार ने वैन को लगभग किनारे से नीचे खींच लिया। बड़बड़ाते हुए, उसने खुद को संभाला और स्थिरता के लिए उकड़ू बैठ गया। इससे उसे याद रहेगा कि लापरवाही बरतने का क्या नतीजा होता है।

“क्या आपने मुझे पकड़ लिया, महोदय?” बोसमोंट ने चिंता भरी आवाज में पूछा।

“हाँ।” वैन ने इंजीनियर के वजन और सुबह रसोइए के ईंट जैसे सख्त पैनकेक बहुत ज्यादा खाने के बारे में टिप्पणी करने से खुद को रोका। वह नहीं चाहता था कि लिलाह को लगे कि उसे इस बोझ से निपटने में कोई परेशानी हो रही है। “तैयार हो?”

"जी हाँ, महोदय। मैंने इस झाड़ी के साथ जितना समय बिताना चाहा, उतना बिता दिया है। और पत्थर तोड़ने वाला यंत्र हल्का नहीं हो रहा है।"

हाँ, ठीक है। उस चीज़ का वज़न शायद पचास पाउंड ज़्यादा था। इसीलिए अचानक इतना वज़न पड़ने से वो लगभग गिर ही गया था। वैन ने एक पैर पीछे किया, मज़बूती से खड़ा हुआ और खींचना शुरू किया। उसकी मांसपेशियाँ खिंच रही थीं, लेकिन काम करने में सक्षम थीं। शारीरिक मेहनत करना लगभग लड़ाई जितना ही सुखद था, भले ही उतना रोमांचक न हो।

"अगर हम आपकी मदद कर सकते हैं, तो कृपया हमें बताएं, वैन," लिलाह ने कहा।

“हमारा काम है उसे फिसलने पर पकड़ना,” काइका ने कहा, शायद इस बात से अनजान कि वैन उसके अतीत के बारे में बताने से थोड़ा नाराज़ था। अंधेरे में ठीक से देखना मुश्किल था, खासकर तब जब उसकी इकलौती लालटेन इंजीनियर थर्टी—नहीं, अब वह बीस फीट नीचे थी। “हम उसकी बेल्ट के पीछे से पकड़ लेंगे,” उसने आगे कहा।

"क्या हम भी उसके पीछे-पीछे नहीं कूदेंगे?"

"नहीं, मुझे यकीन है कि हम दोनों का कुल वजन उससे ज्यादा है।"

"क्या हमारा वजन उससे और कैप्टन बोसमोंट के संयुक्त वजन से अधिक नहीं होगा?" लिलाह ने पूछा।

"हम्म, शायद आप सही कह रहे हैं। मुझे लगता है कि जब वह किनारे से नीचे गिरेगा तो हम उसे हाथ हिलाकर विदा कर देंगे। शायद वह झाड़ी उन दोनों का भार संभाल ले।"

“लिलाह?” वैन ने तनाव भरी आवाज़ में पूछा, क्योंकि वह बोसमोंट और उसके बड़े औजार को ऊपर खींच रहा था। “अगली बार जब तुम मिलने आओ, तो शायद तुम्हें एक ऐसा अंगरक्षक चाहिए जो कम बोलता हो।”

"ये हमेशा मेरे दिमाग में रहेगा।"

काइका ने जोर से नाक सिकोड़ी। "जब मैं तुम्हारे कमरे में जाकर तुम्हारी तलवार लाई थी, तब ये बात कहना बड़ी बड़ी बात है।" उसने अपनी पीठ की ओर इशारा किया, जहाँ वैन को मुश्किल से ही उसके कंधे के ऊपर से झांकती तलवार की मूठ दिखाई दे रही थी।

"इससे यहां कोई फायदा नहीं होगा।"

"नहीं, ऐसा तब तक नहीं होगा जब तक कि बोसमोंट की झाड़ी अजगर में न बदल जाए, मुझे ऐसा लगता है।"

काइका ने अपने पीछे मंडरा रही रस्सी के कुंडल का सिरा पकड़ा और उसे पास के पेड़ से बांध दिया। अब जब वैन का ध्यान काम पर केंद्रित था, तो उसे बोसमोंट के गिरने की चिंता नहीं थी, लेकिन उसने काइका को सिर हिलाकर अभिवादन किया, इस बात से खुश था कि वह बात करने के बजाय काम कर रही थी।

लालटेन के ऊपर उठते ही रोशनी बढ़ गई और ऊपर रस्सी पर लिपटा एक हाथ दिखाई दिया। वैन थोड़ा पीछे हट गया, जिससे बोसमोंट को ऊपर चढ़ने की जगह मिल गई। चूंकि बोसमोंट के हाथ में अभी भी पत्थर तोड़ने वाला औजार था, इसलिए उसे ऊपर चढ़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी और काइका ने वैन के चारों ओर घूमकर उसकी मदद की। बकरी के रास्ते पर चलने-फिरने के लिए ज्यादा जगह नहीं थी, लेकिन दोनों ने मिलकर उसे किसी तरह ठोस जमीन पर पहुंचा दिया, या कम से कम उस समय के लिए तो ठोस जमीन पर। वैन ने रास्ते के ऊपर के इलाके पर फिर से नजर डाली, उसे पता था कि जो एक बार हो चुका है, वह दोबारा भी हो सकता है।

“क्या वहाँ कुछ ऐसा है जिससे हमारी रस्सी बाँधी जा सके?” वैन ने दूसरी तरफ़ कतार में खड़े सैनिकों से पूछा। उसने लालटेन उतारकर उसका एक सिरा उनकी ओर फेंक दिया ताकि वे उसे पकड़ सकें। रस्सी का एक सिरा काइका के पेड़ से बंधा रहा, और उसने कल्पना की कि रस्सी दोनों किनारों को जोड़ रही है।

पीछे बैठे एक व्यक्ति ने कहा, "बॉक्सकार की गर्दन सचमुच बहुत मोटी है, महोदय।"

"लगता है तुम लोग मजाक करने वालों को ले आए हो," वैन ने अपने अधिकारियों से बुदबुदाते हुए कहा।

“हम उन लोगों को लाए जो भारी उपकरण लेकर पांच मील की पैदल यात्रा करने को तैयार थे,” बोसमोंट ने कहा। “हालांकि मुझे लगता है कि प्राइवेट बॉक्सकार सिर्फ इसलिए आया क्योंकि काइका ने उसे अपना पिछवाड़ा दिखाया था।”

"मैंने तो बस एल्युमिनियम पाउडर की बोतल उठाने के लिए थोड़ा सा झुककर ही ऐसा किया था," काइका ने रूखेपन से कहा।

“हां, जब वह देख रहा था। उसे यह पसंद आया।”

“साफ़ है, उसकी पसंद अच्छी है।” काइका ने वैन के पीछे से झाँकते हुए पूछा, “वह कौन है?”

"मुझे लगता है कि उसी के गले में रस्सी बंधी हुई है," वैन ने कहा।

“हमें एक पेड़ मिला,” एक सैनिक ने कहा। “क्या हम पहले सामान भेजेंगे और फिर पीछे आएंगे? या...” उसकी आवाज़ धीमी हो गई, अब वह वैन की बजाय अपने साथियों से बात कर रहा

था। “मुझे लगता है कि इसे हमारे बिना ले जाए पार ले जाने का कोई रास्ता नहीं है, है ना?”

वैन ने चिढ़कर अपने जबड़े भींच लिए, क्योंकि उसके साथ कुछ कमज़ोर लोग थे जो सोचते थे कि वे एक झुंड के साथ पार नहीं जा सकते। लेकिन उसने ये बात ज़ोर से नहीं कही, क्योंकि लिलाह अभी भी उसके पीछे खड़ी थी। इससे उसे थोड़ा शांत रहने की इच्छा हुई। उसने धीमी आवाज़ में कुछ कहा। शायद उसके सैनिकों को अच्छा लगता अगर उसके आसपास हमेशा कोई महिला होती।

उन्होंने कहा, "जो कुछ भी आप उठा नहीं सकते, उसे यहीं छोड़ दें। मैं आकर उसे उठा लूंगा।"

सैनिक इधर-उधर हिलते-डुलते और आपस में कुछ बुदबुदाते रहे। पहला सैनिक बिना अपना कोई सामान उतारे ही रस्सी पर झूल गया, उसके हाथ और टखने रस्सी में फँसे हुए थे। उफ़! अब उसे बस यही उम्मीद करनी थी कि वे इतने मज़बूत होंगे और उसने उन्हें शर्मिंदा करके कोई बेवकूफी भरा काम न करवा दिया हो। आह भरते हुए वैन किनारे के और करीब सरक गया, ताकि अगर वह आदमी पास आ जाए लेकिन पहुँच न पाए तो वह उसे पकड़ सके।

उसके पीछे का पेड़ चरमरा उठा। सिपाही बीच रास्ते में ही रुक गया।

“कैका, वह गांठ कैसी है?” वैन ने पूछा।

“गांठ बहुत बढ़िया है। पेड़ पुराना है।”

“चिंता की कोई बात नहीं,” सिपाही ने बुदबुदाते हुए कहा और अपनी चाल तेज कर दी।

जंगल में एक बार फिर धीमी सी चीख गूंज उठी। वैन ने आह भरी और सोचने लगा कि क्या यह सब करना उचित है। अगर वह हड्डियों को वहीं छोड़ दे और बोसमोंट को पहाड़ में खुदाई के लिए कोई और जगह ढूंढने को कहे तो क्या होगा? कम से कम तब तक जब तक सार्डेल आकर देख न ले। फिर भी, किसी चुड़ैल की मदद लेने का ख्याल आते ही उसे गुस्सा आ गया। वह इस समस्या को खुद ही सुलझाना चाहता था। कम से कम वे सारे जीवाश्म निकाल कर घाटी में कहीं दूर, चौकी और रेडियो टावर से काफी दूर ले जा सकते थे।

सिपाही किनारे तक पहुँच गया, और वैन ने उसे पकड़कर खींचकर ज़मीन पर उतार लिया। उसने दूसरे सिपाही को आगे बढ़ने का इशारा किया। जैसे ही दूसरा सिपाही पेड़ पर चढ़ा, पेड़ से फिर चरमराहट की आवाज़ आई। वैन के मन में यह ख्याल आया कि बाकी का रास्ता भी टूट गया है और उसकी पूरी टीम गिरकर मर जाएगी। उसने फिर से दांत भींचे, और एक बार फिर खुद पर शक करने लगा। उसे सिपाही के नाम भी ठीक से याद नहीं थे, लेकिन फिर भी उन्हें खोने का उसे बहुत दुख होगा। काइका और लिलाह को खोने का दुख तो और भी ज़्यादा होगा।

जैसे ही सिपाही उसके पास पहुँचा और पगडंडी पर रेंगने लगा, चट्टानें खिसक गईं। कुछ और इंच मिट्टी टूटकर पहाड़ की ढलान में गायब हो गई।

"काइका, सबको इस तरफ ले जाओ और कैंप की ओर जाने वाले रास्ते पर आगे बढ़ो," वैन ने अपने कंधे के ऊपर से कहा और अगले आदमी को सड़क पार करने का इशारा किया।

“सर?” काइका ने पूछा।

"कहीं ऐसा न हो कि रास्ते का यह हिस्सा भी ढह जाए।"

तीसरा सिपाही फुर्तीला और हल्का साबित हुआ और पलक झपकते ही खाई के एक तरफ से

दूसरी तरफ पहुँच गया। अब तक किसी ने भी अपना सामान पीछे नहीं छोड़ा था। बोसमोंट के अभ्यास के लिए इस्तेमाल होने वाली एक नली वैन के जूते में उलझने की कोशिश कर रही थी जब वह सिपाही को ज़मीन पर उतारने में मदद कर रहा था, लेकिन इससे ज़्यादा कुछ अप्रिय नहीं हुआ। उसने उस आदमी को रास्ते पर आगे बढ़ने का इशारा किया और आखिरी व्यक्ति को पार करने के लिए हाथ हिलाया।

जैसे ही उस विशालकाय व्यक्ति ने रस्सी को कसकर पकड़ा, रस्सी चरमरा उठी और नीचे झुक गई। उसके पैर रस्सी पर इतनी मजबूती से जकड़े हुए थे कि मानो अखरोट भी टूट सकते थे। उसके कंधों से एक भारी थैला लटक रहा था।

"यह बॉक्सकार ही होना चाहिए," वैन ने कहा।

"प्राइवेट बॉक्सिन, महोदय," दूसरी तरफ से आवाज़ आई, इतने बड़े कद के आदमी के लिए यह आवाज़ बेहद कर्कश थी। उसने अभी तक पार करना शुरू भी नहीं किया था।

वैन ने मन ही मन सोचा, "अपना पिछवाड़ा इधर लाओ, बॉक्सिन," और कुछ हौसला बढ़ाने वाली बात सोचने लगा। अकादमी में जनरल मेंडेटसन हमेशा उससे कहते थे कि युवा सैनिकों को प्रोत्साहन की ज़रूरत होती है। उसे शक था कि सिर पर एक ज़ोरदार थप्पड़ उन्हें अनुशासन में लाने के लिए ज़्यादा कारगर होता है, लेकिन उसे रास्ते में आगे से लीला की निगाहें अपने ऊपर महसूस हो रही थीं, और उसने एक बार फिर अपने कठोर और रूखे स्वभाव को दबा लिया।

"अगर तुम बीस सेकंड में यहाँ पहुँच गए, तो हम कैप्टन काइका से फिर से तुम्हें अपना पिछवाड़ा दिखाने को कहेंगे, प्राइवेट," वैन ने कहा। शायद यह ठीक वैसा प्रोत्साहन नहीं था जिसकी बात जनरल मेंडेटसन कर रहे थे, लेकिन वैन को काइका को ताना मारना ही था क्योंकि उसने लीला के सामने उनके अतीत के बारे में बात की थी।

"सचमुच, महोदय," काइका ने उम्मीद से कहीं अधिक करीब से कहा।

उसने कंधे के ऊपर से घूरकर देखा। तीनों सिपाही अपने साजो-सामान के साथ पगडंडी पर आगे बढ़ गए थे, लेकिन किसी कारणवश काइका, लिलाह और बोसमोंट वहीं रुके रहे। "क्या मैंने तुम तीनों को आगे बढ़ने के लिए नहीं कहा था?"

जैसे ही भारी-भरकम सिपाही कराहते हुए और ज़ोर लगाते हुए रस्सी पार करने की कोशिश कर रहा था, रस्सी उछलती और डगमगाती रही, उसकी उंगलियाँ कई बार फिसल गईं। शायद अखरोट की तरह मज़बूती से पैरों से पकड़ बनाए रखना उसके लिए फ़ायदेमंद साबित हुआ। वह जल्दी में था, लेकिन उसके भार से पेड़ से एक भयानक चरमराहट की आवाज़ आई।

"हम हिले थे, श्रीमान," काइका ने कहा। "मैं पूरे एक मीटर पीछे हटी। बोसमोंट तीन मीटर पीछे भागा। प्रोफेसर तो बस एक फुट ही पीछे हटीं। वह आपके बारे में चिंतित लग रही हैं। क्या आप अलाव के पास अपनी मर्दाना अदाओं से उन्हें रिझाने की कोशिश कर रहे थे?"

"कैप्टन, ऐसी बेवकूफी मत कीजिए," वैन ने कहा। "मैं—"

उसके पीछे लकड़ी के टूटने की आवाज़ आई। पेड़।

रस्सी ढीली होते ही बॉक्सकार चीख उठा। वैन ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे में वह लगभग चूक गया। एक बार फिर, उसने खुद को संभाला, पीछे की ओर झुककर, अपने वजन

का इस्तेमाल करते हुए रस्सी को फिर से कस दिया।

"जल्दी करो, बॉक्सकार," उसने कहा।

उसके कंधे के पिछले हिस्से पर किसी चीज़ से ज़ोरदार टक्कर हुई। पेड़ का एक हिस्सा। वह आगे की ओर फिसल गया, उसका अगला पैर किनारे से नीचे चला गया। उसने एक हाथ से रस्सी छोड़ दी, मुड़कर पीछे की ओर छलांग लगाई और पेड़ को एक तरफ हटा दिया। वह घुटनों के बल गिर पड़ा, छेद से दूर मुंह करके, रस्सी अभी भी उसके हाथ में थी। उसने दूसरे हाथ से भी रस्सी पकड़ ली और कछुए की तरह नीचे झुक गया। जैसे ही वह सैनिक के भार को संतुलित करने की कोशिश में आगे झुका, रस्सी उसके कंधे में चुभने लगी। अपने साजो-सामान के बिना भी, उस लड़के का वज़न उससे ज़्यादा होता, लेकिन वैन ने अपने दृढ़ संकल्प से उसका साथ दिया और टस से मस नहीं हुआ, भले ही उसके पास पकड़ने या सहारा लेने के लिए कुछ भी नहीं था।

रस्सी में कंपन हुआ और बॉक्सकार की घबराहट भरी हांफने की आवाज हवा में गूंज उठी।

उसके सामने पगडंडी पर एक आकृति दिखाई दी। बोसमोंट।

"मेरा हाथ पकड़िए, महोदय। मैं अपना वजन आपके वजन में मिला दूंगा।"

वैन ने उस हाथ को घूरकर देखा। उसे उस तक पहुँचने के लिए अपने एक हाथ से रस्सी छोड़नी पड़ती, और वह ऐसा नहीं करेगा। अंततः बोसमोंट ने उसका कंधा पकड़ लिया, लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ। वैन बस और नीचे झुक गया, मानो वह ज़मीन में धंस रहा हो, किसी चट्टान की तरह स्थिर, बिना हिले-डुले।

"बस पहुंचने ही वाले हैं," बॉक्सकार ने कहा। "मैं—मदद करूँ?"

"बोसमोंट," वैन ने गरजते हुए कहा। रस्सी पर दबाव कम नहीं हुआ था, इसलिए उसने अभी तक उसे छोड़ने की हिम्मत नहीं की।

इंजीनियर उसके पास से रेंगता हुआ निकला। पहाड़ की ढलान पर चट्टानें घिसटती, फिसलती और झनझनाती हुई नीचे गिर रही थीं। बोसमोंट दर्द से कराह उठा जब उस पर कुछ गिरा—शायद बॉक्सकार।

"मैंने उसे पकड़ लिया है, महोदय," बोसमोंट ने जमीन पर लेटते हुए कहा। "आप उसे छोड़ सकते हैं।"

रस्सी का भार गायब हो गया, और वैन ने खुद को पीछे की ओर घुटने टेकने दिया। "अगर मैं ऐसा करता हूँ, तो हमारा सिरा गड्ढे में गिर जाएगा। काइका, क्या कोई और पेड़ है जिससे इसे बाँधा जा सके?" उसने रस्सी के सिरे पर छाल का टुकड़ा ऊपर खींचा, जो आखिरी पेड़ का बचा हुआ हिस्सा था, बाकी सब रास्ते के किनारे गायब हो गया था।

"काफी नहीं है, महोदय। शायद बोसमोंट कुछ उपाय निकाल सकें।"

"क्या हम रस्सी को छोड़ कर चौकी तक वापस जाने का कोई दूसरा रास्ता खोज सकते हैं?" बोसमोंट ने सुझाव दिया।

"क्या इंजीनियरिंग स्कूल में आपको इसी तरह की प्रतिभा सिखाई गई थी, कैप्टन?" वैन ने पूछा। प्रोत्साहन देने की उनकी क्षमता अब हद से ज़्यादा हो गई थी। वैसे भी, उनकी क्षमता बहुत कम थी। "एक बड़ा पत्थर यहाँ खींचकर लाओ, ताकि हम रस्सी का सिरा फिलहाल उसके नीचे

फंसा सकें।"

"जी श्रीमान।"

वैन अपने पैरों पर खड़ा हो गया ताकि बोसमोंट और बॉक्सकार संकरे रास्ते से उसके बगल से निकल सकें। वह रस्सी का सिरा पकड़े वहीं रुका रहा और अपने आसपास देखता रहा। जैसा कि काइका ने कहा था, अब आस-पास कोई और पेड़ नहीं था जहाँ तक पहुँचा जा सके।

"बड़ा पत्थर," बॉक्सकार ने पगडंडी पर चलते हुए ऊपर की ओर देखते हुए बुदबुदाया। "अच्छा बड़ा पत्थर कहाँ मिलेगा?"

वैन ने अपने चेहरे को रगड़ा, हथेली पर चिपकी धूल और गंदगी को नज़रअंदाज़ करते हुए। आज रात यहाँ सारे प्रतिभाशाली लोग मौजूद थे।

"सर," काइका ने कहा, जो रास्ते में कुछ दूर आगे एक काली परछाई की तरह दिख रही थी। "क्या आप—"

वैन के पैरों के नीचे से कई चटकने की आवाज़ें आईं। ऊपर ढलान पर चट्टानें गड़गड़ा रही थीं। बड़बड़ाते हुए उसने रस्सी छोड़ दी और बाकी लोगों की ओर पगडंडी पर दौड़ने लगा। उसके पैरों के नीचे ज़मीन हिलने लगी और ऊपर से चट्टानें गिरने लगीं। जब वह बाकी लोगों के पास पहुँचा तो वह इतनी तेज़ी से दौड़ रहा था कि शायद उन्हें धक्का देकर निकल जाता, लेकिन वे भी दौड़ रहे थे। उसके पीछे चट्टानों के गिरने और टकराने की तेज़ आवाज़ें आने से ठीक एक पल पहले उसे ज़मीन मिली। वह दौड़ता रहा। सब लोग दौड़ रहे थे।

वैन तब तक नहीं रुका जब तक कि रास्ता चौड़ा नहीं हो गया और ढलान कम नहीं हो गई। उसने पीछे मुड़कर देखा। हालांकि अंधेरे ने बहुत कुछ छिपा रखा था, लेकिन इतने तारे निकले हुए थे कि वह इलाके की रूपरेखा देख सकता था। जो पंद्रह फुट का गड्ढा था, वह अब रास्ते में पचास फुट का गैप बन गया होगा। वापस पार करने की संभावना बहुत कम थी, भले ही कोई ग्रैपलिंग हुक ले आया हो। उसे उम्मीद करनी होगी कि, जैसा कि बोसमोंट ने सुझाव दिया था, वे काम खत्म करने के बाद वापस लौटने का रास्ता ढूंढ लेंगे, लेकिन उसे शक था कि चढ़ाई के उपकरणों के बिना यह संभव होगा या नहीं। वैन ने कुछ उपकरण पैक न करने के लिए खुद को कोसा।

"क्या तुम ठीक हो?" लिलाह ने पास आकर उसका हाथ छूते हुए पूछा। बाकी लोग दौड़ते रहे, शायद शिविर तक पहुँच गए थे ताकि आग के पास बैठकर अपने हाथ सेंक सकें।

उसने उसका कंधा थाम लिया, यह समझते हुए कि वह उसका हालचाल पूछने के लिए कुछ देर रुकी थी। पहाड़ से लगभग गिरने के बाद, उसके शरीर में खून का प्रवाह तेज़ हो गया था, उत्साह और डर का जाना-पहचाना मिला-जुला एहसास अभी भी उस पर हावी था। उसे उसे बाहों में भरकर चूमने की तीव्र इच्छा हो रही थी, यह साबित करने के लिए कि वह अभी भी जीवित है और उसकी परवाह करने के लिए उसे धन्यवाद देने के लिए। और इसलिए भी क्योंकि उसके कोमल शरीर का स्पर्श, उसके होंठों का उसके होंठों से लगना, भूखा, बेताब... कितना अद्भुत एहसास होगा।

इसके बजाय, वैन ने अपना गला साफ किया और उसका कंधा छोड़ दिया। "हाँ," उसने कर्कश आवाज़ में कहा। "लेकिन मुझे तुम्हारे जीवाश्मों से सचमुच नफरत होने लगी है।"

वह ऊपर उसकी ओर देखती रही, शायद सोच रही थी कि क्या यह मजाक था या उसे नाराज होना चाहिए। उसका इरादा उसे ठेस पहुंचाने का नहीं था।

उन्होंने कहा, "जीवाश्म विज्ञान हर किसी के बस की बात नहीं है। यह सिर्फ उन लोगों के लिए है जिनमें बहुत धैर्य और हास्यबोध की अनोखी समझ हो। वैसे, किसी बेहद पुराने चुटकुले को आप क्या कहेंगे?"

"क्या?"

"पूर्व-हिस्टीरिकल।"

"यह, उह्ह्ह्ह।" वैन ने अपनी भौंहें चढ़ाते हुए सोचा कि काश उसने उससे बात करने के बजाय उसे चूम लिया होता। कम से कम उसे यह तो पता था कि अगर उसने यह बात कही होती तो रात के अनुभवों से वह ज़्यादा परेशान नहीं हुई होती।

"हाँ, मेरे चुटकुलों पर यही आम प्रतिक्रिया होती है।" लिलाह ने उसे अपनी बांह से धक्का दिया। "मुझे खेद है कि मेरे पास जादुई जीवाश्मों के बारे में कोई खास चुटकुला नहीं है।"

"अच्छा हुआ, क्योंकि मुझे वो जीवाश्म बिल्कुल भी हास्यास्पद नहीं लगते। अगर मुझे पता चल गया कि उन पत्थरों में जादू किसने किया है, तो मैं उसका गला घोंट दूंगा।"

"या शायद उसे पहाड़ की ढलान से नीचे फेंक दें?" उसने सुझाव दिया।

"एक-दो लोगों की गर्दन मरोड़ने के बाद ही।"

"आप तो हिंसक व्यक्ति हैं, कर्नल थेरिक।" सौभाग्य से, उनकी आवाज़ में घबराहट की बजाय हंसी झलक रही थी।

"बस दृढ़ निश्चयी।" उसने हाथ बढ़ाकर उसके कंधे को छुआ और उसे पगडंडी की ओर इशारा किया। उसके कुछ कोमल बाल उसकी उंगलियों को गुदगुदाए, और उसने दांत पीसते हुए, उसे छूने से आगे बढ़ने की इच्छा को एक बार फिर दबा लिया, हालांकि ऐसी बातों के बारे में न सोचना मुश्किल था। बाकी लोगों के नज़र से ओझल होने पर, वह उसे पत्थर की दीवार से सटाकर बेसुध होकर चूम सकता था और अपने हाथों को उसकी कमीज़ के नीचे डालकर उसे गले लगा सकता था —

उसने अपना सिर हिलाया। सातों देवता, वह भी बोसमोंट की तरह ही कामुक था।

"जानबूझकर हिंसक?" उसने हल्के से पूछा, उसके कामुक विचारों से अनभिज्ञ।

"जो भी तुम मुझे बनाना चाहो, लिलाह," उसने धीरे से कहा। उसने गहरी सांस ली और अपनी मांसपेशियों को आराम देने की कोशिश की। सारी मांसपेशियों को।

"सच में? मुझे पता ही नहीं था कि मुझमें तुम्हें नियंत्रित करने की शक्ति है।"

"बहुत कम लोग ऐसा कर पाते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि यह कोई जन्मजात प्रतिभा है। यह एक शेर को काबू करने वाले प्रशिक्षक की तरह है जो एक अनियंत्रित घोड़े को संभालता है।"

"हम्म," बस इतना ही कहकर वह अंततः दूसरों की ओर पगडंडी पर आगे बढ़ गई।

वैन ने पीछे मुड़कर देखा, उसे इस बात की चिंता थी कि चौकी से अलग-थलग पड़े उसके लोगों के साथ और क्या-क्या विपत्तियां आ सकती हैं।

अध्याय 7

कुछ ही दूरी पर पंप की तेज़ आवाज़ और बोसमोंट द्वारा चट्टानों को तोड़ने की लगातार आ रही आवाज़ों के बावजूद लिलाह आश्चर्यजनक रूप से लंबे समय तक सोई रही। वह पूरी तरह से उजाला होने तक नहीं उठी, जो अच्छी बात थी, क्योंकि रात भर में तापमान और गिर गया था और वैन ने आग को बुझने दिया था। उसे उतनी ठंड नहीं लग रही थी जितनी उसने उम्मीद की थी और उसने देखा कि उसके गले तक बटन लगी जैकेट के अलावा एक और कपड़ा उसके ऊपर लिपटा हुआ था। किसी की सेना की जैकेट। वैन के शेविंग साबुन की गंध और उसके दृढ़ संकल्प की मिली-जुली महक को पहचानकर वह मुस्कुराई। विज्ञान विभाग में उसके सहकर्मी यह मानने से इनकार कर देते कि ऐसी किसी चीज़ में गंध हो सकती है, लेकिन यह स्पष्ट रूप से उसकी ही थी। उसका मन हुआ कि वह वहीं जैकेट के नीचे दुबक कर कुछ देर आराम करे, उसकी गर्माहट का आनंद ले और इस बात को याद रखे कि वैन ने रात में उसे जैकेट ओढ़ाने के बारे में सोचा था। जब वह पहली बार उससे मिली थी और उसे होंठ सिकोड़ते हुए और अरुचि के साथ ज़िरकेंडर का उच्चारण करते हुए देखा था, तो उसने कभी नहीं सोचा होगा कि उसमें विचारशील होने की क्षमता है।

लगातार हो रही धमाकों, चटकने और टकराने की आवाज़ों ने लीला को जैकेट के नीचे से अपना सिर बाहर निकालने के लिए मजबूर कर दिया, साथ ही कैप्टन काइका ने कहा, "बस मुझे थोड़ा सा जलने दो।"

"अपनी उस शैतानी मशाल को लेकर वापस जाओ, औरत," बोसमोंट ने कहा, ग्रेनाइट पर पत्थर तोड़ने वाली मशीन के चलने से उसके दांत किटकिटा रहे थे।

जीवाश्मों की सुरक्षा को लेकर चिंतित लिलाह ने सोते समय न उतारे हुए अपने बूट कसकर बांधे और फिर निर्माण क्षेत्र जैसी दिखने वाली जगह की ओर तेज़ी से बढ़ी। मलबे के चारों ओर कई कैनवास तिरपाल बिछे थे, जिनमें से एक को एक विशाल चट्टान से दबा दिया गया था जिस पर अजगर की खोपड़ी रखी थी। जीवाश्म अभी भी ग्रेनाइट में धंसा हुआ था; उन्होंने बस उसके चारों ओर काटकर पूरा टुकड़ा निकाल लिया था। कई छोटी पसलियों और टांगों की हड्डियों के साथ भी ऐसा ही किया गया था। उसने एक दूसरी खोपड़ी देखी, जिसका मुकुट चट्टान के एक नए उजागर टुकड़े में मुश्किल से दिखाई दे रहा था।

“सुप्रभात, प्रोफेसर,” काइका ने पीछे एक कनस्तर लगे धातु के पाइप को लहराते हुए कहा। उसने अपनी आँखों पर लगा वेल्डिंग मास्क उठाया। “क्या आपने अच्छी नींद ली?”

जैसे ही बोसमोंट चट्टान में और गहराई तक धंसने लगा, एक जोरदार दरार की आवाज सुनाई दी।

“या फिर बिल्कुल भी नहीं?” काइका ने पूछा।

“जितना तुम सोचती हो उससे कहीं ज़्यादा। मैं थकी हुई थी।” लिलाह सोच रही थी कि क्या काइका सोई थी। पिछली रात वह भी लिलाह की तरह जाग रही थी। वह ज़रूर थकी हुई होगी, जब तक कि जलने वाली चीज़ों से उसे होश और चुस्त-दुरुस्त रहने की प्रेरणा न मिल रही हो।

शिविर के आसपास, अन्य सैनिकों को छोटे पत्थरों को घसीटकर या लुढ़काकर दूर ले जाने

और उन्हें ढलान से नीचे नाले की ओर फेंकने के लिए मजबूर किया गया था।

“यह सुनिश्चित कर लो कि इनमें से किसी में भी जीवाश्म न हों,” वैन ने तीन और सैनिकों के साथ जंगल से बाहर निकलते हुए कहा। संभवतः ये वही लोग थे जो कल लापता हो गए थे। उन सभी के चेहरे पर उदासी और निराशा के भाव थे, उनकी वर्दी फटी और दागदार थी, और उनके कंधे डर या शर्म से झुके हुए थे।

वैन ने अपनी काली कमीज़ पहनी हुई थी, उसकी गठीली बांहें ठंडी हवा में खुली हुई थीं, और लिलाह दुविधा में थी कि उसने उसे अपनी जैकेट क्यों दी, उसे अपराधबोध भी हो रहा था और उसकी ताकतवर काया की प्रशंसा भी। कल तक उसकी पीठ पर टंगी राइफल के अलावा, अब वह म्यान में रखी तलवार भी लिए हुए था, जो एक पट्टे से उसकी पीठ पर लटकी हुई थी। वह सोच रही थी कि यहाँ आकर वह क्या काटने की सोच रहा होगा। उसने अंदाज़ा लगाया कि वह उसके जीवाश्म तो नहीं काटेगा। उसे उन्हें काटने के बारे में सोचना भी नहीं चाहिए।

“बैठो।” वैन ने आग के पास पड़े लट्ठे की ओर इशारा करते हुए कहा। “कुछ खा लो और आराम करो, क्योंकि अब तुम लोग जासूस बनने वाले हो। हमें किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो चौकी तक वापस जाने का दूसरा रास्ता खोज सके।”

घिरे हुए सैनिकों ने कोई आपत्ति नहीं जताई। उनमें से एक तो आदेश सुनकर उत्साहित सा लग रहा था, मानो वह लकड़ी के लट्ठे पर बैठ गया हो, शायद खाने की उम्मीद में या फिर बैरक में वापस जाने की उम्मीद में। उन सभी को नहाने और सोने के लिए बिस्तर की ज़रूरत थी।

“सर, पत्थरों को ले जाने देने से पहले ही हमने जाँच कर ली है। हम बिना हड्डी वाले पत्थरों को उस ढेर में और हड्डी वाले पत्थरों को उस ढेर में फेंक रहे हैं।”

“इरेक्शन? सच में, बोसमोंट?” काइका ने पूछा। “यहाँ एक महिला मौजूद है। वैसे मुझे लगता है कि उसने हड्डियों को पसंद करने को ही अपना पेशा बना लिया है, तो शायद इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।”

"जीवाश्मों के बारे में जितने भी चुटकुले बन सकते हैं, मैंने वे सब सुन लिए हैं," लिलाह ने कहा।

"मुझे लगता है उसने अभी-अभी आपको गैर-मौलिक कहा है, बॉस।"

वैन ने लकड़ी के लट्ठे से अपनी जैकेट उठाई और लीला के बगल में आकर खड़ा हो गया। उसके काले बालों में काई का एक गुच्छा निकला हुआ था, और उसने पिछली रात अपनी टोपी खो दी थी।

“तुम्हें अपने ये पथभ्रष्ट सैनिक कहाँ से मिले?” उसने पूछा।

"पहाड़ से काफी नीचे। उन्होंने बताया कि विशाल काले भेड़ियों ने उनका पीछा किया, उन्हें सुरंग से दूर भगा दिया, और फिर उन्हें वापस मुड़कर चौकी तक जाने वाला रास्ता दोबारा खोजने नहीं दिया।"

"भेड़ियों के झुंड में शामिल होने देने के बजाय उन्होंने भेड़ियों को गोली क्यों नहीं मारी?"

"जाहिर तौर पर, ये शापित भेड़िये थे जिन्हें मारा नहीं जा सकता था," वैन ने अविश्वास से भरे स्वर में कहा।

“आह।”

"कुछ दिलचस्प हो रहा है क्या?" उसने चट्टान और तिरपालों की ओर इशारा किया।

"क्या आप विश्वास करेंगे कि आपके अधिकारी मेरे सत्रह वर्षीय छात्रों से कम परिपक्व हैं?" लिलाह ने पूछा।

“हां, लेकिन यह दिलचस्प नहीं है। यह तो बस दयनीय है।”

“हमने सुना, श्रीमान,” काइका ने अपनी छड़ी को आग लगाकर मशाल में बदलते हुए कहा। लौ से कुछ चट्टान पिघल गई, लेकिन यह बोसमोंट के चट्टान तोड़ने वाले औजार की तुलना में कम कारगर प्रतीत हुई।

"मैं अभी-अभी उठी हूँ," लिलाह ने कहा। "मैं देखूंगी कि उन्होंने क्या निकाला है और फिर अपनी रुचि का स्तर तय करूंगी।"

“अच्छा।” उसने अपनी जैकेट पहनी और फिर सुरंग की ओर चल पड़ा।

लिलाह ने एक दिन पहले उसमें झाँककर देखा था, लेकिन वह कुछ खास नहीं था, और उसे बताया गया था कि सुरंग से केवल एक ही जीवाश्म निकाला गया था। बाकी जीवाश्म सुरंग के बाईं ओर थे। अगर सैनिकों ने अपनी सुरंग दो फीट दाईं ओर से शुरू की होती, तो शायद उन्हें जीवाश्म कभी नहीं मिलते। वैन को शायद इससे कोई आपत्ति नहीं होती।

“एक मिनट रुको।” लिलाह ने उसके बालों से काई निकाली और उसे नीचे गिरा दिया, फिर उसे आगे बोलने का इशारा किया।

उसने भौंहें चढ़ाते हुए अपने बिखरे हुए काले बालों में उंगलियां फिराईं। "क्या कुछ और उभरा हुआ है जिसके बारे में मुझे पता होना चाहिए?"

“मुझे तो इसकी जानकारी नहीं है।” उसने अपनी मुस्कान दबा ली, व्यंग्य करने की हिम्मत जुटाते हुए—और फिर सोचने लगी कि क्या वह इसे समझ पाएगा। उसके कई चुटकुले नाकाम रहे थे।

उसके होंठों के कोने ऊपर की ओर मुड़े और उसने उसे सिर हिलाकर अभिवादन किया, फिर बोसमोंट की ओर इशारा करते हुए कहा, "कैप्टन, मेरे साथ अंदर आइए। मैं जीवाश्मों को निकालने के बाद की आपकी योजनाओं के बारे में सुनना चाहता हूँ।"

“जी सर।” बोसमोंट ने अपना औजार बंद किया और उसे दीवार के सहारे टिका दिया। “इसे मत छूना,” उसने काइका से कहा और वैन के पीछे सुरंग में चला गया।

"अगर तुम किसी भी महिला को अपना अंग छूने नहीं देते, तो तुम्हारा जीवन अकेलेपन में ही बीतने वाला है, बॉस," काइका ने उसके पीछे से पुकारते हुए कहा।

लिलाह ने उसकी ओर देखा, उसे पिछली रात की उसकी टिप्पणी याद आ गई, जिसने लिलाह के संदेह की पुष्टि कर दी थी कि काइका ने वैन के साथ संबंध बनाए थे। उसे आभास था कि काइका ने कई पुरुषों के साथ संबंध बनाए होंगे और वह सोच रही थी कि क्या उसके साथ उसका संबंध कुछ मायने रखता था। वह यह भी सोच रही थी कि क्या वे अब भी... संपर्क में हैं।

“मानो या न मानो, मुझे लगता है कि मैं सत्रह साल की उम्र में ज़्यादा समझदार थी,” काइका ने सहज मुस्कान के साथ कहा। “मैंने अपना पूरा करियर पुरुषों से भरी यूनिटों में इकलौती महिला

के रूप में बिताया है। या तो आप उन्हीं की तरह मज़ाक करते हैं, या फिर खुद को अलग-थलग साबित कर देते हैं। आपको जैसे को तैसा जवाब देना होता है, और बदले में जो मिलता है उससे नाराज़ नहीं होना होता, तभी आप अपना मानसिक संतुलन बनाए रख सकते हैं।"

लिलाह भी अपने क्षेत्र की कुछ गिनी-चुनी महिलाओं में से एक थी। उसके सहकर्मी शायद सैनिकों की तुलना में कम अभद्र और बेबाक थे, लेकिन उसने कई बार खुद को पराया महसूस किया था। क्या उसे कम असहजता होती अगर उसने काइका की तरह किया होता? पुरुषों के कहने से पहले ही सारे गंदे चुटकुले सुना दिए होते? भगवान ही जानते हैं कि उसके स्त्रीत्व के बारे में फुसफुसाए गए टिप्पणियों और इस धारणा को नज़रअंदाज़ करना कितना मुश्किल था कि चूंकि उसके पास ये गुण हैं, इसलिए इन्हें पुरुषों के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे भी बुरा यह था कि यह संकेत दिया जाता था कि चूंकि उसके पास स्तन और नितंब हैं, इसलिए उसके पास दिमाग नहीं हो सकता। उसके द्वारा प्रकाशित अधिकांश शोध पत्रों पर केवल एल. ज़िरकेंडर का नाम लिखा होता था, क्योंकि उसने शुरू में ही यह समझ लिया था कि अगर उसका लिंग स्पष्ट न हो तो उन्हें स्वीकृत और प्रकाशित करवाना आसान होता है।

"तुम उसके औजार से खेलना चाहते हो?" काइका ने पूछा।

"माफ़ करना?" लिलाह को ठीक से याद नहीं था कि उसके चेहरे पर क्या भाव थे, लेकिन शायद उसने गुस्से से भौंहें चढ़ाई थीं।

काइका मुस्कुराई और पत्थर तोड़ने वाले औजार की ओर हाथ हिलाया, शायद अपना मूड हल्का करने की कोशिश कर रही थी। "यह मजेदार है, शायद उसके दूसरे औजार से भी ज्यादा मजेदार।"

"मैंने सुन लिया, काइका," बोसमोंट की आवाज़ सुरंग से गूंजी। "और जब तक हम यहाँ हैं, चट्टानों को तोड़ने के बारे में सोचना भी मत।"

"मैं उसे एक ऐसे पत्थर पर कोशिश करने दूंगी जिसे हम पहले ही निकाल चुके हैं। बिना हड्डी वाले पत्थरों में से एक पर।"

"सच कहूँ तो, मुझे हड्डियों वाले जीवों में ज़्यादा दिलचस्पी है," लिलाह ने तिरपाल की ओर चलते हुए कहा।

"अगर आप चाहें तो मैं ये बात जवानों तक पहुंचा दूँगी," काइका ने पास खड़े एक सिपाही को आँख मारते हुए कहा। उस नौजवान ने एक पत्थर उठाया जिसे दो लोगों को लुढ़काना चाहिए था। उसने बड़ी चतुराई से अपनी मांसपेशियों को दिखाया और ऐसा लग रहा था जैसे उसकी कमर में मोच आने का कोई खतरा नहीं है। "यहाँ आपकी मर्ज़ी है। अगर आप चाहें तो काम के साथ थोड़ा आराम भी कर सकते हैं।"

"मैं यहाँ सिर्फ जीवाश्मों का अध्ययन करने और एक रिपोर्ट बनाने आई हूँ।" लिलाह अजगर की खोपड़ी के पास घुटनों के बल बैठ गई और वैन के बारे में न सोचने की पूरी कोशिश की।

"ओह, ठीक है। आपने कहा था कि आप शादीशुदा हैं, है ना? मुझे लगता है कि आप यहाँ खरीदारी करने नहीं आ रही होंगी, लेकिन अगर आपका मन बदल जाए, तो मैं चुपके से आ सकता हूँ। मैं आपके दरवाजे के बाहर हॉल में पहरा दूंगा। या फिर जिस भी दरवाजे के पीछे आप जाएँगी।"

"हम्म," बस इतना ही लिलाह ने कहा। उसने बोसमोंट को अपनी वैवाहिक स्थिति के बारे में नहीं बताया था और उसे यह भी पक्का नहीं था कि वह काइका को भी बताना चाहती है या नहीं। वह अब भी अपने पति द्वारा दिया गया वादा वाला हार पहने रहती थी, भले ही वह उसे आमतौर पर अपनी कमीज़ के नीचे छिपाकर रखती थी। ज़रूरत पड़ने पर, वह उसे निकालकर उन अजनबियों या आने वाले प्रोफ़ेसरों से बचने के लिए एक मौन कवच का काम करती थी, जो सोचते थे कि उनका उससे रिश्ता होना चाहिए क्योंकि उन्होंने उसका कोई लेख पढ़ा था और उनकी अपनी पत्नियाँ उससे सैकड़ों मील दूर रहती थीं।

लिलाह अपने औजारों के डिब्बे के पास गई और छेनी, हथौड़ा और ब्रश निकाला, लेकिन एक ख्याल आते ही वह उन्हें लगभग गिरा ही बैठी। क्या वैन को लगता था कि वह शादीशुदा है? उसे एहसास हुआ कि उसने यह नहीं कहा था कि वह शादीशुदा नहीं है, और अगर उसने उसका हार देखा होता, तो शायद वह मान लेता कि वह शादीशुदा है। हालांकि बोसमोंट ने ऐसा नहीं सोचा था। फिर भी, वैन चौकस लग रहा था। क्या यही वजह थी कि उसने उसे उन दो मौकों पर छुआ नहीं था जब उसे लगा था कि वह उसे छूना चाहता होगा? जैसे कि बेस पर उसके कमरे में और फिर पिछली रात, जब वह लगभग रास्ते से हट गया था? वह वहाँ दौड़कर उसकी मदद करना चाहती थी, लेकिन वह कुछ नहीं कर सकी सिवाय उसे अपने सैनिक को गिरने से बचाने के लिए संघर्ष करते देखने के। बाद में, उसने उस पल को ऐसे लिया जैसे कुछ हुआ ही न हो, लेकिन उसे भी किसी न किसी पल अपनी जान का खतरा जरूर महसूस हुआ होगा।

वह अपने औजार जीवाश्मों के पास ले गई, यह सोच रही थी कि क्या उसे कोई समस्या है या बेहतर यही होगा कि वह बस यह दिखावा करती रहे कि उसका पति अभी भी जीवित है। उसने खुलकर स्वीकार किया कि वह वैन की ओर आकर्षित थी, लेकिन वह कभी भी ऐसी इंसान नहीं थी जो सिर्फ शारीरिक सुख के लिए किसी के साथ बिस्तर पर चली जाए। उनके बीच भविष्य की कोई संभावना तो होनी ही चाहिए थी, और एक ऐसे सैनिक के साथ उसका भविष्य कैसा हो सकता था जो बिल्कुल सुनसान जगह पर तैनात हो? इसके अलावा, उसे यह भी नहीं पता था कि वैन उसके लिए आकर्षण के अलावा और क्या महसूस करता है, शायद यह आकर्षण इसलिए भी था क्योंकि वह एक सुनसान जगह पर फंसा हुआ था जहाँ बहुत कम औरतें थीं। वे एक-दूसरे को मुश्किल से जानते थे, और निश्चित रूप से वे एक जैसे लोग नहीं थे, सिवाय पुराने हथियारों में रुचि और रिज के प्रति साझा चिढ़ के। यह भी कहना ज़रूरी है कि वह इस बात को लेकर बहुत खुला था कि उसने अपने करियर में कई लोगों को मारा है, और उसे इसमें मज़ा आता था।

वह कभी भी बहुत भावुक नहीं होती थी और जब भी उसे कोई बुरी खबर मिलती, तो वह या तो कम प्रतिक्रिया देती थी या व्यंग्यपूर्ण टिप्पणी करती थी, लेकिन उसके अंदर की वैज्ञानिक यह सोचने पर मजबूर हो गई कि ऐसा आदमी किसी बुरे समय में क्या कर सकता है। उसने उसके गुस्से के कुछ संकेत पहले ही देख लिए थे, और काइका ने उसे चेतावनी दी थी कि यह और भी बिगड़ सकता है। क्या उसका अपने गुस्से का असर उन लोगों पर निकालने का इतिहास रहा है जिनके साथ वह रिश्ते में था? उसे ऐसा लग रहा था कि वह शादीशुदा नहीं है। क्या कोई कारण था कि महिलाएं उससे दूर रहती थीं?

“क्या सब ठीक है?” काइका ने उसके बगल में बैठते हुए पूछा।

"माफ़ कीजिए?" लिलाह जीवाश्मों के ढेर को बिना देखे ही घूर रही थी।

काइका ने खोपड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, "पत्थरों को हटाते समय हमने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि उनमें से किसी को भी नुकसान न पहुंचे।"

“ओह। नहीं, ये ठीक हैं। मेरा मतलब है, मैंने अभी तक इन्हें इतनी बारीकी से नहीं देखा है, लेकिन आपने मेरे लिए इन्हें निकाला, इसके लिए मैं आपकी आभारी हूँ। आमतौर पर मेरे पास ऐसा करने के लिए सैनिक नहीं होते।” उसने मुस्कुराते हुए चट्टान तोड़ने वाले यंत्र की ओर इशारा किया जो अभी भी चट्टान से टिका हुआ था। “दरअसल, मेरे घर पर मेरी प्रयोगशाला में भी ऐसा ही एक यंत्र है। लोगों की यह धारणा है कि जीवाश्म विज्ञानी टूथब्रश लेकर इधर-उधर घूमते हैं और बड़ी सावधानी से धूल के कण हटाते हैं। जीवाश्म तक पहुँचने के लिए आमतौर पर बहुत सारी चट्टानें तोड़नी पड़ती हैं। हाँ, यह आमतौर पर ग्रेनाइट के बजाय बलुआ पत्थर या चूना पत्थर होता है, लेकिन यह काम आसान नहीं होता।”

"अहा, अच्छा। आप कुछ चिंतित लग रहे थे।"

“मैं किसी और चीज़ के बारे में सोच रही थी…” लिलाह काइका के बारे में सोच रही थी, और सोच रही थी कि क्या वह वैन के इतिहास में महिलाओं से संबंधित जानकारी का स्रोत हो सकती है। अगर वह अब किसी और के साथ संबंध में थी—क्या वैन ने जिस एंगुलस का ज़िक्र किया था, वह राजा एंगुलस ही था?—तो उसमें उसकी दिलचस्पी अब खत्म हो जानी चाहिए थी।

फिर भी, लिलाह हिम्मत जुटाकर उससे पूछ नहीं पाई। उसे उससे खुलकर बात करनी चाहिए थी। किसी पुराने प्रेमी से गपशप सुनने से तो यह बेहतर होता, है ना? यह मुमकिन था कि वह उससे सच न बोले, लेकिन उसकी आदत तो इसके उलट थी, वह हद से ज़्यादा बेबाक था।

"अगर मैं चट्टानों का अध्ययन करके अपना जीवन यापन करती, तो मेरे साथ भी ऐसा अक्सर होता।" काइका ने लीला के कंधे पर थपथपाया, जिससे लीला को लगा कि वह उसे चिढ़ा रही है।

"मैं समझ सकता हूँ कि यह चट्टानों को उड़ाने जितना रोमांचक क्यों नहीं होगा।"

“बिल्कुल सही।” काइका तिरपाल के किनारे दुबकी रही, उसकी भौंहें उठी हुई थीं। “क्या मैं किसी काम में मदद कर सकती हूँ?”

लिलाह के मन में लालच जागा। शायद वह वैन के बारे में कुछ छोटी-मोटी बातें पूछ ले, गपशप को बढ़ावा देने के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ इसलिए कि उसे उसके बारे में और जानकारी मिल जाए ताकि वह उसके बारे में तर्कसंगत और विवेकपूर्ण निर्णय ले सके। शायद यह उसकी कल्पना थी, लेकिन काइका लगभग यही प्रस्ताव दे रही थी।

"प्रोफेसर?" वैन ने सुरंग के अंदर से पुकारा, उसकी आवाज दीवारों से दब गई थी।

“शायद बाद में,” लिलाह ने कहा और खड़ी हो गई, उसे थोड़ी राहत मिली कि उसने समय पर फोन करके उसकी जिज्ञासा शांत कर दी थी। अगर उसे पता चलता कि वह यहाँ उसके बारे में सवाल पूछ रही है तो वह क्या सोचेगा? वह सुरंग के प्रवेश द्वार की ओर बढ़ी, यह सोचकर कि वैन और बोसमोंट इतनी देर तक अंदर किस बारे में बात कर रहे थे। उसने अँधेरे में झाँका। “जी?”

“क्या आप हमारे साथ आएंगे?” वैन ने पूछा। “और एक लालटेन भी लाएंगे?”

"हाँ..." उसकी जिज्ञासा जागृत हुई और वह जल्दी से कुछ लालटेन ढूंढने और उन्हें जलाने के लिए दौड़ी। हो सकता है कि वे आसानी से और उपकरण लाने के लिए चौकी पर वापस न जा सकें, लेकिन नए सैनिक अपने साथ काफी कुछ लाए थे, जिनमें भोजन और प्रकाश के साधन शामिल थे।

उसने लगभग अपनी शिकार राइफल उठा ही ली थी, लेकिन यह बेवकूफी होगी। एक छोटी सी सुरंग में उसे भला किस बात की चिंता करनी चाहिए?

दोनों हाथों में लालटेन लिए लिलाह सुरंग में दाखिल हुई। शुरुआत में, चौकोर सुरंग में मशीनों द्वारा की गई साफ-सुथरी खुदाई के निशान दिख रहे थे, जिसकी दीवारों को नियमित अंतराल पर बीमों से सहारा दिया गया था। लेकिन लगभग एक तिहाई रास्ते में जाकर यह सिलसिला खत्म हो गया, जहां किसी ने दीवार में एक छेद खोद दिया था। शायद पहला जीवाश्म यहीं मिला था? इसके आगे, सुरंग के किनारे अनियमित थे और उन्हें सहारा नहीं दिया गया था। ज़मीन पर मलबा बिखरा पड़ा था। क्या चोर वैन ने कैप्टन बोसमोंट के लंबे रास्ते की बात कही थी?

पीछे घना अंधेरा छाया हुआ था, और वह सुरंग के आधे से ज़्यादा रास्ते को पार कर चुकी थी जब वैन और बोसमोंट नज़र आए। वे एक पत्थर की दीवार पर कुछ टटोल रहे थे। क्या उन्हें कोई और जीवाश्म मिला था?

वैन ने उसे अपने साथ आने का इशारा किया और उसके लिए जगह बनाने के लिए पीछे हट गया। उसने बोसमोंट को भी पीछे धकेल दिया ताकि वह दीवार के उस हिस्से को देख सके जिसकी वे जाँच कर रहे थे। सुरंग की तराशी हुई चट्टान उनसे कुछ ही फीट आगे जाकर खत्म हो गई, और कई बड़े-बड़े पत्थर रास्ता रोक रहे थे। लिलाह ने वैन को एक लालटेन दी और दूसरी अपने पास रख ली, उसे दीवार की ओर उठाते हुए।

सुरंग के बाकी हिस्सों में वही ग्रेनाइट पत्थर लगा था जिससे वे बाहर मिले थे। यहाँ, एक चिकने भूरे पत्थर पर उसकी लालटेन की लौ चमक रही थी। उसने अपना हाथ उस सतह पर फेरा जो उसकी उंगलियों के नीचे कांच जैसी लग रही थी।

"ओह," उसने कहा, उसके मन में एक याद कौंध गई। "मैंने इसे पहले भी देखा है।"

"अच्छा है, क्योंकि मैंने ऐसा नहीं किया है," बोसमोंट ने कहा।

"मैंने भी नहीं," वैन ने कहा, "लेकिन मैं चट्टानों को देखने में ज्यादा समय नहीं बिताता। क्या बात है, ली—प्रोफेसर?"

लिलाह ने उस पर्ची को देखकर मुस्कुरा दिया। यह पहली बार नहीं था। उसे उसे इस्तेमाल करने के लिए आमंत्रित करना चाहिए था, क्योंकि उसने उसे अपनी पर्ची दी थी।

"एक रेफेरातु सुरंग," उसने कहा।

"चुड़ैलें," वैन ने गुर्राते हुए थूका।

उसकी उग्रता ने उसे चौंका दिया, खासकर इसलिए कि जिसने भी जादू से उस पुरानी पत्थर की दीवार को आकार दिया था, वह शायद सैकड़ों, या हजारों साल पहले रहा होगा। लेकिन उसने पहले ही साफ कर दिया था कि उसे जादू पसंद नहीं है। उसने सोचा कि यह इस्कंदियों की आम प्रतिक्रिया थी। रेफेरातु के इतिहास से कुछ हद तक परिचित होने के कारण, लिलाह जानती थी कि

अतीत में अधिकांश जादूगर बुरे लोगों के बजाय मददगार लोग थे। कुछ बागी हो गए थे, लेकिन ज्यादातर डर और अंधविश्वास ने उन्हें आम आदमी के लिए खौफ का कारण बना दिया था। सदियों पहले से चुड़ैलों को डुबोकर मारने की अनगिनत कहानियां थीं, और अखबारों में भी कभी-कभी हाल की घटनाओं का जिक्र होता था, खासकर ग्रामीण इलाकों में। उसने वैन के रवैये पर थोड़ी निराशा महसूस की। किसी कारण से, उसने सोचा था कि वह अंधविश्वास के आगे नहीं झुकेगा, शायद इसलिए कि वह जीवाश्मों से उत्पन्न होने वाले इस कथित श्राप को लेकर इतना बेपरवाह था।

"हम्म," बोसमोंट ने कहा। हैरानी की बात यह थी कि वह उदासीन था। "तो ढहने से पहले उनकी एक सुरंग ऐसी दिखती है?"

"मैंने मिंडोविया में पूर्वी चट्टानों के किनारे स्थित उनके एक पैतृक घर की खुदाई में मदद की थी —समुद्र के किनारे गुफाओं में ड्रैगन सवारों की एक चौकी हुआ करती थी। उनके कुछ खंडहरों को देखना काफी दिलचस्प था, हालांकि कीमती कलाकृतियों को बहुत पहले ही लूट लिया गया था।" लिलाह ने दीवार पर हाथ फेरते हुए कहा, "निर्माण शैली लगभग एक जैसी है।"

उसने अपना हाथ धूसर, कांच जैसे पत्थर पर फेरा, जब तक कि वह रुक नहीं गया। सुरंग का अंत ग्रेनाइट के बड़े-बड़े पत्थरों में हुआ, जो अतीत में कभी छत से गिरे थे। ऐसा लग रहा था मानो किसी ने जानबूझकर इस सुरंग को ढहा दिया हो।

"ओह," उसने कहा, अचानक उसे एक नई बात समझ में आई। "क्या यह..." उसने पलकें झपकाईं और उन आदमियों को घूरकर देखा। क्या उन्हें पता होगा? उन्हें ज़रूर पता होगा। "क्या यह पहाड़ रेफेरातु का आखिरी गढ़ था? एराकुसुथ?"

वैन उसे ऐसे घूर रही थी मानो वह बेतुकी बातें कर रही हो।

"मेरे इतिहासकार साथियों में से एक को इसके बारे में ज़्यादा जानकारी होगी, लेकिन कुछ पुरानी किताबों से पता चलता है कि यह आइस ब्लेड्स में है। बेशक, रेफेरातु के बारे में जानकारी देने वाली ज़्यादातर किताबें उन लोगों ने जला दी हैं जो जादू से जुड़ी किसी भी चीज़ से डरते थे—" उसने बोलते समय अपने लहजे में निर्णय का भाव न आने देने की कोशिश की, यह देखते हुए कि वैन का चेहरा अभी भी काफी ठंडा था, "—लेकिन हमारे विश्वविद्यालय ने कुछ किताबें बचाकर रखी हैं।"

"सर्डेल यहीं से आई थी," बोसमोंट ने कहा। "मुझे लगता है कि वह वही है। मतलब-जो भी हो। एक जादूगरनी।"

"खैर, रेफेरातु वंश के अंतिम लोग तीन सौ साल पहले ही विलुप्त हो गए थे," लिलाह ने कहा, "इसलिए वह उनमें से एक नहीं हो सकती, लेकिन—"

"नहीं, वह सचमुच है। वह—ओह, मुझे याद नहीं आ रहा कि उसे क्या कहते थे। लेकिन जब वह मिली, तब मैं यहीं चौकी पर काम कर रहा था। वह तीन सौ सालों से किसी जादुई नींद में थी। हमें उस समय की एक किताब मिली जिसमें उसकी तस्वीर थी। वह अपने लोगों में से आखिरी थी जो किसी गुप्त आक्रमण और हमले से बच गई थी, जिसने पहाड़ को गिरा दिया और अंदर मौजूद सभी को कुचल दिया। मुझे लगता है कि उसका बच जाना महज़ किस्मत की बात थी।" बोसमोंट ने

अपना सिर खुजाया। “मुझे नहीं लगता कि किसी ने मुझे कभी बताया कि कैसे। उस समय जनरल ज़िरकेंडर यहाँ कमांडर थे। अगर कोई कम, उह, खुले विचारों वाला व्यक्ति प्रभारी होता—” वह इतना समझदार था कि उसने वैन की ओर नहीं देखा, लेकिन उसकी नज़र पल भर के लिए उस दिशा में चली गई, “—तो शायद वह मारी जाती। अच्छा हुआ कि वह नहीं मरी, क्योंकि उसने एक दुष्ट कोफ़ाह जादूगर से लड़ने में हमारी मदद की।”

बोसमोंट की बातें लिलाह ध्यान से सुन रही थी, इतिहास के उस अनपेक्षित स्रोत से मिली जानकारी से वह मंत्रमुग्ध हो गई थी जो समय और अस्पष्टता के कारण गुम हो गया था। "तो... सेना को हमेशा से पता था कि रेफेरातु यहाँ थे? और इसीलिए उन्होंने—आपने—इस पहाड़ पर दावा किया और खुदाई शुरू की? रेफेरातु की पुरानी कलाकृतियों को खोजने के लिए?"

यह आश्चर्यजनक था, लेकिन शायद सेना ने सोचा होगा कि वे कुछ पुरानी जादुई वस्तुओं को हथियारों के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। फिर भी, क्या सैनिकों में भी आम इस्कैंडियन नागरिकों की तरह ही जादुई कलाकृतियों के प्रति उतना ही भय और घृणा नहीं होती?

“मुझे ठीक से पता नहीं कि यह सब कैसे शुरू हुआ, महोदया,” बोसमोंट ने कहा, “लेकिन यहाँ खदानें इसलिए हैं क्योंकि… क्या मैं उन्हें बता सकता हूँ, महोदय?”

"शायद नहीं, लेकिन मुझे लगता है कि वह खुद ही इसका हल निकाल लेगी," वैन ने कहा।

लिलाह ने उसकी टिप्पणी पर भौंहें चढ़ाईं, और उसने स्पष्टीकरण देते हुए कहा, "यह अत्यंत गोपनीय होना चाहिए।"

"यहां आने से पहले मैंने एक गोपनीयता समझौते पर हस्ताक्षर किए थे," लिलाह ने कहा।

बोसमोंट ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मेरे लिए इतना ही काफी है। आमतौर पर, इस पहाड़ में क्या है, यह यहाँ तैनात सैनिकों और खनिकों के अलावा किसी को पता नहीं होता, और खनिक तो कभी यहाँ से जाते ही नहीं। उनके लिए तो यह मौत की सजा के समान है। सैनिकों की बात करें तो... खैर, अगर आप किसी को बता दें तो बाद में कोई न कोई आपके पीछे पड़ ही जाएगा। यह लंबे समय तक एक अच्छा रहस्य बना रहा। यहीं से सैन्य ड्रैगन फ्लायर्स को शक्ति देने वाले ऊर्जा स्रोत निकलते हैं।"

लिलाह को स्लीपी के साथ यहाँ तक की अपनी यात्रा याद आ गई। उसे कॉकपिट में चमकता हुआ वह क्रिस्टल स्पष्ट रूप से याद था।

“तो,” उसने तर्क दिया, “ये कुछ ऐसे उपकरण हैं जिन्हें रेफेरातु ने जादू से इतनी बड़ी मात्रा में बनाया था कि हमें वर्षों में सैकड़ों मिल गए हैं, और शुरुआत में, सैन्य विज्ञान विभाग की किसी टीम ने सोचा कि वे जादू से इतने परेशान नहीं थे कि वे इनका उपयोग ऊर्जा स्रोत के रूप में न कर सकें? उन्होंने इनमें से एक को उस समय के किसी प्रोटोटाइप फ्लायर से जोड़ा और पाया कि ये उपकरण विमान को शक्ति प्रदान कर सकते हैं? फिर सेना ने खदानें बिछाईं, और इसे गुप्त रखा ताकि हमारे दुश्मन उस जगह का पता न लगा सकें और ऊर्जा स्रोतों को अपने लिए हथियाने की कोशिश न करें?”

“मुझे भी लगभग यही लगता है, महोदया,” बोसमोंट ने कहा। “और मैंने जो अफवाह सुनी है, उसके अनुसार ये मूल रूप से लैंप थे।”

“लैंप? रिज एक ऐसे विमान में उड़ रहा है जो लैंप से चलता है?”

“मैंने यही सुना है, महोदया। यह भी सुना है कि हमने अनजाने में पहाड़ के पिछले हिस्से में अपनी चौकी स्थापित कर ली और खदानें खोदनी शुरू कर दीं। चुड़ैलों का मुख्यालय सामने वाले हिस्से में था। हमें वहाँ कुछ ऊर्जा स्रोत मिले, यह तो पक्का है, लेकिन जाहिर तौर पर यह—” बोसमोंट ने अपने पैरों के नीचे और ऊपर के क्षेत्र को शामिल करते हुए इशारा किया, “—उनके मुख्य द्वार के ज़्यादा करीब है। असल में, वह उस तरफ़ कुछ मील दूर है।” उन्होंने चौकी की दिशा से और भी दूर इशारा किया। “लेकिन जब पहाड़ को उड़ाया गया, तो वह चकनाचूर हो गया। मतलब, पहली बार तीन सदियों पहले उड़ाया गया था। हमने कुछ महीने पहले एक अजगर को फँसाने की कोशिश में उसके पिछले हिस्से को फिर से उड़ा दिया।”

“सैनिकों को चीजें उड़ाना पसंद होता है,” लिलाह ने टिप्पणी करते हुए कहा, यह जानने की कोशिश करते हुए कि वैन को कहानी कैसी लगी। वह कुछ नहीं बोल रहा था, और लिलाह को समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा इसलिए था क्योंकि बोसमोंट यहाँ लंबे समय से था और कहानी को बेहतर जानता था, या फिर वह जादूगरों और जादुई कलाकृतियों की इन सब बातों से नफरत करता था।

जी जनाब। चीज़ों को उड़ाना, उन पर गोलियां चलाना, यही हमारा काम है। कैप्टन काइका ने ही उन धमाकों की योजना बनाई थी जिनसे उस दुष्ट अजगर को फंसाया जाना था, जो किले और पहाड़ियों के कुछ गांवों में आतंक मचा रहा था। और इसीलिए चौकी के नीचे की सुरंगें आज भी बुरी हालत में हैं। इसी गड़बड़ी ने हमें यहां घुसपैठ करने के लिए प्रेरित किया। हमने सोचा कि हमें सिर्फ ढह चुके पहाड़ की एक परत से निपटना होगा और शायद बिजली के और स्रोत ढूंढना आसान होगा।

"तीन सौ साल पहले का पतन।"

“हाँ। सार्डेल के अनुसार, उस समय के सैनिकों ने ऐसा किया था, हालाँकि मुझे इस बात पर यकीन नहीं है, महोदया। भले ही हमें चीज़ों को उड़ाना और गोली चलाना पसंद हो, हम राक्षस नहीं हैं। सार्डेल ने कहा कि जब यह घटना हुई, तब पहाड़ पर उसके सैकड़ों, बल्कि शायद हजारों लोग मौजूद थे। मुझे नहीं लगता कि कोई भी सामूहिक नरसंहार में शामिल होने के लिए आगे आएगा, भले ही इसमें चुड़ैलें शामिल हों।” बोसमोंट ने वैन की ओर देखा, शायद चुपचाप पुष्टि मांगते हुए। “खैर,” वैन के चुप रहने पर बोसमोंट ने आगे कहा, “सार्डेल ने कहा कि अलार्म बजने के बाद वह किसी स्टेसिस चैंबर की ओर भाग रही थी, और वह निश्चित रूप से नहीं कह सकती कि हमले के लिए कौन ज़िम्मेदार था, बस इतना पता है कि कोई और उन चैंबरों तक नहीं पहुँच पाया, और सभी लोग मारे गए।”

"इस तरह इस्कैंडिया में रेफेरातु की उपस्थिति समाप्त हो जाएगी," लिलाह ने धीरे से कहा, "अगर दुनिया में नहीं तो।"

उसने पहले भी जादुई शक्तियों वाले लोगों के साथ क्या हुआ था, इस बारे में कई परिकल्पनाएँ पढ़ी थीं, लेकिन इस विषय पर उसे जो एक किताब मिली थी, उसमें न तो विशिष्ट स्थान का उल्लेख था और न ही इसके लिए ज़िम्मेदार व्यक्ति का। दरअसल, लेखक ने सुझाव दिया

था कि एक बीमारी ने रेफेरातु को खत्म कर दिया था, एक ऐसी महामारी जो देवताओं द्वारा जादुई शक्तियों का उपयोग करके दूसरों को नुकसान पहुँचाने के दंड के रूप में भेजी गई थी। जादूगरों के प्रति पूर्वाग्रह और भय बहुत वास्तविक था, यहाँ तक कि उस समय भी जब उनमें से कुछ सिंहासन के लिए काम कर रहे थे।

"बोसमोंट," वैन ने कहा, "सभी जीवाश्मों को निकालने का काम पूरा करो, उसके बाद मैं चाहता हूँ कि यह दीवार गिरा दी जाए।" उन्होंने सुरंग के अंत में पड़े ग्रेनाइट के ढेर की ओर इशारा करते हुए कहा, "हम देखेंगे कि क्या वहाँ कोई सुरंगें हैं, चाहे टूटी हुई हों या साबुत, और जब तक हम यहाँ हैं, तब तक हम जितने हो सके उतने क्रिस्टल निकाल लेंगे। यही हमारा काम है, न कि इधर-उधर खड़े होकर अतीत के बारे में अटकलें लगाना।"

"जी सर," बोसमोंट ने कहा, और वैन बिना कुछ और कहे बाहर चला गया।

लिलाह उसकी चौड़ी पीठ को देखती रही जब वह दूर चला गया, और अचानक उसे एहसास हुआ कि उस तलवार का हैंडल हल्की हरी रोशनी से चमक रहा था। जादुई ढंग से। एक ऐसा आदमी जो जादू और चुड़ैलों से नफरत करता था—और जिसने उनके मामले में नरसंहार के विचार का भी विरोध नहीं किया था—वह चमकती हुई तलवार लेकर घूमने को कैसे उचित ठहरा सकता था?

उसने अपना सिर हिलाया और चिकनी धूसर दीवार की ओर मुड़कर बोसमोंट के पीछे-पीछे चली गई। अतीत के बारे में अटकलें लगाना शायद उनका काम न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से उसका काम था। एक जीवाश्म विज्ञानी के रूप में तीन सौ साल पुराना रहस्य शायद उसके सामान्य कार्यक्षेत्र में न आता हो, लेकिन चूंकि उसके उत्तर-शासन काल का अध्ययन करने वाले कोई भी सहकर्मी साथ नहीं थे, इसलिए वह यहाँ क्या हुआ था, और शायद उस समय क्या हुआ था, यह पता लगाने की पूरी कोशिश करेगी। अगर उसे कोई ठोस सबूत मिल जाता है, तो वह एक शोध पत्र भी लिख सकती है।

क्या दुनिया यह जानने के लिए तैयार थी कि एक जनजातीय जाति के अंत का कारण क्या था? उसने सोचा।

अध्याय 8

वैन ने चट्टानों को इधर-उधर धकेलकर कैप्टन काइका के लिए जगह बनाई, जिन्होंने सुरंग के अंत में ग्रेनाइट पर विस्फोटक लगाते हुए खुशी से सीटी बजाई।

“तुम इसे बस उड़ा दोगी, है ना?” उसने एक बड़ा पत्थर उसके रास्ते से हटाते हुए पूछा। “इस सुरंग और उसके पीछे छिपी हर चीज़ को गिराना नहीं है।”

"वहाँ पीछे शायद और भी पत्थर ही होंगे।" काइका ने अपनी यूटिलिटी बेल्ट पर लगी एक थैली से एक फ्यूज निकाला।

"शायद, लेकिन इससे मेरे सवाल का जवाब नहीं मिलता।"

“मैं आपको यकीन दिलाता हूँ कि मैं पहाड़ को दोबारा गिराने के लिए डिज़ाइन किए गए विस्फोटकों का इस्तेमाल नहीं कर रहा हूँ। जहाँ तक सुरंग की बात है, मुझे पूरा भरोसा है कि बोसमोंट और उनकी टीम ने जो हिस्सा खोखला किया है, वह कुछ विस्फोटक हमलों को झेल सकता है।” काइका ने सुरंग के आगे वाले हिस्से की ओर इशारा किया, जो बीम और खंभों से मजबूत किया गया था। “इसका पिछला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त है। इसका और हिस्सा गिर सकता है, लेकिन हमारे पास बॉक्सकार और उसकी मोटी गर्दन है जो मलबा हटा देगी।”

"अभी मैं और मेरी मोटी गर्दन ही आपके लिए सब कुछ साफ कर रहे हैं।"

"यह आपकी मर्जी है, महोदय। आप दो मिनट से ज्यादा एक जगह स्थिर नहीं बैठ सकते, हमेशा कोई भारी चीज इधर-उधर फेंकते रहते हैं।"

असल में बात यह थी कि जब से बोसमोंट ने चुड़ैलों के कुचले जाने की कहानी सुनाई थी, तब से लिलाह उससे नाराज़गी जता रही थी और वैन उससे बचने का बहाना ढूंढ रहा था। वह उससे क्या उम्मीद कर रही थी? तीन सौ साल पहले मरे लोगों के लिए आंसू बहाना? ऐसे लोग जो समस्याओं से निपटने के लिए सम्मानजनक तरीकों के बजाय जादू का इस्तेमाल करना पसंद करते थे? शायद उसे अपने विचारों को अपने तक ही सीमित रखने की कोशिश करनी चाहिए थी, लेकिन उसने लिलाह से ऐसी... चुड़ैलों की हमदर्द होने की उम्मीद नहीं की थी। बोसमोंट को चुड़ैलों से कोई खास मतलब नहीं था, और वैन यह बात समझ सकता था, लेकिन उन भयानक लोगों के दुनिया से चले जाने पर दुखी होना? वह ऐसी सोच बर्दाश्त नहीं कर सकता था, खासकर उस शक्ति वाले व्यक्ति के हाथों झेली गई यातनाओं के बाद।

उसने काइका से बस इतना ही कहा, "मैं एक बार में पांच मिनट तक शांत बैठ सकता हूँ।"

मुझे यकीन है कि इसीलिए मैं आपको हमेशा अपने डेस्क पर कागजी काम करते हुए पाता हूं।

वैन ने अपनी मांसपेशियों को बल देते हुए एक और बड़ा पत्थर उसके रास्ते से हटाया, उसे शारीरिक परिश्रम का आनंद आ रहा था। उसे डेस्क से नफ़रत थी। कागज़-पत्रों से उसे ज़्यादा परेशानी नहीं होती थी, बशर्ते उसे पूरा दिन उसी में न बिताना पड़े, क्योंकि उसे चीज़ों को व्यवस्थित रखने की शक्ति अच्छी लगती थी, लेकिन कागज़-पत्रों के साथ आने वाली चीज़ों से उसे नफ़रत थी - सैकड़ों लोगों की ज़िम्मेदारी, ऐसे लोग जो हमेशा कोई न कोई शिकायत या कोई बेतुकी गुज़ारिश करते रहते थे। पिछले दिन ही उसके पास छुट्टी के तीन आवेदन आए थे, मानो यह कोई ऐसा ड्यूटी

स्टेशन हो जहाँ छुट्टियों में घर जाने के लिए ट्रेन पकड़ी जा सके।

"प्रोफेसर ज़िरकेंडर के बारे में आपकी क्या राय है?" काइका ने घुटने टेकते हुए अपनी फ्यूज को चार्ज से जोड़ने के लिए कहा।

उस नाम का जिक्र मत करो।

"तो फिर प्रोफेसर लिलाह।" उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

मुझे उसके बारे में कुछ खास नहीं लगता।

कितना बड़ा झूठ! भले ही वह चुड़ैलों की हमदर्द थी, फिर भी जब भी वह काम में झुकी हुई उसके पास से गुज़रता, तो उसकी पीठ पर नज़रें गड़ाए बिना नहीं रह पाती थीं। और सामने का हिस्सा तो और भी आकर्षक था। आखिर वह इतनी खूबसूरत औरत क्यों थी? किसी साधारण सी लड़की को नज़रअंदाज़ करना कहीं ज़्यादा आसान होता, लेकिन नहीं, उसके मन में उसे निर्वस्त्र करने और उसके हर पहलू को और करीब से देखने के ख्याल आते रहते थे। भले ही वह साधारण सी होती, तब भी शायद वह उसके बारे में सोचता। उसने अपनी ज़िंदगी में कितनी औरतों से मुलाकात की थी जो उसके संग्रह में मौजूद हथियारों के युग बता सकती थीं? ज़्यादातर मर्द ऐसा नहीं कर सकते। वह उन आम औरतों से बिलकुल अलग थी जिनसे वह मिलता था, दूसरे सैनिकों और सेना के किले के पास के बार और वेश्यालयों में काम करने वाली लड़कियों से।

उसे कभी साथी ढूंढने में कोई परेशानी नहीं हुई, लेकिन औरतें—खासकर वो औरतें—उसे हमेशा एक रात मौज-मस्ती करने वाला समझती थीं, या सैनिकों के मामले में, एक चुनौती के तौर पर थोड़े समय के लिए डेट पर जाने वाला। किसी के मन में शादी या भविष्य का कोई ख्याल नहीं होता था। उसने धीरे-धीरे यह मान लिया था कि उसका व्यवहार बहुत अप्रिय था। लोग कभी-कभार उसके व्यवहार का आनंद लेना चाहते थे, लेकिन उसके साथ जीना सीखने की जहमत नहीं उठाना चाहते थे।

कभी-कभी वह सोचता था कि अगर कोई ऐसा होता जिससे वह अपने मन की भड़ास निकाल सके, तो कितना अच्छा होता, ताकि उसे अपना गुस्सा निकालने के लिए हमेशा जिम का सहारा न लेना पड़े। जब वह छोटा था, अकेले या छोटी टीमों के साथ मिशन पर भेजा जाता था, तब वह इतना गुस्से में नहीं रहता था। जीवन के प्रति उसकी लगातार निराशा का बड़ा कारण पद बढ़ने और कमान संभालने की ज़िम्मेदारी थी। और साथ ही पढ़ाना भी। हे भगवान, उसे पढ़ाना कितना बुरा लगता था। यह सोचकर उसे हंसी आती थी कि लिलाह को भी ऐसा ही लगता होगा। उसे नहीं पता था कि अगर वह सेना छोड़ दे तो वह क्या करेगा—क्या करने के लिए वह योग्य होगा—लेकिन वह सोचता था कि अगर वह कभी आम कपड़ों में उसके क्लासरूम के दरवाजे पर आकर उसे डेट पर जाने के लिए कहे तो वह क्या सोचेगी।

काइका हंस पड़ी। "तुम अभी उसी के बारे में सोच रहे हो, है ना?"

वह उसे घूरता रहा, उसके चारों ओर सुरंग फिर से स्पष्ट होने लगी। "तुमने मुझे बनाया है।"

"अहां।"

"वैसे भी, यह बात बेमानी है। वह शादीशुदा है।"

"क्या वह है?" काइका ने पूछा। "हम्म, आपको उससे इस बारे में पूछ लेना चाहिए। मुझे ऐसा

लगा कि अब ऐसा नहीं है।"

"ओह?"

काइका ने कंधे उचकाते हुए कहा, "देखो, इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मैं बस उत्सुक हूँ क्योंकि तुम यहाँ कुछ शांत लग रहे हो। कम रूखे। क्या तुम किसी पर चिल्लाए बिना उसे प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हो?"

वह हिचकिचाया, उसे याद आया कि उसकी मौजूदगी के कारण उसने अपने कुछ तीखे भाषण रोक दिए थे। "मुझे लगा था कि किसी महिला को प्रभावित करने का तरीका बिना कमीज के घूमना है।"

"तुम यह काम अच्छे से करते हो।" काइका ने उसे घूरकर देखा, जो और भी तारीफ के काबिल होता अगर उसने इससे पहले बोसमोंट को भी वैसी ही घूरकर न देखा होता।

यह पहली बार नहीं था जब उसने सोचा कि एंगुलस को उसमें क्या दिखता है। काइका किसी भी तरह से बदसूरत नहीं थी, लेकिन वह कोई बहुत खूबसूरत भी नहीं थी, और राजा होने के नाते, वह हाथ के इशारे से राज्य में किसी को भी पा सकता था। शायद उसे बिना कुछ कहे भी बहुत सी महिलाओं का ध्यान आकर्षित होता होगा। वैन को लगा कि जो महिला अपने मन की बात जानती हो और चालाकी न करती हो, वह उसके जैसे व्यक्ति को आकर्षित कर सकती है। शायद उसके लिए ऐसी महिला मिलना दुर्लभ ही हो।

"खैर, अगर आप उसमें दिलचस्पी रखते हैं, और आप अपने गुस्से और रूखेपन से उसे डराने से बच सकते हैं, तो मुझे लगता है कि वह आपके लिए एक अच्छी जोड़ी हो सकती है।"

वैन का मतलब यह कहना था कि उसका गुस्सा और रूखापन ऐसे विषय नहीं हैं जिन पर एक कप्तान को किसी वरिष्ठ अधिकारी से बात करनी चाहिए, लेकिन उसके मुंह से निकला, "क्या तुम ऐसा करते हो?"

"पहली बात तो यह है कि वह तुमसे डरी हुई नहीं लगती।"

"मैं महिलाओं को डराने-धमकाने के लिए कोई खास कोशिश नहीं करता, कैप्टन," उसने रूखेपन से कहा।

"शायद नहीं, लेकिन तुम वैसे भी डरावने हो।"

"क्या एंगुलस ने इस बात का जिक्र किया है कि आपकी स्पष्टवादिता कितनी आकर्षक है?"

"हाँ।"

वैन कुछ देर रुका, उसे इस जवाब की उम्मीद नहीं थी। "क्या वह झूठ बोल रहा था?"

"मुझे ऐसा नहीं लगता।"

"विलक्षण।"

काइका ने नाक सिकोड़ी। "मुझे लगता है हम प्रोफेसर लिलाह के बारे में बात कर रहे थे और वो तुम्हारे लिए अच्छी रहेंगी, बशर्ते तुम खुद पर काबू रख सको और उनके लिए अच्छे साबित हो सको।"

"मैंने कभी किसी औरत के साथ खुद पर काबू नहीं खोया," वह गुस्से से बोला। आखिर वह इस बातचीत में कैसे उलझ गया? सिर्फ इसलिए कि वह काइका को लंबे समय से जानता था,

इसका मतलब यह नहीं था कि उसे उसके प्रेम जीवन के बारे में सलाह देनी चाहिए। फिर भी, उसे लगा कि उसे यह जानकारी साझा करनी चाहिए, कहीं ऐसा न हो कि वह भी लिलाह से उसके बारे में बात कर रही हो। "तुम मर्दों को पीटते हो। तुम औरतों की रक्षा करते हो। यही नियम हैं।"

"ओह? क्या तुम्हारी माँ ने तुम्हें बचपन में यह सिखाया था?"

उसने गुस्से को काबू में किया। लिलाह के विपरीत, काइका को नहीं पता था कि उसकी माँ के साथ क्या हुआ था। यह कहानी वह अक्सर नहीं सुनाता था।

"हां, मैंने यह उनसे ही सीखा था," उन्होंने खुद को शांत भाव से जवाब देने के लिए मजबूर करते हुए कहा।

"शायद अगर तुम नियमित रूप से किसी के साथ संबंध बनाती, तो तुम्हें पुरुषों को इतना पीटने की ज़रूरत महसूस नहीं होती।" काइका खड़ी हुई और अपने हाथों से धूल झाड़ी।

"मैं बिलकुल भी भोला-भाला नहीं हूँ, कैप्टन," उसने कड़े स्वर में कहा। सलाह देना कुछ ज़्यादा ही व्यक्तिगत हो गया था।

"ठीक है, शायद अगर आप नियमित रूप से किसी ऐसे व्यक्ति के साथ समय बिताते हैं जिसकी आप परवाह करते हैं, तो इससे जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण बेहतर हो सकता है।"

वैन ने आह को रोक लिया। शायद इसमें कुछ सच्चाई हो।

"मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि जनरल चैसन ने तुम्हारे मन में गर्मजोशी और आत्मीयता की भावनाएँ जगा दीं," उसने माचिस निकालते हुए कहा। "उनकी यह बदनामी है कि जो सैनिक उन्हें सुबह की कॉफ़ी जल्दी नहीं लाते, उन्हें वे बुरी तरह से मार डालती हैं।"

वैन घूरती रही। आखिर उसे उस रिश्ते के बारे में कैसे पता चला? वह तो अक्सर अड्डे पर आती भी नहीं थी।

"वह ऑफिसर्स क्लब में डींगें हांकती रहती थी कि उसने तुम्हें अपने काबू में रखा हुआ है," काइका ने आगे कहा। हैरानी की बात यह थी कि वह यह कहते हुए मुस्कुरा नहीं रही थी। बल्कि वह नाराज़ लग रही थी। उसकी तरफ से? अरे, उसे पता ही नहीं था कि उसे परवाह है। "क्या हम इन चट्टानों को उड़ा दें? फिर तुम और प्रोफेसर साथ में खोजबीन करने जा सकते हो।"

"तो क्या तुम और बोसमोंट फिर साथ में घूमने जाओगे?" उसने उसे तिरछी नज़र से देखा।

"यह उस तरह की खोज नहीं है। मैंने एंगुलस से कहा कि अगर मुझे ड्रैगन पकड़ने का मौका नहीं मिला तो मैं अच्छी लड़की बनी रहूंगी।"

"क्या वह अच्छाई की मांग करता है?" वैन ने पूछा, उनके रिश्ते के बारे में थोड़ा उत्सुक होते हुए, हालांकि आम तौर पर उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि काइका ने किन दो नुक्रोस के साथ संबंध बनाए थे। एंगुलस एक अच्छा आदमी था और उसका राजा भी।

"नहीं, वह कुछ भी नहीं मांगता। उसने यह बात साफ-साफ कह दी है, लेकिन मुझे पता है कि अगर वह कुछ न भी कहे तो भी उसे बुरा लगेगा। इसीलिए मैं हम दोनों के लिए अजगर को वापस लाने की योजना बना रही हूँ।" उसकी आँखों में खुशी की एक झलक दिखाई दी।

वैन घृणा या शायद दुख से अपने होंठ सिकोड़ने से खुद को रोक नहीं पाया। "मैं इसके बारे में कुछ नहीं सुनना चाहता।"

"तो बेहतर होगा कि तुम यहीं इस गड्ढे में ही रहो, क्योंकि अगर मैंने किसी अजगर को बिस्तर पर लाया, तो मैं सबको बता दूंगा।"

"बस उस एक को मत चुन लेना जो खुद को भगवान समझता हो।"

"नहीं? मुझे लगा था कि वही मेरा सबसे संभावित साथी होगा। क्या तुमने उसे इंसानी रूप में देखा है? वह बेहद खूबसूरत है। तुम भी उसे अपने साथ बिस्तर पर ले जाना चाहोगी।"

"मुझे बहुत अधिक शक है कि।"

"हमने सारे जीवाश्म खोदकर निकाल लिए हैं," बोसमोंट ने सुरंग में झांकते हुए कहा।

"भगवान का शुक्र है।" काइका अपनी कल्पना के बारे में और ज़्यादा बताने से पहले ही वैन जल्दी से वहाँ से चला गया। उनके शांत और सभ्य राजा का एक ड्रैगन के साथ त्रिक संबंध बनाने का ख्याल आते ही घुटन होने लगी। "कैप्टन, उन चट्टानों को उड़ा दो।"

"कृपया, महोदय," काइका ने बेहद खुशमिजाज लहजे में कहा।

• • • • •

"क्या यह ठीक है, महोदया?" कॉर्पोरल हेट्टी ने एक ऊबड़-खाबड़ चट्टान उठाई, जिसमें से आधी अजगर की रीढ़ की हड्डियाँ खुदी हुई थीं।

"हां, जीवाश्म के करीब जाते समय बहुत सावधान रहें," लिलाह ने कहा।

"हां मैम।"

उसके बगल में, सिपाही बॉक्सकार चुपचाप काम कर रहा था, हथौड़े की सटीक चोटों से पत्थर काट रहा था। उसने उतने समय में ग्रेनाइट की चट्टानों से तीन जीवाश्म निकाल लिए थे, जितने समय में हेट्टी ने एक का आधा काम किया था। किसने सोचा था कि पेड़ के तने जितनी मोटी गर्दन वाला कोई क्रूर सिपाही इस काम में इतना कुशल होगा? दोनों में से कोई भी उसके औसत छात्र से बड़ा नहीं था, लेकिन वे उसे मैडम कहकर बुलाते थे और उसकी छाती पर नज़रें कम ही डालते थे। उसे मन ही मन यह इच्छा हो रही थी कि काश उसकी कक्षाओं में कुछ सिपाही भी होते।

"यह मुझे टाइम ट्रेक की याद दिलाता है," बॉक्सकार ने अचानक कहा। उसने लिलाह से एक शब्द भी नहीं बोला था, इसलिए उसके इस अचानक बयान से वह चौंक गई।

हेटी ने आह भरी। "फिर से तुम्हारी कॉमिक्स, बॉक्सकार!"

"ये कॉमिक्स नहीं हैं। ये किताबें हैं। उपन्यास हैं। इनमें तो कोई चित्र भी नहीं हैं।"

"मैं उन्हें जानती हूँ," लिलाह ने उस बड़े आदमी की ओर मुस्कुराते हुए कहा।

उसने हथौड़े को पकड़ने में गड़बड़ कर दी, लगभग उसे गिरा ही दिया था। "क्या आपने उन्हें पढ़ लिया है, महोदया?"

"मेरे पास है।"

"उन सभी को?"

"मेरे पास चौकी पर मेरे कमरे में नवीनतम संस्करण है। मैं यहाँ आते समय इसे पढ़ने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन लगता है कि मुझे किसी पर्चे के पीछे होने पर घबराहट होने लगती है, इसलिए मुझे अभी तक मौका नहीं मिला है।"

"मैंने सुना है कि जनरल ज़िरकेंडर के साथ सवारी करने वाले कई लोगों के साथ ऐसा होता

है।" हेट्टी ने शैतानी मुस्कान के साथ सुरंग की ओर देखा जहाँ काइका और वैन काम कर रहे थे।

लिलाह ने उसे यह बताना ज़रूरी नहीं समझा कि वह लेफ्टिनेंट स्लीपी के साथ आई थी। वह सोच रही थी कि किस अधिकारी की वजह से उसके चेहरे पर मुस्कान आई होगी—उसने ध्यान नहीं दिया था कि रिज के विमान से उतरते समय काइका का चेहरा पीला पड़ गया था या उसके घुटने कांप रहे थे।

"मैडम, आखिरी किताब बहुत बढ़िया है," बॉक्सकार ने कहा। "मेरी माँ ने इसे मुझे उपहार के रूप में भेजा था। मैंने अभी-अभी इसे पढ़ना समाप्त किया है।"

"कृपया मुझे अंत मत बताइए। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि क्या साशी अंततः कोफाह के समय जादूगर को पकड़ पाती है या नहीं।"

"मैं एक शब्द भी नहीं बोलूंगा, महोदया।"

वैन और काइका सुरंग से बाहर दौड़ते हुए निकले, काइका के चेहरे पर मुस्कान थी। वैन के चेहरे पर हमेशा की तरह दृढ़ निश्चय का भाव था। बाहर आते ही उसने लिलाह की ओर देखा और उसकी आँखों में देखते हुए सिर हिलाया। लिलाह ने भी जवाब में सिर हिलाया। इससे पहले कि लिलाह सोच पाती कि सुरंग के अंदर वैन और काइका किसी खास बात पर चर्चा कर रहे थे, पहाड़ पर एक जोरदार धमाका हुआ। सुरंग से धूल का बादल उठा और ऊपर की चट्टानों से पत्थर लुढ़कते हुए नीचे गिरने लगे।

लिलाह उछलकर खड़ी हो गई, उसके दिमाग में अभी भी उस भूस्खलन की घटना ताज़ा थी जिसने रास्ते को पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। जिस इलाके में वे काम कर रहे थे वह रास्ते की तुलना में समतल और काफी चौड़ा था, लेकिन फिर भी वह कल्पना कर सकती थी कि वह इलाका मलबे में दब गया होगा।

बॉक्सकार भी उछल पड़ा। उसने खुद को उसके और चट्टानों के बीच खड़ा कर लिया, एक हाथ उसके कंधे पर रखा और अपनी पीठ पहाड़ की ओर कर ली। वह कद में छोटी नहीं थी, लेकिन उसका सिर केवल उसकी कॉलरबोन तक ही आता था, इसलिए वह एक प्रभावी ढाल बन गया।

कुछ बड़े-बड़े पत्थर लुढ़क कर नीचे गिरे, और छोटे-छोटे पत्थर ओलों की तरह ज़मीन पर बिखर गए, लेकिन इससे ज़्यादा खतरनाक कुछ नहीं हुआ। जब धूल छटी, तो लिलाह ने देखा कि वैन उसके बगल में खड़ा है और बॉक्सकार को घूर रहा है। सिपाही ने उसका कंधा छोड़ दिया।

"हम प्रोफेसर की मदद कर रहे हैं, महोदय।"

"मुझे यकीन है।"

"उनके साथ काम करना वाकई बहुत अच्छा लगता है। और उन्होंने टाइम ट्रेक पढ़ी है।"

वैन ने पलकें झपकाईं। "क्या?"

लिलाह के गाल गर्म हो गए। "ये उपन्यास हैं। कैंपस में ये लोकप्रिय हैं।" आमतौर पर प्रोफेसरों की तुलना में छात्रों में ज़्यादा, लेकिन इसका ज़िक्र करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। ऐसा तो था नहीं कि वह कॉस्ट्यूम पार्टियों में जाती थी।

"सैनिकों और वैज्ञानिकों की एक टीम टाइम मशीन का इस्तेमाल करके हज़ार साल पीछे जाती है और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके कोफ़ाह के आक्रमण को विफल कर देती है,

ताकि इस्कैंडिया पर कभी कब्ज़ा न हो सके,'' बॉक्सकार ने कहा, लिलाह से मिलने के बाद से उसने इस वाक्य में इतना कुछ नहीं कहा था। ''इसमें रोमांच है, रोमांस है, और कमांडर असिलोन को तीसरी किताब में अपना खुद का ड्रैगन मिलता है।''

वैन ने उस युवा सैनिक को ऐसे घूरा मानो उसके माथे से तीसरी आंख निकल आई हो, फिर उसने लिलाह की ओर एक भौं उठाकर पूछा, "क्या तुमने ये सब पढ़ा है?"

''जी हां, लेखक समय-समय पर विश्वविद्यालय में आकर भाषण देते हैं,'' उन्होंने कहा, और उन्हें ये रचनाएँ पसंद करने पर शर्मिंदगी महसूस करने से इनकार कर दिया। ''ये बहुत अच्छी तरह से लिखी गई हैं।''

''इस प्रेम कहानी में ड्रैगन का कोई लेना-देना नहीं है, है ना?'' वैन ने काइका की ओर देखते हुए अपने होंठ सिकोड़े। धूल के बैठने के दौरान वह सुरंग में झाँक रही थी और उसने ध्यान नहीं दिया।

''नहीं, महोदय,'' बॉक्सकार ने कहा। ''यह कमांडर एसाइलन और उनके लिए काम करने वाले वैज्ञानिक साशी सिल्वरटन थे।''

लिलाह ने अपना चेहरा मलते हुए सोचा कि क्या वह उन लोगों के लिए इतना सारांश बता पाती जिन्होंने किताबें नहीं पढ़ी थीं।

''वह उसके लिए काम करता है, है ना?'' वैन ने पूछा।

"खैर, यह सेना और विश्वविद्यालय का संयुक्त अभियान है, लेकिन साशी हमेशा कमांडर से ज्यादा जानती है, इसलिए एक तरह से वही कमान संभालती है।"

"क्या इन्हें किसी आम नागरिक ने लिखा है?" वैन ने रूखे स्वर में पूछा।

''क्या, तुम मेरे लिए काम नहीं करना चाहोगे?'' लिलाह ने पूछा, उसे खुशी थी कि उसकी आवाज़ में उपहास की बजाय मज़ाक था। उसे काम पर कई नकारात्मक प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा था। उसके अधिकांश सहकर्मी किताबों को बचकाना बताकर खारिज कर देते थे।

"मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि पारिश्रमिक किस प्रकार का होगा।" उसकी आँखों के कोने सिकुड़ गए।

"ऐसा कैसे हो सकता है कि आप पारिश्रमिक जैसे बड़े शब्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं लेकिन कृपया और धन्यवाद जैसे छोटे शब्दों का नहीं?"

"यह मेरे बारे में एक रहस्य है।"

"बॉस, मेरे साथ आकर इसे देखो," काइका ने घटते हुए धूल के बादल की ओर इशारा करते हुए कहा।

''क्यों न हम कुछ मिनट इंतजार करें और देखें कि क्या वे शापित जीवाश्म हिलने लगते हैं और और भी गुफाएं ढहने का कारण बनते हैं?'' बोसमोंट ने पूछा। ''छह घंटे से कुछ भी अजीब नहीं हुआ है। शायद अब कुछ होने वाला है।''

''मैं जोखिम उठाऊंगी। मैं हमेशा खुद को थका सकती हूँ।'' काइका ने अपनी यूटिलिटी बेल्ट पर लगे पाउच को थपथपाया और फिर सुरंग में चली गई।

"अगर वह उस ड्रैगन को रिझाने के लिए काफी समय तक जीवित रहना चाहती है, तो उसे सावधान रहना चाहिए," वैन ने कहा।

लिलाह मुस्कुराई और उसने उसकी बांह पर हल्के से मारा। उसे चिड़चिड़े वैन की बजाय हंसमुख वैन ज़्यादा पसंद था। उसने नीचे देखा जहाँ उसने मारा था, अपनी भौंहें उठाईं और फिर उन्हें उसकी ओर हिलाया। यह पहली बार था जब उसने उसे शरारती नज़र से देखा था, और उसके शरीर में एक गर्माहट सी दौड़ गई। चंचल वैन का ऐसा रूप उसने पहले कभी नहीं देखा था, लेकिन उसने तुरंत तय कर लिया कि वह इसे और देखना चाहती है।

“सर?” सुरंग के पीछे से काइका की आवाज़ आई। “आप और प्रोफेसर शायद इसे देखना चाहेंगे।”

वैन ने बोसमोंट की ओर सिर हिलाकर सहमति जताई। "क्या तुम्हें लगता है कि उसे वापस वहाँ ले जाना सुरक्षित रहेगा?"

"मुझे नहीं लगता कि इस पहाड़ पर कहीं भी सुरक्षित है, महोदय," बोसमोंट ने कहा।

"तो फिर, हम घूमने क्यों न चलें," लिलाह ने कहा।

वैन ने नाक सिकोड़ी लेकिन असहमति नहीं जताई। उसने एक पानी की बोतल और खाने के डिब्बों से भरा एक थैला उठाया और दोनों को अपने कंधे पर टांग लिया, जो उसकी राइफल और तलवार के बगल में लटक रहे थे। यह जानने की उत्सुकता में कि उसे वहाँ क्या मिलने की उम्मीद है, लिलाह उसके पीछे-पीछे चल पड़ी। उसने सोचा कि वहाँ बस और साफ की गई चट्टानें होंगी, लेकिन शायद उसे किसी और चीज़ का आभास हो?

अंदर आते ही उसने एक लालटेन उठाई और सुरंग के पिछले हिस्से की ओर चल पड़ा। अंदर धूल जमी हुई थी, जिससे उसकी लौ की रोशनी मंद पड़ रही थी, लेकिन लिलाह को आश्चर्यजनक रूप से सब कुछ साफ दिखाई दे रहा था। पीछे से एक हल्की पीली-सफेद रोशनी आ रही थी, जो पहले सिर्फ एक बंद रास्ता था।

चट्टानों के ढेर के बीच काइका दिखाई दी। उसने एक बड़ा पत्थर हटाया, और सुरंग में और रोशनी फैल गई। अगर लिलाह को यह चेतावनी न दी गई होती कि रेफेरातु की सुरंगें पूरे पहाड़ में फैली हुई हैं, साथ ही उनके मरने के बाद छोड़ी गई कलाकृतियाँ भी, तो वह पूरी तरह से भ्रमित हो जाती।

"क्या यह कोई शक्ति का क्रिस्टल है?" वैन ने पूछा।

“जी जनाब।” काइका धूसर दीवार से टिक गई, जो अब काफी दूर तक फैली हुई थी, और सुरंग के अधिकांश हिस्से में फैले मलबे के ढेर की ओर इशारा किया। वैन को वहाँ से निकलने के लिए अपनी सारी मांसपेशियों को कसना पड़ेगा। “मुझे उनमें से दो दिख रहे हैं। वे नीचे छत पर लटके हुए हैं। जनरल ज़िरकेंडर आपसे बहुत खुश होंगे।”

रिड्ज का नाम सुनते ही वैन के गले से एक कर्कश आवाज निकली। "ज़िरकेंडर मेरा—" उसने लिलाह की ओर मुड़कर देखा, "—पैर का अंगूठा चूस सकता है।"

“यह कितना शानदार होगा,” काइका ने कहा, फिर आँखों से ओझल हो गई और दीवार व पत्थरों के ढेर के बीच गायब हो गई। दूसरी तरफ पत्थर खिसके, लुढ़के और खड़खड़ाहट की आवाज़ हुई।

बिना हिचकिचाए, लिलाह उस खुले स्थान तक चढ़ गई और उसके पीछे-पीछे उसमें से निकल

गई।

“लिलाह,” वैन ने विरोध किया। “वहाँ पीछे जाना खतरनाक होगा। क्या तुम सैनिकों के जाँच करने तक शिविर में इंतजार नहीं करना चाहती?”

"बिल्कुल नहीं," उसने उत्साह से जवाब दिया, क्योंकि एक चौड़ी सुरंग नज़र आने लगी थी, एक पूरी तरह से अक्षुण्ण सुरंग।

बहुत समय पहले, छत का एक हिस्सा ढह गया था, जिससे ग्रेनाइट के बड़े-बड़े पत्थर गिरकर रास्ता रोक रहे थे, लेकिन लगभग बीस फीट आगे छत फिर से शुरू हो गई, जो दीवारों और फर्श की तरह सपाट और धूसर थी। लिलाह ने एक दीवार को थपथपाया और फिर से उसकी चिकनाई महसूस की। उसने सोचा कि क्या रेफेरातु ने किसी तरह पहाड़ की मौजूदा चट्टान को पिघलाकर सुरंगें बनाई होंगी। हालाँकि धूसर रंग अजीब तरह से एक समान था, फिर भी यह रास्ता उसे लावा ट्यूबों की याद दिला रहा था, जिनसे होकर वह माउंट मास्टमोनसोरो के क्रेटर तक गई थी, जिसके बारे में उसने दूसरों को बताया था।

और भी चट्टानें खिसकीं, इस बार उसके पीछे। बड़बड़ाते हुए, वैन दरार से होते हुए धीरे-धीरे ऊपर चढ़कर लिलाह के पास पहुँचा, उसकी तलवार की म्यान की नोक और राइफल का मुंह चट्टानों से टकराकर खटक रहे थे। काइका पहले ही गुफा के ढहने के अंत तक पहुँच चुकी थी और धूसर ज़मीन पर खड़ी होकर छत पर लगे एक कोणीय क्रिस्टल को देख रही थी। उससे इतनी रोशनी आ रही थी कि रास्ते में कोई परछाई नहीं बची थी।

“यह तो अद्भुत है।” लिलाह ने वैन का हाथ पकड़ लिया, उसके माथे पर पड़ी झुर्री को सहलाना चाहती थी। “एक अनछुआ ऐतिहासिक स्थल। कितना बड़ा तोहफा है!”

“देखते हैं ये कितना बड़ा तोहफा साबित होता है। इस पहाड़ ने हाल ही में हमारा साथ नहीं दिया है।” उनकी रूखी आवाज़ के बावजूद, उनकी सच्ची उत्सुकता देखकर उनके माथे पर वाकई नरमी आ गई।

“अगर ये ऐसे ही छत पर लटके रहे, चिपके रहे, तो हमें इनकी ढेरों मिल सकती हैं, साहब,” काइका ने कहा, अब एक हाथ से लाइट फिक्स्चर से लटकते हुए और दूसरे हाथ से खंजर से जोड़ को कुरेदते हुए। “शायद आपको आखिरकार पैर चूसने का मौका मिल ही जाए।”

वैन के होंठ फिर से मुड़ गए, और लिलाह हंस पड़ी।

उनके पीछे से एक ज़ोरदार धमाका और दर्द भरी कराह सुनाई दी। बोसमोंट लगभग वैन जितना ही बड़ा था, भले ही उतना बलवान न हो, और उसे भी खुद को खींचकर निकलने में काफी मुश्किल होगी।

“कैप्टन,” वैन ने कहा। “कुछ आदमियों और हमारे ज़्यादातर सामान को ले आओ। हम यहाँ चारों ओर देखेंगे और पता लगाएंगे कि क्या हमें कुछ शुरुआती ऊर्जा क्रिस्टल मिल सकते हैं जिन्हें हम वापस ले जा सकें। शिविर की रखवाली के लिए कुछ लोगों को छोड़ दो। उन्हें बता दो कि जब तक प्रोफ़ेसर वहाँ मौजूद न हों, तब तक उनके जीवाश्मों को न छुएं। और उन्हें यह भी बता दो कि डरकर दोबारा भाग न जाएं।”

“मैं संदेश पहुंचा दूंगा, महोदय,” बोसमोंट ने कहा।

"उनके लिए कुछ विस्फोटक भी छोड़ दें," वैन ने आगे कहा। "अगर फिर से चट्टानें गिरती हैं, तो मैं चाहूंगा कि कोई वहां मौजूद हो जो हमें बाहर निकाल सके।"

"उह, क्या आप वाकई चाहते हैं कि वे ऐसा करें? कॉर्पोरल हेट्टी सबसे उच्च पदस्थ अधिकारी हैं, और मुझे संदेह है कि उन्होंने कभी डायनामाइट का इस्तेमाल किया होगा। निश्चित रूप से काइका द्वारा लाए गए किसी भी उन्नत प्रकार के डायनामाइट का तो उन्होंने इस्तेमाल नहीं किया होगा।"

"क्या आप पीछे रुकने के लिए स्वेच्छा से तैयार हैं, बोसमोंट?"

“महाशय, आपको गुफा के ढहने से बचाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।” उनकी आवाज़ से ऐसा लग रहा था कि बोसमोंट पहले ही पीछे हट रहे थे।

“हम्म।” वैन ने लिलाह की आँखों में देखा। “मुझे तुम्हें अपने साथ रखना चाहिए। मुझे लगता है कि वह मुझे गुफा में दबे रहने देगा, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वह ज़िरकेंडर के चचेरे भाई को बचाने के लिए हर संभव कोशिश करेगा।”

"अभी भी उससे कुछ अच्छी बातें कहने में देर नहीं हुई है ताकि वह भी आपको बचाने के लिए आगे आए।"

वैन ने आह भरी। “मुझे नहीं पता कि मैं कौन सी अच्छी बात कहूँ जो सच्ची हो। अच्छे विचार मेरे दिमाग में आते ही नहीं।”

"एक शिक्षक के रूप में, मुझे कभी-कभी अपने भीतर उन्हें खोजने के लिए रचनात्मक होना पड़ता है," उन्होंने स्वीकार किया।

वह हल्की सी मुस्कान के साथ बोला, "क्या तुम शादीशुदा हो, लिलाह?"

उसका मुंह खुला रह गया। ये बात कहां से आई? सच है, वह सोच रही थी कि उसे उसे बता देना चाहिए कि वह ऐसा नहीं सोच रही है, लेकिन उसे शक था कि वह मन की बात पढ़ सकता है।

“मिल गया,” लिलाह के जवाब देने से पहले ही काइका ने घोषणा कर दी। वह एक फुट लंबे ऊर्जा क्रिस्टल—एक फुट लंबे दीपक—को अपनी बाहों में थामे हुए ज़मीन पर बैठ गई। उसने अपने खंजर से उन्हें प्रणाम किया और फिर अगले क्रिस्टल की ओर चल पड़ी।

"हो सकता है कि हम इनमें से कुछ चीजों को तब तक के लिए छोड़ दें जब तक हम यहां से चले नहीं जाते," वैन ने टिप्पणी की, क्योंकि उनके चारों ओर अंधेरा गहराता जा रहा था।

“जी सर,” काइका ने पीछे मुड़े बिना कहा, “लेकिन मुझे लगा कि आपको थोड़ी हल्की मूड लाइटिंग पसंद आएगी।”

वैन ने घुरघुराहट की। ग्रेनाइट के ढेर के पार और भी चट्टानें सरसराती हुई दिखाई दीं, और लिलाह को याद आया कि उसने बोसमोंट को कुछ सैनिकों को साथ भेजने के लिए कहा था।

लिलाह काइका के पीछे-पीछे चलने लगी और वैन को अपने बगल में चलने का इशारा करने लगी।

“मेरी शादी हो चुकी थी,” उसने कहा। “मेरे पति और मेरे पिता पाँच साल पहले एक ही समय पर गुज़र गए।” गुज़र गए। उस भयानक मौत के लिए यह कितना हल्का शब्द है! “यह एक सड़क दुर्घटना थी। मेरे पिता गाड़ी चला रहे थे।” वह आम तौर पर लोगों को यह नहीं बताती थी, लेकिन

वैन ने उसे अपने दुष्ट पिता के बारे में बताया था। अगर कोई समझ सकता था कि उसके अपने पिता कितने निराशाजनक थे, तो वह वही था। उस आदमी में कोई बुराई नहीं थी, लेकिन वह इतना निकम्मा था कि उसकी माँ को उसे और उसके भाइयों को अकेले पालना पड़ा, जबकि वह अपना दिन भाप से चलने वाली गाड़ियों की मरम्मत करने और पब में शराब पीने में बिताता था।

"मैं माफी मांग सकता हूं, लेकिन यह झूठ होगा," वैन ने कहा, "और मैंने आपको पहले ही बताया है कि मेरे लिए बेईमानी करना आसान नहीं है।"

लिलाह को समझ नहीं आ रहा था कि उसकी ईमानदारी उसे प्यारी लगे या चिंताजनक। उसकी स्पष्टवादिता को छोड़ दें तो, उसे मन ही मन खुशी हो रही थी कि वह चाहता था कि वह अविवाहित रहे। उपलब्ध रहे। लेकिन भविष्य में, उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह उससे कभी भी ऐसा कोई सवाल न पूछे जिसका वह ईमानदारी से जवाब न चाहती हो।

“हमारी शादी अच्छी रही,” उसने धीरे से कहा, गलियारे के मोड़ पर काइका के पीछे चलते हुए। वे एक बुझे हुए बिजली के स्रोत के नीचे से गुज़रे, लेकिन आगे और रोशनी थी। “हम दोनों अकादमिक थे। पहले दोस्त। एक-दूसरे के लिए बिल्कुल सही। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे किसी और की तलाश करनी पड़ेगी। मैंने सोचा था कि हम दोनों का शानदार करियर होगा, और आखिरकार बच्चे भी होंगे...” उसका गला भर आया। उसने सोचा था कि उसने उस सपने के टूटने को स्वीकार कर लिया है, लेकिन पाँच साल उतना लंबा समय नहीं था जितना वह कभी-कभी सोचती थी। अजीब बात है कि जब वह छोटी थी, तो पाँच साल अनंत काल लगते थे, लेकिन आजकल, उनमें से कुछ यादें अभी भी इतनी ताज़ा लगती हैं। जैसे कल की ही बात हो।

उसने सिर हिलाया, और कहा कि फिलहाल वह अपनी बात पूरी नहीं करना चाहती। उसने बस इतना पूछा था कि क्या वह शादीशुदा है। उसने यह जानने की कोशिश नहीं की थी कि उसकी शादी कैसी चल रही है या उसके पति की मृत्यु से उसके सपने टूटे हैं या नहीं।

"मैंने हमेशा सोचा था कि मेरे बच्चे होंगे," वैन ने कहा। "मेरे सबसे छोटे भाई के तीन बच्चे हैं। वे उत्तेजित कोयोट्स के झुंड से भी ज़्यादा शोर मचाते हैं, लेकिन अगर आप उन्हें थका दें तो वे सहनीय होते हैं।"

लिलाह ने कल्पना की कि वैन छोटे बच्चों को किसी सैन्य बाधा दौड़ से गुजार रहा है, और फिर उन्हें बीस पुश-अप्स करने का आदेश दे रहा है।

“मैं उन्हें अपनी बाहों से झूलने देता हूँ और कंधों पर सवारी करने देता हूँ। उन्हें यह अच्छा लगता है।” उसने कंधे उचकाए। “मैं खुद को एक अच्छा पिता तो नहीं मान सकता, लेकिन मेरे पिता की मृत्यु के तरीके को देखते हुए, यह अजीब लग सकता है, फिर भी मैं पारिवारिक उपाधि और संपत्ति का उत्तराधिकारी हूँ। मुझे तो यह भी नहीं पता था कि हमारे पास कहीं कोई संपत्ति है, जब तक कि बीस साल की उम्र में एक वकील ने मुझे ढूंढकर यह नहीं बताया कि मेरे परदादा की मृत्यु बिना किसी वारिस के हुई थी और मेरे पिता की मृत्यु के बाद, मैं अगला उत्तराधिकारी हूँ। तभी मुझे पता चला कि मेरे मृत रिश्तेदारों से भरी एक कब्र है, साथ ही यह तलवार भी।” उसने अपना अंगूठा तलवार की मूठ की ओर झुकाया। “एक बच्चे के रूप में मुझे बहुत कुछ पता नहीं था, क्योंकि मेरे पिता ने इसे हमारे साथ साझा करने की परवाह नहीं की थी। मेरा एक भाई अब वहाँ रहता है।

यकीन मानिए, वह उसे ब्लूबेरी फार्म में बदलने की कोशिश कर रहा है। लेकिन अगर मैं कभी चाहूँ या किसी के साथ इसे साझा कर सकूँ, तो यह जमीन मेरी होगी।" उसने उसकी ओर देखा। मैं वहां कुछ ही बार गया हूं। वह मेरा असली घर नहीं है।

लिलाह को ऐसा नहीं लगा कि वह उसे प्रभावित करने के लिए ये जानकारी दे रहा था, हालांकि ये संकेत ज़रूर मिला कि उसे भविष्य में शादी करने में कोई आपत्ति नहीं होगी। क्या ये अजीब था कि वो उससे ऐसी बातें कर रहा था? जबकि वे एक-दूसरे को इतने कम समय से जानते थे? शायद वो यहाँ अकेलापन महसूस कर रहा था, एक चौकी कमांडर जिसके पास अपने पद का कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था जिससे वो खुलकर बात कर सके, और न ही आम लोगों में से कोई ऐसा था जिससे वो बातचीत कर सके। अकेलेपन का अपना ही एक तरीका होता है जिससे इंसान सोचने लगता है कि क्या उसे कभी कोई साथी मिलेगा, जैसे एक निश्चित उम्र तक पहुँचने पर होता है।

उनके पीछे चल रहे दो सैनिकों की आवाजें उसकी ओर आने लगीं, दो युवक शक्ति क्रिस्टलों के आकार के बारे में मजाक कर रहे थे।

उसने धीरे से नाक सिकोड़ी और सिर हिलाया। शायद यह कहानियां सुनाने या भविष्य के बारे में सोचने का समय नहीं था। उसने वैन को मुस्कुराकर कहा, ताकि उसे पता चले कि वह उसकी बातों को समझ रही है, भले ही उसे शक था कि वह खुद को किसी ग्रामीण इलाके में, निकटतम विश्वविद्यालय से मीलों दूर, किसी जागीर में रहते हुए देख पाएगी। न ही वह इस दूरदराज की चौकी पर ज़्यादा समय बिताने की कल्पना कर सकती थी। न ही किसी सैनिक के साथ एक ड्यूटी स्टेशन से दूसरे ड्यूटी स्टेशन तक जाने की, जिस पर उसका जीवन और आजीविका निर्भर हो। उसे अपना करियर बहुत प्यारा था। यह उसके लिए अटल था। वैन का ध्यान आकर्षित करना उसे अच्छा लगा, लेकिन उनके भविष्य की कोई उम्मीद नहीं थी, व्यावहारिक रूप से तो बिल्कुल नहीं, और वह अव्यावहारिक काम नहीं करती थी। उसने कभी नहीं किया था।

आगे से एक धीमी सी सीटी की आवाज़ आई। काइका एक सुरंग के मुहाने पर रुक गई थी, जिसकी दीवारें एक बड़े खुले स्थान में खुलती थीं।

वैन की बातों में खोई हुई लिलाह आसपास की चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रही थी—यह आश्चर्यजनक था, क्योंकि वह घूमने-फिरने के लिए बहुत उत्साहित थी। अब वह तेजी से आगे बढ़ी, यह देखने के लिए बेताब थी कि आगे क्या इंतजार कर रहा है।

वैन उससे भी धीमी गति से पीछे-पीछे चल रहा था, और वह सोच रही थी कि क्या उसने उसकी चुप्पी में अस्वीकृति का भाव महसूस किया था।

काइका ने कहा, "मुझे नहीं पता था कि मैं क्या उम्मीद कर रही थी, लेकिन यह वह नहीं था।"

उसने उसी चिकने भूरे पत्थर से बने एक कक्ष में बिखरी हुई पुरानी हड्डियों की ओर इशारा किया। बीच में एक फीके पड़े कालीन के चबाए हुए टुकड़े एक वृत्त के आकार में बिखरे थे। लिलाह आँखों के छेदों के आसपास दाँतों के निशान वाली एक खोपड़ी के पास दुबक गई। पास ही एक टांग की हड्डी पड़ी थी, जो बीच से टूटी हुई थी और किसी शिकारी ने उसका मज्जा चाट लिया था। वह काँप उठी, यह सोचकर कि यहाँ चूहों से बड़े कौन से जानवर हो सकते हैं और वे अंदर कैसे आए

होंगे।

वैन ने अपने हाथों में राइफल लिए कक्ष की परिधि का चक्कर लगाया। लीला के अनुमान के अनुसार, तीन और सुरंगें मुख्य दिशाओं की ओर खुलती थीं। दो सुरंगें अंधेरी थीं, और एक शक्ति क्रिस्टलों से प्रकाशित थी।

“यह एक आदमी था,” लिलाह ने खोपड़ी को उठाकर यह देखने की कोशिश की कि कहीं उसमें कोई दरार तो नहीं है जिससे किसी ने उसे मारा हो। क्या यह कोई रेफेरातु जादूगर था? कोई ऐसा व्यक्ति जो सुरंगों के ढहने के समय यहाँ मौजूद था? उसने माथे पर शिकन डाली। लेकिन ये सुरंगें तो ढही ही नहीं थीं।

खोपड़ी के अंदर कुछ खनक उठा और उसी समय फर्श पर गिर गया जब उसने पीछे की तरफ एक छोटा सा छेद देखा। वह वस्तु कुछ फीट तक लुढ़की और कालीन के किनारे पर आकर रुक गई। वैन सबसे पहले वहाँ पहुँची और उसे उठाने के लिए नीचे बैठ गई।

"मस्केट की गोली?" लिलाह ने उसे लुढ़कते हुए देखकर पूछा।

“इस पर पुराने इस्कैंडियन गार्ड की मुहर लगी हुई बंदूक की गोली है।” वैन ने इसे अपनी उंगलियों के बीच पकड़ते हुए कहा। “0.75 कैलिबर। बड़ी।”

"जादूगरों का शिकार करने के लिए अच्छा आकार है क्या?" लिलाह ने सीसे की गेंद को घूरकर देखा।

मैंने अभी तक किसी जादूगरनी को गोली लगते नहीं देखा है। वे अपने चारों ओर ढाल बना लेती हैं। ड्रैगन भी ऐसा ही करते हैं।

“उह, मुझे नहीं लगता कि वह आदमी जादूगर था,” काइका ने कमरे के दूसरी ओर से कहा। उसने एक धूल भरी जैकेट उठाई, जो अपनी उम्र के बावजूद काफी हद तक सही-सलामत थी। उसने उसे फैलाकर उन्हें दिखाया।

"यह एक पुरानी सेना की वर्दी से लिया गया है," वैन ने कहा।

जब काइका ने धूल झाड़ी तो कोई चीज़ ज़मीन पर गिरी। पहले तो लिलाह को लगा कि शायद कोई बंदूक की गोली होगी, लेकिन वह कोई चपटी चीज़ थी।

“टैग्स।” वैन चलकर काइका के पास गया।

उसने उन्हें उठाया और पुरानी धातु को ध्यान से देखा। गोल डिस्क शायद उस समय हाथ से उकेरी गई थीं। "कैप्टन ट्रोयार मोलिसाक।"

“मोलिसाक?” वैन ने पूछा।

“यह एक कुलीन परिवार है,” लिलाह ने नाम पहचानते हुए कहा। “मुझे लगता है कि यह बात समझ में आती है। उस समय, सभी अधिकारी कुलीन वर्ग से ही आते थे।”

"और कुलीन होने का वास्तव में कुछ मतलब होता था," वैन ने कहा।

"मुझे आश्चर्य होता है कि क्या उसके परिवार को कभी पता भी चला कि उसके साथ क्या हुआ था," लिलाह ने कहा।

“उसके साथ क्या हुआ?” काइका ने अपनी जेब टटोली। “इसमें कुछ चुभने वाली चीज है।”

"उसे गोली मारी गई थी," वैन ने कहा।

“लेकिन किसके द्वारा?” लिलाह ने सोचा।

"जाहिर है, इस जगह की रक्षा करने वाली चुड़ैलें ही हैं।"

“अरे, क्या यह स्पष्ट है?” काइका ने पूछा। “बंदूक लिए चुड़ैलें? मैंने सरडेल को कभी बंदूक चलाते नहीं देखा।”

"क्योंकि उसके पास एक ऐसी तलवार है जो किसी आदमी के अंडकोष को पिघला सकती है।"

इन शब्दों को सुनकर लिलाह ने वैन के गुप्तांग की ओर एक नजर डाली, हालांकि उसने तुरंत अपनी नजरें हटा लीं।

उसने यह बात जरूर नोटिस की होगी क्योंकि उसने दृढ़ता से कहा, "मेरे अंडकोष सही सलामत हैं।"

“शानदार, महोदय,” काइका ने कहा। “अगर प्रोफेसर पहले दिलचस्पी नहीं ले रही थीं, तो अब जरूर लेंगी।”

वैन ने उसे घूरकर देखा। "मैं जानती हूँ कि किसी चुड़ैल से हाथापाई करना ठीक नहीं है।"

“आपकी बुद्धिमत्ता वर्षों के साथ ही बढ़ती है।”

उसकी गुस्से भरी निगाहें और गहरी हो गईं। "एंगुलस को तुममें क्या दिखता है?"

वह मुस्कुराई। "मैं उसके आसपास अकेली ऐसी हूं जो सेफ्टी लॉक ऑन करके गोली नहीं चलाती।"

"क्या भोजन है।"

काइका ने धूल से सनी जैकेट की एक जेब खोली और उसमें से चमड़े की जिल्द वाली एक छोटी सी डायरी निकाली। "ये रही वो चुभने वाली चीज़।"

“चुभने वाली चीज?” वैन ने पूछा।

"शैक्षणिक जगत में, हम उन्हें किताबें कहते हैं," लिलाह ने कहा।

वैन ने उसे प्रशंसा भरी मुस्कान दी, जिससे वह किसी कारणवश शरमा गई, मानो यह सबसे दुर्लभ और सबसे सुखद प्रशंसा हो।

“ठीक है। मुझे पता था कि यह कोई बड़ा और जटिल शब्द है, लेकिन मुझे याद नहीं आ रहा था कि यह कहाँ से आया है।” काइका ने डायरी लिलाह को देते हुए कहा, “प्रोफेसर, आप इसे सोने से पहले पढ़ने के लिए रख सकती हैं।”

सोने का समय? लिलाह ने तुरंत उसे खोल लिया। “अगर यह कैप्टन मोलिसाक की डायरी है, तो मुझे यकीन है कि परिवार इसे वापस पाकर खुश होगा।” बेशक, पहले वह इसे अच्छी तरह पढ़ लेगी। अधिकारियों को शक्ति क्रिस्टल का ढेर पाकर खुशी हो सकती है, लेकिन कौन जानता है कि इस ग्रंथ में कौन से खजाने छिपे हैं? इसमें शायद इस सवाल का जवाब हो कि इतने साल पहले रेफेरातु के साथ वास्तव में क्या हुआ था। क्या बोसमोंट द्वारा बताई गई सार्डेल की कहानी सही थी? या कोई ऐसी बीमारी थी जो केवल ड्रैगन रक्त वाले लोगों को ही प्रभावित करती थी?

"क्या किसी और को भी हवा का झोंका महसूस हो रहा है?" वैन ने पूछा।

“मुझे लगा मैंने किया,” काइका ने कहा। “वहाँ से।”

लिलाह ने उनकी बातें मुश्किल से सुनीं। उसने डायरी का आखिरी पन्ना पलट दिया था जिस पर कुछ लिखा था। भले ही अधिकारी का शरीर किसी जानवर ने नोच डाला हो, लेकिन किताब अच्छी हालत में थी। उसे कप्तान की साफ-सुथरी लिखावट पढ़ने में कोई दिक्कत नहीं हुई, हालांकि आखिरी कुछ पन्ने पहले पन्नों की तुलना में थोड़े बेतरतीब ढंग से लिखे गए थे। उसने जल्दी से शब्दों को सरसरी तौर पर पढ़ा। एक नाम उसकी नज़र में आया और उसे बेचैनी से पेट में अजीब सी हलचल महसूस हुई।

मुझे पता चला है कि मेजर थेरिक को, जैसा कि उन्होंने दावा किया था, इस कार्य के लिए उच्च कमान से कोई आदेश नहीं मिला है। यह कार्य मुझे शुरू से ही भयभीत कर रहा है। मैं एक सैनिक हूँ और बिना किसी प्रश्न के अपने वरिष्ठों का पालन करना मेरा कर्तव्य है, लेकिन राजा के सेवक और प्रथम ईश्वर, डियागो के निष्ठावान अनुयायी के रूप में, मैं सम्मान के साथ कार्य करना भी अपना कर्तव्य समझता हूँ। मेजर को रेफरातु के सहायक अध्यक्ष से बात करते हुए मैंने जो शब्द सुने, उनसे मेरा संदेह पुष्ट हो गया है, लेकिन मैं क्या करूँ? क्या मैं थेरिक का सामना करूँ? मेजर अपने क्रोध के लिए जाने जाते हैं, और मैं तो केवल एक इंजीनियर हूँ, कोई महान युद्ध कौशल वाला योद्धा नहीं।

लिलाह ने घबराकर सांस ली, शब्द पढ़ते ही उसका दिल तेजी से धड़कने लगा। मेजर थेरिक? अपने गुस्से के लिए मशहूर?

अगर पन्ने इतने नाजुक न होते, स्याही इतनी फीकी न होती, तो वह मान लेती कि कर्नल थेरिक के बारे में किसी सैनिक ने लिखा होगा, शायद उनकी आखिरी पदोन्नति से पहले। वह जल्दी से आगे पढ़ने लगी, इस डर से कि कहीं वह यह जानकारी हासिल करते हुए पकड़ी न जाए, उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी भयानक रहस्य में दखल दे रही हो। शायद वह सच में ऐसा ही कर रही थी।

यह तर्क दिया जा सकता है कि सहायक राष्ट्रपति दोषी हैं, और थेरिक तो बस समाज में मुझसे या उनसे कहीं ऊंचे पद वाले व्यक्ति की इच्छाओं का पालन कर रहे हैं, लेकिन वह हमारी कमांडर नहीं हैं, और निश्चित रूप से हमारी राजा भी नहीं हैं। हालांकि यह पर्वत इस्कंद की सीमाओं के भीतर स्थित है, फिर भी रेफेरातु एक अलग जाति हैं, जिनका अपना एक अलग शासी निकाय है। वे हमारे सैनिकों को उसी तरह आदेश नहीं दे सकते, जैसे हम उनके जादूगरों को आदेश नहीं दे सकते। और ये दोनों जो योजना बना रहे हैं, वह दोनों ही समाजों के साथ विश्वासघात है। इससे भी बुरा, मुझे यकीन नहीं है कि थेरिक उनसे या हमसे ईमानदार हैं। हमारे पास जो विस्फोटक हैं, उनमें बहुत अधिक शक्ति है, जो उस छोटे से आक्रमण के लिए आवश्यक शक्ति से कहीं अधिक है जिसकी योजना बनाने के लिए हमें कहा गया था। जब मुझे उन्हें मंगवाने का आदेश दिया गया, तो मुझे चिंता हुई। क्या वह आदेश वास्तव में सही था? या वह जाली था? हमारे दल के पास पूरी राजधानी को उड़ाने की शक्ति है। या शायद इस पूरे पर्वत को। सहायक राष्ट्रपति अपने ही नेता को क्यों निशाना बनाएंगी? और अपने ही लोगों को खतरे में क्यों डालेंगी? मुझे नहीं पता, शायद वो राष्ट्रपति पद पाने की उम्मीद में अपने राष्ट्रपति के खिलाफ साजिश रच रही हो। मुझे पूरा यकीन है कि बम फटने के समय वो इन सुरंगों में नहीं होगी। लेकिन इतने सारे लोगों की जान जोखिम में क्यों डालना? प्रजा के बिना राजा कैसा? या फिर उसे थेरिक की योजनाओं का कोई अंदाजा नहीं है? क्या वो अपने दम

पर काम कर रहा है, एक राजनीतिक झड़प को किसी बड़े मकसद के अवसर में बदल रहा है?

"लिलाह?" वैन ने पूछा।

वह चौंक उठी और लगभग किताब उसके हाथ से छूट ही गई। काइका एक और बिजली के खंभे से लटकी हुई थी, और जो दो सैनिक उनके पीछे आ गए थे, वे तीसरे खंभे को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। वैन ने एक सुरंग की ओर इशारा किया।

"क्या आप मेरे साथ इस ड्राफ्ट को देखने चलेंगे?" उसने पूछा। "आपका बॉडीगार्ड कहीं और व्यस्त है।"

काइका ने गुस्से में बड़बड़ाते हुए बार-बार अपने खंजर को ऊपर की चट्टान में घुसा दिया, ताकि उसे हटा सके।

"उह।" लिलाह ने वैन से काइका और फिर वापस वैन की ओर देखा, अचानक वैन के साथ अकेले घूमने जाने को लेकर वह अनिश्चित हो गई। सिर्फ इसलिए कि उसके पूर्वज किसी संदिग्ध काम में शामिल रहे हों, इसका मतलब यह नहीं था कि वह इसके बारे में सब कुछ जानता हो, लेकिन क्या पता उसे कोई ऐसा पारिवारिक रहस्य पता चल जाए जिसे वह किसी को बताना न चाहे? जिसे वह हर हाल में छिपाए रखे?

हे भगवान! उसने इस सब पर एक लेख लिखने की योजना बनाई थी। क्या होता अगर कैप्टन मोलिसाक ने मेजर थेरिक का सामना किया होता और थेरिक ने उस आदमी को गोली मार दी होती? क्या होता अगर सच्चाई इतने साल पहले कभी सामने नहीं आई होती और अब वह उसके हाथों में होती? क्या थेरिक को तीन सौ साल पहले के अपने पूर्वज के कर्मों के लिए दंडित किया जा सकता था? उस समय समाज इतना परिष्कृत नहीं था, लेकिन किसी साथी कुलीन की हत्या करना निषिद्ध था, जैसा कि आज भी है। क्या सदियों पहले किए गए अपराध के लिए वैन की ज़मीनें छीनी जा सकती थीं? उसका पद? भले ही वह अपने कुलीन पद के बारे में उदासीनता से बात करता हो, लेकिन यह उसके लिए मायने रखता होगा, वरना वह इस बारे में बात ही नहीं करता।

"तुम किताब ला सकती हो," वैन ने माथे पर शिकन डालते हुए कहा। लिलाह ने घबराकर सांस ली। वह कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि उसके चेहरे पर क्या भाव होंगे। "क्या तुम ठीक हो?" उसने पूछा। "कुछ दिलचस्प पता चला?"

उसने झट से दरवाजा बंद कर दिया। "मुझे अभी तक लोगों की रुचि का पता लगाने का समय नहीं मिला है।"

उसे अपनी आवाज़ पर गर्व था कि वह न तो बहुत कर्कश थी और न ही परेशान, लेकिन वैन के पास जाते समय उसका दिमाग चकरा रहा था। वह उससे झूठ नहीं बोलना चाहती थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि वह कैसी प्रतिक्रिया देगा। क्या वह अपने पूर्वज के कार्यों से शर्मिंदा होगा? या वह उन कार्यों को माफ कर देगा, क्योंकि यह रेफेरातु के खिलाफ एक साजिश थी? शायद वही साजिश जिसने उनकी सभ्यता को नष्ट कर दिया था? वही चुड़ैलें जिनसे वह, किसी भी कारण से, पूरी तरह नफरत करता था।

दूर से एक चीख सुनाई दी, और वह लगभग दो मिनट में दूसरी बार किताब गिराने ही वाली थी।

वैन का सिर उस सुरंग की ओर मुड़ा जो उस सुरंग के ठीक सामने थी जिससे वे अंदर आए थे। आम तौर पर, जंगल में किसी भेड़िये या कोयोट की चीखें लिलाह को परेशान नहीं करतीं, खासकर अगर उसके पास उसकी शिकार करने वाली राइफल होती, लेकिन उसके पास राइफल नहीं थी, और वह चीख जंगल से नहीं आई थी। किस तरह के भेड़िये पहाड़ी सुरंगों में घूमते हैं? और भला यहाँ भेड़िये को खाने के लिए क्या मिलेगा?

उसकी निगाहें उस लापता अधिकारी की खोपड़ी पर टिक गईं। नहीं, जिसने भी उसकी हड्डियों को खाया होगा, उसने सदियों पहले ऐसा किया होगा। किसी शिकारी के लिए यहाँ कुछ भी नहीं बचा होगा। उसने सोचा।

“क्या वह भेड़िया था?” काइका ने पूछा।

“नहीं,” वैन ने कहा।

"कोयोट?"

उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।

“तो फिर वो क्या था?” काइका ने पूछा। “आपने ट्रैकिंग और सर्वाइवल की जो क्लासें पढ़ाई थीं, उनके बाद तो मुझे लगा था कि आप इन पहाड़ों में किसी भी चीज की पहचान कर सकते हैं।”

“मुझे पता होना चाहिए था, लेकिन वह आवाज़ भेड़िये या सियार की दहाड़ से कहीं ज़्यादा गहरी थी।” वैन ने कंधे उचकाते हुए कहा, “हो सकता है मैं गलत हूँ। सुरंगों की वजह से आवाज़ विकृत हो रही हो।”

“शायद ये श्राप है,” एक सैनिक ने फुसफुसाते हुए कहा। लिलाह को अभी तक उसका नाम नहीं पता था। काश बॉक्सकार भी उसके साथ आया होता। वो तो स्थिर स्वभाव का लग रहा था।

“शाप चीखते नहीं हैं,” वैन गुर्राया। “क्रिस्टल का काम खत्म करो और उन्हें बोसमोंट ले जाओ। काइका, काम खत्म होने पर हमारे साथ आ जाना। हमें शायद कुछ और उड़ाने की ज़रूरत पड़ सकती है।”

"क्या भेड़ियों की तरह?"

“देखते हैं।” वैन ने लिलाह को अपनी राइफल देते हुए कहा, “ये लो। जरूरत पड़ने पर मैं तलवार का इस्तेमाल कर लूंगा।”

उसने हथियार स्वीकार कर लिया, हालाँकि उसे इस बात की ज़्यादा चिंता थी कि किताब में क्या लिखा है और अगर उसने यह बात उसे बताई तो वह इसके बारे में क्या सोचेगा। उसके पीछे चलते हुए उसके पेट में एक खोखली बेचैनी तैर रही थी।

अध्याय 9

प्रोफेसर लिलाह ज़िरकेंडर अजीब व्यवहार कर रही थीं।

वैन उसे निहार रहा था जब वे कमरे से निकलने वाले चार रास्तों में से एक से नीचे जा रहे थे। छत पर लगी बत्तियाँ बीच-बीच में जल रही थीं, जिससे उसे उसकी ओर आती चिंतित निगाहों को देखने के लिए पर्याप्त रोशनी मिल रही थी। वह बार-बार अपने हाथों को अपनी पतलून पर पोंछ रही थी और उस किताब को ऐसे कसकर पकड़े हुए थी मानो वह उबड़-खाबड़ समुद्र में जीवनरक्षक हो। उसे यह स्वीकार नहीं करना चाहिए था कि उसके पति की मृत्यु से उसे राहत मिली है। कम से कम, यह असभ्य था। इससे भी बुरा, इससे उसे ठेस ज़रूर पहुँची होगी। या शायद चिंता भी हुई होगी। जब उसने अपनी खानदानी ज़मीन की बात की थी तो उसने क्या सोचा होगा? उसने यह बात उठाई ही क्यों? शायद उसने सोचा होगा कि वह उससे शादी करना चाहता है। तीन दिन बाद ऐसी बातें कौन करता है? उनके बीच शारीरिक संबंध भी नहीं बने थे। उसने इसके बारे में बहुत सोचा था, लेकिन यह शारीरिक संबंध की बात नहीं थी।

वैन की नाक में चीड़ के पेड़ों और बर्फ की खुशबू पहुंची। आगे, सदियों से बुझ चुके एक छत के लैंप के पास, सुरंग के किनारे एक छेद था। उसके सामने पत्थर के फर्श पर मलबा बिखरा हुआ था। वैन आगे बढ़ा और लोहे के कुछ टुकड़े उठाने के लिए झुका। वे पतले थे और कालिख से आंशिक रूप से काले हो गए थे। उसने एक घुमावदार टुकड़े के बाहरी हिस्से पर कुछ लिखावट देखी, लेकिन वह यह नहीं समझ पाया कि अधूरे अक्षरों में क्या लिखा था।

"छर्रे जैसे लग रहे हैं," उसने बुदबुदाते हुए कहा।

"काले पाउडर वाले विस्फोटकों से," लिलाह ने कहा। "उस समय उनके पास यही उपलब्ध होता था। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो डायनामाइट अपेक्षाकृत नया है।"

“हाँ।” वैन ने धातु का टुकड़ा एक तरफ फेंक दिया और सुरंग में झाँका। यह चोरों द्वारा खोदी गई सुरंग से भी ज़्यादा खुरदरी और बदसूरत थी, और उसे यकीन नहीं था कि वह इसमें से निकल पाएगा। उसने लिलाह के छोटे कद के बारे में सोचा, लेकिन उसे अकेले अंदर जाने के लिए कहने का विचार छोड़ दिया, खासकर तब जब कोई जानवर सुरंगों के आसपास घूम रहा हो। शायद कोई भूखा जानवर। वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि शिकार अच्छा चल रहा होगा।

“क्या मैं पहले जाऊं?” उसने पूछा।

“मैं सोच रहा था कि हमें जाना चाहिए या नहीं।” वैन ने हवा को सूंघा। “मुझे लगता है कि हवा यहीं से आ रही है। शायद यह बाहर जाने का एक और रास्ता है। एक ऐसा रास्ता जो हमने खोले गए रास्ते के ऊपर से निकलता है। जब से हम चुड़ैल की सुरंगों में दाखिल हुए हैं, तब से हम थोड़ा-थोड़ा ऊपर चढ़ रहे हैं।”

“मैं बस एक नज़र डाल लेती हूँ।” लिलाह ने राइफल को अपने कंधे से उतारकर हाथ में ही रखा और ऊबड़-खाबड़ रास्ते की ओर चल पड़ी, जहाँ से उसे तुरंत एक नीची चट्टान के नीचे से होकर गुजरना पड़ा।

उसके गायब होते ही उसने माथे पर शिकन डाल ली। उसे शक था कि लगभग पचास फीट के

उस रास्ते में, जो उसके अनुमान के मुताबिक चट्टान से नीचे उतरने से पहले का था, उसे कोई परेशानी होगी, लेकिन उसे ये बिल्कुल पसंद नहीं था कि वो उसे अपनी नज़रों से ओझल होने दे। वो घुटनों के बल बैठ गया। अगर दिवंगत कैप्टन मोलिसाक इसी रास्ते से आए थे, और अगर इतने सालों में रास्ता नहीं बदला है, तो शायद वो भी आ सकते हैं। बेशक, दोबारा बाहर निकलना मुश्किल हो सकता है।

“वैन?” लिलाह ने धीमी और दबी हुई आवाज़ में पूछा। उसकी आवाज़ में थोड़ी चिंता भी थी।

"हाँ?"

"यह एक बुरा विचार हो सकता था।"

"क्या तुम परेशान हो?"

“नहीं, बस थोड़ी सी... घुटन हो रही है। कल रात हुए भूस्खलन की घटना याद आ गई, जो मेरी गलती थी। यहाँ अँधेरा और तंग जगह है और—” उसने गहरी साँस ली, उसकी साँसों की आवाज़ उसकी जगह से सुनाई दी। “मुझे लग रहा है कि मैं कहीं फँस न जाऊँ।”

मैं इसकी अनुशंसा नहीं करता।

"धन्यवाद," उसने कहा, उसकी चिंता की जगह थोड़ी रूखापन झलक रहा था।

“क्या आप चाहते हैं कि मैं आपके साथ आऊं?” वैन को इस बात पर संदेह था कि यह तर्कसंगत है। अगर उसके फंसने की संभावना थी, तो उसके फंसने की संभावना और भी अधिक थी।

फिर भी, उसने हिचकिचाते हुए जवाब दिया, "जी हाँ, कृपया।"

वैन ने अपनी तलवार निकाली, अपनी कमर पर टंगे सभी चाकू, पिस्तौल और गोला-बारूद के थैलों पर नज़र डाली और फिर से सोचने लगा कि कहीं वह फंस न जाए। उसने अपनी बेल्ट खोली और उसे ज़मीन पर रख दिया, शायद इससे कुछ फ़र्क़ पड़े। फिर वह लटकती हुई चट्टान के नीचे सरक गया, तलवार की म्यान हाथ में पकड़े हुए। उसके कंधे चट्टानों से रगड़ खा रहे थे और धुंधली रोशनी में उसका सिर कई बार टकराया। उसे घुटन से ज़्यादा इस बात की चिंता थी कि अगर कोई पीछे से आ गया तो उसकी पीठ दिख जाएगी। ऐसा होना नामुमकिन लग रहा था—क्या कोई सुरंगों में रहने वाला भेड़िया उसकी छोड़ी हुई पिस्तौल उठाकर उसे गोली मार देगा?—लेकिन दशकों से खतरनाक परिस्थितियों में अपनी जान जोखिम में डालने से विकसित हुई उसकी सहज प्रवृत्ति ने उसे बेचैन कर दिया था।

जैसे-जैसे वह आगे बढ़ा, लिलाह नज़र आने लगी; लालटेन को आगे पकड़े होने के कारण उसकी आकृति मुश्किल से दिखाई दे रही थी। उसने उसे पकड़ने और उसके नितंबों को थपथपाने या दबाने की तीव्र इच्छा को दबा लिया ताकि उसे पता चल जाए कि वह आ गया है। शायद यह तंग रास्ते से भी ज़्यादा उसे डरा दे।

“यह थोड़ा चौड़ा हो रहा है,” उसने राहत भरी आवाज में कहा। “और मुझे लगता है कि मुझे कुछ उम्मीद की किरण दिख रही है।”

“दिन का उजाला या कोई डरावनी जादुई रोशनी?”

"मुझे लगता है, दिन का उजाला है।" उसने जो मज़ाक या कम से कम अनादरपूर्ण टिप्पणी की

थी, उस पर उसकी आवाज़ में कोई खुशी नहीं झलक रही थी।

उसने उसकी उन घबराहट भरी निगाहों के बारे में सोचा जो वह उसे भेज रही थी। क्या वह इसलिए नाराज़ थी क्योंकि वह जादू से नफ़रत करता था? जब बोसमोंट ने पहाड़ का इतिहास सुनाया था, तो उसकी प्रतिक्रिया देखकर वह हैरान लग रही थी। वह समझ नहीं पा रहा था कि ऐसा क्यों था, क्योंकि ज़्यादातर लोग जादू से नफ़रत और डरते थे। और उसके पास तो दूसरों से ज़्यादा नफ़रत करने का कारण था। शायद उसे वह कहानी उसे सुनानी चाहिए। इस विचार से उसका चेहरा बिगड़ गया। एक लड़के का अपने बड़े पिता से युद्ध हारना शर्म की बात नहीं थी, लेकिन एक बड़ा आदमी, अकादमी से अभी-अभी निकला और एक सर्वोच्च योद्धा बनने के लिए प्रशिक्षित, किसी जादुई औषधि वाली चुड़ैल से हार जाना? यह तो शर्मनाक था। इससे भी ज़्यादा शर्मनाक बात यह थी कि वह इतना कायर था कि कभी वापस जाकर उस चुड़ैल का सामना नहीं कर पाया। वह—

“बिल्कुल दिन का उजाला है,” लिलाह ने कहा। “ओह, वैन! इस नज़ारे को देखो।”

उसने उसके नितंबों की ओर देखा। बस वही दिखाई दे रहा था, हालाँकि उसे उसके चारों ओर से हल्की रोशनी आती हुई महसूस हो रही थी। "ये तो बहुत अच्छे हैं," उसने कहा।

"ओह, माफ़ कीजिए, मैं इसे बंद कर रही हूँ, है ना? यहाँ, एक किनारा है।" बोलते-बोलते वह हिली और जिस दिन के उजाले का उसने वादा किया था, वह नज़र आने लगा।

वैन उसके बगल में सरक गया और फिर उस छोटी सुरंग के मुहाने पर घुटनों के बल बैठ गया। वहाँ से बकरियों का रास्ता दिखाई देता था। जब उसने उस जगह को देखा जो ढह गई थी, तो वह कराह उठा।

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि मुझे वह देखने की ज़रूरत थी।"

“वो नहीं। वो।” उसने उसकी ठुड्डी पर उंगली रखी और उसे बाहर की ओर देखने का इशारा किया, उन पेड़ों के ऊपर जो नीचे पगडंडी से दृश्य को रोक रहे थे। सूरज सामने पहाड़ों की चोटियों की ओर डूब रहा था, हिमनदों से ढकी चोटियाँ जो ढलती दोपहर की किरणों में नारंगी-पीली चमक रही थीं।

“कोई बात नहीं,” वैन ने कहा। “मुझे अपना पिछला नज़ारा पसंद था।”

वह असमंजस में दिख रही थी।

“ओह—” वैन ने अपने निचले हिस्से की ओर इशारा किया। “कोई बात नहीं।”

“ओह।” सूरज की रोशनी से उसे उसके गालों पर खिलती गुलाबी आभा दिखाई दी।

“तो, तीन सौ साल पहले वे इसी रास्ते से आए थे, है ना?” वैन ने पगडंडी की दूरी नापने के लिए किनारे से नीचे झुककर देखा। उसे पता नहीं था कि सदियों पहले वह पगडंडी वहाँ थी भी या नहीं। जब बोसमोंट ने उसे खोजा था, तब वह पगडंडी ज़्यादा मज़बूत नहीं थी।

लिलाह ने हाथ बढ़ाकर उसका कंधा पकड़ लिया। “सावधान रहो। जब मैं पास गई थी तो इसका कुछ हिस्सा टूट गया था।” उसने उसके हाथों के नीचे की पट्टी की ओर इशारा किया।

“मैं सावधान रहूंगा।” उसने उसकी बांह की ओर देखा। “लेकिन अगर तुम चाहो तो मुझे पकड़े रह सकती हो।”

उसके गाल और भी गुलाबी हो गए, और ऐसा लग रहा था कि वह उसे छोड़ देगी, लेकिन

इसके बजाय, उसने अपना हाथ उसके कंधे से हटाकर उसकी पीठ पर रख दिया। उसे याद आया कि वह इस बात का सबूत ढूंढ रहा था कि कोई ऊपर चढ़ा था, इसलिए उसने अपना ध्यान सुरंग के मुहाने से नीचे गिरती चट्टान पर केंद्रित कर दिया। उसने यह बिल्कुल नहीं सोचा था कि अगर वह अपना हाथ उसके कंधे से नीचे उसकी कमर तक ले जाए तो कैसा लगेगा।

नीचे देखने पर उसे ज्यादा कुछ दिखाई नहीं दिया, लेकिन जब उसने अपना सिर घुमाया तो उसे चट्टान से बाहर निकला हुआ एक जंग लगा हुआ छेद दिखाई दिया।

उन्होंने कहा, "कुछ सबूत हैं। चढ़ाई के लिए लंगर। पुराने जमाने का।"

"वे नीचे से ऊपर आए, इस रास्ते से रेंगते हुए निकले और फरातु की सुरंगों में से एक में घुसने के लिए धमाका किया," लिलाह ने कहा।

“मैं सहमत हूँ। लेकिन जीवाश्मों का क्या?” उसने अपना वज़न थोड़ा इधर-उधर किया ताकि वह अपने नितंबों पर बैठ सके, क्योंकि चट्टान पर बैठने से उसके घुटनों पर बहुत ज़ोर पड़ रहा था। उसने इस बात का ध्यान रखा कि लिलाह का हाथ न हटे।

“शिविर के पास के इलाके में प्रकृति ने जिस तरह से अपना कब्ज़ा जमा लिया है, उसे देखते हुए लगता है कि जीवाश्म कुछ हफ़्ते पहले नहीं बल्कि तीन सौ साल पहले वहाँ रखे गए थे। मुझे अब भी नहीं पता कि कैसे और क्यों।” वह भी थोड़ा हिली और उसके बगल में पालथी मारकर बैठ गई। उसने अपना हाथ नीचे कर लिया, लेकिन साथ बैठे-बैठे उसका कंधा उससे छू गया, इसलिए उसे कोई आपत्ति नहीं हुई।

"तीन सौ साल पहले," वैन ने सोचा। "इस जीवाश्म स्थल का सुझाव देना मेरे खनन चौकी से बिल्कुल भी संबंधित नहीं था।"

"क्या आप खुद को महत्वहीन महसूस कर रहे हैं?"

“शायद अहंकारी।” उसने अपने सिर पर उभरे एक नए उभार को सहलाते हुए यह समझने की कोशिश की कि उस समय जीवाश्मों का क्या उद्देश्य रहा होगा। क्या यह सैनिकों की एक टीम को चुपके से अंदर घुसने का मौका देने के लिए किसी तरह का ध्यान भटकाने का तरीका था?

“वैन?” लिलाह ने अपनी गोद की ओर देखते हुए सावधानी से उसका नाम लिया। उसने दोनों हाथों से उस किताब को कसकर पकड़ रखा था।

"हाँ?"

“क्या कोई कारण है... मुझे पता है कि सांस्कृतिक रूप से सभी को जादू पर अविश्वास करना सिखाया गया है, और कम शिक्षित क्षेत्रों में, लोगों को इस आधार पर सताना सामान्य, बल्कि स्वीकार्य भी माना जाता है कि क्या उनमें जादू का उपयोग करने की क्षमता है या नहीं, लेकिन—”

“लिलाह। मैं एक बेवकूफ सिपाही हूँ, याद है ना? कृपया सरल शब्दों का प्रयोग करें।”

“वैन, तुमने तो 'प्लीज़' कहा था।” उसने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा, जिससे उसे उतना ही सुकून मिला जितना कि नितंबों को सहलाने के ख्याल से मिलता है। शायद उससे भी ज़्यादा। “और हाँ, तुम बेवकूफ नहीं हो।”

फिर भी, मैं एक सीधा-सादा आदमी हूँ। मुझे सीधे-सादे शब्द पसंद हैं। और सीधी-सादी औरतें। उसने अपनी भौंहें मटकाते हुए उसकी तरफ देखा। इससे पहले तो वह अच्छे तरीके से शरमा

गई थी।

“ओह।” उसने अपना मुंह खोला, फिर बंद कर दिया, मानो वह सुखद घबराहट के बजाय विचलित लग रही हो। “वैन, क्या तुम और काइका—”

"नहीं।"

आपने मुझे सवाल पूरा नहीं करने दिया।

"पानी उबलने का पता चलते ही बर्तन से बाहर कूदने से खुद को रोकना मुश्किल होता है।"

"लेकिन आपने कहा था कि आपको सीधी बात करने वाली महिलाएं पसंद हैं और वह... आपके सभी टैटू के बारे में जानती है।"

“मुझे पूरा यकीन है कि हमारी उस एक रात की मुलाकात के दौरान वो इतनी नशे में थी कि उसे सारे टैटू याद नहीं होंगे, लेकिन मैं तुम्हें खुशी-खुशी दिखा दूंगा।” उसने अपनी पलकें इस तरह झुकाईं जो महिलाओं को अक्सर आकर्षक लगती हैं। “अगर तुम चाहो तो इन्हें मैप कर सकती हो। किसी रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए।”

उसने नाक सिकोड़ते हुए कहा, "यह किस तरह का शोध प्रोजेक्ट होगा?"

“आप वैज्ञानिक हैं। आप ही बताइए।” वैन ने अपना हाथ उसकी जांघ पर रखा, मानो वह उसे शोध परियोजनाओं के लिए कुछ गैर-मौखिक सुझाव देना चाहता हो।

लेकिन उसने अपने होंठ दबा लिए और उसकी नज़रों से नज़रें मिलाने के बजाय नीचे देखने लगी, जैसा कि वह चाहता था। उस औरत को चूमना मुश्किल था जिसकी आँखें उसकी बजाय किताब पर टिकी हों। उसने सोचा कि वह बिना ज़्यादा कोशिश किए उसका ध्यान भटका सकता है और वह इस बारे में सोच ही रहा था कि तभी उसने एक गहरी साँस ली और फिर से उसकी ओर देखने लगी।

"जादू या जादू का इस्तेमाल करने की क्षमता रखने वालों का नाम सुनते ही आपकी इतनी तीव्र प्रतिक्रिया क्यों होती है?"

वैन अपने गुस्से को दबा नहीं सका। वह उसे चूमना चाहता था, अतीत की बातें नहीं करना चाहता था। क्या उन्होंने अतीत की बातें काफी नहीं कर ली थीं? अंधेरे में सब ठीक था, आग की लपटों की चटकने की आवाज़ ने उस पल को निजी बना दिया था। अंतरंग। लेकिन कुछ बातें ऐसी होती हैं जो एक आदमी रात में एक औरत से कह सकता है, जिन्हें वह गर्मी के तेज सूरज की रोशनी में स्वीकार नहीं करना चाहता—या स्वीकार नहीं कर सकता।

“क्या अभी यह ज़रूरी है?” उसने पूछा। “मेरे दिमाग में और भी बातें चल रही थीं।” इससे पहले कि वह अपनी भौंहें फिर से हिला पाता, उसने अपनी नई किताब पर नज़रें गड़ा दीं।

उसने उसे उठाकर नीचे रास्ते पर फेंकने की इच्छा को दबा लिया। नखरे दिखाने से वह प्रभावित नहीं होती, और उसे तुरंत मूर्खता का एहसास होता।

“यह ज़रूरी हो सकता है,” उसने धीरे से कहा। “अगर तुम मुझे बताओगे... नहीं, माफ़ करना। यह ऐसी बात नहीं है जो मैं तुमसे निकलवाने की कोशिश करूँ।” उसने अपना भार हाथों पर डाला। “हमें बाकी लोगों के पास वापस जाना चाहिए।”

उसने उसे खुद से दूर जाने दिया, हालांकि उसके मन का एक बड़ा हिस्सा उसे बाहों में भरकर

अपने करीब रखना चाहता था।

"यहाँ तक मेरा पीछा करने के लिए धन्यवाद," उसने तंग रास्ते में जाने से पहले कहा। "मैं शायद पुरातत्वविद् नहीं बन सकती, प्राचीन खंडहरों में रेंगती हुई। तंग जगहें, घुटन भरी हवा और अंधेरा मुझे असहज कर देते हैं। मुझे डर लगने लगता है कि पहाड़ या खंडहर या जो भी मेरे ऊपर है, वह गिर जाएगा और मुझे कुचल देगा। मुझे पता है, यह मूर्खतापूर्ण है, खासकर जब मैं एक ऐसी जगह पर हूँ जो हज़ारों साल या उससे भी ज़्यादा पुरानी है।"

"हालातों को देखते हुए, यह इतना बेवकूफी भरा नहीं है।" वैन ने शिविर की ओर देखा और जीवाश्मों से भरे उस तिरपाल के बारे में सोचने लगा। अगर रास्ता खुला होता, तो वह वापस जाकर अपने साथियों को आदेश दे सकता था कि वे उन्हें उस जंगल में घसीटकर ले जाएँ जहाँ उसने जीवाश्मों का पहला सेट लटकाया था, इतनी दूर कि उनमें जो भी जादू था, वह उसकी टीम पर असर न डाल सके।

जैसे ही वैन और लिलाह उस ऊबड़-खाबड़ सुरंग से रेंगते हुए वापस आ रहे थे, पहाड़ के अंदर से कहीं से एक और चीख सुनाई दी। जीवाश्म शायद उनकी समस्याओं में सबसे छोटी समस्या थे।

• • • • •

वह लगभग उसे सब कुछ बता ही चुकी थी।

जब वैन झुकी हुई पलकों से उसे देख रहा था, उसके चेहरे पर गर्मजोशी और उम्मीद का भाव था, जो उसके आमतौर पर रहने वाले कठोर चेहरे से बिल्कुल अलग था, तब उसने डायरी में लिखी लगभग हर बात बता दी थी, लेकिन कुछ भी नहीं बदला था। अगर उसने उसे बताया होता कि वह जादू से नफरत क्यों करता है, और अगर यह कोई समझने लायक बात होती, तो शायद वह डायरी का पाठ उसके साथ साझा कर देती, लेकिन अगर उसे पता चलता कि मेजर थेरिक ने रेफरातु सुविधा पर हमले का नेतृत्व किया था और उसे इस बात पर गर्व है, जैसा कि उसे ड्रैगन का वध करने वाले पूर्वज का वंशज होने पर था, तो वह क्या करती?

वह एक दोस्त में भी ऐसी बेरहमी बर्दाश्त नहीं कर सकती थी, प्रेमी में तो बिलकुल भी नहीं। सच है, उन्होंने अभी तक एक-दूसरे को चूमा भी नहीं था, लेकिन उसने कई बार महसूस किया था कि वह ऐसा करना चाहता है। अगर वह चाहती, तो उसे यह मिल सकता था—और इससे भी ज़्यादा। और सच में, वह यही चाहती थी। वह आकर्षक था, उसकी आवाज़ में वो मादक आकर्षण था, और उसका शरीर ऐसा था जिसे उसने सिर्फ़ सपनों में ही छुआ था। यहाँ तक कि उसके रूखे और कठोर पलों में भी, वह उससे दूर भागने के बजाय उसकी ओर आकर्षित होती थी। शायद यह मूर्खतापूर्ण था, लेकिन उसे ऐसा लगता था कि अगर उसके जीवन में कोई सहारा देने वाला होता, तो शायद वह नरम पड़ जाता और खुद से शांति पा लेता। और रिज से पहली मुलाकात के बाद से वह उसके साथ रूखा या कठोर नहीं रहा था। जब वह अपने आदमियों और ज़िम्मेदारियों से दूर होता था, तो वह सामान्य, यहाँ तक कि दोस्ताना भी लगता था।

लिलाह और वैन जब कमरे में वापस लौटे तो उन्होंने पाया कि कैप्टन काइका और दोनों सैनिकों ने ऊर्जा के आठ स्रोत एकत्र कर लिए थे, जिससे वह क्षेत्र काफी धुंधला हो गया था।

"क्या अभी इतना काफी है, श्रीमान?" काइका ने पूछा। "जो भी चीख रहा है, वह करीब आता

जा रहा है।"

"क्या आपको किसी जानवर से लड़ने की चिंता है?" वैन ने पूछा।

"बिल्कुल नहीं, लेकिन जब मैं हिंसक शिकारी झुंडों पर विस्फोटक फेंकना शुरू करूँ तो मैं क्रिस्टल को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहूँगा।"

हम उन्हें सीधे गोली मार सकते हैं।

"इसमें मज़ा कैसे आएगा?" काइका मुस्कुराई और अपने हाथ में पकड़े क्रिस्टल को एक सैनिक के ढेर पर पटक दिया, जिसकी आँखें मुश्किल से ऊपर से दिखाई दे रही थीं। "इन्हें बोसमोंट ले जाओ।"

"जी महोदया," दूसरे सिपाही ने भी इसी तरह भारी बोझ लादकर कहा। हाथों में सामान भरा हुआ था, वे मुख्य द्वार की ओर चल पड़े। क्रिस्टल देखने में भारी नहीं लग रहे थे, लेकिन इतने सारे क्रिस्टल ले जाना असुविधाजनक था।

"एक बार में इतना काफी होगा," वैन ने कहा। "हम बाकी बचे जीवाश्मों को भी निकाल लेंगे, फिर यहां काम करने के लिए एक टीम लगाएंगे।"

"तुम जाने का सोच तो नहीं रही हो ना?" लिलाह ने डायरी को हाथ में कसकर पकड़ते हुए अचानक कहा।

"क्यों नहीं?"

"यहाँ एक रहस्य है। क्या आप यह जानना नहीं चाहते कि आखिर हुआ क्या था? राजा के सैनिक, कुलीन वर्ग के अधिकारी, उस षड्यंत्र का हिस्सा क्यों थे जिसने एक सभ्यता को नष्ट कर दिया?"

"चुड़ैलों का एक समूह कोई सभ्यता नहीं है, और नहीं, मुझे पहाड़ से क्रिस्टल निकालने का आदेश मिला है, बस इतना ही। रहस्यों को उजागर करने के बारे में कुछ भी नहीं।"

"उनकी अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज और सरकार थी," लिलाह ने कहा। "वे हर मायने में एक सभ्यता थे। और उन सैनिकों ने उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। मैं ज़रूर जानना चाहूँगी कि ऐसा क्यों हुआ।"

"वे चुड़ैलें थीं," वैन ने कहा।

वे इंसान थे।

"वे आधे अजगर थे। वे अपनी शक्ति का इस्तेमाल इंसानों को नियंत्रित करने के लिए करते थे।"

लिलाह ने गुस्से से उसकी ओर घूरते हुए कहा, उसका चेहरा क्रोध से लाल हो गया और क्षण भर के लिए उसकी तर्क करने की क्षमता क्षीण हो गई। "खैर, तुम्हारे पूर्वज ने अपनी शक्ति और प्रभाव का इस्तेमाल करके उन सभी को नष्ट कर दिया था।"

यह वह शांत, तर्कसंगत दलील नहीं थी जो वह देना चाहती थी, बिलकुल भी नहीं, और जैसे ही यह उसके मुंह से निकली, वह सिहर उठी। लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता था? उसने तो "चुड़ैलों" के बारे में अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया था।

वैन की भौंहें गुस्से से या शायद गुस्से भरी हैरानी से तन गईं। "तुम किस बारे में बात कर रहे

हो?"

उसने डायरी उसकी ओर फेंक दी। "आखिरी प्रविष्टि।"

लिलाह ने गहरी सांस ली, खुद को शांत करने की कोशिश की, अपने गुस्से को काबू में करने की कोशिश की। उसके प्रति उसकी निराशा। उसने माना कि अगर किसी दूसरे सैनिक ने वही तर्क दिए होते, वही फैसले लिए होते, तो उसे गुस्सा नहीं आता। वह बस चाहती थी कि वह... और बेहतर हो।

उसने कमरे के उस पार काइका की आँखों में देखा। इस बार कप्तान बातचीत से दूर रह रही थी, न तो कोई व्यंग्य कर रही थी और न ही किसी चीज़ को उड़ाने के बारे में कोई मज़ाक कर रही थी।

"क्या आप मेरे अंगरक्षक हैं या उनके सिपाही, कैप्टन?" लिलाह ने पूछा। "मैं यहाँ रहकर अपना शोध जारी रखने की योजना बना रही हूँ, और मैं चाहूँगी कि कोई मेरे साथ रहे।"

"तुम्हारा मिशन ड्रैगन के जीवाश्मों का विश्लेषण करना है," वैन ने कहा। उसने जर्नल का आखिरी पन्ना खोल लिया था, लेकिन अभी पढ़ना शुरू नहीं किया था। "कोई जादू-टोना नहीं।"

"एक वैज्ञानिक के रूप में, जो अतीत का अध्ययन करता है, मेरा उद्देश्य वर्तमान की बेहतर समझ विकसित करना है, उन विकासवादी घटनाओं की समझ विकसित करना है जिन्होंने हमारी दुनिया और हमारी प्रजाति को आकार दिया है।" लिलाह उससे मुंह फेर लिया, क्योंकि वह उसे घूर रहा था और पढ़ नहीं रहा था। शायद वह पढ़ना ही नहीं चाहता था।

"महामहिम, जनरल ज़िरकंदर ने मुझे आपकी सेवा में नियुक्त किया है," काइका ने वैन की ओर देखते हुए कहा। "मुझे आपके साथ रहकर खुशी होगी।"

"अच्छा। चलो पहले उस सुरंग को देखते हैं।" उसने बाहर जाने वाले रास्ते से सबसे दूर वाले रास्ते की ओर इशारा किया, इसलिए नहीं कि किसी सबूत से पता चलता था कि उसे वहाँ जवाब मिलेंगे, बल्कि इसलिए कि वह रास्ता पहाड़ के भीतरी हिस्से में, शायद रेफेरातु परिसर के केंद्र में जाने की सबसे अधिक संभावना लग रही थी।

दुर्भाग्य से, यह वही सुरंग थी जहाँ से चीखने की आवाज़ आ रही थी। लेकिन उसके पास अभी भी वैन की राइफल थी—वह उसे वापस नहीं देने वाली थी, खासकर तब जब वह उसका साथ और सुरक्षा देने से इनकार कर रहा था—और काइका के पास एक राइफल, एक पिस्तौल और जो भी विस्फोटक वह अपने पास रखती थी, वो सब थे। लिलाह को शक था कि उन्हें यहाँ कोई ऐसा जानवर मिलेगा जिसे वे संभाल न सकें। जहाँ तक उसे पता था, आइस ब्लेड्स के पास भालू, भेड़ियों और पहाड़ी शेरों से ज़्यादा खतरनाक कुछ नहीं था। दुर्जेय जीव, लेकिन ऐसा कुछ नहीं था जिसका सामना उसने सफ़ारी के दौरान न किया हो।

"मैं आगे चलूंगी, महोदया," काइका ने कहा और सुरंग की ओर चल पड़ी।

लिलाह उसके पीछे-पीछे चली, बस एक बार पीछे मुड़कर देखा, इस उम्मीद में कि शायद उसे वैन पढ़ते हुए या उससे भी बेहतर, उनके पीछे भागते हुए दिख जाए। लेकिन इसके बजाय, उसने पीठ फेर ली और बाहर निकलने की ओर चल पड़ा।

अध्याय 10

लिलाह को चले हुए एक मिनट भी नहीं हुआ था कि उसे वहाँ से चले जाने के अपने फैसले पर शक होने लगा। बीच-बीच में आती चीखों की उसे ज़्यादा चिंता नहीं थी, लेकिन उसे मूर्खता का एहसास हो रहा था क्योंकि उसने ही वह डायरी वैन पर फेंकी थी, और वही उनके पास सबसे बड़ा सबूत था। क्या पता वो उसे नाले में फेंक दे? उसके सारे सवालों के जवाब शायद उसी डायरी में छिपे हों। ड्रैगन के जीवाश्मों का उस पुराने घुसपैठ से क्या संबंध था? उनमें जादू क्यों समाया था? रेफेरातु सरकार में किसी ऊँचे पद पर बैठे व्यक्ति ने मेजर थेरिक या उसके किसी करीबी के साथ मिलकर अपने ही लोगों के साथ विश्वासघात करने की साज़िश क्यों रची थी?

लिलाह रुक गई, उसके मन में वैन द्वारा डायरी पढ़ने—या न पढ़ने—और उसे नाले में फेंकने की तस्वीर कौंध गई। वह इतना तुच्छ तो नहीं होगा, है ना? वह इतिहास को नष्ट नहीं करेगा। अगर वह उसे पढ़ ले तो शायद कर दे, क्योंकि जादूगरों के बारे में उसकी जो भी राय हो, कुछ लोग तो उसके पूर्वज के कार्यों को घृणित ही समझेंगे। क्या होगा अगर राजा भी ऐसा ही महसूस करे? क्या होगा अगर रिज की सार्डेल भी ऐसा ही महसूस करे? क्या वह अतीत को छिपाने के लिए उससे बदला लेगी?

काइका कुछ और कदम चली, फिर रुककर पीछे मुड़कर देखने लगी। "क्या हम गलत रास्ते पर जा रहे हैं?"

मुझे डर है कि मैंने वैन को वह डायरी देकर गलती की है, हो सकता है वह उसका कुछ गलत इस्तेमाल करे। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है।

"क्या तुम वापस जाना चाहते हो?"

पहाड़ की गहराई से एक चीख सुनाई दी, जिससे लिलाह की रूह कांप उठी। उसने तीसरी बार राइफल की जाँच की, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह वास्तव में भरी हुई है।

मुझे नहीं पता। वैन को शायद यह भूलने के लिए समय चाहिए होगा कि मैंने उस पर गुस्सा किया था।

"अरे, बस उसे चूम लो। वो सब भूल जाएगा।"

लिलाह ने नाक सिकोड़ी। "इतनी आसानी से?"

"कम से कम तब तक जब तक आप सेक्स न कर लें।"

“चलिए थोड़ा और आगे बढ़ते हैं,” लिलाह ने कहा। “मुझे नहीं लगता कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बना सकती हूँ जो...” उसने कंधे उचका दिए, क्योंकि वह उसकी बुराई नहीं करना चाहती थी। वैसे भी, काइका उसे लिलाह से कहीं ज़्यादा समय से जानती थी। शायद किसी असहमति में वह काइका का पक्ष लेगी।

“वह एक मुश्किल आदमी है,” काइका ने कहा। “चलो। हम थोड़ा और पता लगाएंगे और आज शाम वापस आ जाएंगे। वह किताब को नुकसान पहुंचाने वाला कुछ नहीं करेगा। तुम्हारे पास उस पर जितना अधिकार है, उससे कहीं ज़्यादा है। तुम्हें बस एंगुलस या ज़िरकेंडर से शिकायत करनी है कि वह मेहमाननवाज़ी नहीं कर रहा था या उसने वैज्ञानिक महत्व की कोई चीज़ नष्ट कर

दी, और उसे आदेश मिल जाएगा कि वह यहीं रहकर, अपनी मृत्यु तक इस चौकी की निगरानी करे।"

"एंगुलस से शिकायत करूं? मैं तो राजा से कभी मिला भी नहीं।"

कोई फर्क नहीं पड़ता। वह फिर भी सुनेगा। और थेरिक की उसके साथ शुरुआत से ही अच्छी स्थिति नहीं है, वरना वह यहां नहीं होता।

"वह यहाँ कैसे तैनात हो गया?" लिलाह ने काइका से मिलने के लिए अपनी गति बढ़ा दी, जिसके लंबे पैर और लंबे कदम थे, भले ही वह धीरे-धीरे चल रही हो।

"इस सर्दी में जब राजा का अपहरण हुआ था, तब आपने गलत पक्ष चुना था।"

"गलत पक्ष?" लिलाह ने डायरी में लिखे मेजर थेरिक के बारे में सोचा। "अपहरणकर्ताओं का पक्ष?"

"रानी का पक्ष। जो अपहरणकर्ताओं की मुखिया निकली। क्या यह खबर अखबारों में छपी थी? या एंगुलस ने इसे चुपचाप रखा? मैंने जाँच नहीं की।"

"वैन रानी का साथ क्यों देता? ऐसा तो है नहीं कि इस्कंदी राजशाही में रानियों को कभी कानूनी शक्ति प्राप्त रही हो।"

"इसके लिए आपको उसके लिंग से बात करनी होगी।"

लिलाह ठोकर खाकर गिर पड़ी, जो कि ज़मीन की एकदम समतल सतह को देखते हुए एक अद्भुत घटना थी। "माफ़ कीजिए?"

"वे बहुत समय पहले प्रेमी थे, निया के रानी बनने से पहले और अंगुलस को जानने से भी पहले, मुझे लगता है। मैंने जो सुना है, उसके अनुसार शादी के बाद उनका रिश्ता नहीं चला, लेकिन जब निया को राजधानी में घुसपैठ कर रही चुड़ैलों की समस्या से निपटने के लिए किसी की ज़रूरत पड़ी—खासकर सार्डेल में—तो उसने उससे संपर्क किया। शायद इसलिए कि वे प्रेमी थे, या शायद इसलिए कि वह जानती थी कि उसके परिवार के तहखाने में जादू से नफरत करने वाली तलवार है। शायद दोनों ही बातें थीं। वह उसे अपने लिए गंदे काम करने वाले व्यक्ति के रूप में देखती थी। और शायद, जादू के मामले में, वह करता भी। लेकिन उसने राजा के अपहरण में मदद नहीं की, जबकि अंगुलस को पूरा यकीन है कि निया ने उससे ऐसा करने के लिए कहा था। यह देखते हुए कि थेरिक ने अंगुलस को अपनी पीठ पीछे हो रही किसी भी बात की जानकारी नहीं दी, अंगुलस उससे खुश नहीं था—और अभी भी नहीं है। किसी अपराध से मुंह मोड़ना लगभग उतना ही बुरा है जितना उसमें शामिल होना।"

लिलाह को एहसास हुआ कि यह कहानी काइका तक राजा के माध्यम से पहुंची होगी, न कि वन्न के माध्यम से।

"तो, अंगुलस ने खुद थेरिक को यहाँ भेजने का आदेश दिया था," काइका ने आगे कहा, दूसरे कक्ष के पास पहुँचते ही उसकी गति धीमी हो गई। "थेरिक ने इस वसंत में अंगुलस की हत्या करने की कोशिश कर रही एक जादूगरनी को मारने में मदद की थी, और मुझे लगा कि अंगुलस शायद यह आदेश रद्द कर दे। यह जगह सचमुच भयानक है, खासकर सर्दियों में, जो साल के अधिकांश समय रहती है, लेकिन, आह, शायद मुझे यह सुझाव नहीं देना चाहिए था।"

वे सुरंग के मुहाने पर रुक गए, और लिलाह ने उत्सुकता से काइका की ओर देखा।

“लगभग उसी समय एंगुलस को पता चला कि थेरिक और मैंने एक रात चादरों में एक साथ बिताई थी, और भले ही यह कई साल पहले की बात है और इसका कोई महत्व नहीं है, मुझे नहीं लगता कि एंगुलस मुझे थेरिक के रक्षक के रूप में स्वीकार करने को तैयार है। वैसे, अगर मैं किसी ड्रैगन के साथ सो जाऊं तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी, लेकिन यह बात मेरे दिल को बहुत चुभती है कि एंगुलस के आने से पहले ही उसकी पत्नी और मैं दोनों उसके साथ संबंध बना चुके थे।”

"मुझे लगता है कि यह बात अच्छी नहीं लगेगी। इसकी क्या संभावना है? मेरा मतलब है, वैन राजधानी की हर महिला के साथ तो नहीं सोता होगा।"

“नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता, लेकिन प्रस्तावों की कमी नहीं है।” काइका मुस्कुराई। “तुमने उसे बिना शर्ट के देखा है।”

"मैंने उसे चिल्लाते और गुर्राते हुए भी देखा है," लिलाह ने रूखेपन से कहा, और उस कक्ष की ओर देखा जो पहले वाले कक्ष जैसा ही था, सिवाय इसके कि इस कक्ष के केंद्र में एक ठोस अष्टकोणीय चबूतरा उठा हुआ था।

“वह पहले ऐसा कम करता था। कमान ने उसे चिड़चिड़ा बना दिया है। और जब जादू आसपास होता है तो वह तलवार उसे और भी चिड़चिड़ा बना देती है। सार्डेल का कहना है कि उसमें उसे प्रभावित करने की क्षमता है। इसने निश्चित रूप से... हमारे किसी परिचित को प्रभावित किया है। वह एक अलग कहानी है।”

लिलाह ने ठंडी दीवार पर हाथ रखा। उसे तलवार या जादुई हथियार की शक्तियों के बारे में लगभग कुछ भी नहीं पता था, लेकिन यह विचार दिलचस्प था कि जादू के प्रति उसका चिड़चिड़ापन शायद पूरी तरह से उसका अपना न हो। हो सकता है कि वैन को जादू से दूर और कमान के झंझटों से दूर कहीं जाने की ज़रूरत हो।

“लेकिन मेरा मतलब,” काइका ने कहा, “इन सब बातों को साझा करने का यह है कि मुझे नहीं लगता कि वह अपने खास मेहमान से पंगा लेने का जोखिम उठाएगा, खासकर तब जब वह अंगुलस द्वारा हस्ताक्षरित आदेशों के साथ आई हो। मुझे यकीन है कि वह अपना बाकी जीवन यहीं फंसा नहीं रहना चाहता।”

“मैं ऐसा नहीं करती...” खैर, क्या वह ऐसा करती? अगर उसने डायरी नष्ट कर दी होती तो क्या वह उसके बारे में कोई नकारात्मक रिपोर्ट लिखती? शायद, शायद नहीं। अब जब उसे यह अतिरिक्त जानकारी मिल गई है, तो वह ऐसा नहीं करती। “मैं उसे परेशानी में नहीं डालना चाहती।”

“अच्छा। अब, क्या आप मुझे यह बताने वाले हैं कि उस किताब में उनके पूर्वज के बारे में क्या लिखा है?”

“मुझे नहीं लगता कि यह राज़ मुझे बताना चाहिए, लेकिन अगर वह आपको इजाज़त दे तो आप खुद डायरी पढ़ सकती हैं।” लिलाह कमरे में दाखिल हुई और उसने देखा कि उस इलाके से निकलने वाली सुरंगों में से एक ढह गई थी। ज़मीन पर भी भूरे रंग के टूटे हुए पत्थर बिखरे पड़े थे, और एक टुकड़ा चबूतरे पर पड़ा था, जो ऊपर खुदे हुए प्रतीकों को आधा ढके हुए था।

"उफ़," काइका ने फर्श पर पड़े जानवरों के मल के एक काले, सूखे ढेर को देखते हुए भौंहें चढ़ाते हुए कहा।

चबूतरे में अधिक रुचि होने के कारण, लिलाह ने पत्थर को एक तरफ धकेल दिया ताकि वह प्रतीकों को और अधिक देख सके। वे पीले रंग की चमक से जगमगा उठे और वह पीछे हट गई। चबूतरे के केंद्र में स्थित एक काला वृत्त भी प्रकाशित हुआ, जिससे हवा में घूमती हुई रोशनी का एक शंकु बन गया। आकृतियाँ और रंग जीवंत हो उठे, जिनमें शब्द और गहरे भूरे रंग की रेखाओं का एक जाल शामिल था जो नूडल्स की तरह मुड़ा हुआ था। कई धूसर रेखाओं के बीच से लाल रेखाएँ गुजर रही थीं।

“एक नक्शा?” काइका ने पूछा।

“हाँ, ऐसा ही है,” लिलाह ने अपनी नज़र के सामने मौजूद चीज़ को समझने की कोशिश करते हुए कहा। वह पहाड़ के अंदर बने गलियारों और कक्षों का त्रि-आयामी चित्र देख रही थी। शायद लाल रेखाएँ उन हिस्सों को दिखा रही थीं जो ढह गए थे और अब वहाँ जाना संभव नहीं था? अगर ऐसा था, तो यह परिसर का नब्बे प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा था। उसे आश्चर्य हुआ कि इसका यह हिस्सा लगभग सही-सलामत कैसे बचा रहा।

“हम्म।” काइका ने छत की ओर देखते हुए भौंहें चढ़ाईं, फिर चबूतरे पर चढ़ गई, रोशनी उसके कपड़ों पर अजीब तरह से चमक रही थी।

"आप क्या कर रहे हो?"

बिना जवाब दिए, काइका अपने पंजों पर खड़ी हो गई और एक लाइट फिक्स्चर के पास रखी एक गहरे रंग की सिरेमिक गेंद की ओर बढ़ी। छूने से पहले वह हिचकिचाई, हालांकि उसकी उंगलियां फड़क रही थीं, मानो वह उसे छूने के लिए बेताब हो।

“इसीलिए यह कमरा अभी भी खड़ा है।” वह इधर-उधर घूमी और गोले को अलग-अलग कोणों से देखने लगी।

लिलाह को वो छर्रे याद आए जो उसने और वैन ने दूसरे प्रवेश द्वार सुरंग के पास पाए थे। "क्या वो—"

“एक टीई-18। सबसे शुरुआती बमों में से एक। ये तब बनाए गए थे जब हमारे लोग अभी भी फ्लिंटलॉक बंदूकें लेकर घूमते थे।” काइका ने अपना चाकू उठाया, और जैसे ही उसने तीन सौ साल पुराने गोंद—या जो भी बम को चिपकाने के लिए इस्तेमाल किया गया था—को सावधानीपूर्वक हटाया, एक हल्की सी खरोंच की आवाज़ आई। “फ्यूज जल गया, लेकिन ज़ाहिर है, यह फटा नहीं।”

काइका कूदकर नीचे उतरी, और लिलाह पीछे हट गई। पहले विस्फोट न होने का मतलब यह नहीं था कि अब नहीं हो सकता।

कुछ देर तक उसका निरीक्षण करने के बाद, काइका ने कंधे उचकाए और उसे चबूतरे के बीचोंबीच रख दिया। "मैं इसे भेड़िये पर फेंकने के लिए रख सकती थी, लेकिन बिना फ्यूज के यह बेकार है।"

"तकनीकी रूप से, यह एक ऐतिहासिक कलाकृति है।"

तो इसे भेड़ियों पर नहीं फेंकना चाहिए?

"शायद नहीं।" लिलाह जरूरी नहीं कि बिना फटे बमों को संग्रहालय में रखने की वकालत करे, लेकिन हथियारों के इतिहास में रुचि रखने वाले किसी व्यक्ति को इसका अध्ययन करना अच्छा लग सकता है।

"क्या तुम्हें लगता है कि वो हम हैं?" काइका ने पूछा।

लिलाह ने बम से अपनी नज़र हटाकर चबूतरे के ऊपर लटके हुए डिस्प्ले पर डाली। काइका ने नक्शे के बाहरी किनारे के पास एक वर्गाकार आकृति (एक कक्ष) के अंदर बने दो छोटे नीले बिंदुओं की ओर इशारा किया।

"अगर ऐसा है, तो यह... उह..." डरावना शब्द दिमाग में आया, लेकिन एक प्रोफेसर को इससे ज़्यादा वैज्ञानिक या कम से कम विद्वतापूर्ण शब्द का इस्तेमाल करना चाहिए था। "चिंताजनक," उसने अंत में कहा।

"क्योंकि इसे पता है कि हम यहाँ हैं और कहाँ हैं?"

क्योंकि मुझे नहीं पता कि यह क्या है।

"जादू।" काइका ने कंधे उचकाते हुए कहा, मानो यह एक व्यापक उत्तर हो।

लिलाह सोच रही थी कि क्या नक्शे के कुछ हिस्सों को बड़ा करने का कोई तरीका है। लिखावट इतनी छोटी थी कि उसे पढ़ना मुश्किल था। चूंकि काइका उसके बीचोंबीच खड़ी थी, इसलिए उसने सोचा कि अगर वह कोशिश करे तो कुछ बुरा नहीं होगा।

बम को हिलाए बिना सावधानी बरतते हुए, लिलाह ने अपनी उंगली उस जगह पर डाली जहाँ दो बिंदु मंडरा रहे थे। उसकी उंगली नक्शे की सीमा के पार चली गई, और प्रकाश उसकी त्वचा पर पड़ा, जिससे वह धब्बेदार नीले और भूरे रंग की हो गई। जब उसने अपना हाथ हिलाया, तो उसके आसपास का क्षेत्र बड़ा हो गया। लिखावट दिखाई देने लगी, ज्यादातर इस्कैंडियन भाषा में, जिसमें कुछ लेबल संभवतः रेफेरातु भाषा के थे। लिलाह ने जो पढ़ा था, उससे पता चलता था कि जादूगर महाद्वीप के बाकी हिस्सों की तरह ही बोलते और लिखते थे, लेकिन जादुई चीजों पर चर्चा करने के लिए उनके पास अपनी शब्दावली भी थी। "इसमें लिखा है कि पश्चिमी निकास फिलहाल बंद है, क्योंकि एक संभावित ड्रैगन दफन स्थल की खोज हुई है जिसे छेड़ा नहीं जाना चाहिए।"

"अह, इसका मतलब है कि यह अभी का समय है, या तीन सौ साल पहले का?" काइका ने पूछा।

"तीन सौ साल पहले, मेरा अनुमान है। लेकिन शायद मुझे ऐसा नहीं मानना चाहिए, अगर वे दो बिंदु वर्तमान में हमारी स्थिति को दर्शाते हैं। और, आह, वे अन्य बिंदु क्या दर्शाते हैं?" उसने एक गलियारे में कम से कम आठ बिंदुओं के एक समूह की ओर इशारा किया जो अंततः उस कक्ष से जुड़ता था जिसमें वे थे। बिंदु हिल रहे थे।

काइका ने चबूतरे के पास पड़े सूखे मल को ध्यान से देखा। "मुझे लगता है, यह कुछ भी दोस्ताना नहीं है।"

• • • • •

वैन दीवार से पीठ टिकाकर बैठा था, छत पर लगी लाइट से डायरी के शब्द रोशन हो रहे थे।

उसे आगे काइका और लिलाह की आवाज़ सुनाई दे रही थी। वे रुक गई थीं और कुछ बात कर रही थीं। उसने अपने आदमियों को जल्दी से बता दिया था कि वह कहाँ जा रहा है, और फिर उनके पीछे-पीछे चला गया, लेकिन वह इतनी दूरी पर रहा कि वे उसे देख न सकें, क्योंकि उसे लग रहा था कि लिलाह उससे कोई वास्ता नहीं रखना चाहती और शायद उसकी संगति पसंद न करे। अगर आसपास कोई अनजान खतरा न होता, तो वह उन्हें अकेले ही खोजबीन करने देता। उसे पूरा यकीन था कि वे दोनों सक्षम थीं, लेकिन जब वे संभावित रूप से खुद को खतरे में डाल रही हों, तब शिविर में हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना उसे मंज़ूर नहीं था।

अब वह इंतज़ार कर रहा था जबकि वे दोनों अपनी खोजों पर चर्चा कर रहे थे। पहले जब उसने अपना नाम सुना था तो उसे थोड़ा और करीब जाने का मन हुआ था, लेकिन काइका कोई नौसिखिया नहीं थी और अगर वह बहुत करीब जाता तो वह उसे पहचान लेती। भले ही उसने कोई आवाज़ नहीं की थी, फिर भी उसे शायद पता चल गया था कि वह यहाँ वापस आ गया है।

पन्ने चुपचाप पलटते हुए, वैन ने डायरी का पहला पन्ना खोला। उसने लिलाह द्वारा बताए गए अंश को पहले ही पढ़ लिया था और उसमें अपने परिवार का नाम देखकर वह दंग रह गया था। इससे भी ज़्यादा चिंताजनक बात यह थी कि उसके पूर्वज ने ही उस अधिकारी को गोली मारी होगी जिसने डायरी लिखी थी। कैप्टन मोलिसाक। वैन की मुलाकात सेवा के दौरान एक मोलिसाक से हुई थी, यहाँ तक कि जब वे लेफ्टिनेंट के रूप में एक ही बैरक में रहते थे तो उनके साथ मुक्केबाजी भी की थी। यह सोचना कि वैन के पूर्वज ने मोलिसाक के पूर्वज को मारा होगा, बहुत परेशान करने वाला था। सच है, उसे नहीं पता था कि क्या हुआ था और जब तक लिलाह कोई और सबूत नहीं ढूंढ लेती, तब तक उसे पता भी नहीं चल सकता था। हो सकता है कि दिवंगत कैप्टन मोलिसाक ने मेजर थेरिक को अपना मिशन पूरा करने से रोकने की कोशिश की हो। हो सकता है कि वे अपनी जान बचाने के लिए लड़े हों। गोली चलाना हताशा का काम हो सकता है या आत्मरक्षा का उपाय। लेकिन...

वैन ने खोपड़ी और गोली के निशान को याद करके मुंह बनाया। कैप्टन मोलिसाक को सिर के पिछले हिस्से में गोली लगी थी। नहीं, यह आत्मरक्षा नहीं थी। यह हत्या थी।

पन्ने पर लिखे शब्द धुंधले पड़ गए, और वैन को एहसास हुआ कि वह उन्हें देख नहीं पा रहा है। उसने डायरी बंद की और अपनी ठुड्डी को जिल्द पर टिका दिया। यह कोई सबूत नहीं था। हाँ, मोलिसाक को गोली लगी थी; इसमें कोई शक नहीं था। और यह सेना द्वारा जारी की गई बंदूक की गोली थी, लेकिन यह जानने का कोई तरीका नहीं था कि मेजर थेरिक ने ही तो नहीं चलाई थी। फिर भी, वैन का पेट इस विचार से दुख से भर गया कि उसके पूर्वज ने किसी साथी अधिकारी को गोली मार दी होगी। एक मिशन पर असहमति के कारण, एक ऐसा मिशन जो शायद अधिकृत था या नहीं। मेजर थेरिक क्या सोच रहा था? क्या वह चुड़ैलों से इतनी नफरत करता था कि उन्हें मारने के लिए एक अनधिकृत मिशन पर चला गया? वैन को जो बात परेशान कर रही थी, वह यह थी कि वह खुद को भी लगभग ऐसा ही करते हुए देख सकता था। क्या होता अगर वह उस समय में रहता, चुड़ैलों से घिरा होता—कायर जो अपने जादू के पीछे छिपकर खुद को दूसरों से बेहतर समझते थे? और क्या होता अगर उसे उनसे छुटकारा पाने का मौका मिलता? उन्हीं में से किसी की मदद से?

क्या वह इस मौके को लपक लेता? शायद वह खुद से कहता कि यह देश के भले के लिए था और अगर वह सफल हो गया तो राजा और उसके वरिष्ठ अधिकारी उसे बाद में माफ कर देंगे। शायद वे उसे पुरस्कार भी देते।

लेकिन ऐसा हुआ नहीं था, है ना? वैन ने अपने परिवार का इतिहास तब पढ़ा था जब से उसे सैन्य इतिहास में रुचि पैदा हुई थी, और वह यह नहीं बता पा रहा था कि उसका यह पूर्वज कौन रहा होगा। सदियों से थेरिक परिवार की हर पीढ़ी में सेना अधिकारी रहे थे, और केवल उन्हीं लोगों को याद किया जाता था जिनका रिकॉर्ड उत्कृष्ट होता था, और उनकी कहानियाँ पारिवारिक अभिलेखों में दर्ज होती थीं। वैन ने ड्रैगन का वध करने वाले और दर्जनों पूर्वजों के बारे में पढ़ा था जिन्हें युद्ध में उनकी विजय और राजगद्दी के लिए उनके निस्वार्थ बलिदानों के लिए सम्मानित किया गया था। उसे तीन सौ साल पहले चुड़ैलों को मारने वाले किसी थेरिक के बारे में कुछ भी याद नहीं था। इसका मतलब यह था कि या तो उस व्यक्ति को उसके कार्यों के लिए सम्मानित और याद नहीं किया गया था, या उसका इतिहास दर्ज होने से पहले ही उसकी मृत्यु हो गई थी। क्या विस्फोट के समय वह इसी पहाड़ के भीतर कहीं मर गया था? क्या उसे देवताओं और उसके परिवार ने भुला दिया था? और क्या इतिहास ने भी? और क्या वह अपने सैनिकों को भी अपने साथ मौत के मुंह में ले गया था?

वैन ने अपनी उंगलियों के बीच बंदूक की गोली घुमाई, वही गोली जिससे कैप्टन मोलिसाक की मौत हुई थी। उसे नहीं पता था कि मेजर थेरिक की जगह वह क्या करता। और यही बात उसे परेशान कर रही थी।

"पीछे रहो," काइका की आवाज सुरंग के ऊपर से आई, जो उसके और लिलाह के बीच हो रही फुसफुसाहट से कहीं अधिक तेज थी।

वैन उछलकर खड़ा हो गया और बंदूक की गोली और डायरी को अपनी जेब में डाल लिया। दौड़ते हुए उसने कसंद्रल को म्यान से बाहर निकाला। तलवार हल्की हरी चमक रही थी।

एक गोली चली। वैन तेज़ी से एक मोड़ की ओर भागा, महिलाओं के पास रहने के बजाय अपने विचारों में उलझे रहने के लिए खुद को कोस रहा था। एक पत्थर के चबूतरे वाला कमरा नज़र आया। उसे लिलाह या काइका नहीं दिखीं। उसने अपने पैरों को और तेज़ दौड़ाया, मानो सुरंग के मुहाने से छलांग लगाकर कमरे में घुस गया हो।

उसके सामने से काले रंग की पपड़ियों की एक धुंधली सी आकृति तेज़ी से गुज़री। उसे पता भी नहीं चला कि उसके सामने क्या है, और उसने हवा में उड़ती हुई चार पैरों वाली आकृति पर वार कर दिया।

उसके ठीक बगल से एक और गोली चली। गोली उस प्राणी को जा लगी और उसी समय उसकी तलवार उस पर वार करने लगी। उसका सिर और आकार भेड़िये जैसा था, लेकिन वह आकार में उससे दोगुना था, उसकी छाती चौड़ी थी और उसके शरीर पर फर की जगह सांप जैसी पपड़ियाँ थीं। उसकी तलवार ने उसकी चिकनी और शक्तिशाली मांसपेशियों को चीर दिया, जो उसे कवच की तरह प्रभावी ढंग से सुरक्षित किए हुए थीं। सौभाग्य से, कासन्द्रल को धातु के साथ-साथ जादुई सुरक्षा कवच को भी भेदने के लिए बनाया गया था, और भले ही तलवार उतनी गहराई तक

नहीं घुसी जितनी वह चाहता था, फिर भी वह उस पपड़ीदार प्राणी को गिराने के लिए काफी थी। वह अजीब भेड़िया दहाड़ा और चबूतरे पर गिर पड़ा।

लिलाह ने ही गोली चलाई थी, और वह पहले से ही दूसरे भेड़िये की ओर मुड़ रही थी, जो दूसरी सुरंग से उसकी ओर दौड़ रहा था। काइका घुटनों के बल बैठी, कुछ विस्फोटक फेंकने की तैयारी कर रही थी। चार और भेड़िये एक खुली सुरंग से होते हुए कक्ष की ओर दौड़ रहे थे, उनके पंजे पत्थर के फर्श पर खटखटा रहे थे।

वैन ने लिलाह की राइफल को एक तरफ धकेल दिया, क्योंकि वह समझ चुका था कि वे जादुई जीवों से निपट रहे हैं और गोलियां बेकार होंगी। वह उसके सामने खड़ा हो गया और हमलावर भेड़िये का सामना किया। हमला करने से पहले ही उसका सिर उसके कंधों तक पहुँच गया था। फिर वह हवा में उछला और उसके ऊपर उठ गया, उसके जबड़े भालू के जाल की तरह खुल गए।

उसने तलवार को भेड़िये की छाती की ओर तेज़ी से घुमाया। भेड़िये ने बचने के लिए मुड़ने की कोशिश की, लेकिन हवा में रहते हुए वह ज़्यादा हिल-डुल नहीं सका। कासन्द्रल तलवार उसकी गर्दन के किनारे पर जा लगी। एक बार फिर, उसकी कठोर खाल और मांसपेशियों ने वार को कुछ हद तक रोक दिया, लेकिन वह जानवर दर्द से कराह उठा और कई फीट दूर एक तरफ जा गिरा।

कक्ष के दूसरी ओर से एक जोरदार धमाका हुआ—काइका ने उस सुरंग के मुहाने पर एक ग्रेनेड फेंका था जहाँ से बचे हुए चार भेड़िये बाहर निकलने ही वाले थे। वे रुक गए, उनके शरीर धुएँ और आग में गायब हो गए। सुरंग की छत से चट्टान गिरने से धमाके और टूटने की आवाज़ें गूंज उठीं। चीखें सुनाई दीं।

लिलाह ने फिर से गोली चलाई, उसका निशाना चैंबर में मौजूद दो प्राणियों में से एक पर था। शोर और चोटों से बचने के लिए कोई भी भाग नहीं रहा था। वे कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे और वैन और लिलाह पर गुर्रा रहे थे। उसकी गोली एक प्राणी की आँखों के ठीक बीचोंबीच लगी और उछल गई। प्राणी ने अपना सिर हिलाया, लेकिन एक शब्द भी नहीं बोला। वह गुर्राया, केवल क्रोधित था, और हमला करने के लिए नीचे झुक गया जबकि उसका साथी चबूतरे पर कूद गया। वैन का मन हुआ कि वह आगे बढ़कर किसी एक हमले का सामना करे, लेकिन वह लिलाह को असुरक्षित नहीं छोड़ना चाहता था। इसके बजाय, वह पीछे हट गया और उसे अपने पीछे रहने का इशारा किया, ताकि उसकी पीठ दीवार से सुरक्षित रहे।

जैसे-जैसे चट्टानें लुढ़कती रहीं और सुरंग के मुहाने को भरती गईं, काइका ने अपना ध्यान दो भेड़ियों पर केंद्रित किया। उसने चबूतरे पर बैठे भेड़िये पर गोली चलाई, जो छलांग लगाने के लिए तैयार होकर दुबका हुआ था। उसकी गोली टकराकर वापस उछल गई।

"ये क्या हैं?" उसने पूछा।

वैन ने जवाब देने का समय नहीं लिया, खासकर तब जब जीव मिलकर हमला कर रहे थे। उसे अपना सारा ध्यान इसी पर लगाना था—

वे दोनों एक साथ उछले, ज़मीन पर मौजूद प्राणी ने उसी समय वैन के पैर पर हमला किया जब उसका साथी चबूतरे से कूद पड़ा। वैन ने हवा में मौजूद प्राणी को ज़्यादा बड़ा खतरा मानते हुए उस पर पहले वार किया, लेकिन साथ ही उसने अपने जूते से भी लात मारी, ताकि दूसरा प्राणी अपने

दांत गड़ा न सके या उसके चारों ओर घूमकर लिलाह पर हमला न कर सके।

उसने दोनों लक्ष्यों पर वार किया। उसका बूट नीचे वाले भेड़िये के जबड़े पर ज़ोर से लगा, जबकि कासन्द्रल ने हवा में उड़ रहे भेड़िये के सिर पर वार किया, और ब्लेड उसकी आँखों के ऊपर आकर रुका। ज़मीन पर गिरे जानवर ने अपनी गर्दन इतनी तेज़ी से घुमाई कि वह उसका पीछा नहीं कर पाया, और दूसरे भेड़िये के उससे टकराने से ठीक पहले उसके नुकीले दांत उसकी पिंडली में धंस गए। उसने ज़ोरदार वार किया था, लेकिन उसकी गति और वज़न उसे वैन की ओर ले गया क्योंकि वह बचने को तैयार नहीं था, लिलाह को असुरक्षित नहीं छोड़ना चाहता था।

उसके पैर में तेज दर्द हुआ और उसने उसे धंसते हुए नुकीले दांतों से छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन उसे अपना ध्यान गर्दन के पास वाले दांत पर केंद्रित करना पड़ा। हालांकि भेड़िया अचंभित लग रहा था, फिर भी उसके जबड़े अनायास ही झटक रहे थे और उसे पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, जबकि वह उसे बार-बार दूर धकेल रहा था।

काइका भेड़ियों के पीछे-पीछे दौड़कर उस भेड़िये की ओर बढ़ी जिसके जबड़े उसकी टांग पर जकड़े हुए थे। उसने शायद देख लिया था कि गोलियां बेकार हैं, क्योंकि उसके हाथ में एक ग्रेनेड था। जैसे ही हवा में उड़ता हुआ भेड़िया नीचे उतरा, लिलाह वैन के पीछे से निकली और उसने उस पर झपट्टा मारकर अपनी तलवार उसकी रीढ़ पर दे मारी। अपनी राइफल के बट का इस्तेमाल करते हुए, लिलाह ने भी वैसा ही वार करने की कोशिश की। लेकिन उसके हथियार में कसंद्रल जैसी ताकत या मारक क्षमता नहीं थी। वैन ने भेड़िये पर बार-बार वार किया, उसे जल्दी से खत्म करने की कोशिश में ताकि वह दूसरे भेड़िये से निपट सके। भेड़िये ने उसकी टांग तो छोड़ दी थी, लेकिन अब उसने काइका पर हमला कर दिया। काइका ने अपनी राइफल से उस पर वार किया, बट को उसके मुंह में ठूंस दिया, ऐसा लग रहा था जैसे जानबूझकर किया हो, क्योंकि उसने ग्रेनेड को उसके गले में डालने की कोशिश की जबकि दूसरे हथियार से उसने उसके जबड़े अलग रखे हुए थे।

"पीछे हटो," वह चिल्लाई। "कमरे के दूसरी तरफ जाओ। जाओ, जाओ!"

वैन ने अपने सामने मौजूद भेड़िये पर आखिरी वार किया, और उसके पैर लड़खड़ाकर गिर पड़े। लिलाह पहले ही हरकत में आ चुकी थी और चबूतरे के पीछे छिप गई। वैन ने जोखिम उठाते हुए बचे हुए भेड़िये पर वार करने का मौका तलाशा। वह ग्रेनेड का इस्तेमाल नहीं करता और उसे शक था कि इसकी ज़रूरत भी पड़ेगी, लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी। भेड़िये के पैर पर वार करने के बाद, यह सोचकर कि इससे वह भाग नहीं पाएगा, वह चबूतरे पर कूद गया और फिर दूसरी तरफ लुढ़क गया।

भेड़िये के मुंह से गिरते ही ग्रेनेड की खनक सुनाई दी—क्या काइका ने सचमुच सोचा था कि वह उसे जानवर के गले में फंसा पाएगी?—और जैसे ही वैन जमीन पर गिरा, ग्रेनेड फट गया। काइका और लिलाह पहले से ही वहां मौजूद थीं, अपने सिर ढके हुए। उसने अपनी बाहों में उन्हें लपेट लिया और विस्फोट की गूंज से उन्हें और बचाने की कोशिश की, विस्फोट की आवाज हवा में गूंज उठी और कमरे की दीवारों को ढोल पर हथौड़े की तरह पीटने लगी।

और भी कई चट्टानें ज़मीन पर गिरीं, एक विशाल चट्टान भेड़िये पर जा गिरी। चट्टानों के गिरने की तेज़ आवाज़ के बीच भेड़िये की चीख मुश्किल से सुनाई दी। वैन ने ऊपर देखने की इच्छा को

दबा लिया, कहीं कोई चट्टान उसके चेहरे पर न गिर जाए।

काइका उसकी पकड़ से छूट गई। "मिल गया, महोदय।" उसने चबूतरे को पकड़ा और ऊपर से झाँका। "यह आखिरी था। ओह, हाँ। उसे पूरी तरह से कुचल दिया।"

"कैप्टन, आपने तो हमें लगभग कुचल ही दिया था।" वैन दर्द से कराह उठा, उसका पैर दर्द कर रहा था। उसकी पतलून के फटे हुए हिस्से पर लार चिपकी हुई थी, और उसे महसूस हो रहा था कि खून उसकी मोजे पर टपक रहा है।

"नहीं, यह तो बस एक छोटा सा ग्रेनेड था। मुझे आश्चर्य है कि यहाँ तक कोई चट्टान भी गिरी। यह इलाका ज़रूर अस्थिर होगा।"

"अस्थिर, एक ऐसे पहाड़ में जिसे सदियों से लोग बमों से उड़ाते आ रहे हैं। सोचो ज़रा।" वैन ने लिलाह की पीठ को छुआ जब उसने अपना सिर उठाया। वह अब भी उसकी राइफल पकड़े हुए थी और ऐसा लग रहा था कि अगर बाकी भेड़िये किसी तरह से रास्ता ढूंढ लेते हैं तो वह और भेड़ियों को गोली मारने के लिए तैयार है।

"छोटा, सटीक निशाना लगाकर किया गया विस्फोट भी चबूतरे को कोई नुकसान नहीं पहुँचा पाया।" काइका ने सपाट सतह पर रखे एक चीनी मिट्टी के गोले की ओर हाथ से इशारा किया।

वैन ने इसे देखकर भौंहें चढ़ाईं। "क्या यह कोई पुराना है—"

काइका द्वारा ढहाए गए सुरंग के मुहाने पर चट्टान हिली और वह रुक गया। मलबे के ढेर के दूसरी ओर से एक दर्द भरी चीख सुनाई दी, दबी हुई लेकिन सुनाई देने वाली। इसने वैन को जंगल में सुनी गई चीखों की याद दिला दी और उसने सोचा कि क्या वे अजीब भेड़िये पिछली रात वहाँ गश्त कर रहे थे। क्या सुरंग प्रणाली में आने-जाने के और भी रास्ते थे? यह आश्चर्य की बात नहीं होगी।

उसने अपनी तलवार कसकर पकड़ी और खड़ा हो गया, अवरुद्ध सुरंग को घूरते हुए। उसमें कितने भेड़िये जीवित बचे होंगे? क्या उनके लिए कक्ष तक पहुँचने का कोई और रास्ता था? उसने चबूतरे के ऊपर हवा में लटके त्रि-आयामी मानचित्र पर विचार किया। इसे समझने में समय लगेगा।

"कैप्टन काइका?" दूर से एक आवाज़ आई। कैप्टन बोसमोंट। "कर्नल थेरिक?"

"वापस यहीं," काइका ने जवाब दिया। मलबे से दबकर चूर-चूर हो चुके भेड़िये पर एक और नज़र डालने के बाद, वह शिविर की ओर जाने वाले रास्ते की ओर चल पड़ी। "शायद उसे पता न हो कि हम किस सुरंग से गए थे। मैं उसे ले आती हूँ।" वह निकास द्वार की ओर दौड़ पड़ी।

वैन को यह नहीं पता था कि अगर सुरंगें अस्थिर हों तो यहाँ और लोगों को भेजना उचित होगा या नहीं। साथ ही, अगर विस्फोटक और उसकी तलवार ही उन जीवों को नुकसान पहुँचाने वाले एकमात्र हथियार हों, तो केवल राइफलों से लैस और अधिक लोगों को यहाँ भेजने से कोई फायदा नहीं होगा।

"क्या कोई संभावना है कि आपने पर्याप्त खोजबीन कर ली है और अब हम जा सकते हैं?" वैन ने लिलाह से पूछा, एक हाथ से अपने पैर को सहारा देते हुए चबूतरे पर झुकते हुए और दूसरे हाथ से उसे ऊपर उठने में मदद करते हुए।

चबूतरे के भीतर से एक खटखटाहट और गुस्से भरी फुफकार सुनाई दी। वह बिल्ली की तरह थूका, और वह पीछे की ओर लड़खड़ा गया। और भी चटकने और टूटने की आवाज़ें आईं, साथ ही

एक ऐसी गूंज सुनाई दी मानो हवा में बिजली दौड़ रही हो। उसके हाथों के बाल खड़े हो गए, और वह अपने पैर के दर्द को भूल गया।

उसकी निगाह चबूतरे पर रखे गोले पर टिक गई, जो सदियों पुराना बम था। उसके चारों ओर धुंआ उठ रहा था और चिंगारियां उड़ रही थीं। वैन ने उसे पकड़ने के बारे में सोचा, कहीं चबूतरे में मौजूद किसी विद्युत या जादुई शॉर्ट सर्किट से उसमें आग न लग जाए, लेकिन नहीं, उससे दूर रहना ही बेहतर था।

लिलाह उससे टकरा गई। वह पहले से ही चबूतरे से दूर जा रही थी। नक्शा एक तेज सफेद रोशनी में गायब हो गया, जिसकी तीव्रता वैन की आंखों में सूरज की तरह चुभ रही थी। उसने लिलाह को पकड़ लिया, उसे खोना नहीं चाहता था। उसे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, हालांकि उसे रोशनी कम होती महसूस हो रही थी। उसने अपनी दृष्टि साफ करने की कोशिश में पलकें झपकाईं, और साथ ही पीछे हटता रहा। उसके कंधे एक दीवार से टकराए, और वह आगे नहीं जा सका।

“सुरंग,” लिलाह ने कहा। “हम शायद ऐसा करना चाहें—”

चबूतरा गुस्से से गरजा, फिर मानो फट गया। काइका के ग्रेनेड की तरह ज़ोरदार धमाका नहीं हुआ, लेकिन उससे निकली शक्ति की लहर वैन पर एक झटके की तरह पड़ी। उसका सिर दीवार से टकराया। उसने निकास सुरंग की ओर एक कदम बढ़ाया, लेकिन एक ज़बरदस्त हलचल ने उसे गिरा दिया। ज़मीन ऐसे उछली और मरोड़ी जैसे कोई घोड़ा अपने सवार को गिराने की कोशिश कर रहा हो। और फिर दूसरा धमाका हुआ, यह कहीं ज़्यादा जाना-पहचाना था, किसी बम के फटने जैसा।

कक्ष के केंद्र से लपटें उठने लगीं और फर्श फिर से हिलने लगा। वैन का लिलाह पर से हाथ छूट गया और वह ज़मीन पर गिर पड़ा।

“वैन,” उसने विरोध करते हुए कहा और उससे दूर हट गई।

चट्टानें चटकने और टूटने की आवाज़ें आईं। वह बाहर निकलने के लिए झपट्टा मारना चाहता था, लेकिन लिलाह के बिना नहीं। हे भगवान! वह इतना भ्रमित हो चुका था कि उसे यह भी नहीं पता था कि बाहर निकलने का रास्ता कहाँ है।

“लिलाह? इधर आओ। तुम कहाँ हो?” चट्टान टूटने की तेज़ आवाज़ में उसकी आवाज़ दब गई। एक ज़ोरदार धमाका हुआ और उसे लगा जैसे चबूतरा ज़मीन में धंस गया हो, लेकिन वह निश्चित रूप से नहीं कह सकता था। उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था।

"कर्नल थेरिक?" काइका ने दूर से पुकारा।

फिर बाकी का फर्श गायब हो गया।

अध्याय 11

लिलाह काफी देर तक लुढ़कती रही, मानो सदियों बीत गई हों, लेकिन शायद कुछ ही सेकंड हुए होंगे, फिर वह अपनी पीठ के बल ज़मीन पर ज़ोर से गिरी। चारों ओर पत्थर गिरने लगे। डर के मारे सिसकते हुए, वह सिकुड़कर गेंद की तरह हो गई और अपने सिर और गर्दन को बचाने की कोशिश करने लगी। उसके बाईं ओर कोई सख्त चीज़ थी। क्या कोई दीवार? नहीं, एक बड़ा पत्थर। वह उससे लिपट गई, इस उम्मीद में कि वह गिरने वाले पत्थरों को उससे दूर कर देगा।

उसके चारों ओर मलबा ज़मीन पर ज़ोर से गिर रहा था। कुछ ही फ़ीट दूर एक गाड़ी के आकार की कोई चीज़ ज़ोर से गिरी। वह चबूतरा? धातु या पत्थर के टुकड़े, वह निश्चित नहीं थी कि क्या थे, उसकी बगल में जा गिरे। वह अपनी जगह पर सिमटी रही और अपने बढ़ते डर को काबू करने की कोशिश करती रही।

आखिरकार, चट्टानें गिरना कम हो गया, लेकिन उसे ज़रा भी सुरक्षा का एहसास नहीं हुआ। बिलकुल भी नहीं। हालाँकि उसे कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, फिर भी उसे ऐसा लग रहा था जैसे दीवारें उसके बहुत करीब आ रही हों और उसे जकड़ रही हों। उसने ऊपर की ओर देखा, उसे पता था कि वह गिर चुकी है, लेकिन उसे यह पक्का नहीं था कि वह सीधे नीचे गिरी है या नहीं। वह कुछ बार दीवारों से टकराई, मानो कपड़े किसी तिरछी ढलान से नीचे फिसल रहे हों।

अंधेरा घना था और उसे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, यहाँ तक कि अपने चेहरे के सामने रखा अपना हाथ भी नहीं। चट्टानी दीवारें उस पर दबाव नहीं डाल रही थीं, जिससे उसे अपना सिर ज़मीन पर टिकाए रखना पड़े, जैसा कि उस सुरंग में हुआ था जिससे वह रेंगकर निकली थी, लेकिन उसे यह नहीं पता था कि वह कहाँ है, कैसे बाहर निकलेगी, या यहाँ नीचे उसका क्या इंतज़ार कर रहा है। उसे अपनी तेज़ साँसें सुनाई दे रही थीं, मानो वह अपने शरीर से बाहर कहीं खड़ी हो। हालाँकि वह बार-बार खुद को शांत होने के लिए कह रही थी, लेकिन वह अपनी साँसों को धीमा नहीं कर पा रही थी। जब उसने धीरे-धीरे और गहरी साँस लेने की कोशिश की, तो उसे बहुत ज़्यादा हवा अंदर चली गई और उसे चक्कर आने लगे। वह घबरा रही थी, और वह इसे रोक नहीं पा रही थी, धिक्कार है।

पास ही अंधेरे में कुछ हलचल हुई। कहीं वो भेड़ियों में से एक तो नहीं था? उसने अपने आसपास की ज़मीन पर हाथ फेरा। कहीं गिरने के दौरान उसकी राइफल कहीं खो गई थी। वैसे भी उन जानवरों के सामने तो राइफल किसी काम की नहीं थी।

लिलाह घुटनों के बल खड़े होकर खतरे का सामना नहीं करना चाहिए, इस बात को ध्यान में रखते हुए खड़ी हो गई। गिरने से उसके शरीर में दर्द हो रहा था, ताजा खरोंच और चोटें चुभ रही थीं।

"लिलाह?" वैन ने कुछ फीट की दूरी से कहा।

भेड़िया नहीं है। अच्छा है। लेकिन फिर भी वह अपनी घबराहट को शांत नहीं कर पाई।

"लिलाह," उसने फिर कहा, इस बार और करीब आकर। उसका हाथ उसकी पीठ से टकराया। उसने थपथपाते हुए उसके कंधे तक पहुंचा और उसे पकड़ लिया। "हम ठीक हैं।"

"हम्म," बस इतना ही वह कह पाई। तर्कसंगत रूप से, वह जानती थी कि कुछ नहीं हो रहा है,

कम से कम अभी तो नहीं, लेकिन वह छत के गिरने या हवा खत्म होने के बारे में सोचना बंद नहीं कर पा रही थी।

"लिलाह," वैन ने फिर कहा, उसके करीब आकर, अपनी छाती से उसकी पीठ को सहलाते हुए। "क्या मदद करेगा?"

"दिन का उजाला," उसने कर्कश आवाज में कहा।

उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, खुद को संभालने की कोशिश करते हुए। किसी अंधेरी गुफा से इतना डरना बेवकूफी थी, और वह यह जानती थी। इसके अलावा, उसकी घबराहट को किसी के सामने देखना उसे शर्मिंदा कर रहा था। उसने भेड़ियों से हुई लड़ाई के दौरान महसूस किए गए डर को इस सब का कारण माना। उसका दिल अभी भी ज़ोर से धड़क रहा था। उन शापित जानवरों में से एक ने लगभग वैन को मार ही डाला था। उसने उसका पैर काट दिया था। वह अभी दर्द में होगा, और वह यहाँ खुद की चिंता कर रही थी।

"मुझे माफ करना," उसने किसी तरह कहा। "मैं ठीक हूँ। आपके पैर में कितनी चोट है? क्या दर्द हो रहा है?"

"हाँ।" उसने पीछे से अपना हाथ उसके कंधे पर रखा और गर्दन झुकाकर अपनी ठुड्डी उसके कंधे पर टिका दी। उसके बगल से एक हल्की सी खनक सुनाई दी—लगता है उसके दूसरे हाथ में अभी भी तलवार थी। "लेकिन मैं उस पर चल सकता हूँ," उसने कहा। "सब ठीक हो जाएगा। हम ठीक रहेंगे। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हारा ध्यान भटका सकता हूँ।"

वह राहत की सांस लेते हुए उसके सहारे पीछे झुक गई, यह देखकर कि उसे ज्यादा चोट नहीं लगी थी और इस बात से भी कि वह यहाँ अकेली नहीं थी। शायद यह मूर्खतापूर्ण था—वह एक वयस्क महिला थी और उसे शांत होने के लिए किसी पुरुष के सहारे की ज़रूरत नहीं होनी चाहिए थी—लेकिन उसके सहारे झुकने से उसकी सांसें धीमी हो गईं और उसकी मांसपेशियों का तनाव कुछ कम हो गया। कुछ मिनट बीत गए और कोई और पत्थर नहीं गिरा, और उसे विश्वास होने लगा कि वे कुचले नहीं जाएंगे, कि वैन उसे इस मुसीबत से बाहर निकाल लेगा।

उन्होंने कहा, "मेरा अनुमान है कि हम तीन या चार मंज़िल नीचे गिरे होंगे। मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि उस कक्ष के नीचे खोखली जगह क्यों थी, लेकिन यहाँ की दीवारें खुरदरी हैं, चुड़ैल की सुरंगों की तरह चिकनी नहीं हैं। शायद यहाँ कोई गुफा प्रणाली रही हो या कम से कम हवा के कुछ छिद्र रहे हों, इससे पहले कि उन्होंने यहाँ निर्माण किया हो।"

"वो बम फट गया, है ना?" लिलाह ने पूछा।

"हाँ।"

"काइका को यह छत से लगा हुआ मिला। हमने अनुमान लगाया कि इसे आक्रमणकारियों ने वहाँ रखा था, और यह तीन सौ साल पहले फटने के लिए बनाया गया था।"

"शायद ऐसा ही हुआ होगा।" वह बोलते-बोलते रुक गया, उसकी ठुड्डी उसके कंधे पर टिक गई, और उसे लगा कि वह अपना सिर ऊपर की ओर झुकाकर उनकी बातें सुनने की कोशिश कर रहा है। "छत और फर्श दोनों ढह गए, और मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर वह सुरंग भी ढह गई हो जिसमें काइका भागी थी। हो सकता है कि उन्हें उस कक्ष के बचे हुए हिस्से तक पहुँचने और हम

तक रस्सी पहुँचाने में कुछ समय लग जाए।"

उसने यह नहीं कहा कि सुरंग ढहने पर काइका खुद भी दब सकती थी, लेकिन लिलाह को उस स्थिति की कल्पना करने में कोई परेशानी नहीं हुई। वह सिहर उठी। "तो, हम फंस गए हैं।"

अगर उनकी सांसें रुक जाएं तो क्या होगा? अगर ऊपर उनकी तलाश करने वाला कोई न बचे तो क्या होगा? या अगर छत का और हिस्सा गिर जाए और चट्टानें उन्हें हमेशा के लिए दफना दें तो क्या होगा?

"शायद नहीं। हमने अभी तक खोजबीन नहीं की है। हम करेंगे।" वैन ने उसे हल्के से थाम रखा था, उसके छोटे बाल उसकी कनपटी को छू रहे थे, उसका शिथिल शरीर शांति का अनुभव करा रहा था।

उसे पछतावा हुआ कि उसने पहले उस पर इतना गुस्सा क्यों किया। भले ही वह उससे निराश थी, लेकिन यह बुरा बर्ताव करने का कोई कारण नहीं था। खासकर ऐसे व्यक्ति के साथ जो अब उसे दिलासा देने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा था। उसने अपना सिर उसके कंधे पर टिका दिया, उसकी गर्माहट और नज़दीकी का आनंद लेते हुए।

"किस तरह का ध्यान भटकाने वाला?" लिलाह ने फुसफुसाते हुए कहा।

"हम्म?" वैन थोड़ा हिला, उसका जबड़ा उसके कान से छू गया, और सुबह से बिना शेव किए हुए उसके दाढ़ी के खुरदुरेपन से वह सिहर उठी। इससे उसके भीतर सुखद अनुभूतियाँ उत्पन्न हुईं। उसकी पीठ से लगे उसके सीने की कठोरता, उसके पेट पर उसकी बांह की गर्मी, और उसकी गर्दन पर उसकी सांसों की गुदगुदी भी वैसी ही थीं।

आपने मेरा ध्यान भटकाने की पेशकश की थी।

"क्या मैंने?" वह एक पल के लिए इस पर विचार करता हुआ प्रतीत हुआ, फिर उसने उसकी गर्दन पर चुंबन किया, उसके होंठ गर्म और सुखद थे। "दुर्भाग्य से, हम दोनों के लिए इस समय ध्यान भटकना ठीक नहीं है।"

नहीं, और उसने खुद को याद दिलाया कि वह अब भी नहीं जानती कि वह अपने पूर्वज के बारे में, पूरे समाज को नष्ट करने के विचार के बारे में क्या सोचता है। उसके लिए यह बुद्धिमानी नहीं होगी कि वह और अधिक आलिंगन में सिमट जाए और और चुंबन मांगे।

"तो मुझसे बात करो," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "प्लीज़। कुछ मिनटों के लिए। फिर मैं तुम्हें बाहर निकलने का रास्ता ढूंढने में मदद करूंगी।" जब उसे यकीन हो गया कि छत का और हिस्सा नहीं गिरेगा और उन्हें कुचल नहीं देगा। "मुझे पता है यह बेवकूफी है, लेकिन मैं यह सोचे बिना नहीं रह सकती कि... ऐसी स्थितियों में मैं खुद को बेबस महसूस करती हूं।"

उसने धीरे से आह भरी, उसकी सांसें उसकी त्वचा को गुदगुदा रही थीं। "मैं बेबस महसूस करने की भावना को समझता हूँ। यह बहुत बुरा है।"

"लेकिन मुझे यकीन है कि आपको इससे अक्सर निपटना नहीं पड़ता होगा," लिलाह ने कहा, फिर अपने विचार पर पुनर्विचार किया। शायद उनका इशारा एक ऐसे अधिकारी की ओर था जिसे हमेशा अपने वरिष्ठों से निपटना पड़ता था, ऐसे लोग जो आदेश देते थे और जिनका पालन करने के अलावा उसके पास कोई विकल्प नहीं होता था।

"अक्सर ऐसा होता है कि मुझे यह एहसास नापसंद हो जाता है। इसीलिए मुझे जादू से नफरत है।"

"ओह?"

शायद उनकी टिप्पणी का उनकी पदवी और सेना से कोई लेना-देना नहीं था। लिलाह इंतज़ार करती रही, उम्मीद करती रही कि वह आगे कुछ कहेंगे, कि वह उसे कुछ ऐसा बताएंगे जिस पर वह ध्यान केंद्रित कर सके, बजाय इसके कि वह चारों ओर के अंधेरे और ऊपर खड़े पहाड़ के बोझ से विचलित हो।

उसने कुछ पल के लिए अपना चेहरा उसके सिर के पिछले हिस्से पर टिकाया, फिर अपना हाथ नीचे कर लिया। "मुझे एक लालटेन ढूंढनी चाहिए और देखना चाहिए कि क्या ऊपर जाकर बाकी लोगों तक पहुंचने का कोई रास्ता है।"

“रुको।” उसने उसका हाथ थाम लिया—उसे अपने करीब रखने के लिए। “बताओगे? प्लीज़।”

उसने यह नहीं पूछा कि वह किस बारे में बात कर रही थी। "क्योंकि तुम्हें अभी भी ध्यान भटकाने की ज़रूरत है? या क्योंकि तुम बहुत जिज्ञासु हो?"

“ये दोनों बातें, और क्योंकि मैं यह तय करने की कोशिश कर रही हूँ कि क्या तुम ऐसे इंसान हो...” लिलाह ने खुद को रोकते हुए कहा, “जिससे मैं दोस्ती कर सकूँ।” जब वह उसके सहारे खड़ी थी और वह उसे सहारा दे रहा था, तब यह कहना बेवकूफी भरा लग रहा था। उसके मन में जो भी दूसरा विचार आता, जैसे कि वह चाहती है कि वह एक अच्छा इंसान बने, तो वह बात अपमानजनक लगती। शायद अभी के लिए इसे छोड़ देना ही बेहतर था। “मैं आपको धन्यवाद देना भूल गई। काइका और मेरी मदद करने के लिए आने के लिए। आपका बचाव बहुत सही समय पर हुआ। आप आस-पास ही रहे होंगे?”

“मैं तुम्हारा पीछा कर रहा था,” उसने स्वीकार किया। “मुझे वहाँ जल्दी पहुँच जाना चाहिए था, लेकिन मैं वह डायरी पढ़ रहा था।”

“आह।” उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे उसे पढ़ी हुई बातों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं।

"मैंने उस थेरिक के बारे में नहीं सुना है, इसलिए हो सकता है कि वह यहीं मारा गया हो, और परिवार के इतिहास में उसके बारे में ज्यादा कुछ दर्ज होने से पहले ही उसे भुला दिया गया हो।"

शायद वह इस बारे में चर्चा करना चाहता था? "क्या आपको लगता है कि कैप्टन मोलिसाक को गोली उसी ने मारी थी?"

"ऐसा लगता है कि उसने या उसकी टीम के किसी सदस्य ने ऐसा किया होगा। शायद उसके आदेशों का पालन करने वाले किसी व्यक्ति ने।"

"आप इस बारे में कैसे महसूस करते हैं?"

“महसूस करना?” उसने पूछा, मानो उसने कोई अजीब, विदेशी शब्द इस्तेमाल किया हो।

“हां, महसूस करना। भावना को एक भावनात्मक अवस्था या प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है।”

उसने धीमी सी आवाज में कहा, "धन्यवाद।"

लिलाह इंतज़ार करती रही, उम्मीद थी कि वह उसके सवाल का जवाब देगा, लेकिन फिर भी वह उस पर चर्चा करने का दबाव नहीं डालना चाहती थी। पहाड़ से उतरने और आसपास कम खतरों के होने पर वे और बात कर सकते थे।

"मैंने सोचा कि अगर मुझे चुड़ैलों की सरदारनी की हत्या करने के लिए एक टीम का नेतृत्व करने का मौका मिलता, तो क्या मैं भी वही करता," वैन ने धीमी आवाज़ में कहा। "जो मैंने दस्तावेजों से समझा, उससे यही मूल कार्य था, लेकिन मेजर थेरिक ने इस परिसर में मिली खुली छूट का फायदा उठाकर दुनिया से इन सभी लोगों को खत्म करने का फैसला कर लिया।"

क्या यही हुआ था? उसने डायरी के और पन्ने पढ़े होंगे और कुछ और बातें समझी होंगी। लिलाह को उम्मीद थी कि किताब यहाँ गिरने के बाद भी सुरक्षित होगी और उसे बाकी के पन्ने पढ़ने का मौका मिलेगा।

"क्या आप... उसके इस कृत्य को सही मानते हैं?" उसने सावधानी से पूछा, ताकि उसकी आवाज़ में कोई नकारात्मक भाव न झलके। उसने उसकी ओर मुड़कर देखने के बारे में सोचा, लेकिन यह कम टकराव वाला और कम सीधा तरीका लगा।

"खुद को अपना मिशन सौंपने और फिर आपत्ति जताने वाले अधिकारी को गोली मारने का? नहीं।"

"अगर मिशन को मंज़ूरी मिल जाती तो क्या होता? क्या तब यह स्वीकार्य होता कि..." वह रुक गई, यह जानते हुए कि वह अपनी आवाज़ में निर्णय छिपा नहीं पाएगी। पूछने की क्या ज़रूरत थी? उसे लगभग पता था कि वह कैसा महसूस करता है। उसे उसके जवाब से निराशा ही मिलती। उससे ही। उसने अपना सिर उसके कंधे पर टिका दिया। वह उससे निराश नहीं होना चाहती थी। वह चाहती थी कि वह ऐसा व्यक्ति हो जिस पर वह भरोसा कर सके कि वह ईमानदार होगा।

"मुझे नहीं पता, लिलाह। मुझे जादू से नफ़रत है, और मुझे उनसे भी नफ़रत है जो..." उसने आह भरी और कुछ पल चुपचाप अपना चेहरा उसके बालों पर टिका दिया। "मैंने तुम्हें बताया था कि मैं सेना में कैसे भर्ती हुआ, पहले दो साल एक सिपाही के रूप में, फिर चार साल अकादमी में, और आखिर में दो साल कुलीन बलों के प्रशिक्षण में। वे आठ साल, जो काफी कठिन थे, उन्होंने मुझे तराशा, मुझे एक गली के गुंडे से सिपाही बना दिया। आख़िरकार, सेना का यही काम होता है। कुलीन परिवारों के लड़कों के लिए आमतौर पर इसकी ज़रूरत नहीं होती, लेकिन उस समय मैं एक जंगली जानवर जैसा था। मुझे इसकी ज़रूरत थी।"

लिलाह ने उत्साहवर्धक स्वर में कुछ कहा, उसे पता नहीं था कि यह कहानी कहाँ तक जाएगी, लेकिन वह इसे सुनना चाहती थी।

"जब तक मैंने अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और अपने करियर प्रशिक्षण के कुछ शुरुआती परीक्षण पास किए, तब तक मुझे यकीन होने लगा था कि मैं अपने राजा और देश की सेवा किसी वीर की तरह कर पाऊंगा। इसी दौरान मेरी मुलाकात एक महिला से हुई और हम साथ समय बिताने लगे।" वह धीरे-धीरे बोला। क्या वह अपने शब्दों को बोलने से पहले संवार रहा था? ऐसा तो नहीं था कि वह उसके पिछले रिश्तों को लेकर उसका न्याय करेगी। "उसे भी लगता था कि

मैं वीर हूं। उसे मेरे अतीत के बारे में पता नहीं था, या अगर पता भी था, तो उसे परवाह नहीं थी। वह मुझसे प्यार करती थी, और मुझे लगता है कि मैं भी उससे उतना ही प्यार करता था, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि मैं कभी यह कह पाया।"

उसे उससे पूछने का मन हुआ कि क्या यह वही निया थी, जो अंगुलस की पत्नी और रानी बनी थी। अगर ऐसा था, तो यह तय था कि कहानी का अंत सुखद नहीं होगा। ऐसा लगता था कि वैन की कहानियों का यही हाल होता था, जिनका अंत सुखद नहीं होता था। क्या उसने कभी अपने जीवन में स्थायी संतोष पाया था?

"वह मुझे अपने माता-पिता से मिलवाने ले गई। उनके परिवार की दक्षिण में समुद्र के किनारे एक बड़ी जागीर थी। वे कुलीन परिवार से थे, जिसका मुझे पहले पता नहीं था, क्योंकि उसने कभी इस बारे में बात नहीं की थी, लेकिन तकनीकी रूप से मैं भी कुलीन था, इसलिए मैंने इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। मुझे लगा कि हम दोनों एक-दूसरे के लिए सही हैं। उसके माता-पिता थोड़े संकोची थे, लेकिन काफी विनम्र थे। उस रात के खाने से कुछ खास नहीं हुआ, लेकिन महीनों बाद उन्होंने मुझे अपने घर बुलाया। अकेले। मैंने उसे शादी का प्रस्ताव दिया था, इसलिए मुझे उम्मीद थी कि पिता के साथ मेरी आमने-सामने की बातचीत होगी, मैं उससे अच्छे से पेश आने का वादा करूंगा, वगैरह। लेकिन असल में, उन्होंने मेरे बारे में कुछ छानबीन की थी, और उन्हें सब कुछ पता चल गया था, कि मैं सड़कों पर रहा था, दूसरों की जान लेकर अपनी जान बचाई थी। एक जंगली जानवर, कोई कुलीन या अधिकारी नहीं, या शायद हमेशा से नहीं।"

तलवार पर अपनी पकड़ बदलते ही एक हल्की सी खनक सुनाई दी और तलवार चट्टान से टकरा गई।

"मां ने मेरा अभिवादन किया, उनका व्यवहार पहले जैसा ही संयमित लेकिन विनम्र था। मुझे ऐसा नहीं लगा कि मैं किसी खतरे में हूं, खासकर चालीस साल की किसी महिला से तो बिलकुल नहीं।" उनका लहजा थोड़ा रूखा हो गया जब उन्होंने आगे कहा, "उस समय तो मुझे वह उम्र काफी लगती थी।"

"मुझे लगता है कि बूढ़े होने की परिभाषा हमेशा उस स्थिति से कम से कम बीस साल आगे की होती है जहां आप अभी हैं।"

उसने एक सुखद आवाज़ निकाली, लेकिन कहानी आगे बढ़ाते ही उसका हास्य गायब हो गया। "उसने मुझे बिस्कुट और चाय दी, जो मुझे बिल्कुल सामान्य लगीं। फिर वह मुझे तहखाने के एक कमरे में ले गई जो—पता नहीं उसे क्या कहते हैं—उपकरणों से भरा हुआ था। मुझे लगा कि वह रसायन विद्या से संबंधित सामान था, हालाँकि मुझे उसे एक घरेलू वैज्ञानिक के रूप में कल्पना करना मुश्किल लग रहा था। फिर उसने मेरे पीछे से दरवाज़ा बंद कर दिया। कमरे के दूसरी तरफ से। मुझे अच्छी तरह याद है कि उसने अपना हाथ हिलाया और ताले के बंद होने की आवाज़ आई। इससे पहले मैं कभी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिला था जो जादू का इस्तेमाल कर सकता हो, लेकिन मैं ज्यादातर बच्चों की तरह चुड़ैलों की कहानियाँ सुनकर बड़ा हुआ था।"

लिलाह को लगा कि वह शायद उससे पूछेगा कि क्या वह बचपन से ऐसी ही कहानियाँ सुनती आई है, और उसे कहना पड़ेगा कि उसकी माँ ने उसे हर तरह के विषयों पर किताबें दी थीं, अक्सर

विरोधाभासी विषयों पर, इसलिए उसने यह सीख लिया था कि हर कहानी के कम से कम दो पहलू होते हैं। शायद जादू के प्रति उसकी उदासीनता के लिए वह अपनी माँ की आभारी थी। और वह कभी किसी ऐसे व्यक्ति से नहीं मिली जिसने उसके साथ कोई जादुई और डरावनी हरकत की हो। ऐसा लगता था कि वैन के लिए यह बात सच नहीं थी।

"उसने कहा कि मैं उसकी बेटी के लायक नहीं हूँ, मैं एक जानवर हूँ जिसे मर्दों की तरह कपड़े पहनना सिखाया गया है। और वैसे भी, वह निया की शादी की योजना बहुत समय से बना रही थी। उसने किसी और को चुन लिया था और मुझे बीच में नहीं आने देना चाहती थी। अगर मैंने ऐसा किया, तो उसने कहा कि वह मुझे मार डालेगी। मैंने उसकी बात को सिरे से खारिज कर दिया और उससे कहा कि निया और मैं शादी करेंगे। भला एक छोटी सी औरत मुझ जैसे आदमी का क्या बिगाड़ सकती है, जिसे पैदल सेना के सबसे बेहतरीन जवानों ने मारने की ट्रेनिंग दी थी? लेकिन उसने मुझे चाय में या बिस्कुट में ज़हर मिला दिया था। मुझे नहीं पता। मेरे पास उन्हें न खाने का कोई कारण नहीं था। मैंने तो बस यही मान लिया था कि मेरी मंगेतर की माँ एक सामान्य इंसान होगी।" सामान्य शब्द उसके मुँह से गुर्राहट की तरह निकला। वह इस कहानी को लेकर अपनी माँ की भयानक मौत से भी ज़्यादा भावुक लग रहा था।

"मैंने बाहर निकलने की कोशिश की," उसने आगे कहा, "लेकिन दरवाज़ा मानो स्टील का बना था। वह मोटा और मज़बूत था, कब्ज़े एकदम नए थे। मैं उसे हिला भी नहीं सका, चाहे कितनी भी ताकत लगा लूँ।" उसके कंधे उसके पीछे झुक गए, मानो उसे उस दरवाज़े को खींचने की याद आ रही हो। "वह मेरे पास आई, और किसी कारण से मुझे लगा कि वह मुझे बाहर जाने देगी। मेरे मन में यह बात ज़रूर थी कि मैं उस पर हमला नहीं कर सकता—नहीं करना चाहिए। बाद में मुझे पता चला कि चुड़ैलें टेलीपैथिक होती हैं और आपको नियंत्रित कर सकती हैं।"

एक और गुर्राहट।

"उसने अपना हाथ मेरी बांह पर रखा, और मैंने देखा कि वह दूसरे हाथ से एक सिरिंज उठा रही थी, लेकिन मैं हिलने या उसे हटाने में असमर्थ था। उसने मुझे उससे गोद दिया। मुझे नहीं पता कि वह कोई बेहोशी की दवा थी या कोई जादुई औषधि, लेकिन मेरे पैर सुन्न हो गए। मैं ज़मीन पर गिर पड़ा। तभी उसका पति बगल के कमरे से बाहर आया। उसने फिर से कहा कि मैं उनकी बेटी के लायक नहीं हूँ। उसने मुझे निया से रिश्ता तोड़ने को कहा, वरना वह मुझे मरवा देगा। मैं अपने शरीर के ज़्यादातर हिस्से को हिला नहीं पा रहा था, लेकिन मैं बोल सकता था। मैं अपनी इज़्ज़त के मारे इतना घमंडी था कि मैंने उसे गाली दे दी। उसने मुझे तब तक पीटा जब तक मैं लगभग बेहोश नहीं हो गया। उसकी पत्नी पीछे बैठकर देखती रही, मुस्कुराती रही जैसे किसी खेल प्रतियोगिता का आनंद ले रही हो। मुझे लगता है कि वह उत्तेजित भी हो रही थी। मैं उसके सिर पर वार करना चाहता था, लेकिन उसके उस शापित जादू के कारण मैं उसे छू भी नहीं सका। आखिरकार, पिता ने मुझे जंजीरों से बांध दिया, किसी नौकर की मदद से मुझे एक गाड़ी में फेंक दिया, और मुझे एक चट्टान पर ले गया। समुद्र के किनारे। उस समय तक औषधि का असर कम होने लगा था, लेकिन मैंने इसे ज़ाहिर न होने देने का पूरा ध्यान रखा। मैं अभी भी काफी सुन्न था, इसलिए मुझे शक था कि मैं उन पर काबू पा सकता था। माँ पूरे समय वहीं थी, देख रही थी, खुश थी। जब उन आदमियों ने मुझे

चट्टान से नीचे धकेल दिया तो उसने कुछ नहीं कहा।

"सात देवता, वैन," लिलाह ने लगभग कर्कश आवाज़ में फुसफुसाया। वह बढ़ती हुई दहशत के साथ सुन रही थी, उसे उस पर विश्वास करना मुश्किल हो रहा था, और अब वह उसकी ओर मुड़ी और अपना हाथ उसकी छाती पर रख दिया।

"अगर मैं नीचे मौजूद किसी चट्टान से टकरा जाता, तो मैं मर चुका होता," उसने आगे कहा, अब उसकी आवाज़ में कोई भावना नहीं थी। "मैं पानी में गिरा और तुरंत डूब गया। जंजीरों से निकलने की कोशिश में मैं बुरी तरह घायल हो गया—और मेरा कंधा भी अपनी जगह से हट गया। अगर उस जादुई दवा का असर तब तक लगभग खत्म न हो गया होता, तो मैं कभी बच नहीं पाता, लेकिन हताशा में आकर मैंने किसी तरह खुद को जंजीरों से छुड़ाया। मैं एक समुद्र तट पर पहुँचा, और शहर तक दस मील पैदल चलने में मुझे पूरी रात लग गई। मैं सेना के किले के द्वार के सामने गिर पड़ा और दो दिन बाद अस्पताल में होश आया। मुझे वहाँ कुछ हफ़्ते रहना पड़ा, उसके बाद ही मैं ड्यूटी पर वापस लौट सका। मेरे कमांडिंग ऑफिसर जानना चाहते थे कि क्या हुआ था। मैंने उन्हें सब कुछ बता दिया। उन्होंने मेरा मज़ाक उड़ाया। चुड़ैलें? जादू जैसी कोई चीज़ नहीं होती, और कुलीन वर्ग में चुड़ैलें तो थीं ही नहीं। उन्होंने आखिर में यह खबर फैलाई कि मेरे पिता के कुछ पुराने माफिया दुश्मन मेरे पीछे पड़े थे। "जैसे कि मैं आम आदमियों से लड़ नहीं सकता था," उन्होंने कड़वाहट भरे लहजे में कहा।

"निया ने क्या कहा? क्या उसे इस बारे में कुछ पता था?"

जब वह मिलने आई, तो मेरे कमांडिंग ऑफिसर ने उसे माफिया की कहानी सुनाई। मैं सोच रहा था कि उसे सच बताऊँ या नहीं, कि उसकी माँ एक डायन और एक दुष्ट औरत थी, लेकिन वह आँखों में आँसू लिए अंदर आई, मेरा हाथ पकड़ा और बोली कि वह मुझसे शादी नहीं कर सकती। उसकी माँ ने उसके लिए दूसरी शादी तय कर दी थी, और सबसे बड़ी बेटी होने के नाते, अगर संभव हो तो, प्रतिष्ठा के लिए शादी करना उसका कर्तव्य था। पता चला कि अंगुलस की पहली पत्नी मर चुकी थी और वह निया को अपनी अगली पत्नी के रूप में स्वीकार करने को तैयार था। या यूँ कहें कि उसके पिता, जो उस समय राजा थे, निया को अपने बेटे के लिए स्वीकार करने को तैयार थे। मैं इतना आहत था कि ठीक से सोच भी नहीं पा रहा था, और बाद में मुझे एहसास हुआ कि माँ शायद लंबे समय से ये सब कर रही थी, और हो सकता है कि वह निया को नियंत्रित कर रही हो, कम से कम उस समय तो ज़रूर। उसका व्यवहार अजीब था, उस औरत जैसा नहीं जिसे मैं जानता था।

"क्या तुमने कभी कोशिश की... तुम्हें बदला लेने की इच्छा जरूर रही होगी," लिलाह ने कहा।

"जब तक मैं अस्पताल से निकला, निया की शादी अंगुलस से हो चुकी थी। राजधानी में हर तरफ यही चर्चा थी कि सब कुछ इतनी जल्दी कैसे हो गया, लेकिन जादू-टोने का शक किसने किया होगा?" उसके कंधे फिर से तन गए, झुंझलाहट और पुराने गुस्से से। "बदला, हाँ, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा था। मैंने चुपके से वहाँ जाकर उन दोनों को मार डालने के बारे में सोचा था। अगर घटना के अगले दिन मैं ऐसा कर पाता, तो शायद कोशिश करता। लेकिन जब तक मैं होश में आया, यह जानकर कि निया की शादी हो चुकी है—और कोई भी औरत भावी राजा को तलाक नहीं देगी—मेरा हौसला पस्त हो गया। मैं अब भी उसकी परवाह करता था, और जैसा कि मैंने कहा, मुझे नहीं

लगता कि उसे अपने माता-पिता की करतूतों का ज़रा भी अंदाज़ा था। अगर मैंने उसके माता-पिता को मार डाला होता, तो वह मुझे कभी माफ़ नहीं करती, और यह मेरे करियर का अंत होता, शायद मेरी ज़िंदगी का भी। रईसों को यूँ ही नहीं मार दिया जाता।"

लिलाह ने सोचा कि वह यह बात बताए कि कानून बदल गए हैं और आजकल किसी की हत्या करना जायज़ नहीं है, कम से कम इस्कांड के नागरिकों के मामले में तो बिल्कुल नहीं। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। उसने ऐसा नहीं किया था। उसे राहत महसूस हुई, हालांकि यह सोचकर वह भयभीत हो गई कि माता-पिता ने लगभग उसे मार ही डाला था और संभवतः वे अभी भी राजधानी की सड़कों पर घूम रहे होंगे, और उन्हें इस अपराध के लिए कभी कोई सज़ा नहीं मिली होगी।

"मुझे भी डर लग रहा था," वैन ने इतनी धीमी आवाज़ में फुसफुसाया कि उसे यकीन नहीं था कि उसने उसे ठीक से सुना है। "माँ से। उस डायन से। लंबे समय तक मुझे चिंता रही कि वह मेरे पीछे आएगी और जो उसने और उसके पति ने शुरू किया था, उसे पूरा करेगी। लेकिन निया की शादी के बाद, मुझे लगता है कि उन्होंने सोचा कि मेरे बचने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने मुझे आगे कोई खतरा नहीं समझा होगा। और वे सही थे," उसने फिर से गुर्राते हुए कहा। "मेरी सारी लड़ने की कला, मेरी सारी ताकत, और मैं उस औरत के सामने बेबस था।"

इसमें कोई हैरानी नहीं कि वह जादू से नफरत करता था। जादू न केवल युद्ध में बराबरी का मौका देता था, बल्कि पलड़ा भी झुका देता था, उसे नपुंसक बना देता था और उसकी सारी ट्रेनिंग को बेकार कर देता था।

"सरडेल मुझे उसकी याद दिलाती है," वैन ने उदास स्वर में कहा।

लिलाह आश्चर्य से पलकें झपकाईं। "रिज की सार्डेल?"

वो कल्पना भी नहीं कर सकती थी कि उसका चचेरा भाई किसी शैतानी प्रवृत्ति वाली औरत से प्यार कर बैठेगा, चाहे वो कितनी भी खूबसूरत क्यों न हो। वैन का इशारा क्या था? क्या वो ये कि रिज को उसकी असलियत का पता नहीं था? या फिर ये कि वो उसे नियंत्रित कर रही थी?

"बस उसका रूप ही। काले बाल, झाइयां, विनम्र। और शांत स्वभाव की। ऐसा लगता है जैसे आप कभी पूरी तरह से नहीं जान सकते कि वह क्या सोच रही है।"

"क्या आपको लगता है... मैं उससे मिली नहीं हूँ। क्या सिर्फ उनकी शक्लें मिलती-जुलती हैं?"

"हाँ। यह देखना, यह स्वीकार करना कि वह बुरी नहीं है, बहुत मुश्किल रहा है। उसने एक बार मेरी जान भी बचाई थी। कुछ महीने पहले मुझे उसके साथ एक खोज मिशन पर जाना पड़ा था जब ज़िरकंदर को मृत मान लिया गया था, जबकि वह केवल लापता था—लगता है आपने इसके बारे में सुना होगा।"

"बाद में, हाँ।" उसकी चाची फर्न ने उसकी माँ को एक पत्र भेजा था, लेकिन जब तक वह पत्र पहुँचा, तब तक अखबारों में रिज की शानदार वापसी की खबर छप चुकी थी। उस हफ्ते ऑटोग्राफ वाले अंडरगारमेंट्स की माँगें तीन गुना बढ़ गई थीं।

"वहाँ बस मैं और वो थे। और उसकी तलवार और अजगर।" वैन ने नाक सिकोड़ी। "मुझे बार-बार खुद को याद दिलाना पड़ रहा था कि उसने मेरी जान बचाई है और मुझे उसका शुक्रगुजार होना चाहिए। सच कहूँ तो, कभी-कभी मैं होता भी था, और चाहता भी था—खैर, वो खूबसूरत भी है।

लेकिन ज़्यादातर समय मुझे खुद को दोहराना पड़ता था कि वो निया की माँ नहीं है। लेकिन ये बहुत मुश्किल था। ऊपर से मेरे पास कसान्द्रल भी थी, और तलवार चाहती थी कि मैं उसे मार डालूँ, क्योंकि वो जादू से नफरत करती है।"

"लेकिन तुमने उसे नहीं मारा," लिलाह ने कहा।

"नहीं। उसकी रक्षा के लिए एक अजगर था। और उसकी तलवार ने मुझे चेतावनी दी थी कि वह मेरे अंडकोष पिघला सकती है।"

किसी के पास इतने सहयोगी होने की बात सुनकर लिलाह का मुंह खुला रह गया, और उससे भी ज्यादा उस तलवार की बात सुनकर जो सोच और बोल सकती थी, लेकिन उसने अपना ध्यान उस चीज़ पर केंद्रित रखा जो महत्वपूर्ण थी, जो वैन को परेशान कर रही थी।

"अगर वे लोग वहाँ नहीं होते तो क्या तुम उसे मार डालते?" उसने पूछा। "अगर तुम्हें लगता कि तुम उसे काबू में कर सकते हो और बच निकल सकते हो?"

उसने जवाब देने से पहले उस सवाल पर काफी देर तक विचार किया, और लिलाह ने अपनी सांस रोक ली।

"नहीं," उसने अंत में कहा। "जैसा कि मैंने कहा, उसने मेरी जान बचाई। यह ऐसा एहसान नहीं है जिसे नज़रअंदाज़ किया जा सके।"

"अच्छा।" लिलाह ने राहत भरे शब्दों को सरल रखा, अपनी राहत को ज़ाहिर नहीं होने दिया। शायद उसने इसे महसूस कर लिया होगा। "तुम सोच रहे थे कि क्या तुम अपने पूर्वज द्वारा स्वीकार किए गए या स्वयं लिए गए कार्य को स्वीकार करते? मुझे नहीं लगता कि तुम करते। तुम अपने साथी अधिकारी को पीठ में गोली नहीं मारते, और न ही तुम उन लोगों के पहाड़ को मारने के लिए राज़ी होते जिन्होंने खुद को तुम्हारा दुश्मन साबित नहीं किया था। और रेफेरातु दुश्मन नहीं थे, थे क्या? कुछ जादूगर थे जिन्होंने अपनी शक्ति का इस्तेमाल बुराई के लिए किया, जैसे निया की माँ ने किया, लेकिन कई और लोगों ने सदियों से हमारे राष्ट्र को कोफाह से मुक्त रखने में मदद की। अगर तुम जलने से बची हुई किताबें ढूंढ सको, तो उसमें यह लिखा होगा। तुम ऐसा नहीं करते, वैन। तुम एक नेक इंसान हो।" उसने अपना हाथ उसके चेहरे के किनारे पर रखा—वह उसकी बातें सुनते हुए एकदम शांत खड़ा था, और उसे उम्मीद थी कि उसके शब्दों का कुछ असर होगा, शायद कुछ मदद भी मिलेगी। "तुम बिल्कुल भी जानवर नहीं हो।"

"नहीं?" उसने धीरे से कहा और अपना हाथ उसकी पीठ पर फेरा। "बिल्कुल नहीं?"

"खैर, मैंने अभी तक आपको सभी परिस्थितियों में नहीं जाना है।"

"हम्म।" अंधेरे में भी, उसे अपने होंठों से उसके होंठों को छूने में कोई परेशानी नहीं हुई।

पहले जब उसने उसकी गर्दन पर चुंबन किया था, तब वह कांप उठी थी, लेकिन यह अनुभव कहीं बेहतर था। वह उसमें समा गई, उसके बारे में उसके कुछ संदेह दूर हो गए, और आसपास के माहौल को लेकर उसका डर और भी कम हो गया—जब वह अपनी कहानी सुना रहा था, तब वह अपनी दुर्दशा के बारे में भूल ही गई थी।

उसका चुंबन उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक कोमल था, और उसने महसूस किया कि वह उसके साथ यहाँ मौजूद रहकर, उसकी बातें सुनकर खुश है। इससे उसकी आत्मा को सुकून मिला

—और शरीर के अन्य हिस्सों को भी। उसके भीतर लंबे समय से दबी हुई इच्छा जागृत हुई, और उसने अपनी बाहें उसके कंधों पर सरका दीं, मानो खुद को उससे सटा लेना चाहती हो, उसे अपने करीब रखना चाहती हो, क्योंकि वह उसके होंठों और जीभ के स्पर्श का आनंद ले रही थी। वह शुरू से ही उसकी ओर आकर्षित थी, यहाँ तक कि जब वह गुस्से में था और चिल्ला रहा था, और उसके स्पर्श ने उसे निराश नहीं किया। कुछ कोमलता गायब हो गई, उसकी जगह भूख और ज़रूरत ने ले ली जब उसकी बांह उसकी पीठ के चारों ओर कस गई। उसने कल्पना की कि वह अपनी तलवार गिरा दे, उसके सिवा सब कुछ भूल जाए, उसे दोनों बाहों में उठा ले, और उसे पास के किसी पत्थर से सटा दे—

वैन ने चुंबन तोड़ा, गहरी साँस लेते हुए उसका सीना उसके सीने से सट गया। निराशा उसके भीतर उमड़ पड़ी, और उसकी पहली प्रतिक्रिया उसे और कसकर पकड़ने की थी, ताकि वह भाग न जाए। वह उसके शरीर में तनाव महसूस कर सकती थी और जानती थी कि वह आगे बढ़ना चाहता है, शायद उसके मन में भी कुछ और विचार हों।

लेकिन उसने अपना गला साफ किया और पीछे हटते हुए अपना हाथ नीचे कर लिया।

उन्होंने कहा, "हमें काइका और बाकी लोगों को ढूंढना होगा, और हो सकता है कि यहां नीचे और भी भेड़िये हों।"

“कर्तव्य पहले?” उसने अनिच्छा से उसके कंधों को छोड़ते हुए धीरे से कहा।

वह चाहती थी कि उन्हें साथ में और समय मिले, अधिमानतः इस पहाड़ से बाहर, लेकिन समय तो मिले। क्या होगा जब उसे घर वापस अपने काम पर लौटना होगा और वह सैकड़ों मील दूर यहीं रह जाएगा? उसने ठान लिया कि इससे पहले उसे उससे सिर्फ़ एक चुंबन से ज़्यादा कुछ चाहिए।

“पहले जीवित रहना,” वैन ने कहा। “अभी तो कर्तव्य निभाना बहुत मुश्किल है।”

"पैर की अंगुली?"

उसने नाक सिकोड़ी और उसकी पीठ सहलाई। "बिल्कुल सही।"

अध्याय 12

वैन बड़ी सावधानी से लगभग सीधी खड़ी दीवार पर चढ़ने लगा, ठंडी चट्टान उसके हाथों के नीचे खुरदरी लग रही थी। नीचे की खाई को भांपते हुए, उसने अपना ध्यान चढ़ाई पर केंद्रित किया और लीला के साथ किए गए चुंबन पर बिल्कुल भी नहीं। न ही उसके सीने से दबे हुए उसके स्तनों के सुखद एहसास पर, उसके हाथों में उसके गर्म और उत्तेजित शरीर पर। न ही उसका मन उस सहानुभूतिपूर्ण तरीके पर अटका, जिस तरह से उसने उसकी कहानी सुनी थी, एक ऐसी कहानी जिसे वह साझा करना नापसंद करता था क्योंकि इससे उसकी कमजोरी उजागर होती थी। लेकिन उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि वह किसी चुड़ैल जैसी औरत से हार गया था। उसने भी उत्साह से उसे चुंबन दिया था, वह भी उसके स्पर्श को उतना ही चाहती थी जितना वह उसके स्पर्श को चाहता था।

उसका हाथ फिसल गया, और संतुलन बनाने के लिए अपना वजन बदलते समय नुकीली चट्टान से उसकी उंगलियों पर खरोंच आ गई। उसने कम रोशनी और अपने आसानी से विचलित होने वाले मन पर गुस्सा किया और ऊपर की ओर बढ़ता रहा। काश कोई जादू होता जिससे कासन्द्रल चमक उठता। उसे अपनी लालटेन मिल गई थी, लेकिन दोनों हाथों की ज़रूरत होने के कारण वह उसकी कमर से लटकी हुई थी, और गर्म कांच से उसके कपड़ों के ऊपर से जलने और एक नया निशान छोड़ने का खतरा था। उसे नहीं पता था कि उसके पास कब तक रोशनी रहेगी, क्योंकि भंडार में एक छेद से केरोसिन रिस रहा था। वैसे भी, लौ से ज़्यादा रोशनी नहीं हो रही थी। अफसोस की बात है कि उसकी रस्सी एक टूटे-फूटे बकरी के रास्ते के किनारे एक पेड़ से लटक रही थी।

“कुछ पता चला?” लिलाह ने ऊपर से पुकारा, उसकी आवाज नीचे अंधेरे में गूंज रही थी।

घोर अंधेरा। मलबे के बीच उन्हें केवल एक टूटी हुई लालटेन ही मिली थी, इसलिए वह वहाँ बिना किसी रोशनी के थी। उसे उम्मीद थी कि वह परेशान नहीं होगी। सौभाग्य से, उसकी आवाज़ शांत हो गई थी और अब उसमें घबराहट नहीं थी। शायद इसलिए कि अब उसे विश्वास हो गया था कि वह कोई महान नायक है जो उसकी रक्षा करेगा। वह उसका महान नायक बनना चाहता था, और उसका विश्वास उसे प्रसन्न करता था, लेकिन वह उतना आश्वस्त नहीं था जितना वह दिखती थी कि अगर उसे मौका मिलता तो वह मेजर थेरिक जैसे ही कुछ फैसले नहीं लेता। हाँ, वह कप्तान को गोली नहीं मारता, लेकिन चुड़ैलों का क्या? इस बारे में वह कम आश्वस्त था। उसने जब कहा था कि वह सार्डेल को चोट नहीं पहुँचाएगा, तो उसका यही इरादा था, लेकिन वह अलग थी। वह उसका ऋणी था।

"ऐसा लग रहा है कि मैं लगभग उस कक्ष तक पहुँच गया हूँ—जहाँ वह कक्ष था," उसने पीछे मुड़कर कहा और अपनी चढ़ाई जारी रखी।

उसने ऊपर के अँधेरे में आँखें सिकोड़ीं। यह निश्चित रूप से एक प्राकृतिक गुफा थी, चुड़ैलों द्वारा खोखली नहीं की गई थी। हालाँकि, ऊपर की ओर, उन सपाट धूसर दीवारों के अवशेष दिखाई दे रहे थे, गहरे और खुरदुरे चट्टान पर धूसर धब्बे बने हुए थे। अँधेरे में, वह दो सुरंगों की आकृतियाँ

देख सकता था, दोनों के मुँह मलबे से भरे हुए थे। एक वह थी जिसे काइका ने भेड़ियों को रोकने के लिए ढहा दिया था। दूसरी वह थी जिससे वैन उस कक्ष में दाखिल हुआ था। वे किसी भी तरह से बाहर नहीं निकल सकते थे, जब तक कि कोई मलबे को उड़ा न दे। अगर काइका या बोसमोंट ने विस्फोटक लगाए, तो वैन को एहसास हुआ कि उस समय नीचे खड़े रहना उसके और लिलाह के लिए जानलेवा होगा।

“कैप्टन काइका?” वैन ने पूरी ताकत से पुकारा। “बोसमोंट? क्या कोई मुझे सुन सकता है?”

उसने अपना माथा ठंडे पत्थर पर टिका दिया और प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा करने लगा। लेकिन उसे सन्नाटे के सिवा कुछ सुनाई नहीं दिया।

उन्हें आश्चर्य हुआ कि काइका और बोसमोंट ने अभी तक उनसे संपर्क करने का कोई तरीका नहीं खोजा था, कम से कम दूर की किसी चट्टान पर दस्तक देकर ही सही। शायद वह सुरंग निकास तक पूरी तरह ढह गई हो। या शायद कोई चीज़ उन्हें वहाँ व्यस्त रखे हुए हो? और भेड़िये? शापित जीवाश्म?

सिर हिलाते हुए वैन नीचे उतरने लगा। ज़मीन पर पहुँचने से पहले दीवार पहले सीधी थी, फिर ढलानदार हो गई और फिर से सीधी हो गई। ज़मीन की बनावट के कारण वे भाग्यशाली रहे, वरना गिरने से उन्हें और भी ज़्यादा चोट लग सकती थी। वे लगभग तीस फीट नीचे गिरे थे। वैन के पैर में दर्द हो रहा था जहाँ भेड़िये के दाँतों ने घाव किया था, लेकिन उसे कोई और गंभीर चोट नहीं आई थी।

"हमें कोई दूसरा रास्ता ढूंढना होगा," उसने कहा जब उसकी लालटेन की हल्की रोशनी लिलाह पर पड़ी।

उसने सोचा कि शायद वह अंधेरे से घबराकर अपने हाथों को अपने चारों ओर लपेटे खड़ी होगी, लेकिन उसने उसे उस चबूतरे पर रखे एक पैनल पर किसी चीज़ की कोयले से रगड़कर छाप बनाते हुए पाया। उसकी सतह विकृत और काली पड़ चुकी थी, प्रतीक अब अपठनीय थे, लेकिन उसे कुछ वैज्ञानिक रूप से दिलचस्प ज़रूर मिला होगा। उसने कागज़ लहराया।

"क्या मैं इसे आपके बैग में रख दूं? मैं सुरंगों में बैग लाना भूल गया था।"

“ठीक है।” वैन मुड़ी ताकि वह उसे एक थैली में रख सके।

उसके चेहरे पर गंदगी लगी थी, बालों में धूल जमी थी और हाथों और एक गाल पर खरोंच के निशान थे, लेकिन अगर उसे यह डर न होता कि काइका उनके ऊपर विस्फोटक लगा देगी, तो वह खुशी-खुशी फिर से चुंबन करने लगता।

उसके चेहरे पर दिख रहे दृढ़ भाव से ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था कि अब उसके मन में चुंबन का कोई विचार है। जैसे-जैसे वह इस स्थिति से अभ्यस्त होती गई, उसने अपने पहले के डर को पीछे छोड़ दिया होगा।

कागज़ को एक तरफ रखने के बाद, उसने उसकी राइफल उठा ली। चढ़ाई करते समय उसे मलबे के नीचे राइफल मिल गई होगी। अच्छा हुआ।

"क्या आपको लगता है कि कोई और रास्ता होगा?" लिलाह ने उस अकेली सुरंग की ओर देखा जो उस मलबे से भरे कक्ष से खुलती थी जिसमें उन्हें लाकर रख दिया गया था।

मुँह पत्थरों से आधा भरा हुआ था। उसे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि यह ऊपर जाता है या नीचे या इन रास्तों का कितना हिस्सा अभी भी सुलभ है।

“कम से कम, हम यहाँ, इस गड्ढे के नीचे नहीं बैठना चाहेंगे—” वैन ने उनके ऊपर स्थित पुराने कक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, “—जब बाकी लोग धमाके करने लगें। हम सुरंग की जाँच करेंगे। शायद हमारी किस्मत अच्छी रही और यह उस सुरंग से जुड़ जाए जहाँ से घुसपैठ करने वाली टीम ने अंदर प्रवेश किया था। अगर हम वहाँ तक पहुँच गए, तो हम उस रास्ते से बाहर निकल सकते हैं।”

जब वह धुंधली गुफा में आगे बढ़ने लगा तो एक चट्टान से टकरा गया, और पिंडली में लगे ज़ख्मों में दर्द होने पर उसका चेहरा बिगड़ गया। लिलाह को गोद में लिए हुए उसने इस चोट को नज़रअंदाज़ कर दिया था, लेकिन अगर उसे इस पर चलना ही था तो पट्टी बांध लेनी चाहिए थी। उसके पास प्राथमिक चिकित्सा किट तो थी ही।

लिलाह ने उसकी बांह को छुआ। "मुझे माफ़ करना। मैं आपके पैर के बारे में भूल गई थी। क्या मैं इसे आपके लिए साफ़ कर दूं?"

“हाँ, लेकिन पहले हमें इस इलाके से निकल जाना चाहिए।” वैन ने सुरंग की ओर इशारा करते हुए कहा। “अगर जादुई भेड़िये हमें ढूंढ लेते हैं, तो वह छोटी जगह ज़्यादा सुरक्षित भी होगी।”

“क्या तुम्हें यकीन है कि वे जादुई थे?” लिलाह ने पूछा, मलबे से रास्ता बनाते हुए सुरंग की ओर बढ़ते हुए वह उसके करीब ही रही। वैन का लंगड़ाने या सहारे के लिए उस पर झुकने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन उसे उसकी मौजूदगी अच्छी लग रही थी। “वह हमला इतनी जल्दी हुआ कि मैं उन्हें ठीक से देख नहीं पाया।”

“मेरी तलवार चमक उठी। जादू के होने पर या ड्रैगन के खून वाले लोगों के होने पर ऐसा होता है।”

अब यह चमक रहा है।

वैन रुका और कसंद्रल को म्यान से बाहर निकाला। उसने गुस्से में बड़बड़ाया। वह सही कह रही थी। पहले ऐसा नहीं था—जब वह लिलाह को दिलासा दे रहा था, तब उसने तलवार निकाल कर तैयार रखी थी।

"तो शायद हमारे यहाँ कुछ मेहमान आने वाले हैं," उसने गंभीर स्वर में कहा, ऊपर खुले कक्ष की ओर और उस सुरंग की ओर देखते हुए जिसमें वे चढ़ने वाले थे।

उसके कानों तक हल्की खटखटाहट की आवाज पहुंची। पत्थर पर पंजे चलने की आवाज। कसंद्रल का रंग और भी चमकीला हरा हो गया।

“हम यहीं लड़ेंगे।” वैन सुरंग के मुहाने से हटकर एक घुमावदार दीवार की ओर बढ़ा, जहाँ ज़मीन लगभग मलबे से साफ़ थी। यह पूरी तरह से कोना तो नहीं था, लेकिन कम से कम उसकी पीठ के पीछे कुछ पत्थर तो होंगे, और वह बिना किसी चीज़ से टकराए लड़ सकेगा। उसने अपनी लालटेन एक बड़े पत्थर पर रख दी, हालाँकि तलवार चमक रही थी, इसलिए अब उन्हें उसकी रोशनी की ज़रूरत नहीं थी।

वैन ने लिलाह को अपने पीछे रहने का इशारा किया। उसने वैसा ही किया, लेकिन साथ ही

राइफल को अपने कंधे पर उठाकर सुरंग के मुहाने की ओर निशाना साधा। वह समझ गया कि उसे किसी के पीछे छिपना बिल्कुल पसंद नहीं था। लेकिन वह जानता था कि बंदूक बेकार होगी, और उसे लिलाह को सुरक्षित और रास्ते से हटाना था। वह समझ नहीं पा रहा था कि ये भेड़िये कहाँ से आए हैं, लेकिन उसे इसमें कोई शक नहीं था कि वे जादुई थे।

दो काली आकृतियाँ मलबे के ऊपर से तेज़ी से सुरंग से बाहर निकलीं। राइफल की आवाज़ गूंजी, जो बंद गुफा में ज़ोर से सुनाई दी। गोली पास के प्राणी के बगल में लगी। जैसा कि अन्य शल्कित भेड़ियों के साथ हुआ था, गोली उछलकर वापस चली गई और कोई नुकसान नहीं पहुँचाया।

वैन कसंद्रल को ऊपर उठाकर घुटनों के बल बैठ गया। क्रोध और भूख उसकी रगों में दौड़ रही थी, साथ ही युद्ध की आशंका होने पर होने वाला सामान्य रक्त प्रवाह भी।

वे जीव अपने कोने की ओर मुड़ गए। उनकी आँखें पीली चमक रही थीं। वैन ने पहले इस पर ध्यान नहीं दिया था, लेकिन अंधेरे में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

उन्होंने तुरंत हमला नहीं किया। वे दबे पांव उसकी ओर बढ़े, उनके पंजों की आवाज उसके कानों में गूंज रही थी। उनमें से एक ने गहरी गुर्राहट निकाली।

अगर वैन अकेला होता, तो शायद वह उन पर हमला कर देता और उनके शिकार करने के तरीके को बिगाड़ने की कोशिश करता, क्योंकि उसे ऊपर उड़ने वालों के छलांग लगाने का अनोखा तरीका याद था, जिनमें से दो ने एक साथ उस पर हमला किया था। लेकिन वह लिलाह को असुरक्षित नहीं छोड़ना चाहता था। उसे बस इतना तेज़ होना था कि दोनों जानवर उसके पास पहुँचने से पहले ही उन पर वार कर दे।

भेड़िये कसंद्रल की हल्की हरी रोशनी में घुस आए, वे उतने ही विशाल, खुरदरे और शक्तिशाली थे जितने ऊपर वाले थे। उस मुठभेड़ की याद आते ही वैन के पैर में तेज़ दर्द होने लगा। उसकी तलवार को भी वह याद आ गया। कसंद्रल उसके हाथ में झनझना रहा था, जिससे इन घिनौने जादुई जीवों को मार डालने की तीव्र इच्छा उसके मन में जाग उठी। वह अपने पैर का दर्द भूल गया, उसका दिमाग सारे विचारों से खाली हो गया, उसकी मांसपेशियां शिथिल हो गईं, मानो वह चाबुक की तरह तेज़ी से वार करने के लिए तैयार हो।

शिकारी अलग हो गए, एक पत्थरों के ढेर के चारों ओर बाईं ओर मुड़ गया, दूसरा दाईं ओर। वैन कुछ कदम पीछे हट गया, जितना वह लीला से टकराए बिना हट सकता था। वह उन्हें अपने चारों ओर से घेरने नहीं दे सकता था।

वे धीमे हो गए, नीचे झुक गए, उनकी पूंछें हिल रही थीं। उनकी हरकतें इतनी मिलती-जुलती थीं कि ऐसा लग रहा था मानो एक ही दिमाग उन्हें नियंत्रित कर रहा हो।

बिना किसी चेतावनी के, वे झपटे। एक उसकी दाहिनी ओर कूदा, दूसरा बाईं ओर। वह बच नहीं सकता था, वरना वे लिलाह तक पहुँच जाते। उसने खुद को तैयार किया और अपने पहले वार का समय तय किया। उसने बाईं ओर वाले पर वार किया, उसकी खाल को चीरते हुए, फिर तलवार को तेज़ी से घुमाकर दूसरे पर वार किया। उसके पहले ही वार से उसका निशाना एक तरफ हट गया, लेकिन दूसरा भेड़िया और आगे बढ़ गया, उसके जबड़े उसके चेहरे पर झपटने लगे। वह झुक

गया, और उसके पंजे उसके कंधे पर लगे, उसका सिर घूम गया और नुकीले दांत उसकी गर्दन में धंसने की कोशिश कर रहे थे। उसने अपनी स्थिति को थोड़ा सा बदला ताकि वह इस खतरे से बच सके और साथ ही तलवार को ऊपर की ओर वार किया। जैसे ही वैन ने तलवार को उसके मांस में घुसाया, उसकी हरी चमक जानवर के काले पपड़ीदार पेट पर फैल गई।

वह प्राणी दर्द से चीख उठा, उसकी चीख वैन के कानों के इतने करीब गूंजी। उसने अपने खाली हाथ से उसे धक्का दिया, लेकिन गुरुत्वाकर्षण और भेड़िये के वजन के कारण वह तलवार पर और नीचे गिर गया। दूसरा जानवर गिरकर संभल गया। उसने वैन के असुरक्षित हिस्से पर हमला कर दिया। वैन की तलवार एक भेड़िये को चीरने में व्यस्त थी, इसलिए वह उसे तुरंत दूसरे पर नहीं चला सका। लिलाह उसके पीछे से निकली और अपनी राइफल के बट से उस प्राणी के सिर पर वार किया।

उस वार से उस जीव पर ज़रा भी असर नहीं हुआ, बस वह एक पल के लिए रुका। वैन को बस एक पल की ही ज़रूरत थी। जैसे ही वह लिलाह की ओर झपटा, उसने दूसरे भेड़िये को उससे दूर धकेल दिया और इससे पहले कि वह लिलाह तक पहुँच पाता, उसने तलवार को ज़ोर से नीचे पटक दिया। उसके रगों में क्रोध की आग जल रही थी—उसने लिलाह को धमकाने की हिम्मत कैसे की—और उसने बार-बार उस पर वार किया, तलवार उसकी खाल को चीरती हुई मांस और मांसपेशियों को चीरती चली गई।

उसके बगल से आई गुर्राहट ने उसे आगाह किया कि दूसरा वाला हार मानने को तैयार नहीं है। उसने अपनी तलवार से अपने जादुई दुश्मन पर एक बार फिर वार किया, फिर घूमकर दूसरे से भिड़ने के लिए उसे पत्थरों के ढेर पर लात मार दी। उसने उसे बुरी तरह घायल कर दिया था, और वह उछलने के बजाय लड़खड़ाते हुए उसकी ओर बढ़ा। उसकी आधी आंतें ज़मीन पर घिसट रही थीं। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि वह भाग नहीं रहा है, लेकिन उसने उसके कमज़ोर हमले का सामना किया और तलवार से उसके सिर पर वार किया।

भेड़िये की आँखों की चमक फीकी पड़ गई और वह ज़मीन पर गिर पड़ा, उसके खुरदरे पैर लड़खड़ा गए। वैन दूसरे भेड़िये की ओर मुड़ी, लेकिन वह भी गिर चुका था। लिलाह राइफल को उसके सिर पर ताने खड़ी थी।

कासन्द्रल की हरी चमक मंद पड़ गई, लेकिन पूरी तरह बुझी नहीं। वैन इंतज़ार करता रहा, जानवरों को देखता रहा, उसे आधा यकीन था कि उनमें से कोई एक फिर से उठ खड़ा होगा, कि जो भी जादू उन्हें शक्ति दे रहा है, वह अपना असर दिखाएगा। जानवर हिले तक नहीं।

"अगर ये वही सुरंगें हैं जो ऊपर काइका के चट्टान गिरने से बंद हो गई थीं, तो इसका मतलब है कि यह सुरंग ऊपर वाली सुरंगों से जुड़ती है।" लिलाह ने उस रास्ते की ओर इशारा किया जिसे वे देखने वाले थे। उसकी आवाज़ शांत थी, हाथ स्थिर था, ऐसा लग रहा था जैसे शिकार से उसे उतना डर नहीं लग रहा था जितना चट्टानों से घिरी अंधेरी जगहों में दब जाने से।

वैन ने कसान्द्रल को नीचे उतारा और अपना खाली हाथ उसके कंधों पर लपेट लिया, उसकी स्थिरता से वह प्रसन्न था। अगर इसका मतलब यह होता कि वह जादू के विरुद्ध युद्धों में उसके साथ खड़ी रहने को तैयार है, तो वह गुफा ढहने के दौरान भी खुशी-खुशी उसका हाथ थाम लेता।

लिलाह ने अपनी धूल से सनी भौंहें उठाकर उसकी ओर देखा। "क्या यह इस बात का संकेत है कि तुम मुझसे सहमत हो?"

"यह इस बात का संकेत है कि मेरे मन में आपके प्रति प्रशंसा और प्रेम की भावनाएँ हैं।"

“भावनाएं? आपकी?” वह मुस्कुराई और उसके सीने से लग गई।

“प्रेमपूर्ण भावनाएँ।”

"जब आपकी कमीज भेड़िये के खून से सनी हो और आपके पैरों के पास आंतें पड़ी हों, तो क्या उन्हें पाना मुश्किल होता है?"

"बिल्कुल नहीं।" वैन ने उसे छोड़ दिया, कहीं ऐसा न हो कि यह इस बात का संकेत हो कि वह अपने कपड़ों पर भेड़िये का खून नहीं लगने देना चाहती थी, लेकिन वह उस पर मुस्कुरा रही थी, इसलिए उसे यह देखकर तसल्ली मिली।

तुम एक पिशाच हो।

“जी हां। क्या आपको कोई आपत्ति है?”

"जब तुम मेरी खोजों को ले जा रहे हो तब नहीं।"

लिलाह ने पत्थरों के ढेर के पीछे ज़मीन से कुछ उठाया। वह कचरे के टुकड़े जैसा लग रहा था, लेकिन उसे लगा कि शायद यह कोई दिलचस्प रेफेरातु कलाकृति हो सकती है। उसने उसे पीछे मुड़ने का इशारा किया ताकि वह उसे उसके थैले में रख सके। वह सोच रहा था कि बाहर निकलने का रास्ता ढूंढते-ढूंढते उसके पास कितनी चीज़ें हो जाएंगी। काम खत्म होने पर उसने उसके कंधे पर थपथपाया।

“क्या आपकी किताबों में सैनिक नायिका के लिए इसी तरह का काम करता है?” वैन ने पूछा। “सामान ढोना?”

“नहीं, इसके लिए उनके पास एक कॉर्पोरल है। कमांडर असिलोन पहेलियाँ सुलझाने में उसकी मदद करता है। वह उसके लिए दुष्ट कोफाह आक्रमणकारियों को भी खदेड़ता है।”

“जैसा कि हर आदमी को करना चाहिए।” वैन ने सुरंग की ओर इशारा करते हुए कहा। “क्या हम अभी बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ सकते हैं?”

“हाँ, लेकिन वैन?”

"हाँ?"

“मैं चाहती हूँ कि आप यह जान लें कि भले ही मेरा जीवन बर्बाद हो गया है—” लिलाह ने टूटे-फूटे चबूतरे की ओर इशारा करते हुए कहा, “—मैं आपके साथ अच्छा समय बिता रही हूँ।”

उसे इस व्यंग्य को समझने में थोड़ा समय लगा। "खंडहर, है ना?"

उसने गंभीरता से सिर हिलाया, उसकी आँखों की चमक पूरी तरह से छिपी नहीं थी। "यह मेरे पति का एक मज़ाक था। वह एक पुरातत्वविद थे।"

लालटेन ठीक उसी क्षण बुझ गई, और उसमें बचा हुआ सारा केरोसिन भी रिस गया। शायद देवताओं को विज्ञान से जुड़े चुटकुले पसंद नहीं आए।

“अच्छा हुआ कि हमारे पास अभी भी तुम्हारी तलवार है।” लिलाह ने तलवार की चमक की ओर इशारा किया।

"हां, लेकिन मुझे लगता है कि जैसे ही हम भेड़ियों से दूर जाएंगे, यह समस्या दूर हो जाएगी।"

"अगर हम एक पूंछ काट कर अपने साथ ले जाएं तो क्या होगा?"

वैन को अपनी कमर में इस तरह की घिनौनी ट्रॉफी लटकने का ख्याल पसंद नहीं आया, लेकिन क्या यह कारगर होगी? या दुश्मनों का खून ठंडा होते ही कासैंड्रल की चमक फीकी पड़ जाएगी? "क्या तुम्हें यकीन है कि मैं ही वह पिशाच हूँ?"

वह मुस्कुराई। "सकारात्मक।"

उसने फिर से नाक से आवाज़ निकाली, फिर काम करने के लिए झुका। वे कोशिश कर सकते हैं।

जब वह काम कर रहा था, लिलाह ने कमरे में इधर-उधर देखा और संग्रह करने के लिए कुछ और ऐतिहासिक महत्व की वस्तुएँ ढूँढ़ लीं। जब वह झुकी और दो पत्थरों के बीच रेंगने लगी, तो उसने चोरी-छिपे उसकी ओर देखा। उसने सोचा कि अगर वह जल्द ही उसे फिर से बहलाने की कोशिश करे, शायद शब्दों से ज़्यादा, तो वह क्या सोचेगी। उसे यह सोचकर भेड़िया जैसी मुस्कान आई कि वह उसे अपने कमरे में ले जाकर अपने हथियारों का संग्रह दिखाएगा, इस बार दरवाज़ा बंद करके और बिना किसी रुकावट के।

"क्या तुम्हें उस पूंछ को काटने में मज़ा आ रहा है या तुम कुछ और सोच रहे हो?" लीला ने वापस आते हुए और राइफल उठाते हुए उसकी मुस्कान देखकर पूछा।

वैन ने उसका हाथ थाम लिया और उसे चूम लिया। हालाँकि जब वह डरी हुई थी तब उसे दिलासा देने में उसे कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अब उसकी आँखों में जो साहसिक चमक थी, वह उसे ज़्यादा पसंद आई।

जब उसने चुंबन तोड़ा तो उसने धीरे से कहा, "तुमने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया।"

मैं सोच रहा था कि ऐसी महिला मिलना दुर्लभ है जो आपकी कमर पर भेड़िये की पूंछ लटकने पर भी आपसे चुंबन स्वीकार कर ले। अगर आपको ऐसी कोई मिल जाए, तो उसे अपने पास ही रखना चाहिए।

“समझदारी भरी बातें,” लिलाह ने धीरे से कहा और उसका हाथ दबाया। “और मुझे यहाँ रखे जाने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन आप जानते हैं कि मैं यहाँ नहीं रह सकती, है ना? मुझे विश्वविद्यालय वापस जाना है, अपने काम पर, अपने करियर पर।”

वैन को यह बात पता थी, लेकिन ये शब्द सुनकर उसका हौसला पस्त हो गया। एक बार उसका शोध पूरा हो जाए, तो वह सभ्यता में लौट जाएगी, और उसे यहाँ नौ महीने और रहना पड़ेगा। और उसके बाद? वह एक सैनिक था; उसे कहीं भी भेजा जा सकता था। जब तक वह उसके पीछे-पीछे जाने के लिए सब कुछ त्यागने को तैयार न हो, तब तक यह महज़ एक छोटा सा रिश्ता ही हो सकता था। वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि वह अपने करियर को छोड़ देगी, खासकर तब जब उसे अपने प्रकाशित शोध पत्रों पर इतना गर्व था।

“शायद आप रिटायर होकर मेरे साथ आ सकते हैं,” लिलाह ने उम्मीद से भौंहें चढ़ाते हुए कहा। इससे उसे हौसला मिला, उसे लगा कि वह कुछ और चाहती है, कुछ दीर्घकालिक रिश्ता। लेकिन वह सब कुछ छोड़कर उसके पीछे-पीछे नहीं जा सकता था। नौकरी से वह परेशान था,

लेकिन और कौन सा काम कर सकता था?

"मैं अभी रिटायर होने के लिए बहुत छोटा हूँ, लिलाह," उसने धीरे से कहा। "और लोगों को पीटना—और जादुई भेड़ियों को मारना—ही मुझे आता है। मुझे शक है कि तुम्हारा विश्वविद्यालय मुझे तुम्हारे अंगरक्षक के रूप में नौकरी देगा।"

"दुख की बात है कि मुझे आमतौर पर प्रयोगशाला या कक्षा में अंगरक्षक की ज़रूरत नहीं पड़ती। मुझे खेद है कि मेरा जीवन टाइम ट्रेक उपन्यासों की नायिका के जीवन जितना रोमांचक नहीं है।"

"अगर ऐसा होता तो आपके पास शोध के लिए ज्यादा समय नहीं बचता।"

मुझे नहीं लगता।

• • • • •

लिलाह, वैन के पीछे-पीछे पत्थरों और प्राकृतिक रास्तों के साथ-साथ पुराने रेफेरातु रास्तों से गुज़रती रही, कभी रेंगती, कभी चलती, और एक बार तो वह पेट के बल एक संकरे रास्ते से रेंगकर निकली। यह सबसे मुश्किल था, क्योंकि उसकी क्लॉस्ट्रोफोबिया (बंद जगहों से डर) फिर से ज़ोरों से उभरने लगी थी। लेकिन वैन निडर था और उसका इंतज़ार करने के लिए रुक गया, उसे दिलासा देते हुए उसका हाथ या कंधा थाम लेता था। जब उसने अपना ध्यान भटकाने के लिए कुछ और मज़ाक किए, तो वह मुस्कुरा भी पड़ा। अपने सैनिकों के साथ रहने पर उसके चेहरे पर ये मुस्कान गायब हो जाती थी। यह बहुत बुरा था कि उसे रिटायर होने या नौकरी बदलने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। लेकिन जैसा कि उसने कहा था, लिलाह को समझ नहीं आ रहा था कि वह उसके लिए और कौन सा काम सोच सकती है। अंगरक्षक? सुरक्षा विशेषज्ञ? पेशेवर हत्यारा? आखिरी शब्द सुनकर वह कांप उठी। कम से कम राजा और सेना के लिए काम करना इस्कांडिया की भलाई के लिए काम करना तो था।

एक घंटा दो घंटे में बदल गया, फिर तीन घंटे में, और उन्हें कोई और भेड़िया नहीं मिला। सूखे हुए मल से यह संकेत मिला कि कुछ जीव समय-समय पर सुरंगों में आते-जाते रहते थे। लिलाह को लगा कि वह और वैन धीरे-धीरे ऊपर की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन यह कहना मुश्किल था। वैसे भी उनके पास कोई और विकल्प नहीं था। वे कुछ और सुरंगों के पास गए थे, लेकिन वे सभी बंद थीं। सौभाग्य से, वैन की तलवार चमकती रही, जो जादुई भेड़िये की पूंछ की उपस्थिति से सक्रिय हो गई थी—या शायद उत्तेजित हो गई थी।

"आगे कुछ हड्डियाँ हैं," वैन ने कहा और मलबे के ढेर से रेंगते हुए सुरंग के एक खुले हिस्से में प्रवेश किया, जिसकी दीवारें चिकनी और धूसर रंग की थीं। एक शक्ति क्रिस्टल तबाही से बच गया था और छत से चमक रहा था। बीस फीट आगे, और भी मलबा गिरा था, एक और ढेर जिसे उन्हें पार करना था।

लिलाह चट्टानों से फिसलकर वैन के बगल में खड़ी हो गई। उसने देखा कि वैन जम्हाई ले रहा है और उसे आश्चर्य हुआ कि क्या बाहर रात हो गई है। उसने उसे अपनी पानी की बोतल थमा दी और आगे पड़े एक अधूरे मानव कंकाल की ओर इशारा किया, जिसका निचला हिस्सा मलबे के ढेर के नीचे दबा हुआ था। अगर मान भी लें तो भी, वह किसी वयस्क का कंकाल होने के लिए बहुत छोटा

लग रहा था।

लिलाह ने आगे बढ़ने से पहले एक घूंट पानी पिया। जीवाश्म उसका जुनून हो सकते हैं, लेकिन इन लोगों की मौतें हाल ही में हुई थीं, बहुत ही भयावह थीं। इसके अलावा, वैन के परिवार से जुड़ाव ने रेफेरातु परिवार के साथ हुए भयानक हादसे को उसके लिए व्यक्तिगत रूप से कहीं अधिक दुखद बना दिया था।

वैन उसके साथ आगे बढ़ा, अपनी तलवार को ऊपर उठाए हुए ताकि उससे गलियारे में रोशनी हो सके।

लिलाह का पैर किसी चीज़ से टकरा गया। उसने सोचा कि यह एक पत्थर है, लेकिन वह लुढ़क कर दूर चला गया, एक दीवार से टकराकर धीरे-धीरे रुक गया। क्या यह एक गेंद थी?

उसने उसे उठाया, और वह उसके हाथ में गूंजने लगा, फिर नीली और लाल रोशनी से जगमगा उठा। घबराकर वह उसे लगभग गिरा ही देती। उस चबूतरे के लगभग फट जाने के बाद, उसे चमकने वाली कलाकृतियों से डर लगने लगा था।

गुनगुनाहट की आवाज़ की लय बदल गई, फिर उपकरण से स्पष्ट स्वर सुनाई देने लगे।

"यह एक गाना बजा रहा है," लिलाह को एहसास हुआ।

वैन उसके बगल में रुक गया, अपनी तलवार की मूठ को उंगलियों से कसकर पकड़े हुए वह उस उपकरण को घूर रहा था। तलवार की हरी चमक और भी तेज हो गई।

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है यह बच्चों का खिलौना है।"

"क्या आपको नहीं लगता कि हथियार फटने से पहले गाने बजा सकते हैं?" उसने पूछा, जाहिर तौर पर वह भी विस्फोटों के बारे में सोच रहा था।

लिलाह ने गेंद को ज़मीन पर उछाला, और गाना बदल गया; गेंद ज़मीन पर लगने पर बीच में एक झनझनाहट की आवाज़ आई और फिर गेंद पकड़ने पर भी वही आवाज़ आई। धुन खुशी से बजती रही, मानो उसे गेंद से खेलने के लिए आमंत्रित कर रही हो। उसने उदास होकर कंकाल की ओर देखा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह छोटा क्यों दिख रहा है।

वह धीरे-धीरे हड्डियों की ओर बढ़ी और उनके पास घुटने टेक दिए। यह निश्चित रूप से एक बच्चे की खोपड़ी थी, शायद आठ या दस साल के बच्चे की। धूल से सनी पतलून और बटन वाली कमीज़ को देखकर, जो कपड़े अभी भी काफी हद तक सही-सलामत थे, उसने अनुमान लगाया कि यह एक लड़के की खोपड़ी थी। जानवरों ने सैनिकों की तरह क्रूरता नहीं दिखाई थी। शायद उन्हें पता चल गया था कि यह कोई आक्रमणकारी नहीं बल्कि यहाँ का निवासी था।

उसने मन ही मन सोचा, शायद नहीं।

उसके कंधे पर एक परछाई पड़ी। वैन।

उसने कुछ उठाया जो लड़के के हाथ से कुछ ही फीट दूर पड़ा था। एक गुलेल। उसका पट्टा कमजोर होकर टूट गया था, लेकिन उसके सिरे अभी भी Y-आकार की लकड़ी से लटक रहे थे। लिलाह सोच रही थी कि क्या मलबे के नीचे माँ या पिता की हड्डियाँ दबी हैं, या क्या बच्चा खुद भागने की कोशिश कर रहा था।

"मेरे भतीजों के पास इनमें से एक है," वैन ने कहा, उनकी आवाज़ को समझना मुश्किल था।

"मेरे पास भी बचपन में ऐसा ही एक था।"

"यह सदियों से बचपन का एक पसंदीदा पेय रहा है।"

"हाँ।" उसने खोपड़ी की ओर देखा और फिर खिलौने की ओर। "मैंने सच में नहीं सोचा था—मेरा मतलब है, मुझे लगता है यह स्पष्ट है—लेकिन मैंने कल्पना नहीं की थी कि चुड़ैलें—यहाँ बच्चे भी होंगे। जब यह सब हुआ।"

मैंने भी इस बारे में नहीं सोचा था।

वैन ने गुलेल को अपने हाथ में कुछ बार पलटा, फिर उसे उसी चट्टान पर वापस रख दिया जहाँ से उसने उसे उठाया था। "मैं सुरंग के अगले हिस्से की जाँच करूँगा।"

वह किसी जवाब का इंतजार किए बिना अंधेरे में निकल पड़ा।

लिलाह ने गेंद को अपने अध्ययन हेतु संग्रह में शामिल करने का निर्णय लिया, कम से कम व्यावहारिक कारणों से ही सही, क्योंकि जब भी वह इसे उछालती या हिलाती थी, तो यह रास्ता रोशन कर देती थी। साथ ही, वह मधुर गीत भी घोर अंधकार से लड़ने में सहायक प्रतीत होता था, मानो वे किसी मकबरे में चल रहे हों।

वे लगभग एक घंटे और चले, वैन बहुत कम बोल रहा था। वह लंगड़ाने लगा, और उसे याद आया कि उसने कभी उसके पैर पर पट्टी बांधने का प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया था। जब उसने मलबे से लगभग खाली एक कोना देखा, तो उसने बोलना शुरू किया।

"क्या हम थोड़ा आराम कर सकते हैं?" लिलाह ने सोचा कि वह उसके सामने कमजोर नहीं दिखना चाहेगा, और अगर वह इस ओर इशारा करती तो वह पैर में दर्द होने से इनकार कर देता। "मैं थक गया हूँ और भूख भी लग रही है।"

वह पहले ही उसे घबराते हुए देख चुका था, इसलिए उसे दिखावा करने की कोई जरूरत महसूस नहीं हुई।

वैन ने अपनी तलवार पर नज़र डाली—वह उसे म्यान में रखने के बजाय रोशनी के लिए अपने साथ लिए घूम रहा था। "हम थोड़ी देर आराम कर सकते हैं। मैं पहरा देता हूँ। मैं ज़्यादा आराम नहीं करना चाहता क्योंकि हो सकता है कि तलवार अभी मुझे आने वाले जादू के बारे में चेतावनी न दे, खासकर तब जब वह भेड़िये की पूंछ से भ्रमित हो रही हो।"

"आह।" लिलाह आले में चली गई। "क्या इसका मतलब यह है कि हम सेक्स नहीं कर सकते?"

उसने यह बात मजाक में कही थी, लेकिन उसका सिर ऐसे घूमा जैसे कोई शिकारी कुत्ता झाड़ियों में छिपे तीतर को देख ले। उसके चेहरे से थकावट का भाव पूरी तरह गायब हो गया।

उन्होंने कहा, "मैं बिना तनाव लिए सेक्स कर सकता हूं।"

"ओह? मुझे नहीं लगता कि आप इसे सही तरीके से कर रहे हैं।"

मैं निर्देश ग्रहण करने के लिए तैयार हूं।

"क्या सच में? मुझे लगा था कि तुम इतने समझदार होगे कि अपने तौर-तरीकों पर अडिग रहोगे।"

उसने अपनी तलवार की नोक को ज़मीन पर टिकाया और उसकी ओर एक भौं उठाकर देखा।

"मुझे पूरा यकीन है कि तुमने मुझे बूढ़ा कहा है, लेकिन मैं फिर भी तुम्हारे साथ यौन संबंध बनाने को तैयार हूँ।"

मुझे पूरा यकीन है कि आपके सैनिकों को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं होगा कि आप इतने उदार हैं।

"ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उनके साथ यौन संबंध बनाने को तैयार नहीं हूं।"

“इसमें कोई हैरानी की बात नहीं कि तुम अकेले हो।” लिलाह ने उसे आले की ओर इशारा किया। “आओ, मैं तुम्हारा पैर साफ कर देती हूँ?”

शायद इस बात का प्रमाण कि यह उसे कितना परेशान कर रहा था, उसने कोई आपत्ति नहीं जताई। वह लंगड़ाते हुए उस आले की ओर बढ़ा, जो एक ढह चुकी सुरंग से ज़्यादा कुछ नहीं था। वह थोड़ा-बहुत कमरे जैसा लग रहा था, भले ही उसमें कोई आरामदायक साज-सज्जा न हो। वैन प्रवेश द्वार पर रुका, तलवार को फिर से देखा, फिर उससे किसी दूसरी भाषा में कुछ कहा।

एक पल के लिए उसकी रोशनी और तेज़ हो गई, फिर वह स्थिर हो गई। उसने उसे दीवार के सहारे टिका दिया, फिर अपना बैग हटाया और उसके बगल में बैठ गया, उसकी पीठ भी उसी दीवार की ओर थी। उसने अपने पैर सीधे फैला दिए।

“उससे क्या हुआ?” लिलाह ने पूछा।

"शायद कुछ नहीं, लेकिन इसके साथ किसी पुरानी, विलुप्त भाषा में कुछ आदेश आए थे। माना जाता है कि यही वह आदेश है जो इसे पीछे हटने के लिए कहता है, लेकिन साथ ही सतर्क रहने के लिए भी कहता है।"

"क्या मुझे इस बात की चिंता करनी चाहिए कि तुम्हारी तलवार कुत्ते जितनी ही चालाक है?"

“अगर यह किसी जादुई भेड़िये से ज्यादा बुद्धिमान नहीं है, तो आपको चिंतित होना चाहिए।” वैन ने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया।

लिलाह ने थोड़ी देर पहले ही प्राथमिक चिकित्सा किट देख ली थी, जब वह उसके बैग में मरहम के टुकड़े रख रही थी, और अब उसने उसे बाहर निकाल लिया। जब उसने उसके जूते की फीती खोली और उसकी बुरी तरह क्षतिग्रस्त पतलून का पाँव ऊपर किया, तो उसने अपनी आँखें नहीं खोलीं। घाव लाल और सूजे हुए थे और उन्हें घंटों पहले ही साफ कर देना चाहिए था, लेकिन वह समझ सकती थी कि उसने काइका द्वारा लगाए जाने वाले किसी भी विस्फोटक के संभावित विस्फोट मार्ग से बाहर निकलने को प्राथमिकता क्यों दी थी। बेशक, कोई विस्फोट नहीं हुआ था, कम से कम उन्हें तो कोई सुनाई नहीं दिया था। उसे अपने बाकी लोगों की चिंता जरूर होगी। क्या काइका और बाकी लोग भी उसी गुफा के ढहने में फंस गए थे?

"तुम्हें क्या लगता है कि ऐसे विचित्र भेड़िये कैसे अस्तित्व में आए?" लिलाह ने पूछा।

"चुड़ैल के रखवाले कुत्ते।"

उसने पानी की बोतल से थोड़ा-थोड़ा पानी लेकर घावों को बिना पानी बर्बाद किए धोने की पूरी कोशिश की। हालाँकि अब तक वे पानी का बहुत सोच-समझकर ही पी रहे थे, लेकिन उनके पास बस एक ही बोतल थी।

“तो फिर वे बहुत बूढ़े रखवाली करने वाले कुत्ते हैं। और अब उनके पास रखवाली करने के

लिए बचा ही क्या है?"

"हो सकता है कि वे तीन सौ साल से सो रहे हों और अभी-अभी जागकर मेरे पैर को आतंकित करने लगे हों।"

लिलाह ने प्राथमिक चिकित्सा किट से एंटीसेप्टिक टिंचर निकाला। "तुम्हारा पैर वाकई बहुत खास होगा।"

"अब इसे देखने के बाद भी तुम सहमत नहीं हो?" उसने आँखें खोलीं जब उसने खुरदुरा तरल लगाया, हालाँकि जलन तो हो रही होगी, फिर भी वह झिझका नहीं। "यह निराशाजनक है।"

"फिलहाल यह थोड़ा गल चुका है। शायद ठीक होने के बाद यह और भी प्रभावशाली दिखेगा।"

"हम्म।" उसने आधी बंद आँखों से उसे काम करते हुए देखा।

जैसे ही उसने उसके पैर पर पट्टी बाँधी, उसे लगा कि कहीं वह मन ही मन कुछ अंतरंग बातें तो नहीं सोच रहा। भगवान ही जानते हैं, ये बातें उसके मन में भी चल रही थीं। अपने हमेशा के सख्त सिपाही वाले स्वभाव के मुकाबले वह बहुत शांत लग रहा था, मानो उससे मज़ाक करते हुए वह चंचल हो गया हो। यह अंतरंग गतिविधियों के लिए आदर्श जगह नहीं थी, लेकिन क्या पता उनके पास और मौके ही न हों? क्या पता यह सुरंग कभी बाहर निकलने का रास्ता ही न दिखाए? क्या पता उनका खाना-पानी खत्म हो जाए और—

"लिलाह?" वैन ने पूछा, उसकी निगाहें उसके चेहरे पर टिकी हुई थीं।

उसने गहरी सांस ली। क्या उसकी चिंताएं किसी को दिख रही थीं? "हां?"

मुझे उम्मीद नहीं थी कि चुड़ैलों के बच्चों के पास सामान्य खिलौने होंगे।

"नहीं?" उसने पट्टी का सिरा अंदर की ओर मोड़ा और उसकी फटी हुई पतलून का एक पैर नीचे खींच दिया।

मुझे लगा कि वे जन्म से ही निर्दोष लोगों पर आग के गोले फेंकते फिरते हैं।

लिलाह खिसक कर उसके बगल में दीवार से लगकर बैठ गई। "वे—थे—बस इंसान थे, वैन। और मैंने कई महाद्वीपों की कई संस्कृतियों के पुरातात्विक साक्ष्यों से जो देखा है, उससे पता चलता है कि खिलौनों के रूप में गेंदें लगभग सार्वभौमिक थीं।"

"मैं गुलेल के बारे में सोच रहा था," उसने अपने पैरों की ओर देखते हुए कहा। उसकी पिंडली सूजी हुई थी, इसलिए उसने जो जूता उतारा था, उसे वापस नहीं पहना था।

कुछ देर बाद, वह हिला और उसने उसे अपना हाथ बढ़ाया। "मेरी एक मदद करोगी, लिलाह?"

"हाँ," उसने कहा, उसका दिल तेज़ी से धड़कने लगा क्योंकि वह सोच रही थी कि वह उससे क्या मदद चाहता होगा। वह उसके करीब झुकी, उसके कंधे पर रखे हाथ को स्वीकार किया, फिर उसकी आँखों में देखा, उसकी कमीज़ के नीचे से उसके धड़ की उभरी हुई मांसपेशियों को महसूस करते हुए।

"अगर मैं थोड़ी देर के लिए झपकी लेता हूँ, तो कलाकृतियों की तलाश में इधर-उधर मत भटकना।"

ओह। उसने ऐसा नहीं सोचा था।

"आप ऐसे व्यक्ति लगते हैं जो सावधानी पर जिज्ञासा को हावी होने देते हैं," उन्होंने भौंहें

चढ़ाते हुए कहा।

वह आक्रोश व्यक्त नहीं कर सकी। यह सच था।

"आपको शायद यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मैं इतनी थक जाऊं कि इधर-उधर भटक न सकूं," उसने कहा।

उसकी पलकें झुक गईं और उसने अपनी पलकों के बीच से उसे देखा। "क्या आप बता सकती हैं कि यह कैसे किया जा सकता है? आप तो काफी खुशमिजाज लग रही हैं।"

"मैं-"

ज़मीन कांप उठी, धूल उन पर गिरने लगी। क्या दूर से कोई धमाका हुआ था? उसने वैन का पैर कसकर पकड़ लिया। अगर काइका और बाकी लोग प्रवेश द्वार के पास उस रास्ते को साफ़ करने के लिए बम फोड़ रहे थे, तो क्या लीला और वैन यहाँ नीचे तक खतरे में होंगे? ऐसा नहीं था कि वे सच में इतनी दूर आ गए थे। इतनी चढ़ाई के बाद, वे शायद एक या दो मील ही चले होंगे, और सुरंग घुमावदार थी। क्या पता वे इतनी दूर न हों—

“लिलाह,” वैन ने कहा।

उसने खुद को उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया, न कि मिट्टी के खिसकने की फुसफुसाहट, पुराने मलबे के ढेरों पर कंकड़ों के उछलने की आवाज़ के बारे में सोचने के लिए। "हाँ?"

"तुम जोर-जोर से सांस ले रहे हो, और मुझे नहीं लगता कि ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम मुझे नग्न अवस्था में कल्पना कर रहे हो।"

उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और उसकी निगाहों में फिर से देखने से पहले कुछ गहरी साँसें लीं। वह बहुत घबरा चुकी थी। वह खुद को दोबारा सांत्वना की ज़रूरत नहीं पड़ने देगी, खासकर धूल के एक छोटे से कण के गिरने पर तो बिल्कुल नहीं।

"दरअसल, मैं तुम्हें नग्न अवस्था में कल्पना कर रहा हूँ। तुमने अपने नितंबों पर टैटू के बारे में कुछ कहा था, और मैं सोच रहा हूँ कि वह क्या है।"

“सचमुच?” उसने रूखेपन से कहा। संशय भरे लहजे में।

“बिल्कुल। उदाहरण के लिए, क्या यह भयंकर और मर्दाना है? शेर या बाघ की तरह? या यह तितली या फूल है? शायद दिल? वैज्ञानिक दिमाग जिज्ञासा से भरे होते हैं, आप जानते हैं।”

दूर से एक और धमाके की आवाज़ आई, और वह अपना चेहरा बिगड़ने से नहीं रोक पाई। और धूल नीचे गिरने लगी, और उसने ऊपर देखा। कहीं छत में दरार तो नहीं थी? अगर थी, तो क्या वह सदियों से थी? या नई थी?

वैन ने अपना हाथ उसके चेहरे के किनारे पर रखा और अपनी उंगलियों के पोरों से उसके गालों को हल्के से छुआ। उसने अपनी निगाहें उसकी ओर झुका लीं, मुख्य सुरंग से उड़ती धूल से अवगत होते हुए भी, उसे वैन का भी एहसास था, कि उनके चेहरे बस कुछ इंच की दूरी पर थे। उसकी उंगलियों के स्पर्श से उसकी नसें झकझोर उठीं, उसे यह एहसास बहुत सुखद लगा। बहुत समय हो गया था जब उसकी नसों को जीने का कोई कारण मिला था।

उसने अपनी उंगलियाँ उसके चेहरे से हटाकर उसके बालों पर रख दीं, उन्हें सहलाते हुए,

उसकी भावनाओं को और उत्तेजित करते हुए, उसके सिर की त्वचा में आनंद की झनझनाहट पैदा कर दी। उसने अपना शरीर उसके शरीर से और सटा लिया, उसके स्तन उसकी छाती से दब गए। उसके दिमाग का तार्किक हिस्सा जानता था कि उसकी बाहों में रहते हुए भी वह किसी भी तरह से सुरक्षित नहीं रहेगी, लेकिन वह उसकी गोद में जाने का बहाना ढूंढ रही थी, ताकि उसके हाथ भी उसी तरह से उसके हाथों को छू सकें। उसके बालों में उसकी उंगलियाँ होना, उन्हें सहलाना और मालिश करना, बहुत अच्छा लग रहा था। उसने अपना दूसरा हाथ उसके कंधों से हटाकर उसकी कमर पर रख दिया, उसका हाथ उसकी कमीज़ के नीचे चला गया, उसकी पीठ की चिकनी त्वचा पर गर्म, खुरदरी त्वचा फिसल गई। हाँ, वह निश्चित रूप से उसकी गोद में जाने के लिए ललचा रही थी, ताकि वह उसे अपने पूरे शरीर तक आसानी से पहुँच सके, और अपने नीचे उसके मांसल शरीर को महसूस कर सके। सिर्फ इसलिए कि उनका भविष्य एक साथ नहीं हो सकता, इसका मतलब यह नहीं था कि वे वर्तमान का आनंद नहीं ले सकते, है ना?

वह अपनी बेल्ट खोलने के लिए कुछ देर रुका—और फिर उस भड़कीली भेड़िये की पूंछ को भी। उसने पूंछ को अपनी तलवार की ओर फेंका तो वह शरारती मुस्कान के साथ मुस्कुराई। तलवार एक बार फड़क उठी, मानो कह रही हो कि वह सतर्क है। या शायद यह पूंछ फेंके जाने पर तिरस्कार का भाव था।

लिलाह ने अपना हाथ उसके चेहरे पर उठाया, उसकी मजबूत ठुड्डी को सहलाया, उसकी उंगलियों के नाखून दिन भर की दाढ़ी के छोटे-छोटे बालों पर रगड़ खा रहे थे। हालांकि उसकी हथेली पर वह खुरदुरा लग रहा था, फिर भी उसे यह एहसास अच्छा लग रहा था। उसने अपने होंठ दबाए और अपने अंगूठे से उसके होंठों को सहलाया। वे पहले ही एक-दूसरे को चूम चुके थे, लेकिन वह थोड़ा झिझक रही थी। वह थका हुआ था, घायल था। क्या वह सचमुच चाहता था—

"मुझे चूम लो, लिलाह," वैन ने कहा। यह एक अनुरोध के बजाय एक आदेश की तरह लगा, उसकी गहरी आँखें तीव्र थीं।

उसके मन के उस हठी हिस्से ने आपत्ति करने का सोचा, लेकिन क्या वह सचमुच ऐसा करना चाहती थी? जब वह खुद इसी बात पर विचार कर रही थी? और जब वह उसके बालों को सहला रहा था और उसकी पीठ रगड़ रहा था, उसके मन से हर चिंता को दूर कर रहा था और उसके पूरे शरीर में गर्मी भर रहा था...

वह दीवार से थोड़ा दूर हटकर उसे पहले चूम सकता था, लेकिन उसने उसके होंठों को अपने होंठों से छूने का इंतज़ार किया। उसे कुछ पल उसे महसूस करने और उसका स्वाद चखने देने के बाद, उसने अपना हाथ हिलाया और उसे अपनी गोद में खींच लिया, उसका शरीर उसके नीचे कसकर जकड़ा हुआ था। बाहरी तौर पर, वह धैर्यवान, यहाँ तक कि सुस्त भी लग रहा था, लेकिन जब उसने उसके चुंबन का जवाब दिया, तो वह उसके भीतर के तनाव को महसूस कर सकती थी, उसका मुँह भूखा और मांग से भरा हुआ था। उसके भीतर एक तीव्र इच्छा जागृत हुई, और उसकी अपनी झिझक दूर हो गई क्योंकि उसने अपनी ज़रूरत को बढ़ते हुए पाया, जो उसे उसके जुनून से मेल खाने के लिए प्रेरित कर रही थी। उसके हाथ बेहिचक इधर-उधर घूमने लगे। उसने बटन खोले, अपने हाथों को उसकी गर्म नंगी छाती पर फिराने और चिकने, सुडौल मांस को सहलाने के लिए

बेताब थी।

“लिलाह,” उसने कहा, उसका मुंह अभी भी उसके मुंह से लगा हुआ था।

उसने दबी हुई आवाज़ में "हाँ?" कहा, यह सोचते हुए कि कहीं वह उसे कोई और आदेश तो नहीं देगा। यह सोचकर उसके मन में उत्सुकता की एक लहर दौड़ गई कि वह क्या आदेश दे सकता है, और उसने उसकी कमीज़ को और पीछे धकेल दिया, उसे पूरी तरह से देखना और महसूस करना चाहती थी। शायद उसे चखना भी चाहती थी।

उन्होंने कहा, "अगर आपके विश्वविद्यालय में मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए कोई नौकरी होती, तो मैं आपके लिए काम करता।"

वह पीछे की ओर झुकी ताकि उसकी आँखों में देख सके, उसके हाथ अभी भी उसके कंधों पर थे। उसे वह बातचीत याद आ गई जिसका वह जिक्र कर रहा था, कमांडर असिलोन ने साशी के लिए अभियानों में कैसे काम किया था, इस बारे में हुई चर्चा।

"कोफाह के एक समय जादूगर को पकड़ने और अनंत काल के रहस्यों को सुलझाने में मदद करने के लिए?" उसने मजाक में कहा।

"आप जिस भी जोखिम भरे शोध अभियान पर जाएं, आपको जीवित रखने के लिए।"

"काश मेरा विश्वविद्यालय आपको नौकरी पर रख पाता, क्योंकि मुझे इसकी बहुत सराहना होगी," उसने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जिससे उसका गला भर आया और वह उसे अपने नीचे मौजूद शक्तिशाली शरीर से कहीं अधिक कारणों से चाहने लगी।

उसने सिर हिलाया, मानो उसकी सराहना को स्वीकार कर रहा हो और यह भी कि उसकी दुनिया में उसके लिए कोई जगह नहीं थी। फिर भी उसने उसे अपनी गोद से उठाकर ज़मीन पर लिटा दिया, और अपना हाथ उसके सिर पर रखकर उसके ऊपर लेट गया। उन्होंने फिर कभी कुछ नहीं कहा, शब्द चुंबनों में खो गए, विचार आनंद में डूब गए।

अध्याय 13

अगली बार, बिस्तर, लिलाह ने वैन की गोद में झपकी लेते हुए सोचा, उसके कुछ कपड़े उस पर थे, कुछ आसपास बिखरे हुए थे। वह उन्हें उठाने के लिए उसकी बाहों से उठना नहीं चाहती थी। उसे फिर से उसकी बाहों का स्पर्श अच्छा लग रहा था—अभी भी—और अपनी बाहों को उसके चौड़े कंधों पर लपेटे हुए, उसका चेहरा उसकी गर्दन में दबा हुआ था और वह उसकी मर्दाना खुशबू को महसूस कर रही थी। तलवार सुरंग के प्रवेश द्वार से हल्की चमक रही थी जहाँ वैन ने अपनी बेल्ट—और भेड़िये की पूंछ—छोड़ी थी। सौभाग्य से, कोई नया जीव उन्हें परेशान करने नहीं आया था। अगर उनके एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते समय कोई विस्फोट हुआ भी था, तो वह इतनी विचलित थी कि उसने ध्यान ही नहीं दिया। उसने उसकी गर्दन पर मुस्कुराया। शायद यही उसकी योजना थी।

उसका सिर निकास की ओर मुड़ा हुआ था, वह किसी भी खतरे की आशंका से कान लगाए बैठा था, और उसे डर था कि वह आराम नहीं कर रहा है, बल्कि एक बार फिर सतर्क हो गया है, भले ही उसने उसे अपनी बाहों में थाम रखा था। शायद किसी दिन, वह उसे कहीं ऐसी जगह ले जा सके जहाँ उसे सिपाही बनकर न रहना पड़े, जहाँ वह पूरी तरह से आराम कर सके। उसने उसकी गर्दन चूमी, और कल्पना की कि वह घर वापस समुद्र तट पर नंगे पैर और बिना कमीज के टहल रहा है, और अपने पैरों की उंगलियों से रेत के कण बिखेर रहा है।

"सावधान रहो," वैन ने धीरे से कहा। "अगर तुमने मुझे उत्तेजित किया, तो मैं तुम्हारे लिए काम करने के और तरीके सोचने लगूंगा।"

उसे याद आया कि उसे उसकी ओर से कितना ध्यान देना अच्छा लगता था, तो उसका चेहरा लाल हो गया। "अगर हम यहाँ ज़्यादा देर तक रुके रहे तो क्या आपके सैनिकों को हमारी कमी महसूस नहीं होगी?"

उसने अपनी उंगलियाँ उसके छोटे बालों में फिराईं, धूल झाड़ते हुए उसने नाक सिकोड़ी। उसके बाल भी शायद उन बारीक कणों से ढके हुए थे। कितना सेक्सी! अगली बार वह बिस्तर और स्नान की उम्मीद करेगी।

“शायद उन्हें तुम्हारी याद आएगी।” उसने उसके सिर के पिछले हिस्से पर हाथ फेरा, उंगलियाँ उसके बालों में फिराईं, वह हाथ जो पहले मांग कर रहा था, अब कोमल हो गया था।

“मुझे अभी-अभी एक बात याद आई। मैं तुम्हारा टैटू देखना भूल गई थी।” उसने नीचे की ओर देखा।

वैन ने अभी तक अपनी कमीज़ नहीं पहनी थी, लेकिन उसने अपनी पतलून पहन रखी थी। जाहिर है, नंगे पैरों से पहरेदारी नहीं की जाती।

"वह दुर्भाग्यपूर्ण है।"

"क्या तुम मुझे एक झलक भी नहीं दिखाओगे?" उसने अपनी एक उंगली उसकी कमरबंद में डाली और अपनी सबसे शरारती मुस्कान पेश की।

"तुम्हें मेरे साथ दोबारा सेक्स करना ही होगा।"

"अब?"

"मुझे लगा कि तुम थकी हुई हो, इसलिए हम यहाँ रुक गए," वैन ने कहा। "मुझे अब लगने लगा है कि तुम सिर्फ मुझे बहकाना चाहती थी।"

"ऐसा प्रतीत होता था कि आपको बहकाए जाने से कोई आपत्ति नहीं थी।"

"नहीं।"

उसने उसे चूमा, कोई जल्दबाजी वाला, पवित्र चुंबन नहीं, बल्कि ऐसा चुंबन जिससे उसकी सांसें थोड़ी फूल गईं और मानो उसे यकीन हो गया कि उसे उसके नंगे नितंबों को फिर से देखने का मौका मिलेगा। उसके हाथ शरीर को टटोलने लगे, और उसे लगा कि वह वहीं उसके पतलून उतार सकती है, लेकिन वह पीछे हट गया और गहरी सांस ली। उसे देखकर वह मुस्कुराई, क्योंकि वह उसे छोड़कर जाने से हिचकिचा रहा था और उसे यह देखकर खुशी हुई।

उन्होंने कहा, "अगर तुम सोने वाले नहीं हो तो हमें चलना चाहिए। हमारे पास असीमित भोजन और पानी नहीं है।"

"भुखमरी की आशंका से बढ़कर किसी औरत को उत्तेजित करने वाली कोई और चीज़ नहीं होती।" अफसोस, उसे भूख लगी थी। वह जानती थी कि वैन के थैले में राशन के कुछ डिब्बे हैं, लेकिन अभी एक भी नहीं माँगना चाहती थी, क्योंकि उसे नहीं पता था कि उन्हें और कितने दिन भटकना पड़ेगा।

"मैं आपको उत्साहित करने से ज्यादा यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि आप अपने मिशन में सफल हों।"

"क्या इसीलिए तुम अभी भी मेरे स्तन को सहला रहे हो?" उसने नीचे उसके हाथ की ओर देखा, हालाँकि वह नहीं चाहती थी कि वह रुक जाए।

उसने उसे भेड़िया जैसी मुस्कान दी, अपने बेकाबू हाथों से उसे ज़रा भी शर्म नहीं आई। "ये तो मेरी उत्तेजना के लिए है।" इसके बाद उसने उसे एक और चुंबन दिया, फिर आह भरी और उसे एक तरफ कर दिया, लेकिन इससे पहले उसकी निगाहें उस पर टिकी रहीं, तलवार की हल्की रोशनी में उसके अधनंगे शरीर को निहारते हुए।

लिलाह को उठने में थोड़ा समय लगा, जिससे उसे थोड़ा तमाशा करने का मौका मिल गया। दुर्भाग्यवश, उसे अपना कर्तव्य याद आ गया और उसने तलवार उठाकर सुरंग के मुहाने की ओर चल दिया। उसने इधर-उधर देखा। क्या उसने कुछ सुना था? वह भेड़ियों से एक और लड़ाई लड़ने के मूड में नहीं थी।

अगर ऐसा होना तय था, तो उसने जल्दी से अपने कपड़े समेटे और फटाफट अपनी कमीज़ के बटन बंद किए। आखिर वो जूता मलबे के ढेर के बीचोंबीच कैसे पहुँच गया था?

"लगभग तैयार?" वैन ने धीरे से पूछा, जल्दी से अपनी कमीज़ और जूते पहने और फिर सुरंग के मुहाने पर लौट आया, जहाँ वह एक बार फिर एक कुशल सैनिक की तरह दिख रहा था। "कासैंड्रल और भी चमक रहा है।"

"लगभग। मुझे मेरी पैंटी नहीं मिल रही है।"

"क्या तुमने अपने बैरक के कमरे में फर्श पर देखा?" उसने चिढ़ाते हुए कहा।

मैंने वो जोड़ी हटा दी। मुझे निराशा हुई कि तुमने उसे घूर कर नहीं देखा।

एक प्रशिक्षित योद्धा पलक झपकते ही युद्धक्षेत्र का जायजा लेता है, सब कुछ देख लेता है और बाद में विश्लेषण के लिए उसे याद रखता है।

उसने मलबे के ढेर में हाथ डाला, जो तलवार उठाकर दूर चले जाने के बाद से लगभग अंधेरे में ही पड़ा था। आह, वे वहीं थे। "क्या तुमने अभी-अभी यह स्वीकार किया कि तुमने मेरी पैंटी की याद को बाद में विश्लेषण के लिए सहेज कर रखा था?"

उसने भी मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "क्या तुम्हें पता है कि जब तुम्हारे बाल बिखरे हों और बटन बेमेल हों, तब तुम और भी सेक्सी लगती हो?"

"क्या आपको पता है कि आपने मेरे सवाल का जवाब देने से परहेज किया?"

“हाँ।” वह सुरंग से बाहर निकल गया, जिससे वह कोना और भी धुंधला हो गया।

लिलाह ने कपड़े पहने, राइफल उठाई और उसके पीछे चल दी। वह उस दिशा में धुंधली निगाहों से देख रहा था जहाँ वे जा रहे थे। क्या उसे उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए या वापस जाकर देखना चाहिए कि काइका और बोसमोंट ने नष्ट हुए कक्ष तक का रास्ता साफ कर दिया है या नहीं?

“क्या तुम्हें अपनी पैंटी मिल गई?” उसने पीछे मुड़कर उसकी ओर देखा।

“मैंने किया। किसी ने उन्हें मलबे के ढेर के ऊपर फेंक दिया था। कितना लापरवाह था वो।”

"मुझे कोई?"

मैं ऐसा काम कभी नहीं करूंगा।

वैन ने अपना हाथ उसके चारों ओर लपेट लिया। ऐसा लग रहा था जैसे वह जाना चाहता हो, लेकिन वह एक पल के लिए वहीं रुका, अपना चेहरा उसके बालों पर टिकाकर उसकी खुशबू को महसूस किया। "मुझसे वादा करो कि जाने से पहले मुझे उन्हें फेंकने का एक और मौका दोगी," उसने उसे छोड़ने से पहले धीरे से कहा।

“यह वादा निभाना बहुत आसान है। मुझे वह टैटू ज़रूर देखना है।” उसने उसके नितंब पर एक थप्पड़ मारा।

“अच्छा।” वह पीछे हट गया और फिर से सामने के अंधेरे में भौंहें चढ़ा लीं। “पास ही रहना। बाहर कुछ है।”

लिलाह उसके पीछे-पीछे चली गई, उसे उसके करीब रहने में कोई परेशानी नहीं थी। उसे शक था कि बाहर जो भी हो, वह उसकी मनचाही नहाने की जगह और भोजन नहीं होगा।

• • • • •

भेड़िये।

वैन को दूर से पत्थरों पर पंजों की खटखटाहट सुनाई दी, जिससे उसे यकीन हो गया कि वैसे ही और शिकारी उनका इंतज़ार कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने हमला नहीं किया। उसके हाथ में कसान्द्रल गुनगुना रहा था, मानो वह और जादुई जीवों को नष्ट करने के लिए बेताब हो, पर भेड़िये नज़र नहीं आए। जैसे-जैसे वह और लिलाह चट्टानों के ढेर पर चढ़ते और संकरे रास्तों से निकलते रहे, उसने अंदाज़ा लगाने की कोशिश की कि बाहर कितने भेड़िये होंगे। उसने दो भेड़ियों को मार

गिराया था और उसे पूरा भरोसा था कि वह फिर से ऐसा कर सकता है, लेकिन क्या पता बाहर वाले भेड़िये मदद के लिए इंतज़ार कर रहे हों? अगर पूरा झुंड हमला कर दे, तो कसान्द्रल भी उन्हें नष्ट करने के लिए काफी नहीं होगा। उसकी टांग में दर्द हो रहा था, मानो यही याद दिला रहा हो।

वह और लिलाह एक चौराहे पर पहुँचे, जो बाकी चौराहों की तरह ही अस्त-व्यस्त था। उसकी तलवार की हरी चमक से एक कोने पर लगी धूल भरी पट्टिका चमक रही थी, और लिलाह उसे देखने के लिए उसके पास से तेज़ी से गुज़री। वह उसके पास ही रुका रहा, और तलवार को ऊपर उठाया ताकि रोशनी से उसे दिखाई दे सके। उसने उस घिनौनी भेड़िये की पूंछ को वापस बांध लिया था ताकि वह चमकती रहे। शायद उस ट्रॉफी को पहनने से ही दूसरे जीव दूर रहते थे। खैर, वह यही उम्मीद कर सकता था।

"निकास, दिशा-निर्देश, और यह एक पुराना शब्द है जो मूल रूप से उसी के बराबर है जिसे हम अब प्रयोगशालाएँ कहते हैं, है ना?" लिलाह ने धूल झाड़ते हुए और आँखें सिकोड़ते हुए पूछा।

"क्या वह सवाल मेरे लिए था?"

“ये वो शब्द हैं जिन्हें मैं इस्कैंडियन भाषा में पढ़ सकती हूँ। कुछ और शब्द भी हैं, शायद रेफेरातु के शब्द।” उसने अपने कपड़ों पर हाथ फेरा और जेबों में तब तक खोजती रही जब तक उसे एक और कागज़ नहीं मिल गया जिस पर वह छाप बना सके।

वैन को जादू-टोने की शब्दावली का कोई ज्ञान नहीं था, इसलिए उसने बस तलवार पकड़ी और भेड़ियों की आहट सुनते हुए उसे पट्टिका पर कागज़ लपेटते हुए देखता रहा। प्रयोगशालाएँ? शायद वे वहीं से आए हों। कोई पागल जादूगरनी वैज्ञानिक जंगल के जीवों पर प्रयोग कर उन्हें राक्षस बना रहा हो। किसलिए, वह समझ नहीं पा रहा था। रखवाली करने वाले कुत्ते? शायद उन जादूगरनियों में से किसी को इस बात का आभास हो कि बाहरी दुनिया उनके बारे में क्या सोचती है। आदत के चलते, उसने लगभग यह विचार जोड़ ही दिया था, और यह उचित भी था। लेकिन वह इतना थका हुआ था कि जादू-टोने से जुड़ी हर चीज़ के प्रति अपनी सामान्य चिड़चिड़ाहट महसूस नहीं कर पा रहा था।

या शायद यह महज़ थकान से कहीं ज़्यादा था। उसने उस गुलेल और लड़के की हड्डियों के बारे में सोचा। जब उसने पहली बार कप्तान की डायरी पढ़ी थी और इस पहाड़ को नष्ट करने के मिशन की कल्पना की थी, तो उसने दुष्ट चुड़ैलों के गढ़, एक सैन्य-जैसे स्थान की कल्पना की थी। उसे यह ख्याल भी नहीं आया था कि यहाँ बच्चे हो सकते हैं। परिवार। शायद लिलाह सही थी। शायद उसने वह चुनाव नहीं किया होता जो उसके पूर्वज ने किया था। क्या मेजर थेरिक को बच्चों के बारे में पता था? या उसने बस यह मान लिया था कि वह दुश्मन के गढ़ में घुसपैठ कर रहा है, जैसा कि वैन ने किया होगा?

“निकास की ओर इशारा करने वाला तीर उस तरफ है,” लिलाह ने धीरे से कहा। उसने मलबे से पूरी तरह अवरुद्ध एक सुरंग की ओर इशारा किया।

"निर्देशिका के बारे में क्या ख्याल है?" वैन ने अनुमान लगाया कि यह वही नक्शा था जो हवा में मंडरा रहा था जब वह पहली बार चबूतरे के साथ कक्ष में घुसा था।

“उस तरफ भी।”

“और उस तरफ?” उसने उस दिशा की ओर इशारा किया जिस ओर वे जा रहे थे, वही एकमात्र रास्ता था जो साफ दिखाई दे रहा था।

“प्रयोगशालाएँ।”

“बहुत खूब।” पंजे पटकने की आवाजें भी उसी दिशा से आ रही थीं।

“शायद प्रयोगशालाएँ उस गलियारे से जुड़ी हों जिसमें हम पहले सुरंग में थे।” लिलाह ने अपना काम खत्म किया, उसे मोड़ा और औजारों को अपनी जेब में रख लिया। “मुझे यह जानने की उत्सुकता है कि रेफेरातु ने प्रयोगशालाओं में क्या किया होगा।”

“मैं नहीं हूँ,” वैन ने बुदबुदाते हुए कहा।

लिलाह ने उसकी ओर देखा, उसके होंठ नीचे की ओर मुड़ गए।

उसने सोचा कि वह उसे बता दे कि ऊपर भेड़िये हैं और उसके पैर में दर्द हो रहा है, लेकिन वह अपनी कमजोरी उसके सामने स्वीकार नहीं कर सका। नहीं, बात इससे कहीं ज़्यादा थी। पता नहीं क्यों, उसे लगता था कि वह उससे कहीं बेहतर इंसान है जितना वह था। वह उसे निराश नहीं करना चाहता था।

"लेकिन जब आप उन्हें देखेंगे तो मैं आपके लिए रोशनी थामे रहूंगा," उसने अपनी बात सुधारते हुए कासन्द्रल को एक बार घुमाया और हवा में हरी लकीरें छोड़ दीं।

उसके होंठ ऊपर की ओर मुड़ गए। "धन्यवाद।"

उसे वो मुस्कान याद आ गई, जब वो उसके नीचे लेटी थी, उसकी बाहें उसकी पीठ पर लिपटी हुई थीं, और वो उसे ऐसे देख रही थी मानो वो कोई खास इंसान हो, कोई फौजी नहीं। उसे नहीं पता था कि उसने ऐसा क्या किया था कि उसे वो नज़र मिली, लेकिन वो उसे फिर से देखना चाहता था। वो ये भी चाहता था कि उसके साथ और भी ज़्यादा समय बिताए, जब उसके स्तन उसके सीने से चिपके हों और उसे सुकून मिले।

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि तुम्हारी इस मुस्कान का क्या मतलब निकालूं," उसने कहा।

वैन ने अपना चेहरा सीधा किया। "मेरे मन में कामुक विचार आ रहे थे।"

“अरे, मेरा भी यही अनुमान था। या तो ऐसा था या फिर आप और भेड़ियों से लड़ने के लिए उत्सुक थे।”

“नहीं,” उसने आह भरी। “मैं भेड़ियों से थक गया हूँ।”

इनसे जल्द से जल्द निपटना बेहतर होगा और इस अंधकारमय गड्ढे से बाहर निकलना होगा। उसने तलवार से उसे सलाम किया और प्रयोगशाला की ओर सुरंग में आगे बढ़ गया।

रेंगने, चढ़ने और चलने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि कहीं पहुँचने में एक घंटा और लग जाएगा, लेकिन रास्ता जल्द ही साफ़ हो गया। आश्चर्यजनक रूप से। पहली बार वे एक ऐसी सुरंग से गुज़रे जहाँ ज़मीन पर मलबा नहीं था और दीवारों व छत में दरारें नहीं थीं। जल्द ही, वे एक मोड़ पर पहुँचे, जहाँ एक दरवाज़ा थोड़ा खुला हुआ दिखाई दिया। एक क्रिस्टल का लैंप, जो घंटों बाद पहली बार काम कर रहा था, उसके आगे के गलियारे को रोशन कर रहा था।

वैन के ठीक से देखने से पहले ही कोई काली सी चीज़ खुले दरवाजे से अंदर आ गई। उसे लगा कि शायद वो भेड़िये हों, इसलिए उसने तलवार पर अपनी पकड़ मज़बूत कर ली और यह सुनिश्चित

करने के लिए हाथ उठाया कि लिलाह उसके पीछे ही रहे। दरवाजे के पास दीवार पर एक और पट्टिका टंगी थी, और उसे लगा कि वह पहले से ही अपनी जेब से कागज़ निकालने की आवाज़ सुन सकता है।

पंजों की खटखटाहट सुनते हुए वैन धीरे-धीरे आगे बढ़ा। दरवाजे के पीछे वाले कमरे से रोशनी आ रही थी। कम से कम अब उसे अंधेरे में लड़ाई नहीं लड़नी पड़ेगी।

दरवाजे के पीछे से जानी-पहचानी हल्की खरोंचों की आवाज आ रही थी। दरवाजे की स्थिति ऐसी थी कि वह कमरे के अंदर नहीं देख सकता था। न ही कक्ष में। न ही प्रयोगशाला में। पता नहीं उनका आगे क्या ही बुरा हाल होने वाला था।

वह बाहर रुका और तलवार की नोक से दरवाज़ा पूरी तरह खोल दिया। अंदर एक बड़ा कमरा था, जिसकी दीवारें चिकनी और धूसर थीं, और छत दो ऊर्जा क्रिस्टलों से जगमगा रही थी। मेज़ें और डेस्क कमरे में भरे हुए थे, और जब लिला ने किताबों से भरी अलमारियाँ, धूल से सने जार और डिब्बे देखे तो वह खुशी से चिल्ला उठी। कुछ जार में अभी भी तरल पदार्थ थे, और वैन यह सोचकर कांप उठा कि उनमें कौन से भयानक पेय पदार्थ होंगे। निस्संदेह, कुछ ऐसा जो उसे मेंढक या चूहा बना देगा।

अगर कोई और विकल्प होता, तो वह प्रयोगशाला में जाने के बजाय कोई दूसरी सुरंग चुनता। उसे यह भी नहीं पता था कि अंदर जाना उचित होगा या नहीं। क्या दूसरी तरफ कहीं कोई और निकास था? या यह एक बंद रास्ता था?

वैन की दृष्टि रेखा के सामने से एक परछाई तेज़ी से गुज़री। एक बड़ी काली परछाई।

कासन्द्रल की आवाज़ उसके मन में भूख से गूंज रही थी, और तलवार की चमक और तेज़ हो गई। उसके अंदर कूदकर वार करने की तीव्र इच्छा जागृत हुई।

वैन ने गहरी सांस ली और तलवार पर अपनी इच्छाशक्ति का दबदबा कायम किया। उसने दरवाज़ा बंद करके उसी रास्ते वापस जाने के बारे में सोचा। थोड़ी देर पहले धमाके हुए थे। शायद काइका और बाकी लोग अभी भी उसी कमरे में उसे ढूंढ रहे हों, जहां वह और लिलाह पहली बार उतरे थे।

उसने पीछे मुड़कर उसे देखा, उसका मन हुआ कि वह उसे वापस मुड़ने का सुझाव दे। लेकिन उसकी आँखें चमक उठीं और उसने उसके कंधे के पीछे से कमरे में झाँका। उसकी नज़रें उससे मिलीं और उसने अपने होंठ दबा लिए, मानो वह उसका हाथ पकड़कर अपनी इस खोज की खुशी उसके साथ बाँटना चाहती हो। शायद वह जादू-टोने की दवाइयों के डिब्बों में झाँकने की संभावना से बहुत खुश थी।

वैन ने धीरे से आह भरी। वह उसे निराश नहीं करेगा।

इसके अलावा, कासन्द्रल भी चाहता था कि वह आगे बढ़े। तलवार की मूठ से ऊर्जा उसके हाथों में प्रवाहित हुई और उसके शरीर में कंपन पैदा कर दी। उसकी जानी-पहचानी भूख उसके भीतर उमड़ पड़ी, मानो उसे अंदर जाकर सभी जादुई चीजों को नष्ट करने के लिए उकसा रही हो।

"यहीं रुको," वैन ने फुसफुसाते हुए कहा। "मैं भेड़ियों से निपट लूंगा।"

"सावधान रहना। मैंने अभी तक वह टैटू नहीं देखा है।"

उसने सोचा कि वह उसे यह बता दे कि उसकी मृत्यु के बाद वह आसानी से इसे देख सकती है, लेकिन यह एक भयावह प्रतिक्रिया प्रतीत हुई, इसलिए उसने इसके बजाय सिर हिलाया और अंदर चला गया।

वैन ने तुरंत ही दोनों भेड़ियों को देख लिया। वे कमरे के दूसरी ओर एक आले के सामने मूर्तियों की तरह खड़े थे, उनके सिर झुके हुए थे, और उनकी पीली आँखें उसकी आत्मा में झाँक रही थीं। हालाँकि, पहला खतरा दरवाजे के बगल से आया।

कोई विशाल, धूसर, दो पैरों वाली वस्तु उसकी ओर घूमी, उसके बड़े-बड़े चौकोर हाथ ऊपर उठे, और उसके मानवाकार हाथों में वैन के बराबर ऊँचाई की कुल्हाड़ी थी। एक चौकोर जबड़ा खुला, जिसमें चपटे पत्थर के दाँतों की दो पंक्तियाँ दिखाई दीं। चौकोर चेहरे में पीली आँखें थीं, चमकती हुई पीली आँखें। जबड़ा फिर हिला, और शब्द निकले, ऐसे शब्द जैसे पत्थर पर पत्थर रगड़ने की आवाज़ हो।

"बिना आमंत्रण के प्रवेश वर्जित है," वह प्राणी बोला और अपने भारी-भरकम पैरों पर वैन की ओर बढ़ने लगा, कुल्हाड़ी ऊपर उठाए हुए।

"हमें निमंत्रण कहाँ से मिलेगा?" वैन ने पूछा, हालांकि उसे वास्तव में जवाब की उम्मीद नहीं थी।

वह दरवाजे से थोड़ा पीछे हट गया, ताकि उसे हिलने-डुलने की जगह मिल सके, और उसने अपनी पीठ एक मजबूत दिखने वाली अलमारी से टिका ली। वहाँ से वह उस प्राणी—शायद रक्षक?—को अपनी ओर आते हुए देख सकता था, और साथ ही अपनी नज़र के कोने से भेड़ियों को भी देख सकता था। वह यह नहीं बता सकता था कि वे क्या कर रहे थे—शायद किसी चीज़ की रखवाली कर रहे थे—लेकिन उनके पीछे एक आले को एक पर्दे ने आंशिक रूप से ढक रखा था। उसे उम्मीद थी कि वहाँ कोई और दुश्मन उसका इंतज़ार न कर रहा हो जो उस पर हमला कर दे।

"सहायक अध्यक्ष, श्रीमती ज्याला," विशालकाय रक्षक ने अपनी कर्कश आवाज में कहा।

“मुझे उससे बात करके खुशी होगी,” वैन ने झुकते हुए कहा। “वह कहाँ है?”

वह प्राणी रुका, उसका सिर आले की ओर घूम गया। हे भगवान! कहीं वहाँ कोई तीन सौ साल पुरानी चुड़ैल उसका इंतज़ार तो नहीं कर रही थी?

“चले जाओ, घुसपैठिए,” रक्षक ने कुल्हाड़ी को थोड़ा हिलाते हुए कहा। छत इतनी ऊंची थी कि कुल्हाड़ी को निकलने की जगह मिल गई।

वैन शायद इसलिए चला जाता क्योंकि इस लड़ाई में शामिल होने से उसे कुछ खास हासिल नहीं होने वाला था, लेकिन उसने कमरे के दूसरी तरफ, मेजों और वर्क स्टेशनों के पीछे एक दूसरा दरवाजा देख लिया था। बाहर निकलने का एक और रास्ता। शायद यही वह रास्ता था जो उन्हें पहाड़ से बाहर ले जाता।

कुल्हाड़ी नीचे की ओर झूली और उसकी खोपड़ी पर वार करने का लक्ष्य रखा।

हमले के लिए तैयार, वैन एक तरफ कूद गया। उसे उम्मीद थी कि कुल्हाड़ी उसके पीछे अलमारियों से टकराएगी और भारी-भरकम रक्षक उसकी हरकत पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दे पाएगा। लेकिन इसके बजाय, हथियार हवा में ही रुक गया, वार करने की बजाय एक झटके में

बदल गया। कुल्हाड़ी वैन की छाती की ओर तेज़ी से बढ़ी।

वह एक बार फिर पीछे की ओर उछला, इस बार उसने कसान्द्रल को हमले का सामना करने के लिए ऊपर की ओर धकेल दिया। तलवारें आपस में टकराईं और चिंगारियां उड़ने लगीं। अपनी पूरी ताकत और प्रशिक्षण के बावजूद, उस प्रहार की शक्ति ने उसे लगभग घुटनों पर ला दिया।

वह उन जादुई रूप से शक्तिशाली हमलों को और अधिक रोकने की इच्छा से उछलकर दूर हट गया। अगली बार जब वह कूदा, तो उसने कुल्हाड़ी के ब्लेड के बजाय उसके हैंडल पर निशाना साधा। वह लकड़ी का प्रतीत हो रहा था, इसलिए उसे उम्मीद थी कि वह उसे बीच से काट देगा।

जैसे ही कासन्द्रल ने मूठ की ओर छलांग लगाई, वह तेज़ी से चमक उठा। उसने लकड़ी में हल्का सा धंसा दिया। कुल्हाड़ी के उस हिस्से से पीली चिंगारियाँ निकलीं जहाँ उसकी तलवार लगी थी। वह हथियार चाहे जो भी हो, रक्षक की तरह ही शक्तिशाली था।

वैन ने आक्रमण जारी रखा और कई कोणों से अपने दुश्मन पर ताबड़तोड़ प्रहार किए। रक्षक ने अपना बचाव करने की ज़हमत नहीं उठाई। उसने वार सहे, जिनसे उसके पत्थर के शरीर पर बस कुछ छोटे-छोटे टुकड़े ही छिटक पाए, और इसके बजाय उसने वैन पर ही प्रहार करने पर ध्यान केंद्रित किया। कुल्हाड़ी एक बार फिर उसके सिर की ओर चली।

"तुम्हारे पीछे," लिलाह ने दरवाजे से अपनी राइफल चलाते हुए चिल्लाकर कहा।

वैन ने कुल्हाड़ी को अपने सिर के पास आने से पहले ही रोक दिया, उसके जोड़ों में दर्द हो रहा था, फिर वह एक तरफ हट गया और अपनी पीठ दीवार से सटा ली। भेड़िये अपनी चौकसी छोड़कर कमरे में उसकी ओर दौड़ पड़े थे।

वह इस उम्मीद में वापस गलियारे में भाग सकता था कि तीनों विरोधी उसका पीछा नहीं करेंगे, लेकिन उसने लिलाह को कमरे में चुपके से प्रवेश करते हुए देख लिया।

“लिलाह,” उसने विरोध जताया, लेकिन उसके पास और कुछ कहने का समय नहीं था।

रक्षक की कुल्हाड़ी उसी समय उसकी ओर घूमी जब दो भेड़िये उसकी गर्दन पर झपटे।

वैन ने कुल्हाड़ी के वार से बचते हुए बगल में छलांग लगाई और एक कोने में छिपकर पास खड़े भेड़िये पर वार किया। जैसे ही वह प्राणी उसकी ओर दौड़ा, कसंद्रल की हरी चमक उसके काले शल्कों पर जगमगा उठी। इससे पहले कि वे अपने जबड़े उस पर कस पाते, उसने उसकी गर्दन के किनारे पर ज़ोरदार वार किया। वार लगते ही, उसने दूसरे प्राणी के आक्रामक जबड़े को रोकने के लिए तलवार को झटक कर दूर कर दिया।

वह बारी-बारी से एक भेड़िये को निशाना बनाकर हमला करता रहा, फिर दूसरे को। दोनों को देखते हुए वह पूरी एकाग्रता से उन पर वार करने की कोशिश करता रहा, साथ ही उनके हमलों को रोकता भी रहा। उसे उन्हें जल्दी से खत्म करना था, क्योंकि रक्षक एक बार फिर उसकी ओर बढ़ रहा था, कुल्हाड़ी एक बार फिर उसके सिर के ऊपर उठी हुई थी।

जैसे ही किसी चीज़ ने रक्षक की पीठ पर प्रहार किया, कांच के टूटने की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। वैन भेड़ियों से अपना ध्यान हटा नहीं पा रहा था, इसलिए वह ज़्यादा ध्यान नहीं दे पाया। एक भेड़िया नीचे आया और उसकी पिंडली पर झपटा। वैन ने अपनी पकड़ बदली और अपनी तलवार की नोक उस सिर की ओर बढ़ा दी, ताकि उसके दूसरे पैर को चोट न लगे। उसका निशाना सटीक

था, और कसान्द्रल की नोक उस प्राणी की खोपड़ी को भेद गई।

उसकी गति उसे आगे ले गई, और वैन को दीवार से टकराने से बचने के लिए हवा में उछलना पड़ा। जैसे ही वह प्राणी उस जगह पर गिरा जहाँ वैन खड़ा था, वह दर्द से चीख उठा। वैन ने तलवार छुड़ा ली, तभी दूसरा प्राणी उसकी छाती पर झपटा।

और भी कांच बिखर गया, और एक तीखी गंध उसकी नाक में चुभने लगी। उसने रक्षक की पीठ के पीछे से धुआं उठता देखा, और रक्षक ने आगे बढ़ना रोक दिया। वैन को नहीं पता था कि लिलाह क्या कर रही थी, लेकिन अपने एक प्रतिद्वंदी का ध्यान भटकने से उसे खुशी हुई।

उसने भेड़िये के चेहरे पर वार किया, और उसे जल्द से जल्द खत्म करने का पक्का इरादा कर लिया। दीवार से टकराने वाला भेड़िया पेट के बल गिर गया था, लेकिन उठने की कोशिश कर रहा था। वैन ने उस पर हमला करने वाले भेड़िये पर लगातार वार किए। तलवार उसकी खाल से टकराई और बार-बार उसके मांस को चीरती हुई आगे बढ़ी। दर्द और गुस्से से चीखते हुए वह जानवर आखिरी छलांग लगाने के लिए तैयार हुआ। फिर उसने वैन के सिर पर हमला कर दिया।

वैन नीचे गिरा, दीवार से दूर लुढ़का और फिर उछलकर खड़ा हो गया। भेड़िया उसके पास से गुजरा और उठते ही उस पर झपटने के लिए हवा में ही छटपटाने की कोशिश की, लेकिन वैन ने फुर्ती से अपनी तलवार से उसके दांतों का सामना किया। फिर, जैसे ही वह नीचे गिरा, उसने कसंद्रल को उसकी रीढ़ की हड्डी पर पटक दिया। प्राणी चीख उठा और उसकी पूंछ अकड़ गई। वैन ने उस पर कई बार और वार किए, फिर तलवार की नोक उसकी गर्दन के पिछले हिस्से में घुसा दी और उसकी रीढ़ की हड्डी काट दी।

दूसरे भेड़िये के उठने के डर से वह उसकी ओर मुड़ गया। भेड़िया मुश्किल से अपने अगले पैर जमा पाया था। वैन ने झपट्टा मारा और कुछ तेज़ और असरदार वारों से उसे खत्म कर दिया।

जब उसने रक्षक की ओर मुड़ा, तो उसने पाया कि वह स्थिर खड़ा है, उसके पत्थर जैसे शरीर से कई जगहों से धुआँ निकल रहा है। कुल्हाड़ी अभी भी उसके सिर पर टिकी हुई थी, लेकिन पीली आँखों की चमक फीकी पड़ गई थी।

वह आगे बढ़ा, उसका इरादा था कि जब वह अचेत हो तो उस पर हमला करे, लेकिन उसके पहुँचने से पहले ही वह पीछे की ओर गिर पड़ा। वह धूसर फर्श पर गिरा, चारों ओर टूटे हुए कांच बिखरे हुए थे। कुल्हाड़ी उसके हाथ से फिसलकर दूर जा गिरी।

“सावधान रहो,” लिलाह ने कमरे के दूसरी तरफ कांच की बोतलों और जारों से भरी किताबों की अलमारी के सामने से चेतावनी दी। “पास मत जाओ। वह चीज़ तुम्हारे जूतों को जला देगी।”

वैन रुक गया। धुआँ न केवल गिरे हुए रक्षक से बल्कि फर्श पर मौजूद धब्बों से भी उठ रहा था।

"यह क्या है?" उसने उत्सुकता से पूछा कि क्या उसे पता है या उसने अलमारियों से यूं ही कुछ जार उठा लिए और उसे संयोग से मिल गए।

"अगर मैंने फॉर्मूला सही पढ़ा है, तो यह परक्लोरिक एसिड है, और लेबल पर लिखा था कि इसे बेहतर बनाया गया है। मुझे लगा कि यह आशाजनक लग रहा है।"

भेड़ियों के पूरी तरह मर जाने की पुष्टि करने के बाद, वैन ने धुएँ से धुएँ से भरे रक्षक को दरकिनार करते हुए कमरे के उस पार जाकर लीला को गले लगाया। उसने इस बात पर नाराज़गी

नहीं जताई कि लीला ने गले मिलते समय इधर-उधर देखा।

"मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि यह कमरा पूरी तरह से सुरक्षित है," उसने धूल से सनी एक शेल्फ को छूते हुए कहा। "यहां कितनी अद्भुत कलाकृतियां हैं।"

"अद्भुत। हम्म।" वैन ने रक्षक के अवशेषों पर नजर डाली, फिर आले की ओर चल पड़ा।

"मुझे आश्चर्य है कि क्या किसी जादुई सुदृढ़ीकरण ने प्रयोगशाला की रक्षा की," लिलाह ने कहा।

कासन्द्रल की चमक थोड़ी कम हो गई, हालांकि वह अब भी तेज़ी से जल रही थी, मानो आसपास के जादू से नाराज़ हो। कम से कम अब उसमें चीज़ों को नष्ट करने की उत्सुकता नहीं थी। फिर भी, वैन ने उसे हाथ में पकड़े रखा और पर्दे की ओर बढ़ा, उसे पता नहीं था कि उसे अंदर और क्या मिल सकता है।

"वाह, ये तो दिलचस्प है ना?" लिलाह ने दबी हुई आवाज़ में पूछा। उसका सिर औजारों से भरी मेज के नीचे एक डिब्बे में फंसा हुआ था।

वैन पर्दे के सामने रुक गया। "क्या?"

लिलाह ने एक बड़ी सी स्कैपुला हड्डी बाहर निकाली, जो सुरंगों में मिले कंकालों की तुलना में कहीं अधिक गहरे रंग की और पत्थर जैसी थी।

"एक ड्रैगन जीवाश्म?" वान ने पूछा.

"जी हां, एक अजगर का जीवाश्म। यहां तो कई सारे हैं।" लिलाह ने अपनी उंगलियां रगड़ीं और उसे मेज पर रख दिया।

क्या आपको झुनझुनी महसूस हो रही है?

"हाँ।"

"क्या यह मेरी चुंबकीय यौन आभा की निकटता से अधिक किसी और चीज के कारण होता है?"

"शायद।" लिलाह ने डिब्बे से कुछ मुड़े-तुड़े और पीले पड़ चुके कागज़ के टुकड़े निकाले। "हम्म, मुझे उम्मीद थी कि यह किसी की डायरी होगी जिसमें जीवाश्मों को जादू से प्रकट करने की शैतानी योजनाओं का वर्णन होगा।"

"यह क्या है?"

"यह तो खरीदारी की सूची लग रही है। यह तो किसी कैफेटेरिया का मेनू हो सकता है।"

"हो सकता है कि कोई संग्रहालय यह जानने के लिए अच्छी खासी रकम चुकाए कि चुड़ैलें क्या खाती थीं।"

वैन पर्दे की ओर मुड़ गया। उसे पहले से ही यकीन था कि उन हड्डियों को पहाड़ में इसलिए रखा गया था ताकि निवासियों को डराया जा सके और प्रवेश द्वार का इस्तेमाल न हो और जब सैन्य दल पहाड़ में घुसपैठ करे तो वहां कोई मौजूद न हो।

ब्लेड की नोक का इस्तेमाल करते हुए उसने पर्दे को एक तरफ सरका दिया। उसे पता नहीं था कि पर्दे के पीछे क्या होगा, लेकिन उसे किसी का शयनकक्ष मिला।

उसके पीछे से इतनी रोशनी आ रही थी कि बिस्तर रोशन हो गया, कंबल अभी भी अस्त-व्यस्त

थे। अगर बिस्तर पर पड़ा कंकाल और आले में फैले जाले न होते, तो शायद वह मान लेता कि इसे सदियों पहले के बजाय हफ्तों पहले छोड़ दिया गया था। नहीं, 'छोड़ दिया गया' सही शब्द नहीं था। आखिर, रहने वाला तो गया ही नहीं था।

जब लिलाह देखने के लिए पास आई, तो वैन पीछे हट गया, ताकि उसे इधर-उधर देखने की जगह मिल सके। वह सीधे आले में घुस गई, उसे मृतकों से उतना डर नहीं लगता था जितना कि घुटन भरी जगहों से। वैन की नज़र पर्दे के सामने ज़मीन पर पड़ी। पत्थर पर ठीक उन्हीं जगहों पर गड्ढे बन गए थे जहाँ भेड़िये इंतज़ार कर रहे थे। वह झुक गया और अपनी उंगलियाँ उन पर फिराईं, तो पाया कि पत्थर चिकना था। ज़मीन पर कुछ सूखे काले शल्क बिखरे हुए थे। उसने कमरे के दूसरी ओर देखा जहाँ मरे हुए भेड़िये पड़े थे।

“क्या यह संभव है कि वे जीव तीन सौ साल पुराने थे?” वैन ने पूछा। “और क्या वे इतने समय से इस कमरे की रखवाली कर रहे थे? इसकी रक्षा कर रहे थे?”

“या इस महिला की रक्षा करने के लिए।” लिलाह कंकाल की खोपड़ी पर झुक गई। हड्डियाँ अस्त-व्यस्त नहीं लग रही थीं—सुरंगों में मिली कुछ हड्डियों के विपरीत, उन्हें चूहों या अन्य जानवरों ने नोचकर कुतरा नहीं था।

"क्या उन्हें कभी पता ही नहीं चला कि वह मर चुकी थी और उसे अब सुरक्षा की जरूरत नहीं थी?"

“शायद उन्हें भी वही आदेश दिया गया था जो तुमने अपनी तलवार को दिया था। पहरा दो।” कुछ देर रुककर लिलाह ने पूछा, “वैन?” उसकी आवाज़ में एक अजीब सा लहजा था।

वह खड़ा हुआ और आले में चला गया। बिस्तर के अलावा, वहाँ एक मेज और एक अलमारी भी थी। मेज पर एक धुंधला सा नोट आधा मुड़ा हुआ पड़ा था, और वह उसे उठाने ही वाला था कि लिलाह ने अपना हाथ खोपड़ी में डाल दिया। पहली बार, वैन ने खोपड़ी के किनारे पर एक दरार और एक छेद देखा। उसे बेचैनी का एक जाना-पहचाना एहसास हुआ। कैप्टन मोलिसाक की टूटी हुई खोपड़ी उसके दिमाग में तब आई जब उसने बंदूक की गोली निकाली भी नहीं थी।

लिलाह ने उसे उसके हाथ में रख दिया। "लगता है पहरेदार भेड़िये नाकाम हो गए।"

वैन ने सेना द्वारा जारी की गई बंदूक की गोली को ध्यान से देखा। यह बिल्कुल वैसी ही थी जैसी उन्हें पहले मिली थी।

“उसे गोली कैसे लग सकती थी?” उसने पूछा। “मैंने सार्डेल को अपनी बुद्धि से गोलियों को रोकते हुए देखा है। किसी चुड़ैल को यूं ही गोली नहीं मारी जा सकती।”

अगर वह सो रही होती...

वैन इस बात पर विचार करने लगा। हाँ, उसे लगा कि सार्डेल को जादुई कवच बनाने के लिए जागना पड़ेगा। उसकी आत्मा की तलवार कभी सोती नहीं थी, लेकिन उसे नहीं लगता था कि सभी चुड़ैलों के पास ऐसी तलवार होती है।

“फिर भी,” उसने कहा, “भेड़ियों का क्या? अगर वे हमेशा आसपास थे और उसकी रक्षा कर रहे थे, तो उन्होंने दुश्मन सैनिक को कैसे घुसने दिया?”

"शायद वह उसे दुश्मन नहीं मानती थी।" उसने अपना हाथ बिस्तर की ओर बढ़ाया।

"उसे," वैन ने बेजान स्वर में कहा।

उसके पेट में बेचैनी और बढ़ गई। वह बंदूक की गोली उस घुसपैठ मिशन पर आए किसी भी व्यक्ति की हो सकती थी, फिर भी, उसने उस नज़र के महत्व को नज़रअंदाज़ नहीं किया जो लीला ने उसे मेज की ओर बढ़ते हुए और नोट उठाते हुए दी थी।

“मुझे नहीं लगता कि आपको उतनी ऊर्जा बढ़ाने वाले पाउडर की ज़रूरत पड़ेगी जितनी आपने बताई है,” लिलाह ने पढ़ा, “लेकिन मैंने अनुरोधित संख्या में शीशियाँ बना ली हैं। मेजर, इनका बहुत सावधानी से इस्तेमाल करें। आप खुद को और अपने आदमियों को, साथ ही हमारे लक्ष्य को भी खतरे में डाल सकते हैं। आपको खोना मुझे बहुत दुख देगा।”

लिलाह ने नोट नीचे रख दिया।

“बस इतना ही लिखा है?” वैन ने पूछा।

"हाँ।"

“शायद इसी से पता चलता है कि उन्होंने पहाड़ कैसे गिराया। मुझे हैरानी हुई थी, खासकर जब मैंने TE-18 देखा था। उस ज़माने में विस्फोटक इतने पुराने थे। यकीन करना मुश्किल था...” वैन रुक गया, क्योंकि लिलाह उस नोट को देखकर गुस्से से भौंहें चढ़ा रही थी। “क्या बात है?”

उन्होंने कहा, "यह सबूत नहीं है, बिलकुल भी नहीं। यह सिर्फ एक संकेत है।"

“क्या मेजर थेरिक ने उसे कुछ ऐसा बनाने के लिए मना लिया जिससे उसके विस्फोटक पूरे पहाड़ को गिरा सकें, न कि सिर्फ उस कमरे या कक्ष को जिसे वह शायद निशाना बनाना चाहती थी? क्या उसने उसका इस्तेमाल—उसका इस्तेमाल—एक सभ्यता को नष्ट करने के लिए किया?” वैन ने अपनी आवाज़ में घृणा को छुपाने की कोशिश नहीं की। वह पहले से ही अपने इस दूर के रिश्तेदार से नाराज़ था क्योंकि उसने एक साथी अधिकारी को गोली मार दी थी। किसी महिला के साथ सोने और फिर उसे गोली मारने की बात सुनकर वैन को वह और भी कम पसंद आया। भले ही वह डायन ही क्यों न हो। दुश्मन से सम्मानपूर्वक लड़ना चाहिए, छल और हत्या से नहीं। उसने बंदूक की गोली को कसकर पकड़ लिया।

“शायद।” लिलाह ने उसकी आँखों में देखा और उसके हाथ पर हाथ रख दिया। “वह तुम नहीं हो।”

नहीं, लेकिन मैं खुद को खलनायकों के वंशज के रूप में देखना पसंद करता हूं।

“हम सभी को अपनी इच्छानुसार पूर्वज नहीं मिलते।” उसने धीरे से नाक सिकोड़ी। “और इसका इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि हम क्या बनते हैं।”

अपने पिता के बारे में याद करके, जिसके बारे में उसने उसे बताया था, वैन ने सिर हिलाया। हाँ, वह समझती थी कि परिवार से निराश होना कैसा होता है। धिक्कार है, वह उस घमंडी ज़िरकेंडर के साथ फंसी हुई थी। वैन को राहत मिली कि वह बिल्कुल भी उसके जैसी नहीं थी।

उसने अपना हाथ उसके हाथ पर रखा। "क्या हम अभी यहाँ से चले जाएँ? तुम बाद में घूमने आ सकती हो, बशर्ते सुरंगों में तीन सौ साल पुराने भेड़िये छिपे न हों।"

लिलाह ने प्रयोगशाला के चारों ओर उदास निगाहों से देखा, लेकिन उसने सिर हिलाकर कहा, "मैं तुम्हारे साथ हूँ।"

"अच्छा," उसने कहा, और कामना की कि यह हमेशा के लिए रहे।

"कम से कम जब तक मैं वह टैटू नहीं देख लेता।"

उसने नाक सिकोड़ी। "शायद तब मैं इसे छिपाने के लिए कुछ रचनात्मक तरीके सोच लूंगा।"

जब वे आले से बाहर निकले तो उसने अपनी बांह उसकी कमर के चारों ओर लपेट ली। "जब मैं चाहूँ तो मैं काफी चालाक हो सकती हूँ।"

उसने सिगरेट पीते हुए गार्ड की ओर देखा। "मुझे ऐसा ही लगता है।"

अध्याय 14

प्रयोगशाला की सुरक्षा से बाहर निकलते ही वे अंधेरे, मलबे से भरे रास्तों में लौट आए। लिलाह वैन के पीछे-पीछे छत तक फैले मलबे के ढेर पर चल पड़ी, हालाँकि वह बार-बार पीछे मुड़कर देख रही थी। उसका मन तो विरोध करने को कर रहा था जब उसने आगे बढ़ने का सुझाव दिया था, लेकिन वह बहुत विनम्र था। यह कोई आदेश भी नहीं था। और वह सही था। हालाँकि उसका पेट लगातार गुड़गुड़ा रहा था और उनके पास सीमित संसाधन थे, फिर भी वह उस प्रयोगशाला के हर कोने की छानबीन करना चाहती थी, ताकि वह उन लोगों के बारे में सब कुछ जान सके जो कभी इस पहाड़ पर रहते थे। इन ध्वस्त सुरंगों के बीच इतनी सारी कलाकृतियों को इतनी अच्छी हालत में पाना अद्भुत था।

"हम किसी लक्ष्य के करीब पहुंच रहे हैं," वैन ने कहा।

"समस्या का हल?"

“संदेहजनक।” उसने अपनी तलवार उठाई, जो चलते-चलते हल्की हरी चमकती रही। वह चमक फिर से बढ़ गई थी। “शायद और भेड़िये होंगे। जब तक कि यहाँ कोई और जादुई चीज़ न हो।”

लिलाह ने मलबे के ढेर पर वापस गिरने की इच्छा को दबाया। भले ही वैन भेड़ियों से निपट रहा था, लेकिन और भेड़ियों से लड़ने के ख्याल से ही वह थक गई थी। यह सब व्यर्थ था, क्योंकि वे एक ऐसे व्यक्ति की रक्षा के लिए लड़ रहे थे जिसकी मृत्यु तीन सौ साल पहले हो चुकी थी।

उनकी सुरंग मुड़ी, फिर एक गुफा में फैल गई, लेकिन वह दूर तक नहीं देख पा रही थी। आगे ज़मीन पर मलबे के ढेर लगे थे। वह मलबे के ढेरों के बीच से गुजरते हुए पत्थरों पर पंजों की खटखटाहट सुनने की कोशिश कर रही थी।

गुफा के बीचोंबीच एक मोड़ पर पहुँचते ही वैन अचानक रुक गया। लिलाह लगभग उसकी पीठ से टकरा गई। चट्टानों के आधार पर हड्डियाँ बिखरी पड़ी थीं। हड्डियाँ और एक धूल से सना हुआ सेना का जूता।

वैन ने अपनी तलवार मलबे के ऊपर रखी और चारों ओर देखा। लिलाह को मलबे के ढेर के किनारे पर गहरे रंग के कपड़े का एक टुकड़ा दिखाई दिया। वह पास गई और उसे उठा लिया। यह एक वर्दी की जैकेट का हिस्सा था जो बुरी तरह फट गया था। क्या किसी क्रोधित भेड़िये ने ऐसा किया था? उसने उसे रोशनी में लाया और सामने से पलट दिया। कुछ बटन और नामपट्ट अभी भी लगे हुए थे।

थेरिक.

उसने वैन के चेहरे की ओर देखा, यह देखने के लिए कि क्या वह इसे पढ़ रहा है। हाँ, उसकी निगाहें नेमटैग पर टिक गईं और उसके चेहरे पर उदासी छा गई।

"लगता है वो बच नहीं पाया।" वैन कुछ कदम चला और चट्टानों के नीचे पड़ी किसी चीज़ को हल्का सा धक्का दिया, जो एक पुरानी फ्लिंटलॉक मस्कट थी।

“क्या वह उनके विस्फोटों के बाद गिरी चट्टानों के नीचे दबकर मर गया?” लिलाह ने सोचा।

“या फिर निवासियों को उसके किए का पता चल गया और उन्होंने उसे पकड़ने के लिए किसी को भेजा?”

“जो भी हुआ, उसे वही अंजाम भुगतना पड़ा। मुझे उम्मीद है कि उसकी टीम के बाकी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए होंगे।”

"हो सकता है कि वह रास्ते की रखवाली करने के लिए पीछे रुक गया हो, ताकि वे भाग सकें," लिलाह ने कहा, खुद को एक ऐसी संभावना सुझाने की इच्छा महसूस करते हुए जिससे उसके पूर्वज कम मूर्ख प्रतीत हों, हालांकि उस आदमी ने जो किया था उसके बाद ऐसा करना असंभव लग रहा था।

वैन ने कुछ अप्रिय बड़बड़ाया और गुफा के दूसरे छोर की ओर मुड़ गया। कसंद्रल स्पंदित हो रहा था, उसकी चमक तीव्र और भूखी थी।

उसके आगे अंधेरे से धक्के और खरोंच की आवाजें आ रही थीं। लिलाह ने अपनी राइफल का ट्रिगर दबाया। अब उन्हें किस चीज का सामना करना पड़ेगा?

“भेड़िये?” उसने फुसफुसाते हुए कहा। शायद तलवार ने उसे इस बात का संकेत दिया हो कि उसे किस जादू का सामना करना पड़ेगा।

वैन ने आह भरी, उसके कंधे झुक गए और उसकी तलवार लटक गई। वह उसके बगल में खड़ी हो गई और उसकी प्रतिक्रिया को समझने की कोशिश करने लगी। उसने कभी हार का कोई संकेत नहीं दिखाया था।

इसके बाद और भी धमाकों की आवाजें आईं, फिर खड़खड़ाहट और गड़गड़ाहट की आवाजें। ऐसा लग रहा था जैसे दीवारों पर पत्थर फेंके जा रहे हों, लेकिन कोई विस्फोट नहीं हुआ जिससे यह संकेत मिले कि काइका काम कर रही है।

नमस्कार, मनुष्यों! एक पुरुष की आवाज लिलाह के दिमाग में गूंजी, जिससे वह लगभग चौंककर गिर ही पड़ी।

उसने प्रयोगशाला की ओर पीछे मुड़कर देखा, यह सोचते हुए कि शायद कोई जादुई प्राणी अभी भी जीवित हो, कोई ऐसा प्राणी जो अब उनसे बात कर रहा हो। उसने सुना था कि रेफेरातु के पास टेलीपैथिक शक्तियां होती हैं, लेकिन उसे कभी किसी ने अपने मन में बात करते हुए नहीं देखा था।

वैन कराह उठा, उसकी तलवार और नीचे झुक गई, नोक ज़मीन को छू गई। तलवार गुस्से से हरे रंग में चमक उठी, इतनी चमक जितनी लिलाह ने पहले कभी नहीं देखी थी, लेकिन उसने ऐसा कोई हावभाव नहीं दिखाया मानो कोई दुश्मन उनकी ओर बढ़ रहा हो।

“मैं उस आवाज को पहचानता हूँ,” वैन ने कहा।

“यह कौन है?” लिलाह ने पूछा।

मैं भगवान भ्राव सरुत हूँ, आवाज फिर उसके मन में गूंजी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे डरना चाहिए या आनंद लेना चाहिए। आवाज अजीब तरह से चंचल थी और ज्यादा डरावनी नहीं लग रही थी। अगर तुम्हें मेरी उपचार शक्तियों की जरूरत है, तो मैं जल्द ही तुम्हारे पास आऊंगा। एक जोरदार आवाज आई, मानो कोई और पत्थर—या विशाल चट्टान?—दीवार से टकराई हो। तुम्हें

ठीक करने और आशीर्वाद देने के बाद, तुम मेरी पूजा कर सकती हो!

“अच्छा,” वैन ने कहा।

“यह कौन है?” लिलाह ने फिर पूछा।

“सरडेल का अजगर।”

“क्या सरडेल का अजगर देवता है?”

वह खुद को भगवान समझता है।

“तो हमें बचाया जा रहा है?” लिलाह ने पूछा।

“हमें बचाव की ज़रूरत नहीं थी,” उसने गुस्से से कहा। “हम खुद ही बाहर निकल सकते थे।” उसने आवाज़ की दिशा में इशारा करते हुए कहा, “मुझे नहीं लगता कि हम उस सुरंग से ज़्यादा दूर हैं जिसका इस्तेमाल सैनिकों ने अंदर आने के लिए किया था।”

यह देखकर आश्चर्य होता था कि दूसरों के आसपास होने पर वैन कितना चिड़चिड़ा हो जाता था। लिलाह ने तलवार और उसकी क्रोधित हरी चमक को देखते हुए अनुमान लगाया कि वे लोग जादू की शक्ति रखते थे। यह सोचते हुए कि क्या वह अजगर का सामना करने के लिए आगे बढ़ने की अपनी तीव्र इच्छा को दबा रहा था, लिलाह उसके करीब चली गई।

उसने उसका खाली हाथ थाम लिया और मुस्कुराते हुए बोली, “बेशक हम खुद भी निकल सकते थे, खासकर जब तुम मुझे अंधेरे से ध्यान भटका रहे हो। लेकिन अगर ड्रैगन दोस्ताना है, तो शायद वह सफर आसान बना दे। क्या सार्डेल उसके साथ होगी?”

"संभवत:," वैन ने कहा।

उसकी आवाज़ में अब भी थोड़ी झुंझलाहट थी, लेकिन उसने लिलाह का हाथ थाम लिया। उसने तलवार को म्यान में भी रख दिया। तलवार के हैंडल के आसपास से थोड़ी हरी चमक निकल रही थी, और लिलाह को लगा जैसे उसमें से आक्रोश की भावना निकल रही हो।

"क्या इसे अंदर डालने से यह आपको कम प्रभावित करने की कोशिश करता है?" उसने पूछा।

"नहीं।"

“आह।”

"इसे इसके डिब्बे में बंद करने से कुछ हद तक फर्क पड़ता है। डिब्बे में बंद होने पर भी यह मुझे मूर्खतापूर्ण काम करने पर मजबूर कर देता है।"

“बेवकूफी भरी बातें?”

मैंने सार्डेल को मारने की कोशिश की।

“आह,” लिलाह ने फिर कहा, शायद उसे रिज और वैन के बीच तनाव का कारण समझ आ रहा था, उनके द्वारा चुने गए अलग-अलग करियर पथों के अलावा। “क्या यह तब की बात है जब उसने तुम्हारी जान नहीं बचाई थी?”

"हाँ।"

कई धमाकों की आवाजें सुनाई दीं, फिर धीमी-धीमी फुसफुसाहट सुनाई दी। नीले-सफेद रंग की कोई रोशनी नजर आई, जिससे मलबे का ढेर दिखाई देने लगा।

“अगर तुम हमारे बचाव दल के साथ विनम्र और सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखोगे, तो मैं—”

दूसरों को पास आते देख, लिलाह अपने पंजों पर खड़ी होकर बाकी बातें उसके कान में फुसफुसाई। इसमें छिपी शरारत को देखते हुए, फुसफुसाना ही उचित लगा।

वैन की पलकें झुक गईं, और उसने उसे एक कामुक नज़र से देखा जिससे वह अंदर तक उत्तेजित हो गई। "कितना सौहार्दपूर्ण?"

"ठीक है, किसी को जान से मत मारो। अगर यह आसान अनुरोध है, तो शायद आप उन्हें चौकी पर एक अच्छे रात्रिभोज के लिए आमंत्रित कर सकते हैं।"

वैन का मुंह खुला का खुला रह गया। "ड्रैगन भी?"

"मुझे पता है कि कैप्टन काइका तो उसके बगल में बैठना पसंद करेंगी।" लिलाह आती हुई रोशनी की ओर मुड़ी, अब आवाज़ें साफ़ सुनाई देने लगीं। उसने रिज का बेपरवाह लहजा पहचान लिया, जब उसने कहा कि उसने इस साल गुफाओं में ज़रूरत से ज़्यादा समय बिताया है। लिलाह ने गर्दन उठाकर उस ड्रैगन को देखने की उत्सुकता दिखाई, खासकर इसलिए क्योंकि उसने अपनी ज़िंदगी का ज़्यादातर हिस्सा ड्रैगन के जीवाश्मों के साथ ही बिताया था।

"राजा के प्रति वफादार सैनिक होने के नाते, मुझे नहीं लगता कि मुझे उसकी पत्नी के ड्रैगन प्रेम के लिए दलाली करनी चाहिए। लेकिन, अगर आप इसमें कुछ और जोड़ें तो मैं आतिथ्य सत्कार करने का प्रयास करूंगा—" इस बार, वैन ने झुककर उसके कान में एक सुझाव फुसफुसाया।

उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह मुस्कुराए या शर्म से लाल हो जाए, और अंत में उसने दोनों ही किया।

वैन ने लिलाह का हाथ छोड़ दिया जैसे ही आने वाले समूह का पहला सदस्य, रिज, नज़र आया। लिलाह ने लगभग उसका हाथ वापस पकड़ लिया। वह नहीं चाहती थी कि उसे लगे कि उनके बीच कुछ छिपाने को है। उसका छुपकर दुनिया से यह छुपाने का कोई इरादा नहीं था कि वह वैन की परवाह करती है, और उसे पूरी उम्मीद थी कि उसके साथ अपने नए रिश्ते में उसे कुछ भी शर्मनाक नहीं लगेगा।

वैन के हाथ बांधकर रिज को घूरने के अंदाज़ से लगता है कि उसका हाथ पीछे खींचना शायद अपने वरिष्ठ अधिकारी के सामने मज़बूती दिखाने की ज़रूरत से ज़्यादा जुड़ा था। या अपने दुश्मन के सामने, जैसा कि वह रिज को समझता था।

लिलाह सोच रही थी कि रिज इतनी जल्दी वापस यहाँ क्यों आ गया। उसे हफ्तों तक उससे दोबारा मिलने की उम्मीद नहीं थी।

नीली आँखों वाली काले बालों की एक महिला उसके साथ चल रही थी। सरडेल? उसके चेहरे की बनावट आकर्षक थी और वह शांत गरिमा के साथ चलती थी, जो रिज की बेचैन ऊर्जा से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी। उसने उन दोनों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हमेशा की तरह, वह हवा में उड़ने और दुश्मन के हवाई जहाजों में छेद करने के लिए बेताब दिख रहा था। वास्तव में, उसने अपनी फ्लाइट जैकेट, टोपी और स्कार्फ पहन रखा था, मानो वह अभी-अभी उड़कर आया हो। सरडेल ने आम यात्रा के कपड़े पहन रखे थे, लेकिन उसके हाथ में जो तलवार थी, वही नीली चमक वाली तलवार, वह बिल्कुल अलग थी। शायद लिलाह को इसलिए अधूरा महसूस करना चाहिए क्योंकि उसके पास ले जाने के लिए कोई तलवार नहीं थी?

काइका और बोसमोंट, रिज और सार्डेल के पीछे-पीछे आए। उनके चेहरे कालिख से सने हुए थे और काइका की आस्तीन कलाई से कंधे तक फटी हुई थी। भेड़ियों से उनका एक-दो बार और सामना हुआ होगा। पाँचवाँ व्यक्ति समूह के किनारे धीरे-धीरे आया, एक सुंदर युवक जिसके सुनहरे बाल बिखरे हुए थे और आँखों पर गिर रहे थे। वह लीला के उन छात्रों में से एक लग रहा था जो समुद्र तट से प्यार करते हैं और शायद बिना किताबों या पेंसिल के ही सैंडल पहने कक्षा में आ जाते हों। अगर उसने अपनी बेहद चमकीली हरी आँखों से उसकी ओर न देखा होता, तो वह यह अंदाज़ा भी नहीं लगा पाती कि वह जैसा दिख रहा है, उससे अलग कोई और भी हो सकता है।

"लिलाह?" रिज ने उसे ऊपर से नीचे तक देखते हुए पूछा। "क्या तुम ठीक हो? मुझे चिंता थी कि यहाँ तुम्हारा स्वागत कैसा होगा, इसलिए मैंने जल्दी वापस आकर सार्डेल को तुमसे मिलवाने का फैसला किया। जब काइका ने बताया कि तुम यहाँ फँसी हुई हो—" उसकी नज़र वैन की ओर गई, लेकिन उसने वाक्य पूरा नहीं किया। "कि तुम कल से यहाँ फँसी हुई हो, तो मुझे लगा कि मैं बहुत देर से आया हूँ।"

"मैं ठीक हूँ। वैन ने मेरी रक्षा की है।" लिलाह ने उसके पैर की ओर इशारा किया, हालाँकि वह इतना स्वाभिमानी था कि अगर उसे पैर में तकलीफ हो रही होती तो वह उसे दिखाना नहीं चाहता था। "एक जादुई भेड़िये ने मेरी तरफ से उसे कुतर दिया था।"

"वैन?" रिज ने होंठ हिलाकर पूछा।

सरडेल ने लिलाह से वैन की ओर देखा और मुस्कुराई। उसकी मुस्कान में एक अजीब सी समझदारी झलक रही थी, क्योंकि लिलाह उस महिला से पहले कभी नहीं मिली थी। भला उसे लिलाह और वैन की उस शाम के बारे में कैसे पता हो सकता था?

"हाँ, हमारा दिन काफी घटनापूर्ण रहा। या कहें रात।" लिलाह ने कंधे उचकाते हुए कहा। "मुझे लगता है कि मैं यहाँ पर सब कुछ भूल गई हूँ। पीछे एक प्रयोगशाला है, और हम यहाँ तीन सौ साल पहले क्या हुआ था, उसे समझने की कोशिश कर रहे हैं।"

"क्या तुमने देखा है?" सार्डेल ने धीमी आवाज़ में पूछा, उसकी आँखों में कई भाव थे। जिज्ञासा तो थी ही, लेकिन कुछ और भी था। दर्द? डर? अगर बोसमोंट की कहानी सच थी, और सार्डेल तीन सौ साल पहले यहाँ आई थी, तो वह उन लोगों को ज़रूर जानती होगी जो अब केवल दफ़न कंकाल बनकर रह गए थे।

"यह एक... दुखद कहानी है।" लिलाह ने वैन की ओर देखा।

"जी हां।" सार्डेल ने कुछ देर के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं, और रिज ने चुपचाप उसका हाथ थाम लिया। अंत में, उसने वैन पर ध्यान केंद्रित किया और उसके पट्टी बंधे पैर की ओर इशारा करते हुए कहा, "कर्नल, अगर आप चाहें तो मैं आपकी चोट देख सकती हूं।"

"आवश्यक नहीं," वैन ने संक्षेप में कहा।

लिलाह ने उसे कोहनी से हल्का सा धक्का दिया।

उसने उसकी ओर एक नज़र डाली, गहरी साँस ली, फिर सार्डेल की ओर मुड़ गया। "जी हाँ, मुझे यह अच्छा लगेगा, और मैं आप सभी को चौकी पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित करना चाहता हूँ।" वह तेज़ी से बोल रहा था, मानो वह अभ्यास कर रहा हो और उन घृणित शब्दों को जल्द से

जल्द बाहर निकालना चाहता हो।

लिलाह ने कोशिश पर प्रसन्नता जताते हुए मुस्कुरा दिया।

रिज एक चट्टान से टकराकर ठोकर खा गया और लगभग गिर ही गया।

सार्डेल की भौहें उठीं, हालांकि केवल एक पल के लिए, फिर उन्होंने खुद को संभाला और कहा, "हमें यह बहुत अच्छा लगेगा।"

सुनहरे बालों वाला वह युवक—मानव रूप में अजगर—उनके बीच से धीरे-धीरे गुजरा और प्रयोगशाला की दिशा में झाँका। "मुझे उस दिशा में बहुत अधिक जादू का आभास हो रहा है, महापुजारिन।"

"लैब वहीं है," लिलाह ने यह समझने की कोशिश करते हुए कहा कि ड्रैगन किससे बात कर रहा है। क्या वह मुख्य पुजारिन थी? "यह लगभग सही सलामत है। मेरा मानना है कि यहीं पर उसने —सहायक राष्ट्रपति ने—ड्रैगन की हड्डियों पर श्राप दिया था। मुझे यकीन नहीं है कि श्राप सही शब्द है। लेकिन मुझे लगता है कि वही थी जिसने उन्हें किसी संग्रहालय से चुराया और एक चाल के तहत यहाँ लाई, ताकि लोग पहाड़ के इस प्रवेश द्वार का इस्तेमाल न कर सकें, और कोई भी यह न देख पाए कि सैनिक घुसपैठ कर रहे हैं।"

स्पष्टीकरण जारी रहने पर सार्डेल ने भौंहें चढ़ा लीं। "हम चीजों पर श्राप नहीं देते—नहीं देते थे —कम से कम इस्कंदी के शाप वाले अर्थ में तो बिल्कुल नहीं, लेकिन जब मैंने पहली बार जीवाश्मों को महसूस किया तो मेरे मन में यही शब्द आया। उनसे निकलने वाला क्षेत्र सूक्ष्म है और मुझे लगभग स्वाभाविक लगता है। भ्राव सरुत ने महसूस किया कि किसी ने उनके साथ छेड़छाड़ की है, उन्हें... हेराशी मलिश दिया है। अराजक ऊर्जा का क्षेत्र। उन्होंने कहा कि यह उन अनियमित घटनाओं का कारण बन सकता है जिनका वर्णन कैप्टन बोसमोंट मुझे कर रहे थे।"

"मुझे लगता है कि उन्होंने उन घटनाओं को 'पागल चुड़ैल का पागलपन' कहा था," काइका ने कहा।

"हां, यह एक संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित वर्णन था," सार्डेल ने रूखेपन से कहा।

"इंजीनियरों को सारगर्भित बातें पसंद होती हैं, महोदया," बोसमोंट ने कहा।

वैन ने घुरघुराहट की, और किसी तरह उस अस्पष्ट शब्दांश को व्यंग्यात्मक और उपहासपूर्ण दोनों तरह से व्यक्त करने में कामयाब रहा।

सार्डेल उस सुनहरे बालों वाले आदमी के पास जाकर खड़ा हो गया और उससे कुछ बुदबुदाते हुए पूछा, उसका नाम क्या था? भ्रावा सुर-कुछ?

भ्राव सरुत, देवता, एक आवाज़ फिर उसके मन में गूंजी और उसने लीला की ओर मुड़कर मुस्कुराते हुए कहा, क्या तुम्हें पूजा करने के लिए किसी देवता की आवश्यकता है? मुझे अपने मानव अनुयायियों को आशीर्वाद देने में प्रसन्नता होती है।

मैं... अह, मैं असल में नास्तिक हूँ। एक ड्रैगन से आशीर्वाद कैसा होगा?

तो फिर आपको एक देवता की आवश्यकता है। उनकी मुस्कान और चौड़ी हो गई। हम इस पर बाद में चर्चा करेंगे, ठीक है? मैं एक उत्कृष्ट देवता हूँ।

"क्या तुम सच में ठीक हो?" रिज ने धीरे से पूछा, लिलाह के पास आते हुए, वैन के विपरीत

दिशा में, जबकि सरडेल और भ्रावा सरुथ बातें करते रहे। “तुम कुछ स्तब्ध लग रही हो।”

"क्योंकि वह युवक मुझे उपासक के रूप में भर्ती करने की कोशिश कर रहा है," लिलाह ने इशारा करते हुए कहा।

“वह सबके साथ ऐसा ही करता है। अगर आप उसकी पेट सहलाने को तैयार हों, तो उसे मना करने से भी कोई फर्क नहीं पड़ता।” रिज ने अपनी आवाज़ धीमी करते हुए कहा, “मुझे खेद है कि मैंने आपको बिना और संसाधनों के यहाँ भेज दिया। मुझे बिल्कुल भी अंदाज़ा नहीं था कि इसमें जादू का हाथ होगा। मुझे बोसमोंट की श्रापों की रिपोर्ट पर ज़्यादा भरोसा करना चाहिए था।”

"मैं ऐसा नहीं करती," लिलाह ने कहा।

बोसमोंट ने नाक सिकोड़ी। "यह निराशाजनक है। मुझे लगा था कि आम नागरिक जनरलों की तुलना में अधिक खुले विचारों वाले और कम रूढ़िवादी होते हैं।"

“कठोर?” रिज की भौंहें ऊपर उठ गईं।

"आप उतने रूखे स्वभाव के नहीं हैं, महोदय, लेकिन आप निश्चित रूप से अब कर्नल नहीं रहे," बोसमोंट ने उदास स्वर में कहा।

रिज को समझ नहीं आ रहा था कि उस टिप्पणी का जवाब कैसे दे, इसलिए वह वापस लिलाह की ओर मुड़ गया।

"मुझे राहत मिली कि आपको चोट नहीं लगी है," उसने माफी मांगते हुए कहा और उसे ध्यान से देखा।

"धन्यवाद, और मुझे किसी बात का पछतावा नहीं है," लिलाह ने कहा। "इस खोज का हिस्सा बनकर, सदियों से अछूती चीजों को देखकर मुझे बहुत गर्व महसूस हुआ है।"

उसने अपनी जेब पर हाथ फेरा, जहाँ बच्चे की गेंद से उभार आ गया था, और उसे सरडेल को देने के बारे में सोचा। उसने अपनी खोज को चौकी पर ले जाकर जाँच करने की योजना बनाई थी, लेकिन अब उसे संदेह होने लगा था कि क्या सेना को वास्तव में इस जगह की खुदाई करने का अधिकार है। यह शायद भविष्य में बहस का विषय रहेगा।

"मुझे उम्मीद है कि सार्डेल को हमारे दखल से कोई आपत्ति नहीं होगी," लिलाह ने धीरे से कहा।

“मुझे शक है कि वह ऐसा करती होगी,” रिज ने कहा। “वह लंबे समय से सोचती रही है कि उसके लोगों के साथ वास्तव में क्या हुआ था। क्या आपने उसकी कहानी सुनी? ओह, मैंने परिचय देना भूल गया, है ना? सार्डेल, क्या आपने अपने ईश्वर से संवाद पूरा कर लिया है?”

सार्डेल ने कहा, "हम प्राचीन ड्रैगन जीवाश्मों को ठोस चट्टान में स्थापित करने की व्यवहार्यता और इसे कैसे किया जा सकता था, इस पर चर्चा कर रहे थे।"

“हाँ, या फिर...?” उसने भौंहें चढ़ाकर उसकी ओर देखा।

सार्डेल उसके पास जाकर उससे भिड़ गया, असल में उसे थप्पड़ मारने के लिए।

वैन चुपचाप खड़ा सबको देख रहा था, खासकर भ्रावा सरुथ को, उसके हाथ अभी भी सीने पर बंधे हुए थे। वह तनाव में लग रहा था। क्या सिर्फ इसलिए कि उसे इन लोगों की परवाह नहीं थी? या इसलिए कि तलवार ने उसे जादूगरनी और अजगर की उपस्थिति में तनाव में डाल दिया था?

लिलाह का मन हुआ कि वह उसका हाथ थाम ले।

"मुझे याद है जब जीवाश्म मिले थे," सरदेले ने लिलाह से कहा। "राजधानी के विश्वविद्यालय को खबर भेजी गई थी, क्योंकि उस समय हमारे लोगों के पास पुरातत्व का कोई विशेषज्ञ नहीं था।" वह मुस्कुराई। "मुझे नहीं लगता कि उस समय जीवाश्म विज्ञान एक अलग विज्ञान भी था। हम तो मानते थे कि किसी अजगर का कब्रिस्तान मिला है और शायद वह प्रेतवाधित है। देखो, उस समय भी वहाँ से गुजरने वाले यात्रियों के साथ कुछ अजीबोगरीब घटनाएं घटित होती थीं। हम इस बात से चिंतित थे और साथ ही संभावित कब्रिस्तान में आने-जाने के परिणामों को लेकर भी, इसलिए परिसर के इस निकास द्वार को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। मैंने हाल ही में जाना है—" सरदेले ने भ्रावा सरुत की ओर इशारा करते हुए कहा, "—कि अजगर अपने मृतकों को दफनाते नहीं हैं और न ही उनके पास मनुष्यों की तरह कोई कब्रिस्तान होता है।"

"ऐसा नहीं है कि हमने कभी इसका पता लगाया हो," लिलाह ने कहा।

"आपने कहा कि आपको यहाँ जो हुआ उसके बारे में कुछ जानकारी मिली?" सार्डेल ने पूछा। "मुझे पता है कि वहाँ विस्फोटकों के साथ सैनिक थे, लेकिन यह पता लगाने का समय नहीं था कि वे अंदर कैसे आए या पहाड़ हमारे चारों ओर गिरने से पहले उन्हें कैसे रोका जाए।"

"वैन," लिलाह ने कहा, "क्या तुम्हारे पास अभी भी वह डायरी है?"

"हां।" उसने अपनी जेब, बैग या जहां भी उसने उसे छिपा रखा था, उसकी ओर हाथ बढ़ाने की कोई कोशिश नहीं की।

"क्या आप इसे साझा करना चाहेंगे? सौहार्दपूर्वक?"

वैन ने उसे एक सपाट नज़र से देखा। लिलाह समझ सकती थी कि वह अपने परिवार के इतिहास को साझा क्यों नहीं करना चाहता था, खासकर तब जब मेजर थेरिक की भूमिका अपमानजनक रही थी, लेकिन अगर सार्डेल वास्तव में रेफेरातु समाज की उत्तराधिकारी थी, तो उसे इस बारे में पता होना चाहिए था। वह इस बारे में पता होने की हकदार थी।

"तुमने जिस बात का ज़िक्र किया था," वैन ने कान थपथपाते हुए कहा। "कितनी बार?"

रिड्ज ने अपना सिर झुकाया, उसके चेहरे पर हैरानी का भाव था।

"मेरे ख्याल से कम से कम तीन तो होंगे ही," लिलाह ने वैन की ओर मुस्कुराते हुए कहा।

एक बड़े, बलवान सेना कर्नल को किशोरों जैसी नाटकीय आह भरते देखना मनोरंजक था, लेकिन ऐसा करने के बाद, उन्होंने अपना बैग उतारा और सार्डेल को डायरी थमा दी। उसने डायरी खोली, और रिज उसके बगल में खड़ा होकर उसके कंधे के ऊपर से पढ़ रहा था। वैन का जबड़ा कस गया। रिज को अपने परिवार के अतीत के बारे में पता चलने के विचार से वह शायद और भी निराश था। लिलाह उसके और करीब आ गई, उसका हाथ उसके हाथ से छू गया, मानो वह उसे अपनी कुछ शांति दे सके। अतीत में जो कुछ हुआ था, उसके लिए किसी को भी उसे दोष नहीं देना चाहिए।

"ऐसा लगता है कि आपकी सहायक अध्यक्ष ने इस घटना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है," लिलाह ने कहा, "भले ही जो हुआ वह उनकी इच्छा के अनुरूप न रहा हो। मेरा मानना है कि वह पीछे उनकी ही प्रयोगशाला है?"

सार्डेल ने किताब से अपनी नज़रें उठाईं, उसकी आँखें गंभीर थीं। "हाँ, ऐसा ही है। वह एक वैज्ञानिक और जानवरों से बात करने वाली थीं।"

"जानवरों से बात करने वाला?" वैन ने हैरानी से कहा। "क्या इसे ही कहते हैं जब आप डरावने, खुरदुरे भेड़िये बनाते हैं जो सदियों तक जीवित रहते हैं और घुसपैठियों को मार डालते हैं?"

"सैश्पुर नस्ल के कुत्ते, जो असल में जादुई रक्षक कुत्ते हैं, उनकी विज्ञान में रुचि का ही नतीजा थे। मुझे नहीं पता कि मूल रूप से किन प्रजातियों का संकरण किया गया था, लेकिन मेरे लोगों ने उन्हें पहाड़ से बाहर नहीं जाने दिया, और वे प्रजननशील नहीं हैं। मुझे यह एहसास नहीं था कि वे इतने लंबे समय तक जीवित रहते हैं।" सार्डेल ने अपना सिर सहलाया और अपने बालों को पीछे बांधने वाली क्लिप से खेलने लगी। "मिस्ट्रेस जियाला पतन में इतनी महत्वपूर्ण भूमिका क्यों निभा रही होंगी?"

"आपको उससे पूछना होगा। उसकी हड्डियाँ ऐसी ही हैं।" वैन ने अपने कंधे के ऊपर अंगूठा दिखाते हुए कहा।

"हमारा मानना है कि उसने आपके राष्ट्रपति की हत्या की साजिश रची थी," लिलाह ने कहा। "क्या ऐसा होने की संभावना थी?"

"मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि मिस्ट्रेस जियाला की ऐसी आकांक्षाएं थीं," सार्डेल ने कहा, "लेकिन मुझे पता था कि कुछ मामलों में उनकी टियार्डा से असहमति थी। और हमारे नेतृत्व पद दस साल के लिए थे, लगभग राजशाही की तरह। एक बार पद पर आसीन हो जाने के बाद अध्यक्ष को हटाना आसान नहीं था।"

"तो उसने अपनी समस्या में मदद के लिए कुछ सैनिकों को बुलाया," वैन ने कहा, "शायद खून से अपने हाथ साफ रखना चाहती थी।" उसके होंठ फड़कने लगे, और लिलाह सोचने लगी कि क्या वह उस बात के बारे में सोच रहा था जब निया ने उससे राजा का अपहरण करने में मदद मांगी थी।

"और फिर, मुझे लगता है कि उसका फायदा उठाया गया," लिलाह ने धीरे से कहा।

"क्या ये उन सैनिकों द्वारा किया गया था जो विस्फोटक लेकर पहाड़ में आए थे?" सार्डेल ने पूछा।

"लगता है मेजर थेरिक ने ऐसा किया है।" रिज उसके कंधे के ऊपर से पढ़ता रहा, और उसने पन्ने पर उंगली से इशारा किया, फिर वैन की ओर भौंहें चढ़ाकर देखा।

वैन ने एक बार फिर अपने जबड़े भींच लिए।

"मेजर थेरिक के साथ असल में क्या हुआ, यह ठीक-ठीक जानना मुश्किल है," लिलाह ने कहा, हालाँकि उन गोलियों ने उसके मन में ज़्यादा संदेह नहीं छोड़ा था, "क्योंकि वह डायरी उसके ही एक आदमी ने लिखी थी, लेकिन हमें उसके मालिक की खोपड़ी मिली है। उसके पिछले हिस्से में गोली का छेद है। हो सकता है कि जब कैप्टन मोलिसाक ने उससे मिशन के बारे में सवाल किया, तो मेजर थेरिक ने उस पर हमला कर दिया हो। ऐसा लगता है कि उसने आपके सहायक राष्ट्रपति पर भी हमला किया, जब उसे अपना काम मिल गया।" लिलाह तरह-तरह के अनुमान लगा रही थी और उसने रुकने का फैसला किया। भविष्य में सबूतों का इस्तेमाल करके उस समय हुई सारी घटनाओं को समझने के लिए और समय मिलेगा।

“मैं अक्सर सोचती हूँ कि हमारे लोग विस्फोटकों से लैस सैनिकों के हाथों इतने अचानक कैसे घिर गए,” सरडेल ने मंद स्वर में कहा, उसकी आँखों में एक डरावनी सी उदासी थी और उसने फिर से पन्ने की ओर देखा। “और यह भी कि सैनिकों को यह कैसे पता चला कि उन्हें ऐसा दिन क्यों चुनना है जब हममें से लगभग सभी लोग राष्ट्रपति का जन्मदिन मनाने के लिए यहाँ पहाड़ पर मौजूद थे।”

वैन ने कहा, "मेजर थेरिक की जो भी योजना थी, वह पूरी तरह से सफल नहीं हुई होगी, क्योंकि उनकी मृत्यु यहीं हुई। अगर कोई और बच निकला भी तो उसने थेरिक परिवार को इसके बारे में नहीं बताया, क्योंकि इस अधिकारी और इस घटना का ज़िक्र पारिवारिक इतिहास में नहीं है।"

“यह काम।” रिज सिहर उठा। “सात देवता, क्या आपको लगता है कि वे इस पर उस पर गर्व करते?”

वैन न तो कुछ बोला और न ही हिला, लेकिन लिलाह को ऐसा लगा जैसे कोई बर्तन उबलने ही वाला हो।

“उस समय बहुत से लोग रेफेरातु से डरते थे,” सरडेल ने रिज की बांह पर हाथ रखते हुए कहा, मानो लिलाह उसे वैन पर घूरना बंद करने का इशारा कर रही हो। “मुझे आश्चर्य होता है कि उसने हत्या के मिशन को नरसंहार में कैसे बदलने दिया। मुझे यकीन है कि मिस्ट्रेस जियाला ने ऐसा होने में मदद नहीं की होगी।”

कई निगाहें वैन की ओर मुड़ गईं, यहाँ तक कि बोसमोंट और काइका को भी लगा कि शायद उसी के पास जवाब है, या हो सकता है कि उसे अपने पूर्वज के कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए। अधिकांश निगाहें आरोप लगाने के बजाय जिज्ञासा से भरी थीं, विशेष रूप से सार्डेल की, लेकिन लिलाह वैन के पास ही खड़ी रही, उसे डर था कि कहीं उसे यह महसूस न हो जाए कि उस पर हमला हो रहा है।

"किसी ने मिशन को उन्नत बनाने का जिम्मा खुद उठाया होगा," रिज ने कहा।

“शायद हम कभी न जान पाएं कि मेजर थेरिक ने अपनी मर्जी से काम किया या किसी वरिष्ठ अधिकारी के आदेश पर,” सार्डेल ने कहा। “कैप्टन मोलिसाक की प्रविष्टियों से तो ऐसा लगता है कि उन्हें किसी वरिष्ठ अधिकारी के बारे में जानकारी नहीं थी, लेकिन यह इसका खंडन करने वाला सबूत नहीं है। ऐसा लगता है कि मेजर थेरिक जादूगरों से नफरत करने के लिए जाने जाते थे। अगर आप ऐसी बात की कल्पना कर सकते हैं।” हैरानी की बात यह थी कि सार्डेल ने वैन की ओर मुस्कुराया। यह कोई दोस्ताना मुस्कान नहीं थी, बल्कि व्यंग्य और एक अप्रिय अतीत की झलक थी।

सरडेल ने डायरी वैन को वापस सौंप दी। वह इस पर आश्चर्यचकित प्रतीत हुआ और किताब लेने से पहले उसके हाथ की ओर देखने लगा। उसने कहा, "घर लौटने से पहले मैं बाकी का हिस्सा पढ़ना चाहती हूँ, लेकिन क्या आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि डायरी कप्तान के परिवार तक पहुँच जाए?"

वैन उसे लगातार घूरता रहा। यह कल्पना करना उसके लिए बहुत कठिन था कि उसे यह काम

करना पड़ेगा, उस व्यक्ति के पूर्वजों को यह सौंपना जिसे उसके पूर्वज ने गोली मारी थी। लिलाह ने लगभग सुझाव दिया कि वह यह काम कर सकती है, शायद रास्ते में विश्वविद्यालय के रिकॉर्ड के लिए इस ग्रंथ की एक प्रति बना ले, लेकिन वैन ने सिर हिलाया और पहले बोला।

मैं इसका ध्यान रखूंगा।

"क्या प्रयोगशाला का रास्ता साफ है?" सार्डेल ने पूछा।

"जरूरत पड़ने पर मैं इसे खोलने में मदद कर सकती हूं," काइका ने अपनी यूटिलिटी बेल्ट पर हाथ फेरते हुए कहा।

"क्या आज तुमने काफी गुस्सा नहीं निकाला?" बोसमोंट ने उससे पूछा।

"बिलकुल नहीं। मुझे कुछ भी उड़ाने का मौका मिले घंटों हो गए हैं। भ्रावा सरुथ बस अपने हाथ हिलाकर चट्टानों के बड़े-बड़े ढेरों को पिघला रहा है। इस बचाव अभियान में मैं बस एक सजावटी किरदार बनकर रह गया हूँ। मुझे डर है कि कर्नल थेरिक तक पहुँचने में इतनी देर करने से हम उन्हें निराश कर चुके हैं।"

"वह शायद इस बात से निराश होने में बहुत व्यस्त है कि उसके पूर्वज ने इस पहाड़ में सभी को मार डाला," बोसमोंट ने फुसफुसाते हुए कहा, उसकी आवाज इतनी तेज थी कि सभी ने सुन लिया।

"मुझे नहीं लगता कि वह इससे निराश होगा," रिज ने बुदबुदाते हुए कहा।

वैन ने उसे घूरा, बोसमोंट को घूरा, अपनी मुट्ठी भींची, फिर वहां से चला गया और उस अंधेरे में गायब हो गया जिससे बाकी लोग पहले ही बाहर निकल चुके थे।

"तुम उस आदमी को नाराज करने में बेहद माहिर हो," सार्डेल ने रिज से कहा।

"कौन नहीं है? वह एक अस्थिर कमीना है।"

लिलाह ने उसे घूरकर कहा, "वह ऐसा नहीं है। वह बहादुर है, सम्माननीय है, और जब से हम इन सुरंगों में आए हैं, उसने मेरी रक्षा की है।"

"क्या आपको यकीन है कि अगर वह लापरवाही से अंदर न घुसता तो आपको सुरक्षा की ज़रूरत पड़ती? आप शुरू में इस पहाड़ पर कैसे पहुँचे? क्या आपको सिर्फ़ उन जीवाश्मों का अध्ययन नहीं करना था?"

"मुझे जिज्ञासा थी। अगर मैं किसी पुरातात्विक स्थल की खोज होने पर उसका अन्वेषण करने का अवसर न लेता, तो मैं किस तरह का इतिहासकार होता?"

"पुरातत्व स्थल," सार्डेल ने चारों ओर देखते हुए मंद-मंद स्वर में कहा।

"जब तक हमारे इंजीनियर ने इसे सुरक्षित घोषित नहीं कर दिया, तब तक उसे आपको यहां नहीं लाना चाहिए था," रिज ने कहा।

लिला ने अपने जबड़े भींच लिए, इस बात से चिढ़कर कि उसने वैन के बारे में तुरंत ही सबसे बुरा सोच लिया।

"तुम जानते हो कि जब तुम किसी चीज को सुरक्षित समझते हुए मुझे बाहर रखने में कभी सफल नहीं होते," सार्डेल ने उसे धीरे से डांटा।

"हां, लेकिन तुम खास हो," रिज ने कहा।

और तुम्हारा चचेरा भाई नहीं है?

"उस तरह से नहीं, जैसे कि मेरे पास एक दमदार तलवार है और हम जादूगरों को कुत्ते की हड्डियों की तरह चबा जाते हैं।"

सार्डेल ने बहस को टालते हुए लीला की ओर इशारा किया। "मुझे अभी भी कई बातों को लेकर उलझन है, लेकिन कम से कम यह पहले से कहीं अधिक जानकारी है। इससे वह रहस्य सुलझ गया है जो जागने के बाद से मेरे लिए रहस्य बना हुआ था। इस पहेली को सुलझाने के लिए आपका धन्यवाद।"

"आपका स्वागत है।"

सरडेल की परिपक्वता और अपनी स्वयं की परिपक्वता की कमी को देखकर रिज थोड़ा आहत हुआ, लेकिन इतना भी नहीं कि वह वैन से माफी मांगने के लिए उसके पीछे जाए।

"मैं अब इस प्रयोगशाला को देखने जा रही हूँ," सरडेल ने कहा, मेजर थेरिक की हड्डियों के पास से गुजरते हुए वह भौंहें चढ़ाकर अंधेरे में चली गई।

"क्या आप चाहती हैं कि मैं आपके साथ चलूँ, महापुजारिन?" भ्रावा सरुत ने उन्हें पुकारा।

"शायद कुछ देर में," उसने पीछे मुड़े बिना कहा। उसके कंधों का झुकाव बता रहा था कि वह उस प्रयोगशाला को पाकर और उसमें छिपे रहस्यों को सुलझते देखकर शायद उतनी खुश न हो, जितनी लिलाह हुई थी।

"क्या किसी ने बताया कि खाना जल्द ही परोसा जाएगा?" काइका ने पूछा। "क्योंकि भेड़ियों को मारना बहुत मेहनत का काम है, और जब से मैं यहाँ आई हूँ, मुझे ठीक से खाना नहीं मिला है।"

"मैंने भी नहीं," बोसमोंट ने रूखेपन से कहा।

रिज चलकर इंजीनियर के पास गया और उसके कंधे पर थपथपाते हुए बोला, "हमें आपको किसी उष्णकटिबंधीय और सुखद जगह पर स्थानांतरित करना होगा, बॉस।"

"अगर आपके पास ऐसा करने की शक्ति है, महोदय, तो मैं आपके पैर के अंगूठे चूमूंगा। शायद और भी कुछ।"

"बॉस, आपको किसी महिला के साथ रहे हुए बहुत समय हो गया है।"

"ओह, मुझे पता है, श्रीमान। यहाँ काम करने वाले हर किसी को यह सौभाग्य नहीं मिलता कि कोई जादूगरनी सुरंगों से निकलकर उसकी बाहों में आ गिरे।"

रिज ने उस दिशा में मुस्कुराते हुए कहा जिधर सार्डेल गायब हो गई थी। "वह तुरंत मेरी बाहों में नहीं गिरी। ऐसा तब हुआ जब उसने स्नोशूज़ का इस्तेमाल करने की कोशिश की।"

"उस चिड़चिड़े इंसान ने मुझे उसका पैर ठीक नहीं करने दिया," भ्रावा सरुथ ने कहा, उसकी निगाह उस सुरंग की ओर थी जिसमें वन्न चुपके से ऊपर आया था। वह अजीब तरह से परेशान लग रहा था।

"उम्मीद है कि उन रखवाली करने वाले कुत्तों को रेबीज नहीं था," रिज ने कहा। "हमें नहीं चाहिए कि थेरिक चौकी में किसी को काटे।"

"वैसे भी, सामान्य से अधिक नहीं," बोसमोंट ने कहा।

"वह आमतौर पर केवल उन्हीं लोगों को काटता है जो इसके लायक होते हैं," काइका ने कहा।

"जब तक कि वे जादूगर न हों। या पायलट न हों।" रिज ने अपने एक कंधे को रगड़ा। वैन के

साथ हुई हाथापाई याद आ रही है? उसमें तो वह जीत ही नहीं सकता था।

“पायलट इसके हकदार हैं,” काइका ने कहा। “वे बहुत घमंडी हैं।”

"वास्तव में।"

लिलाह वैन का बचाव करना चाहती थी, लेकिन वह बातचीत पर मुश्किल से ही ध्यान दे रही थी, बल्कि बोसमोंट की इस टिप्पणी के बारे में सोच रही थी कि रिज के पास किसी की नियुक्ति को प्रभावित करने की क्षमता हो सकती है। क्या यह सच था? या कप्तान का कोरा सपना? शायद लिलाह रिज को मनाकर वैन को किसी बेहतर पद पर नियुक्त करवा सकती थी। वह पहले भी राजधानी में काम कर चुका था। शायद ऐसा दोबारा हो सकता था। और शायद वह खुद भी राजधानी में किसी पद के लिए आवेदन कर सकती थी। वहाँ दो विश्वविद्यालय थे जिनमें पुरातत्व विभाग थे।

“रिड्ज?” लिलाह ने अपनी ठुड्डी सहलाते हुए सोचा। “क्या मैं आपसे थोड़ी देर बात कर सकती हूँ? निकलने से पहले?”

“जा रहे हो? क्या इस रमणीय कब्रिस्तान को छोड़ने की जल्दी है? क्या तुमने सारे कंकाल देख लिए हैं? नीचे आते समय हमने तीन कंकाल देखे।”

लिलाह ने काइका, बोसमोंट और भ्रावा सरुत से कुछ कदम दूर खड़े होकर उसे अपने पास आने का इशारा किया। जब वह उसके बगल में रुका, तो उसके चेहरे पर हमेशा की तरह की बेपरवाही की जगह चिंता के भाव आ गए थे।

“क्या बात है?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा। “क्या तुम सच में ठीक हो? तुम कुछ बिखरे हुए से लग रहे हो। थेरिक ने कुछ किया तो नहीं, है ना? मुझे पता है वो बेवकूफ है, लेकिन मुझे लगा था —”

लिलाह ने हाथ उठाकर उसे रोक दिया। "वह बेवकूफ नहीं है।"

संदेह भरी निगाहें उठीं। "नहीं?"

“जैसा कि मैंने कहा, उसने मुझे जादुई भेड़ियों के झुंड से बचाया, ऐसे भेड़िये जिन पर मेरी गोलियों का कोई असर नहीं हुआ।” लिलाह ने अपनी राइफल की ओर देखा, उसे याद आया कि यह उसकी अपनी नहीं थी। वैन ने उसे राइफल दी थी और तलवार अपने पास रख ली थी। “अगर वह न होता तो मैं मर चुकी होती।”

“लिलाह,” रिज ने कहा, “क्या तुम मुझसे कह रही हो कि मुझे उसके साथ अच्छा व्यवहार करना होगा?” उसकी झुंझलाहट बहुत विश्वसनीय नहीं लग रही थी, खासकर उसकी आंखों के कोनों पर पड़ रही सिकुड़न को देखकर।

“ज़रूरी नहीं। मुझे लगता है कि उसे आपको दुश्मन के रूप में रखना पसंद है। लेकिन मैं सोच रहा था कि क्या आप उसका तबादला करवा सकते हैं? शायद राजधानी में। यह ड्यूटी स्टेशन उसे रास नहीं आता।”

“राजधानी? जहाँ मुझे उससे मिलना होगा और उससे बातचीत करनी होगी?” इस बार उसकी झुंझलाहट कम बनावटी थी।

"हां, मैं वहां के विश्वविद्यालय में एक पद के लिए आवेदन करने के बारे में सोच रहा हूं।"

“यह बहुत बढ़िया है। हमें आपको अपने आस-पास पाकर बहुत खुशी होगी, लेकिन इसका थेरिक से क्या लेना-देना है?”

"अगर हम एक ही शहर में हों तो मेरे लिए उसके साथ सेक्स करना आसान होगा।"

“मैं—क्या?” ये शब्द कर्कश और तेज़ आवाज़ में निकले, और काइका, बोसमोंट और भ्रावा सरुथ तीनों ने उनकी ओर देखा। रिज ने एक चट्टान की ओर अपना हाथ बढ़ाया, मानो उसे सहारे की ज़रूरत हो। वह लगभग चट्टान से चूक गया और उसी पर गिर पड़ा।

शायद लिलाह को अपनी बात को और सावधानी से बताना चाहिए था, लेकिन उसे नहीं पता था कि वैन के साथ यहाँ उसके पास कितना समय बचा है। क्या होता अगर रिज और सार्डेल उसे लेने आ जाते और वापस ले जाते? उसने अभी जीवाश्मों का अध्ययन शुरू ही किया था। उसने वैन के साथ भी अभी शुरुआत ही की थी।

“रिज?” लिलाह ने थोड़ी अधीरता दिखाते हुए उसका कंधा हिलाया। “झुकने की शक्ति? क्या तुममें वह शक्ति है?”

“मैं ठीक-ठाक हूँ।” उसने अपना हाथ चेहरे पर फेरा। “तुम्हें सार्डेल से दोस्ती कर लेनी चाहिए और उससे पूछना चाहिए। राजा उसे मुझसे ज़्यादा पसंद करते हैं। अरे, काइका से क्यों नहीं पूछते? राजा उसे मुझसे कहीं ज़्यादा पसंद करते हैं।”

“काइका?” लिलाह ने भ्रावा सरुथ से बातचीत में मशगूल उस लंबी महिला की ओर देखा। उसके हाव-भाव से लग रहा था कि वह किसी धमाके का वर्णन कर रही थी। या शायद बिस्तर पर किए जाने वाले किसी दिलचस्प करतब के बारे में।

“काइका,” रिज ने दृढ़ता से कहा।

“मुझे नहीं लगता कि मैं उससे वैन की ओर से हस्तक्षेप करने के लिए कह सकती हूँ। शायद मैं खुद राजा को एक पत्र लिखूँगी।” एक पत्र या लेख, जिसमें यह बताया गया हो कि वैन के लिए कोई दूसरा कार्य सौंपना बेहतर क्यों होगा। वह इसमें हाल ही में प्रकाशित मनोवैज्ञानिक शोध पत्रों के संदर्भों के साथ फुटनोट भी शामिल कर सकती है, जो वैन पर लागू हो सकते हैं, जिससे एक ठोस तर्क प्रस्तुत हो सके।

“अच्छा। ऐसा करो,” रिज ने कहा, उसकी आवाज़ अभी भी थोड़ी हैरान थी। उसने चट्टान को धक्का दिया और उस दिशा में चल पड़ा जिधर सार्डेल गया था, उसके पैर थोड़े लड़खड़ा रहे थे। उसे शायद इस बात का एहसास नहीं था कि उसके पास रोशनी नहीं है।

"वह इससे उबर जाएगा," लिलाह ने अपनी राइफल कंधे पर रखते हुए कहा और वैन को ढूंढने के लिए चल पड़ी।

• • • • •

वैन चट्टान के किनारे पर पैर लटकाकर बैठा था और नीचे पेड़ों और पगडंडी को देख रहा था। उसके बगल में चट्टानों पर कसंद्रल तलवार म्यान में रखी थी, और उसके ऊपर वह अभिशाप भरी डायरी थी। उसने योजना बनाई थी कि जब सार्डेल का काम पूरा हो जाएगा, तो वह उस डायरी को मोलिसाक परिवार को सौंप देगा, क्योंकि यही नैतिक कर्तव्य था, लेकिन अगर सौंपने से पहले ही उसमें आग लग जाए तो उसे कोई आपत्ति नहीं होगी।

उसके पीछे की संकरी सुरंग से हल्की खरोंच और धमक की आवाजें आ रही थीं।

“मुझे नहीं लगा था कि तुम यहाँ से दोबारा निकलोगे,” वैन ने पीछे मुड़े बिना धीरे से कहा। वह जानता था कि कौन है। कोई और उसे ढूंढने की जहमत नहीं उठाएगा।

"यह घुटन भरा है, लेकिन मुझे लगा था कि तुम यहीं हो, और तुमने मुझे अंधेरी और तंग जगहों के डर से ध्यान भटकाने में अपनी कुशलता साबित कर दी है।"

“तुम्हें कैसे पता चला कि मैं यहाँ हूँगी?” वैन ने लिलाह को हाथ बढ़ाया और तलवार को इस तरह रखा कि वह उसके बगल में बैठ सके।

“काइका और बोसमोंट शिविर वापस चले गए, रिज और सार्डेल प्रयोगशाला गए, और मुझे लगता है कि ड्रैगन भी उनके साथ गया। मैंने सोचा कि तुम अकेले रहना चाहोगे।” अंधेरा था, इसलिए वह उसका चेहरा नहीं देख सका, लेकिन उसने महसूस किया कि वह उसे देख रही है, मानो चुपचाप पूछ रही हो कि क्या वह पूरी तरह से अकेला रहना पसंद करेगा। “क्या तुम?” उसने पूछा।

उसने अपना हाथ उसकी जांघ पर रख दिया, उसे खुशी थी कि वह उसे ढूंढने आई थी, हालांकि वह यह नहीं समझ पा रहा था कि उसने ऐसा करने की जहमत क्यों उठाई।

“मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय अकेले ही बिताया है। अब इसमें कोई आकर्षण नहीं रह गया है।”

“अच्छा।” लिलाह ने अपना हाथ उसके हाथ पर रखा और अपनी उंगलियाँ उसकी उंगलियों के बीच फंसा लीं। “कैसा महसूस कर रहे हो?”

"अनुभव करना?"

"तुम उस शब्द का अर्थ तो भूल ही नहीं गए, है ना?"

वैन रात के अंधेरे में बाहर देख रहा था, उसे याद आ रहा था कि कैसे वह उसके साथ आग के पास बैठा था और अपने अतीत के बारे में बातें कर रहा था। क्या यह एक दिन पहले की बात थी? दो दिन पहले की? सुरंगों में उसे समय का पता ही नहीं चल रहा था।

"मुझे सख्त रहने की आदत है, लिलाह।"

“मुश्किल? क्या यह बातचीत मेरी कल्पना से अलग तरह की होने वाली है? क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि अगली बार जब हम इस बारे में बात करेंगे तो हमें एक बिस्तर मिल जाएगा।”

उसने नाक सिकोड़ी। “मुझे नहीं पता कि मैं इसके अलावा कुछ और कैसे हो सकता हूँ। जब आप लोगों को मारकर अपना जीवन यापन करते हैं, तो आत्मनिरीक्षण करना बुद्धिमानी नहीं है। लेकिन जब कोई आपको आईना दिखाता है, और उसमें जो छवि दिखती है वह आपकी सोच से बिल्कुल अलग होती है, तो उसे न देखना मुश्किल होता है।”

“मेजर थेरिक समय के पार आपका जुड़वा भाई या दर्पण में आपका प्रतिबिंब नहीं है। उसने जो किया उसका आज आप जो व्यक्ति हैं उससे कोई लेना-देना नहीं है।”

“नहीं? ऐसा लगता है कि हम दोनों में बहुत सी समानताएँ थीं...”

“पूर्वाग्रह?”

“दृष्टिकोण।”

"हो सकता है कि जीवन में किसी समय उसका किसी जादूगर से भी सामना हुआ हो, जिससे

उसे चोटें आई हों।"

मुझे कोई चोट नहीं आई है।

"प्लीज़, वैन। तुम घावों के ऊतकों का एक विशाल, सूजा हुआ, क्रोधित गुच्छा हो।"

“क्या तुम अपने सभी प्रेमियों से ऐसी बातें कहती हो?” उसने पूछा।

"हाल ही में मेरा कोई प्रेमी नहीं रहा है।"

"विषम।"

उसने उसे धक्का दिया। वह इसके लायक ही था।

“बात यह है कि तुम वह नहीं हो,” लिलाह ने कहा, “और तुमने वो गलतियाँ नहीं कीं जो उसने कीं। तुमने अपने विचारों को अपने कार्यों पर हावी नहीं होने देने का फैसला किया है। तुम कभी भी उस व्यक्ति को धोखा नहीं दोगी जिसने तुम पर भरोसा किया हो।”

"आप मुझे सिर्फ तीन दिन से जानते हुए भी काफी आश्वस्त लग रहे हैं।"

"क्योंकि मुझे तुम पर भरोसा है, और तुमने उन तीन दिनों के दौरान कभी मेरा विश्वासघात नहीं किया।"

वैन ने निगलने की कोशिश की, लेकिन उसके गले में एक गांठ सी बन गई थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे। उसे इस बात की आदत नहीं थी कि लोग उस पर भरोसा करें, या उसकी परवाह करते हुए उससे मिलने आएं और उसे तसल्ली देने की कोशिश करें।

“शायद समय के साथ, आप अपने गुस्से को कुछ हद तक कम कर सकें और ज़्यादा आराम करना सीख सकें।” लिलाह ने उसका हाथ फिर से पकड़ लिया। “खासकर अगर कोई आपके कान में प्यार भरी बातें फुसफुसाए और कभी-कभी आपको मालिश करे।”

“मेरी विनम्रता के बदले तुमने मुझे मालिश देने का वादा नहीं किया था,” उसने कहा और उसकी कमर में हाथ डालकर उसे अपनी गोद में खींच लिया। उसकी शरारतों और उसके वादे के बावजूद, अब उसका मन उसे कुछ देने का कर रहा था। वह सोच रहा था कि क्या शिविर में उसकी ये बातें सुनाई देंगी। वह मुस्कुराया, उसे याद आया कि उस कोने में एक-दूसरे का साथ बिताते समय वह उसकी उम्मीद से कहीं ज़्यादा खुलकर पेश आई थी।

"वैन, क्या तुम लालची प्रेमी बनने वाले हो?" उसने चिढ़ाते हुए अपना हाथ उसकी छाती से ऊपर उसके कंधे तक सरका दिया।

“बेहद लालची। एक कठोर व्यक्ति से आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं?”

"अन्य बातों के अलावा, भयंकर दोहरे अर्थ वाले वाक्य।"

"आपने इसे शुरू कर दिया।"

“नहीं किया।”

बातचीत और भी हास्यास्पद होने से पहले ही उसने उसे चूम लिया। उसके हाथों के स्पर्श से उत्साहित होकर, उसने अपने हाथ ऊपर की ओर बढ़ाए, कमीज़ के ऊपर से उसे सहलाते हुए, उसके सुंदर उभारों को अपने स्पर्श में समेट लिया। उसने तय किया कि उसे इस बात की परवाह नहीं है कि शिविर में कोई आवाज़ सुनाई दे।

नमस्कार, मनुष्यों! एक चंचल आवाज उसके दिमाग में गूंजी।

वैन कराह उठा। लिलाह हांफते हुए पीछे हट गई और चारों ओर देखने लगी।

“मुझे शक है कि वह आस-पास कहीं होगा।” उसने अपना हाथ उसके सिर के पिछले हिस्से पर रखा, उसके होंठों को अपने होंठों से मिलाने की कोशिश करते हुए। लेकिन इससे पहले कि वह इस प्रयास में सफल हो पाता, उसकी तलवार में अचानक आग लग गई, और म्यान में होने के बावजूद उसकी हरी चमक दिखाई दे रही थी।

"क्या-"

पंखों की फड़फड़ाहट सुनाई दी और हवा के झोंके से वैन के बाल लहराने लगे।

भ्राव सरुत, अपने विशाल, सुनहरे शल्कों वाले रूप में, प्रकट हुआ। उसके पंजे चट्टान के किनारे उभरे एक पत्थर पर जकड़ गए, और वैन ने बड़ी मुश्किल से खुद को चीखने और सुरंग में वापस रेंगने से रोका। तर्कसंगत रूप से, वह जानता था कि अजगर उसके साथ मित्रतापूर्ण संबंध रखता है—या कम से कम उसे जलाकर राख करने की कोई योजना नहीं रखता—लेकिन उस विशालकाय जानवर की उपस्थिति ऐसी थी कि कोई भी व्यक्ति अपने शारीरिक कार्यों पर नियंत्रण खो सकता था।

सौभाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। समझाना मुश्किल होता, खासकर जब लिलाह उसकी गोद में थी। वैसे भी, उसे इसका एहसास नहीं होता। वह भ्रावा सरुत को पीछे मुड़कर देख रही थी और वन्न को पहले से कहीं ज़्यादा कसकर पकड़े हुए थी। वन्न ने उसे सुरक्षात्मक ढंग से अपनी बाहों में भर लिया।

“तुम्हें क्या चाहिए, ड्रैगन?” उसने पूछा, मानो उसे उम्मीद थी कि सरदेले उसकी पीठ पर सवार होगी। लेकिन भ्रावा सरुत अकेले ही आया था। या शायद उसे अकेले ही भेजा गया था।

मुझे लगता है आपने डिनर का जिक्र किया था, भ्रावा सरुथ ने मन ही मन कहा।

“हम वो नहीं हैं, है ना?” लिलाह ने पूछा।

"मुझे ऐसा नहीं लगता," वैन ने कहा।

मेरी मुख्य पुजारिन ने सुझाव दिया है कि अगर मैं तुम दोनों को किले तक वापस छोड़ दूं तो खाना जल्दी हो सकता है। क्या खाने में भेड़ें होंगी? और आम के टार्ट? मुझे टार्ट बहुत पसंद हैं।

“किसे पसंद नहीं?” लिलाह ने धीरे से कहा।

“जब तक आपके दोस्त, जनरल, टार्ट्स न लाए हों, तब तक आपको वे भोजन कक्ष की अलमारियों में नहीं मिलेंगे। शायद कहीं सूखे हुए भेड़ के मांस का एक डिब्बा मिल जाए।”

"ईव, वैन।"

"सामान पहुंचाने वाला जहाज हमें बिल्कुल भी आराम नहीं देता।"

वैन ने आह भरी और लिलाह को अपनी गोद से उठा लिया। वह इतना नाराज़ नहीं हो सकता था, क्योंकि अजगर उन्हें सवारी की पेशकश कर रहा था, और उसके बिना उनके पास उस रास्ते के उस अंतराल को पार करने का कोई रास्ता नहीं था। फिर भी, उसे इस बात का अफसोस था कि लिलाह के साथ उसने जो शुरू किया था उसे फिर से शुरू करने के लिए उसे कई घंटे इंतजार करना पड़ेगा। आखिर यह डिनर किसका विचार था? उसने लिलाह की ओर देखते हुए माथे पर शिकन डाली।

उसने अपने दोनों हाथ उसके चेहरे के दोनों ओर रखे और उसे चूमा।

भ्रावा सरुथ ने कहा, "सूखे हुए टुकड़े बेस्वाद लगते हैं। शायद मैं एक ताज़ी भेड़ का शिकार करने जाऊँगा। मेरी पीठ पर चढ़ जाओ। मैं तुम्हें अच्छे मांस की तलाश में अपने साथ चलने दूँगा।"

"क्या हमें घबराना चाहिए या सम्मानित महसूस करना चाहिए?" लिलाह ने अजगर के और करीब जाते हुए पूछा।

"मुझे यकीन है कि दोनों में से एक की संभावना अधिक है।"

“टाइम ट्रेक के नायकों को ड्रैगन की सवारी करने का मौका मिलता है। मेरे लिए यह एक सम्मान की बात होगी।”

वैन ने हवाई यात्रा के दौरान बीमार पड़ने की अपनी प्रवृत्ति का जिक्र न करने का फैसला किया।

उपसंहार

दरवाजे पर दस्तक हुई और वैन ने आह भरी। वह पहाड़ों में शाम होने से पहले कुछ देर व्यायाम करने के लिए निकलने ही वाला था, लेकिन अब अगले तीन घंटे उसे किसी नई आपात स्थिति से निपटने में ही बिताने पड़ेंगे।

“क्या?” उसने पूछा।

लेफ्टिनेंट क्राडेन ने दरवाजे से अपना सिर अंदर डाला, अपने शरीर को और आगे बढ़ाने से पहले वह थोड़ा हिचकिचाया। "हमने जहाज से मिले सामान की छँटाई पूरी कर ली है, सर।"

“और?” वैन ने खुद को तैयार किया, उसे एक और कमी या किसी छोटी-मोटी आपदा की आशंका थी।

“आपके लिए एक पत्र आया है, महोदय।”

“मेल?”

“जी हाँ, महोदय। इसकी खुशबू अच्छी है।” क्रैडेन थोड़ा और आगे झुका और भूरे कागज में लिपटा और चमकीले बैंगनी रिबन से बंधा एक डिब्बा ऊपर उठाया।

"क्या तुमने मेरी चिट्ठियों की गंध सूंघी?" वैन ने नाराज़गी से ज़्यादा हैरानी जताते हुए पूछा।

उस डिब्बे और रिबन को देखकर उसके मन में उत्सुकता जाग उठी। क्या यह लिलाह की तरफ से था? भला उसे कौन तो तोहफ़ा भेज सकता था? उसे विश्वविद्यालय वापस गए तीन सप्ताह से ज़्यादा हो गए थे, और वह उसकी कमी बहुत खल रहा था।

ड्रैगन के जीवाश्मों की सूची बनाने और रेफेरातु कलाकृतियों पर शोध करने में उसने जो दो सप्ताह बिताए थे, उस दौरान उन्हें एक-दूसरे को बेहतर ढंग से जानने का समय मिला था—व्यक्तिगत रूप से भी और अन्य तरीकों से भी। वह उसके जीवाश्म विज्ञानी वाले चुटकुलों को बेहतर ढंग से समझने लगा था और जब भी वह कोई हास्यपूर्ण जवाब देता, उसे मुस्कुराहट भरी मुस्कान मिलती थी। उसने इस विषय पर कुछ किताबें खोजने की योजना बनाई ताकि वह और भी आत्मविश्वास से हास्यपूर्ण बातें कर सके। उसे लगता था कि वह बुद्धिमान है। वह उसे यह भ्रम तोड़ना नहीं चाहता था। पिछले कुछ सप्ताह उसके बिना अकेलेपन भरे रहे थे; यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ प्रयास करना सार्थक होगा कि जब वह इस घृणित ड्यूटी स्टेशन से मुक्त हो, तो वह उससे दोबारा मिलना चाहे।

“जानबूझकर नहीं, महोदय।” क्राडेन ने जोखिम उठाते हुए जल्दी से अंदर जाकर डिब्बा मेज पर रख दिया। “इसमें से खुशबू आ रही है। शायद किसी ने आपको फूल भेजे हों।”

“अंधेरे बक्से में बंद, हाँ, मुझे यकीन है।” वैन ने लेफ्टिनेंट को जाने का इशारा किया। वह नहीं चाहता था कि जब वह अपना मेल खोले तो कोई गवाह हो। “घर जाओ, क्राडेन।”

"घर, महोदय? मेरे कमरे में? कार्यदिवस समाप्त होने में अभी भी आधा घंटा बाकी है।"

“हाँ, मैं तुम्हें जल्दी जाने दे रहा हूँ। मेरी उदारता के बारे में दूसरे सैनिकों को गा कर सुना देना, ठीक है?”

लेफ्टिनेंट के चेहरे पर दिख रहे असमंजस भरे भावों को देखकर लग रहा था कि आज रात

भोजनालय में गाने नहीं होंगे। क्राडेन ने सिर हिलाकर "धन्यवाद, महोदय" कहा और फिर गायब हो गया।

जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, वैन ने डिब्बा उठाया और रिबन खोलने से पहले उत्सुकता से उसे सूंघा। लैवेंडर। यह इतनी ठंडी ऊंचाई पर नहीं उगता था, और राजधानी के बारे में सोचते ही उसे उदासी छा गई। क्या लिलाह ने वहाँ के किसी विश्वविद्यालय में स्थानांतरण के लिए आवेदन किया था? उसने कहा था कि वह करेगी, लेकिन कौन जानता है कि अपनी सामान्य दुनिया में लौटने के बाद उसने क्या फैसला किया होगा। शायद उसे एहसास हो गया हो कि एक ऐसे सैनिक के लिए अपना जीवन बदलने के बारे में सोचना उसकी मूर्खता थी जिसे भविष्य के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

"पता लगाने का एक ही तरीका है," उसने रिबन खोलते हुए बुदबुदाया।

जैसे ही उसने पैकेज खोला, उसने याद करने की कोशिश की कि आखिरी बार किसी ने उसे कुछ कब भेजा था। कुछ साल पहले, उसके भाई की पत्नी ने उसे पारिवारिक ज़मीन पर उगाई गई ब्लूबेरी से बना जैम भेजा था। उसने वह मीठा खाने के शौकीन एक लेफ्टिनेंट को दे दिया था।

वैन ने डिब्बे में झाँका, इस उम्मीद में कि उसे जैम से ज़्यादा कुछ दिलचस्प मिलेगा। उसने एक टिन निकाला जो लैवेंडर की खुशबू का स्रोत प्रतीत हो रहा था। उस पर एक चाय की छलनी और एक नोट रिबन से बंधे लटक रहे थे। टिन को संदेह भरी नज़रों से देखने के बाद, उसने नोट खोला।

वैन, मैंने सार्डेल के साथ दोपहर का भोजन किया और बताया कि मैं तुम्हारे लिए एक उपहार तैयार कर रही हूँ। उसने तुम्हें किसी प्रकार की आराम देने वाली चाय भेजने पर ज़ोर दिया। मुझे बताया गया है कि इसे एक ड्रैगन ने आशीर्वाद दिया है और यह तुम्हारी मांसपेशियों के तनाव को कम करेगी। हो सकता है कि सार्डेल और उसका ड्रैगन तुम्हें नशे में धुत करना चाहते हों, लेकिन ऐसा लग रहा था कि वह तुम्हारी ज़िंदगी को और सुखद बनाना चाहती है। हालाँकि, अगर तुम इसे डेस्क की दराज में रख दो तो मुझे बुरा नहीं लगेगा। हम दोनों जानते हैं कि तुम्हारी मांसपेशियों को आराम देने का सबसे अच्छा तरीका क्या है।

सचमुच। साथ में की गई मालिशों की याद करके वह शरारती मुस्कान के साथ मुस्कुराया, जिनसे और भी कई बातें हुई थीं, और चाय को एक तरफ रख दिया।

उसने डिब्बे में और झाँका तो उसे बटर क्रैकर्स का एक टिन, पनीर का एक पहिया, नमक से संरक्षित बेकन और तीन तरह के खास मीट जर्की मिले। नीचे तीन किताबें रखी थीं, टाइम ट्रेक श्रृंखला के पहले तीन उपन्यास। पहली किताब के अंदर एक और नोट चिपका हुआ था। उसे इन उपहारों और संदेशों को पाकर बहुत खुशी हुई। मानो वह फिर से एक बच्चा बन गया हो और जन्मदिन के उपहार पा रहा हो।

वैन, अगर तुम इन्हें बिना पढ़े ही डेस्क की दराज में रख दोगे तो मुझे थोड़ा ज़्यादा बुरा लगेगा। कम से कम पहली किताब पर एक नज़र तो डाल लो और मुझे कहानी के बारे में अपनी राय बता दो। किरदार तो अच्छे हैं, लेकिन मैं तुम्हारे साथ ऐतिहासिक और वैज्ञानिक गलतियों पर चर्चा करना चाहूँगा। तुम्हें इसमें बिफोर डोमिनियन क्रॉसबो के बारे में कई गलतियाँ मिलेंगी! अगर ये उपन्यास तुम्हें पसंद नहीं आए, तो मैंने कुछ हाल ही में प्रकाशित किताबें भी शामिल की हैं जो शायद तुम्हें

ज़्यादा अच्छी लगें।

उसने डिब्बे के नीचे से दो पत्रिकाएँ निकालीं, टैक्टिकल बो एंड ब्लेड और मिलिट्री हिस्ट्री एक्सप्लोर्ड के सबसे नए अंक। हाँ, उसे इन्हें पढ़कर अच्छा लगेगा। इनमें लैवेंडर की खुशबू आ रही थी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। वह इन किताबों को पढ़ेगा, कम से कम उस कमांडर असिलोन से मिलने के लिए, जिससे वह कभी-कभी उसकी तुलना करती थी। और उसकी गलतियों की बात उसे एक चुनौती जैसी लगी। वह एक सूची बनाएगा।

वैन ने कुछ मुड़े हुए कागज़ों के नीचे दो लिफाफे देखे और उनमें से एक कार्ड निकाला जिस पर लिलाह की तस्वीर थी। वह कुर्सी पर पैर मोड़कर बैठी थी, उसके चेहरे पर एक शर्मीली—शायद थोड़ी झिझक—मुस्कान थी, शायद इसलिए क्योंकि उसकी स्कर्ट इस तरह से पहनी हुई थी कि उसके पैर काफी हद तक दिख रहे थे, और उसका ब्लाउज़ इतना नीचे तक था कि वैन की कल्पनाओं को और हवा दे रहा था। उसने गहरी सांस ली, और तुरंत देखा कि उसने वह वादा वाला हार नहीं पहना था जिसके कारण उसने पहले सोचा था कि वह अभी भी शादीशुदा है। उसने कुछ देर पलकें झपकाईं, और उस अनकहे इशारे के महत्व को देखकर वह खुद हैरान रह गया।

कार्ड के अंदर उसके लिए एक लंबा संदेश इंतजार कर रहा था।

वैन, मुझे इसके लिए पोज़ देते हुए बेहद अजीब और ठंड लग रही थी, लेकिन एक रिश्तेदार ने वादा किया कि ऊपर स्वर्ग में एक आदमी को अकेलापन महसूस होता है और वह अपनी प्रेमिका की कोई यादगार चीज़ रखना चाहेगा।

उसकी प्रेमिका। जी हाँ, वह थी। उसे संतुष्टि से सीना गर्व से फूल गया। आखिरकार, उसने अपने सामान्य जीवन में लौटने और उसे भूलने का फैसला नहीं किया था।

मैं आपसे यह नहीं कहूंगा कि आप इसे डेस्क की दराज में न ठूंसें।

बिलकुल नहीं। वह तस्वीर को तकिए के नीचे रखकर सोता था।

मुझे उम्मीद है कि आपको ये छोटी-छोटी बातें पसंद आएंगी, लेकिन मेरे लिखने का मुख्य कारण यह है कि मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि मैं अगले महीने राजधानी जा रहा हूँ, ताकि बंदरगाह के पास स्थित छोटे लेकिन अत्यंत प्रतिष्ठित एरेनहर्स्ट विज्ञान और गणित महाविद्यालय में अपने नए शोध पद की तैयारी कर सकूँ। मैं आपको यह समयबद्ध आवेदन पत्र भी भेजना चाहता था। आपके वरिष्ठ अधिकारियों को आपका तबादला करवाने में मुझे ज़्यादा सफलता नहीं मिली है, लेकिन मुझे पता चला है कि राजा एंगुलस आपको एक सक्षम सैनिक मानते हैं। अगर आप रुचि रखते हैं तो यह जानकारी आपके काम आ सकती है। यह आवेदन पत्र एक ऐसे पद के लिए है जो जल्द ही रिक्त होने वाला है और जिसे आप किसी चौकी की कमान संभालने या अपनी सैन्य अकादमी में युवा प्रशिक्षुओं को पढ़ाने के विकल्प के रूप में पसंद कर सकते हैं।

नौकरी के लिए आवेदन? वैन ने शब्दों को ध्यान से देखा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कहीं उसे कोई गलतफहमी तो नहीं हुई, उसने उन्हें दोबारा पढ़ा। उसने दूसरे लिफाफे को देखा। क्या वह सोच रही थी कि वह अपनी नौकरी छोड़कर राजधानी में किसी आइसक्रीम पार्लर का प्रबंधन करने चला जाएगा? वह उसके साथ वहाँ जाना तो चाहता था, लेकिन वह सेना छोड़ने की कल्पना भी नहीं कर सकता था, जब तक कि उसे कोई बेहतर नौकरी न मिल जाए। उसके लिए इससे बेहतर और

क्या हो सकता था?

राजा अंगुलस अपने निजी अंगरक्षकों के लिए एक नए कप्तान की तलाश में हैं, ऐसे व्यक्ति की जिसके पास उनके मौजूदा सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए आवश्यक अनुभव हो ताकि वे राजा और उनके प्रियजनों की और भी बेहतर सुरक्षा कर सकें। ऐसा लगता है कि कई लोग आवेदन करेंगे, लेकिन आपके अनुभव को देखते हुए, मुझे लगता है कि आप अधिकांश लोगों की तुलना में अधिक उपयुक्त उम्मीदवार हो सकते हैं। मुझे पता है कि अंगरक्षक दल सेना से अलग है, इसलिए आपको किसी भी अति-व्यंग्यपूर्ण सेनापति को सलाम करने की आवश्यकता नहीं होगी। आप महल में आने पर उन सेनापतियों की तलाशी भी ले सकते हैं। मुझे लगता है कि यह पद आपको पसंद आएगा, क्योंकि इससे आपको राजधानी में रहने और राजा के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा, लेकिन यदि आपको यह पसंद नहीं है तो कृपया इसे अनदेखा कर दें।

मुझे तुम्हारी याद आती है और उम्मीद है कि जल्द ही तुमसे जवाब मिलेगा।

प्यार सहित, लिलाह।

प्यार? उन्होंने एक साथ भविष्य की संभावनाओं के बारे में बात की थी, लेकिन उन्होंने इतने भावुक शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया था। उसे खुद भी नहीं पता था कि वह प्यार के शब्दों में बात कर सकता है या नहीं। लेकिन उसके मुंह से ये शब्द निकलते हुए सोचना... उसके दिल को सुकून देता था। बाकी सब कुछ भी। यहां तक कि वो संदिग्ध चाय भी। किसी का ख्याल रखना अच्छा लगता था।

"गार्ड का कप्तान?" वैन ने सोच-समझकर दूसरे लिफाफे से आवेदन पत्र निकाला।

उसने कभी सेना छोड़कर निजी सुरक्षाकर्मी बनने के बारे में नहीं सोचा था, क्योंकि उसे लगता था कि यह एक अधिकारी होने से कमतर पद होगा। लेकिन राजा की सेवा करना उतना ही प्रतिष्ठित होगा जितना कि एक सैनिक होना। इससे वह राजधानी में ही रह सकेगा, जहाँ वह लिलाह से हर समय मिल सकेगा। शायद उसका काम का शेड्यूल भी तय हो और काम के घंटे भी नियमित हों। एक नया विचार। महल में काम करना शायद दुश्मन देशों में मिशन पर जाने जितना रोमांचक न हो, लेकिन चूंकि इस्कांडिया और कोफारे तकनीकी रूप से अभी युद्ध में नहीं हैं, इसलिए शायद भविष्य में कोई और मिशन न मिले। वैसे भी, कर्नलों को गुप्त मिशन पर कितनी बार भेजा जाता है? अगर वह एक सैनिक के रूप में राजधानी लौटने का अनुरोध करता है, तो शायद उसे वापस अकादमी में पढ़ाना ही पड़ेगा।

लिलाह की कोई और तस्वीर छूट न जाए, यह सुनिश्चित करने के बाद, वैन अपनी डेस्क पर कुर्सी पर बैठ गया और कुछ कागज़ निकाले। उसने लिलाह की तस्वीर को बॉक्स के सहारे टिका दिया, ताकि आवेदन भरते समय वह उसे देख सके। शायद वह उसे राजा को नाराज़ करने वाली कोई बात कहने से रोक सके।

***** समाप्त *****

sjeet

अंतभाषण

शैटर्ड पास्ट को पढ़ने और इस रोमांचक सफर में साथ आने के लिए धन्यवाद। अगर यह इस दुनिया से आपका पहला परिचय है और आप आगे पढ़ना चाहते हैं, तो मैं आपको बैलेंस्ड ऑन द ब्लेड्स एज से शुरू करने की सलाह देता हूँ, जहाँ हम पहली बार रिज और सार्डेल से मिलते हैं। अगर आपने पूरी सीरीज़ पढ़ ली है, तो मेरी वेबसाइट या फेसबुक पेज पर आकर मुझे बताएँ कि आप आगे क्या पढ़ना चाहते हैं। आप मेरे न्यूज़लेटर के लिए भी साइन अप कर सकते हैं ताकि नई किताबें उपलब्ध होने पर आपको सूचना मिल जाए।

अंत में, यदि आपके पास समय हो, तो कृपया Shattered Past उपन्यास की समीक्षा अवश्य लिखें, जहाँ से आपने इसे खरीदा था। समीक्षाएँ लेखकों को किताबें बेचने में बहुत मदद करती हैं, इसलिए हम निश्चित रूप से आपकी सराहना करते हैं। धन्यवाद!